राष्ट्रीय संस्करण
CopyRight - Jagran.com

ब्रिटेन और यूरोपीय यूनियन के अलगाव का मसौदा तैयार
>> 13

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 130

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, शुक्रवार, 18 अक्टूबर 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 16

चिड़ियाघर में एक बार फिर शेर के बाड़े में कूदा युवक

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

चिड़ियाघर कर्मियों ने बचाई युवक की जान, मानसिक रूप से विक्षिप्त बताया जा रहा है युवक

दिल्ली के चिड़ियाघर में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसा होते बचा। शेर के बाड़े में एक युवक कूद गया, लेकिन कर्मचारियों की तत्परता व बहादुरी से उसे सकुशल बाहर निकाल लिया गया। युवक की पहचान रेहान (28) के रूप में हुई है। वह मानसिक रूप से कमजोर बताया जा रहा है।

मूल रूप से बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के रेहान पठान पट्टी का रहने वाला रेहान पिछले तीन दिनों से गौतम विहार में अपने मामा के घर पर रह रहा था। गुरुवार को चिड़ियाघर घूमने के दौरान वह दोपहर करीब 12.00 बजे सुंदरम नामक शेर के बाड़े के पास गया और साढ़े तीन फुट ऊंची रेलिंग और दीवार को लांघकर बाड़े में 20 फुट गहरी खाई में कूद गया। उसके पीछे गार्ड भी पहुंचा। उसने तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को घटना की सूचना दी।

शेर के सामने पहुंचकर करने लगा मस्ती : बाड़े में पानी से भरी खाई में कूदने के बाद रेहान शेर के सामने पहुंच गया। शेर के पास आने पर वह आराम से बैठ गया और उसे देखने लगा। शेर ने युवक को सूंघने और उस पर पंजा रखने की कोशिश की। इसी बीच चिड़ियाघर प्रशासन के अफसरों और मेडिकल टीम ने बाड़े में पहुंचकर शेर का ध्यान भटका दिया। मेडिकल टीम ने शेर को ट्रेंकुलाइज्ड (गन से दी जाने वाली बेहोशी की दवा) किया और मौका पाकर चिड़ियाघर के सुरक्षाकर्मी सीढ़ी से बाड़े में उतरे और युवक को पकड़कर बाहर ले आए।

एक हफ्ते पहले बिहार से आया था : रेहान के मामा शम्स खान ने बताया कि एक हफ्ते पहले वह बिहार से दिल्ली आया था और तीन दिन से उनके यहां रुका हुआ था। कुछ वर्ष पहले उसके पिता नबी हसन की मौत हो गई थी। उसके परिवार में मां सैयदा खातून और दो बड़े भाई हैं। एक भाई सऊदी अरब में नौकरी करते हैं। रेहान बचपन से मानसिक रूप से कमजोर है और बिना बताए कहीं भी चला जाता है। दिल्ली में उसके कई रिश्तेदार रहते हैं, वह किसी के घर जाकर रुक जाता है।

पहले भी हो चुकी है इस तरह की घटना

दिल्ली के चिड़ियाघर में यह पहला मामला नहीं है जब कोई युवक शेर के बाड़े में पहुंचा है। करीब डेढ़ माह पहले इसी बाड़े में एक युवक शेर का निवाला बनने पहुंचा था। वह बाड़े की दीवार पर लटक गया था, जिसे वहां मौजूद गार्ड ने पकड़ लिया था। 2014 में विजय नाम के बाघ के बाड़े में मकसूद नाम का व्यक्ति कूद गया था, जिसकी मौत हो गई थी।

नई दिल्ली में गुरुवार को चिड़िया घर में एक युवक शेर के बाड़े में कूद गया। गनीमत रही कि युवक को तत्परता से सुरक्षित निकाल लिया गया। प्रेट्र

सरोकार

महिलाओं को स्वरोजगार, देश के स्वावलंबन का आधार

सिमडेगा : झारखंड के सिमडेगा में समाज सेविका प्रियंका कुमारी सिन्हा निर्धन व घरेलू महिलाओं को स्वरोजगार का समुचित प्रशिक्षण देकर स्वावलंबन की राह दिखा रही हैं। 'छोटानागपुर कल्याण निकेतन' नाम की संस्था तले प्रियंका महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए 2008 से ही प्रयासरत हैं। (पेज-10)

जागरण विशेष

सैन फ्रांसिस्को ने सहेज रखी हैं 'गदर' की निशानियां

सैन फ्रांसिस्को : जिनकी हुंकार से अंग्रेजों के पसीने छूटे थे, उनकी निशानियां सैन फ्रांसिस्को सहेजे हुए है। अमेरिका में बसे भारतीयों ने जिस गदर पार्टी की स्थापना की थी, उसका मुख्यालय रही यहां की इमारत उनके बलिदान की दास्तां सौ साल बाद आज भी सुना रही है। (पेज-10)

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

24 अक्टूबर तक ईडी की हिरासत में रहेंगे चिदंबरम

नई दिल्ली : आइएनएक्स मीडिया से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में आरोपित चिदंबरम को राउज एवेन्यू कोर्ट ने 24 अक्टूबर तक के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया है। कोर्ट ने गुरुवार को ईडी की दलीलें सुनने के बाद कहा, मामले की गंभीरता के मद्देनजर चिदंबरम से हिरासत में पूछताछ किए जाने की जरूरत है।

महासमर ▶ पृष्ठ 4

कांग्रेस ने अनुच्छेद 370 हटाने के पक्ष में वोट दिया था : मनमोहन

मुंबई : अनुच्छेद 370 हटाए जाने के मुद्दे पर चौतरफा घिरी कांग्रेस ने चौंकाने वाला यू-टर्न लिया है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का कहना है कि कांग्रेस ने अनुच्छेद 370 हटाने के हक में वोट दिया था, इसके खिलाफ नहीं। मनमोहन सिंह गुरुवार को मुंबई में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

बिजनेस ▶ पृष्ठ 12

निवेश के लिए भारत से बेहतर बाजार नहीं : सीतारमण

वाशिंगटन : मोदी सरकार ने अमेरिका में स्थित अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) के मुख्यालय से दुनिया भर के निवेशकों को भरोसा दिलाया है कि निवेश के लिए इस वक्त भारत से बेहतर कोई बाजार नहीं है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, निवेशक भारत के अलावा ऐसा कोई बाजार नहीं खोज सकते जहां एक साथ लोकतंत्र से प्यार और पूंजीपतियों के सम्मान का वातावरण हो।

अंतरराष्ट्रीय ▶ पृष्ठ 13

एर्दोगन ने पेंस और पोंपियो को खाली हाथ लौटाया

अंकारा : सीरियाई कुर्दों पर तुर्की के हमले रुकवाने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रयास विफल हो गए हैं। ट्रंप के निर्देश पर गुरुवार को तुर्की पहुंचे अमेरिकी उप राष्ट्रपति माइक पेंस और विदेश मंत्री माइक पोंपियो की हमले रोकने की सलाह को राष्ट्रपति रीसेप तैयप एर्दोगन ने मानने से इन्कार कर दिया है। उन्होंने ट्रंप के उस पत्र को भी तवज्जो नहीं दी जिसमें उन्हें मूर्ख न बनने को कहा गया था।

सुन्नी वक्फ बोर्ड ने माना, मध्यस्थता पैनल को दिया समझौते का प्रस्ताव

बोर्ड अध्यक्ष फारुकी बोले ▶ प्रस्ताव में क्या है-यह नहीं बता सकते

अपील वापस लेने संबंधी कोई भी हलफनामा नहीं दिया

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अयोध्या में राम जन्मभूमि पर मालिकाना हक के मुकदमे में सुन्नी वक्फ बोर्ड ने अपना दावा छोड़ने संबंधी चर्चाओं को खारिज कर दिया है। बोर्ड के अध्यक्ष जुफर फारुकी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में सुन्नी वक्फ बोर्ड ने अपील वापस लेने संबंधी कोई भी हलफनामा नहीं दिया है। उनके अनुसार, मध्यस्थता पैनल को जरूर समझौते का एक प्रस्ताव दिया गया है। चूंकि 18 सितंबर 2019 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के तहत इसे गोपनीय रखा जाना है, इसलिए समझौते के बिंदुओं को वह अभी नहीं बता सकते।

दिल्ली से गुरुवार को लखनऊ लौटे जुफर फारुकी ने 'दैनिक जागरण' से कहा कि 'मैं नहीं जानता कि सुनवाई के अंतिम दिन दावा वापस लेने की बात कहां से सामने आ गई। यह कोरी अफवाह है।' उन्होंने कहा, 'चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि यदि पक्षकार चाहते हैं तो मध्यस्थता पैनल को समझौते का प्रस्ताव दे सकते हैं, इसी के तहत मैंने तथा कुछ और पक्षकारों ने समझौते का प्रस्ताव दिया है।'जुफर यह मानने को तैयार नहीं थे कि अंतिम दिन मध्यस्थता पैनल को समझौते का कोई प्रस्ताव दिया गया। उन्होंने कहा कि 'आप कैसे कह सकते हैं कि अंतिम दिन प्रस्ताव दिया गया।' ऐसी चर्चा है कि अयोध्या मामले में सुन्नी वक्फ बोर्ड के सदस्यों को भी बोर्ड के बड़े फैसलों की कोई जानकारी नहीं होती। उनका जवाब था कि 'वक्फ बोर्ड ने बहुमत से अयोध्या मसले पर सभी अधिकार मुझे (अध्यक्ष को) हस्तांतरित कर दिया है। सुनवाई में पक्ष रखने से लेकर मध्यस्थता पैनल में समझौते के क्या बिंदु होंगे, इसे तय करने का अधिकार अध्यक्ष को दिया गया है। बोर्ड में दो सदस्य ऐसे हैं जो कभी किसी बैठक में नहीं आए, केवल उन्हें ही इस मसले पर एतराज है। उन्होंने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट का जो भी फैसला होगा वह हमें खुशी-खुशी मान्य होगा।'

निर्मोही अखाड़े ने जताया विरोध : निर्मोही अखाड़े के प्रवक्ता कार्तिक चोपड़ा ने मध्यस्थता के दावों को खारिज करते हुए कहा कि वह (वक्फ बोर्ड) अब तक अदालती फैसले के सुरक्षित होने का इंतजार क्यों कर रहे थे? उन्हें तो अदालत में आकर मुख्य मुकदमे में हमारे पक्ष का समर्थन करना चाहिए था। वहीं, अयोध्या रामजन्मभूमि मामले के मुख्य पक्षकार महंत धर्मदास के वकील करुणेश शुक्ला ने कहा, मामले से जुड़े अधिकांश पक्ष मध्यस्थता कमेटी से सहमत नहीं हैं। इसकी जरूरत ही नहीं है। ज्ञात हो, राम लला और निर्मोही अखाड़ा ने मध्यस्थता के दूसरे चरण में हिस्सा नहीं लिया था। चूंकि पहले चरण की बातचीत में सभी पक्ष किसी एक बात पर सहमत नहीं हो सके थे।

अयोध्या की पुकार पेज>>5

जुफर फारुकी फाइल फोटो

सभी पक्ष समझौते की शर्तों को पढ़ें और दस्तखत करें : रिजवी

नई दिल्ली, एएनआइ : सुन्नी वक्फ बोर्ड के वकील सैयद शाहिद रिजवी ने कहा है कि सभी पक्षों को समझौते की शर्तों को पढ़ना चाहिए और उस पर दस्तखत करने चाहिए। यह समझौता देश की एकता व अखंडता के लिए सबसे अच्छा है। रिजवी ने कहा, समझौते की शर्तें ऐसी हैं कि किसी भी पक्ष को निराशा नहीं होगी। हम अन्य पक्षों (राम लला विराजमान और निर्मोही अखाड़ा) से अपील करते हैं कि वह हमारे साथ मिलकर विवाद को सुलझाएं। उन्होंने कहा, ऐसे विवादित मामले में अदालती फैसले की नहीं समझौते की जरूरत है। दीवानी मामलों में फैसला सुरक्षित होने के बाद भी विभिन्न पक्ष मिलकर समझौता कर सकते हैं।

राजीव धवन के खिलाफ कार्रवाई के लिए बार काउंसिल में शिकायत

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को कथित रूप से भगवान राम के जन्म स्थल को दर्शाने वाले एक नक्शे को फाड़ने पर हिंदू पक्षकार अयोध्या मामले में मुस्लिम पक्षकारों का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव धवन से खासे नाराज हैं और उन्होंने धवन के खिलाफ कार्रवाई के लिए बार काउंसिल आफ इंडिया में शिकायत की है। बता दें कि शीर्ष कोर्ट में राम जन्मभूमि विवाद में अंतिम दिन की सुनवाई के दौरान धवन ने कथित रूप से भगवान राम के जन्म स्थल को दर्शाने वाले एक नक्शे को फाड़ दिया था। अखिल भारतीय हिंदू महासभा के एक घटक (अखिल भारत हिंदू महासभा) ने धवन की इस कार्रवाई की निंदा करते हुए बार काउंसिल आफ इंडिया को पत्र लिखा है। पत्र में धवन के इस कदम को 'अत्यधिक अनैतिक कृत्य' बताया गया है। महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रमोद पंडित जोशी ने एक बयान में कहा, 'वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव धवन का यह कृत्य सुप्रीम कोर्ट बार की गरिमा को ठेस पहुंचाता है। बार काउंसिल आफ इंडिया से अनुरोध किया गया है कि धवन के इस कृत्य का संज्ञान लिया जाए और उनके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए। बता दें कि धवन ने बाद में कहा था कि उन्होंने नक्शा माननीय जजों की अनुमति से ही फाड़ा था।

पाकिस्तान के एफ-16 ने स्पाइसजेट के विमान को घेरा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

पाक के एटीसी ने कॉमर्शियल विमान को भारतीय वायुसेना का विमान समझा

23 सितंबर की घटना की डीजीसीए ने की पुष्टि, कहा- 'कॉल साइन' की गफलत

बालाकोट स्ट्राइक से पाकिस्तान की वायुसेना इतनी डरी हुई है कि वह भारत के यात्री विमानों को भी युद्धक विमान समझकर घेरने लगी है। पिछले माह दिल्ली से काबुल जा रहे स्पाइसजेट के विमान को पाकिस्तानी वायुसेना ने भारतीय वायुसेना का विमान समझकर घेर लिया था। हालांकि बाद में असलियत पता चलने पर एफ-16 विमानों ने स्पाइसजेट के विमान को अफगानिस्तान सीमा तक सुरक्षित पहुंचाना बेहतर समझा।

घटना 23 सितंबर की है। स्पाइसजेट का विमान (फ्लाइट एसजी-21) 120 यात्रियों को लेकर नई दिल्ली से काबुल की उड़ान पर था। पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र से गुजरते समय अचानक एफ-16 लड़ाकू विमानों ने उसे घेर लिया। लड़ाकू विमानों के पायलटों ने स्पाइसजेट के पायलट को हाथ के इशारे से विमान की ऊंचाई कम करने और नीचे लाने को कहा। दरअसल, पाकिस्तान के एटीसी ने स्पाइसजेट के विमान के कॉल साइन कोड 'एसजी' को 'आइए' समझ लिया था। जिससे उसे लगा कि यह इंडियन आर्मी या इंडियन एयरफोर्स का विमान है। लिहाजा उसने पाकिस्तानी वायुसेना को एलर्ट भेज दिया, जवाब में तुरंत दो एफ-16 विमानों को स्पाइसजेट के विमान के पीछे भेज दिया गया। जिस वक्त एफ-16 विमानों के पायलट स्पाइसजेट के विमान के समानांतर उड़ रहे थे, स्पाइसजेट के कई यात्रियों ने उन्हें देखा। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए पायलटों ने यात्रियों से खिड़कियों के शटर बंद करने व शांत रहने को कहा। साथ ही पाकिस्तानी एटीसी को सूचित किया कि यह भारतीय सेना या वायुसेना का नहीं, बल्कि भारत की निजी एयरलाइंस स्पाइसजेट का यात्री विमान है जो तय शेड्यूल के मुताबिक दल्ली से काबुल जा रहा है। डीजीसीए के अधिकारियों ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा, यह सारी गफलत स्पाइसजेट के बोइंग-737 विमान को दिए गए 'कॉल साइन' के कारण हुई। स्पाइसजेट ने घटना के बारे में टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया है।

सच जानते ही बदला तेवर : सच्चाई पता चलते ही एफ-16 विमानों के पायलटों के तेवर बदल गए। उन्होंने न केवल स्पाइसजेट के पायलट से खेद प्रकट किया, बल्कि विमान को अफगानिस्तान की सीमा तक सुरक्षित छोड़ने भी गए। बाद में स्पाइसजेट के विमान की काबुल में सुरक्षित लैंडिंग हो गई। हालांकि वहां पाकिस्तानी एटीसी के साथ कागजी खानापूर्ति में अधिकारियों को काफी वक्त लग गया। परिणामस्वरूप विमान की वापसी उड़ान पांच घंटे विलंब से हो सकी।

काफी समय बाद खुला था पाक का एयर स्पेस : यह घटना 26 फरवरी को बालाकोट में जैश-ए-मुहम्मद के आतंकी शिविर पर भारत की एयर स्ट्राइक के बाद तब हुई थी, जब पाकिस्तान ने काफी समय तक अपना एयरस्पेस बंद रखने के बाद उसे कमर्शियल उड़ानों के लिए खोल दिया था। इससे पहले पिछले महीने जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अमेरिका तथा राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को आइसलैंड जाना था तो पाकिस्तान ने उनके विमानों को अपने वायु क्षेत्र के ऊपर से उड़ने की इजाजत देने से मना कर दिया था।

हमलों के बाद घाटी से लौटने लगे श्रमिक

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

सुधर रहे हालात के बीच हताश हो चुके हैं आतंकी और अलगाववादी

जिहादियों को जम्मू-कश्मीर में शांति और आर्थिक खुशहाली रास नहीं आ रही है। बुधवार को तीन लोगों की हत्या के बाद अन्य राज्यों के श्रमिक फिर से अपने घरों को लौटने लगे हैं। दरअसल, सूबे के सुधरते हालात से हताश आतंकी और अलगाववादी माहौल बिगाड़ने के लिए हर तरह की साजिश कर रहे हैं।

पांच अगस्त को अनुच्छेद 370 हटने के बाद हालात सुधरने पर राज्य प्रशासन ने कई तरह की पाबंदियों को हटा लिया था। इस क्रम में लैंडलाइन और मोबाइल की पोस्ट पेड सेवाएं बहाल की गई थी। इससे यहां फिर से बाहरी श्रमिकों व व्यापारियों का आना शुरू हो गया था। सितंबर की शुरुआत तक सेब का निर्यात लगभग थमा सा गया था। अक्टूबर के पहले हफ्ते तक 25 फीसद तक निर्यात हो चुका है। बंद पड़ी निर्माण योजनाएं भी गति पकड़ने लगी थीं। गत सोमवार को राजस्थान के ट्रक चालक की हत्या, बुधवार को श्रमिक और सेब व्यापारी की हत्या ने वादी का माहौल बिगाड़ दिया। दहशत के चलते सेब व्यापारी और ट्रक चालक बोरिया बिस्तर समेट चुके हैं। श्रमिकों ने अपने घरों का रुख कर लिया है। गर्मी के दिनों में कश्मीर में अन्य राज्यों से चार से पांच लाख श्रमिक आते हैं, जो सर्दियों में घर लौट जाते हैं। अमृतसर से सटे गागोमल गांव निवासी कुलवंत सिंह ने कहा,मैं यहां 20 साल से आ रहा हूं। पहली बार असुरक्षित महसूस कर रहा हूं।

सुरक्षा के आश्वासन के बाद भी नहीं रुक रहे श्रमिक : श्रमिकों को रोकने के लिए निर्माण कार्यों से जुड़े ठेकेदारों को भी काफी दिक्कत आ रही है। वे उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिला रहे हैं, लेकिन उनकी बात सुनने को कोई तैयार नहीं है। 65 फीसद सरकारी निर्माण कार्य रुक गए हैं। बड़गाम से सुबह पांच यात्री बसें बाहरी श्रमिकों (भट्ठा मजदूर) को लेकर निकली हैं। उनका कहना है कि हम तो स्थिति में सुधार की बात सुनकर आए थे। श्रमिक की हत्या के बाद हम यहां नहीं रह सकते।

हमारी तहजीब और रोजी-रोटी का कत्ल : फल मंडी शोपियां के प्रधान मुहम्मद अशरफ वानी ने कहा कि सेब तो हमारी अर्थव्यवस्था का मजबूत हिस्सा है। हम तो बाहरी राज्यों के ट्रांसपोर्टरों पर निर्भर हैं। जिस तरह से ट्रक चालक और सेब व्यापारी की हत्या हुई है, उससे हमारा कारोबार ठप हो गया है। यह किसी बाहरी आदमी का कत्ल नहीं है, यह हम लोगों का, हमारी तहजीब और रोजी-रोटी का कत्ल है। कोई भी ट्रक चालक अब बाग में आकर माल लेने को तैयार नहीं है।

आतंकी नहीं चाहते कश्मीर में खुशहाली आए : राज्यपाल के सलाहकार फारूक अहमद खान ने कहा कि हत्याओं ने जिहादियों के असली चेहरे को फिर बेनकाब किया है। वे राज्य को पिछड़ा बनाए रखना चाहते हैं। सेब के किसानों, ट्रक चालकों, व्यापारियों और श्रमिकों की सुरक्षा के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में ट्रक चालकों को सुरक्षाबलों के शिविरों में शरण लेने के निर्देश पेज>>6

मुर्शिदाबाद में बांग्लादेशी सीमारक्षकों की फायरिंग में बीएसएफ का जवान शहीद

जागरण संवाददाता, कोलकाता

- **फ्लैग मीटिंग के बाद लौटते समय बीएसएफ के गश्ती दल पर बीजीबी के जवानों ने एके 47 से बरसाई गोलियां**
- **बीजीबी द्वारा बंधक बनाए गए भारतीय मछुआरे की तलाश में गए थे जवान**
- **घटना से भारत और बांग्लादेश सीमा पर तनाव, बीएसएफ में रोष**

बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में गुरुवार सुबह भारत-बांग्लादेश सीमा पर ककमारीचर सीमा चौकी इलाके में गुरुवार को फ्लैग मीटिंग के बाद बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के गश्ती दल पर फायरिंग कर दी, जिसमें हेड कांस्टेबल विजय भान सिंह (51) शहीद हो गए। उनके सिर में गोली लगी थी। हमले में कांस्टेबल राजवीर सिंह भी घायल हो गए। उन्हें मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। उत्तर प्रदेश के फीरोजाबाद जिले के चमरोली गांव के रहने वाले थे विजय बीएसएफ की 117वीं बटालियन में तैनात थे। फरवरी 1990 में बीएसएफ में शामिल हुए थे।

वहीं बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश ने बयान जारी कर कहा है कि उन्होंने आत्मरक्षा में गोली चलाई थी। उनका आरोप है कि जब बीएसएफ जवान फ्लैग मीटिंग से लौट रहे थे, तब उन्होंने फायरिंग शुरू की थी। इसके बाद बीजीबी के दल ने जवाबी कार्रवाई में फायरिंग की, जिसमें बीएसएफ के हेड कांस्टेबल शहीद हो गए।

घटना ने चौंकाया : सीमा सुरक्षा बल के सूत्रों का कहना है कि जानबूझकर बांग्लादेशी सीमारक्षकों ने गोलीबारी कर उनके जवानों को निशाना बनाया है। बीएसएफ और बीजीबी के बीच संबंध दशकों से सौहार्दपूर्ण रहे हैं और अचानक इस घटना ने सबको चौंका दिया है। इससे पहले दोनों देशों के सीमारक्षकों के बीच दशकों से गोलीबारी की कोई घटना नहीं हुई है। इस घटना के बाद बंगाल में सीमा पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। वहीं, बीएसएफ के अधिकारी हालात पर नजर रखे हुए हैं।

फ्लैग मीटिंग के बहाने बुलाया पेज>>6

हेड कांस्टेबल विजय भान सिंह की फाइल फोटो।

नया दौर

यह कॉल सेंटर सांसदों को उनके विशेषाधिकार व सुविधाओं की तत्काल जानकारी उपलब्ध कराएगा, सेवा शुरू करने से पहले संभावित सवालों के जवाब तैयार किए जा रहे हैं

अब सांसदों के लिए भी होगा विशेष कॉल सेंटर

संजय मिश्र, नई दिल्ली

- **संसद ने नए दौर की रफ्तार से जुड़ने की पहल की**
- **चौबीसों घंटे सेवाएं देने के साथ आपात हालत से निपटने में मदद करेगा**
- **एमपी लैड स्कीम की कठिनाईयों से जुड़े सवालों का जवाब भी मिलेगा**

संसद ने भी अब सांसदों को नए दौर की रफ्तार से जोड़ने की पहल करते हुए उनके लिए एक विशेष कॉल सेंटर बनाने की शुरुआत कर दी है। चौबीसों घंटे और सातों दिन काम करने वाला यह कॉल सेंटर सांसदों को उनके विशेषाधिकार और सुविधाओं की तत्काल जानकारी उपलब्ध कराएंगे ही। किसी आपात स्थिति का सामना कर रहे सांसदों को तुरंत परिस्थितिजन्य हालत से निपटने के लिए समाधान की राह भी सुझाएंगे। सांसदों को उनके एमपी लैड स्कीम की कठिनाईयों से जुड़े सवालों का जवाब भी यहां मिलेगा।

लोकसभा सचिवालय ने सांसदों के इस विशेष कॉल सेंटर का आगाज करने से पहले इसके लॉजिस्टिक प्रबंधन की व्यवस्था पर काम करना शुरू कर दिया है। सूत्रों ने बताया कि सियासत के हाई-प्रोफाइल लोगों को इस तरह की चौबीसों घंटे सेवा देने से पहले ऐसे संभावित सैकड़ों सवाल और आपात स्थितियों के मौजूदा संदर्भों का अध्ययन कर इनके जवाब तैयार किए जा रहे हैं। सांसदों को उनके अधिकांश सवालों और समस्याओं का समाधान कॉल सेंटर की ओर से तत्काल दिया जा सकेगा। कुछ ऐसे सवाल जिनमें राज्य और केंद्र सरकार की एजेंसियों से लेकर जिला प्रशासन तंत्र शामिल है, उसका भी समाधान सांसदों को चंद मिनटों के अंदर उपलब्ध कराने की तैयारी है।

लोकसभा के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार कॉल सेंटर की रिस्पांस क्षमता बढ़ाने के लिए ही सचिवालय की सभी शाखाओं से सांसदों की ओर से उनके यहां आने वाले सवालों और समस्याओं के साथ उनकी प्रकृति का ब्योरा मांगा गया है। नेशनल इन्फारमेटिक्स सेंटर इस विशेष कॉल सेंटर का पूरा आइटी और साफ्टवेयर ढांचा विकसित कर रहा है ताकि सामान्य प्रकृति और नियम-कानूनों से जुड़े सवालों का जवाब पहले से ही तैयार रहे और सांसदों को इसकी जानकारी पल भर में ही उनके मोबाइल पर मिल जाए। मसलन सांसदों को उनके वेतन-भत्ते और सुविधाओं से जुड़ी किसी तरह की जानकारी हो या उनके क्या विशेषाधिकार हैं। साथ ही किस तरह का बर्ताव उनके विशेषाधिकार का हनन माना जाएगा।

प्रतीकात्मक फोटो

सांसद निधि का मसला सबसे अहम

संसदीय सचिवालय का विश्लेषण है कि सांसदों के लिए उनकी सांसद निधि का मसला सबसे अहम और संवेदनशील सवालों में एक है। इसीलिए कॉल सेंटर में एमपी लैड स्कीम के कार्यान्वयन के तौर तरीकों से लेकर इसके तहत चल रहे कार्यों की ताजातरीन अपडेट जानकारी भी सांसदों को तत्काल देने की तैयारी चल रही है। इतना ही नहीं संसद में पेश हो चुके विचाराधीन विधेयकों और विधायी प्रस्तावों से जुड़ी जानकारियां हो या फिर किसी मौजूदा कानून से जुड़े सवाल, सांसदों को यह कॉल सेंटर फटाफट अपडेट देगा।

बजट सत्र के बाद लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने की थी कॉल सेंटर की बात

उल्लेखनीय है कि संसद के बीते बजट सत्र के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सांसदों के लिए ऐसा कॉल सेंटर बनाने की बात कही थी। स्पीकर ने इसके जरिये सांसदों को ज्वलंत मुद्दों से जुड़ी जानकारियां मुहैया कराने की संभावनाओं पर भी गौर करने की बात कही थी ताकि वह सदन में अपने भाषण की तैयारी में इन सूचनाओं का प्रभावी तरीके से उपयोग कर सकें।

मप्र में स्कूल परिसर में दफनाई गईं 17 गायें, मामले ने पकड़ा तूल

नईदुनिया, डबरा

- **मुख्यमंत्री कमलनाथ का ट्वीट-ऐसी घटना बर्दाश्त नहीं, प्रशासन ने संबंधितों को किया नोटिस जारी**

मध्य प्रदेश के डबरा जिला मुख्यालय से 35 किमी दूर समूदन गांव के सरकारी स्कूल परिसर में 17 मृत गायों को दफनाने की घटना ने तूल पकड़ लिया है। मुख्यमंत्री कमलनाथ ने ट्वीट कर कहा है कि 17 गायों की मौत बेहद दुखद है। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि बुधवार रात हिंदू संगठनों को सूचना मिली थी कि स्कूल परिसर में गायों को दफनाया जा रहा है। गायों को दफनाने के लिए पोकलिन मशीन (जेसीबी) की मदद ली जा रही थी। संगठन के लोग और अधिकारी पहुंचे तो मशीन का चालक भाग निकला। एसडीएम राघवेंद्र पांडेय ने जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला शिक्षाधिकारी, जिला पंचायत के सीईओ आदि को नोटिस जारी कर मामले की जांच कर तीन दिन में रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया है। एसडीएम द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि गायों को मौत के बाद स्कूल परिसर में दफनाया गया। प्रतीत होता है कि गोवंश को अवैध रूप से एक कमरे में कई घंटे बंद किया गया। इनकी मौत होने के बाद उनको दफनाने का प्रयास किया गया। उधर, घटना को लेकर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने गुरुवार को एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। गायों की मौत के लिए स्कूल संचालक, सरपंच और पुलिस को जिम्मेदार ठहराया है।

कमलनाथ फाइल फोटो

381 चालान गुरुवार को किए हैं उत्तरी और दक्षिणी नगर निगम ने धूल उड़ाने और कूड़ा जलाने के मामलों में। प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए निगम हर तरह से सख्ती बरत रहे हैं।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शुक्रवार 18 अक्टूबर 2019

बढ़ेगी मुश्किल ▶ तीन दिनों से हरियाणा, पंजाब और पाकिस्तान में जल रही पराली

दिल्ली-एनसीआर में कल से प्रदूषण का स्तर पहुंच सकता 350 के पार

सफर का पूर्वानुमान, पराली के धुएं से 10 से बढ़कर 18 फीसद हो जाएगा प्रभाव

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर की हवा शनिवार से और ज्यादा खराब हो सकती है। एयर इंडेक्स 350 के भी पार पहुंच सकता है। वजह है हरियाणा, पंजाब और पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर पराली जलना। पिछले तीन दिनों के दौरान पराली जलाने की घटनाओं में काफी वृद्धि हुई है। सफर का पूर्वानुमान है कि फिलहाल पराली का धुआं दिल्ली के प्रदूषण में 10 फीसद तक का प्रभाव डाल रहा है, लेकिन हवा का रुख बदलने के कारण अगले दो दिनों में यह 18 फीसद तक पहुंच जाएगा।

मौसम विभाग के मुताबिक पंजाब में कम दबाव का क्षेत्र विकसित हुआ है, जिसकी वजह से शुक्रवार को हल्की बूंदाबांदी की संभावना है। वहीं हिमाचल और उत्तराखंड के मौसम में भी बदलाव हुए हैं। ऐसे में 24 घंटे के दौरान दिल्ली में प्रदूषण में कुछ कमी आई है, लेकिन सफर के मुताबिक शनिवार से यह काफी अधिक बढ़ जाएगा।

राजधानी में बढ़ते प्रदूषण का एक कारण सड़क किनारे जमा मिट्टी भी है। वाहनों के आने-जाने से यह उड़ती है व वातावरण को और खराब करती है। ऐसा ही एक नजारा मथुरा रोड पर देखने को मिल जाएगा। यहां से गुजरने का मतलब धूल के गुबार से होकर गुजरना है। संजय

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी एयर बुलेटिन के अनुसार गुरुवार को दिल्ली का एयर इंडेक्स 284 रहा। फरीदाबाद में 245, गाजियाबाद में 298, ग्रेटर नोएडा में 266, गुरुग्राम में 279 और नोएडा में 283 रहा। इस स्तर की हवा को खराब श्रेणी में रखा जाता है। सफर के मुताबिक दिल्ली का एयर इंडेक्स 306 रहा। इस स्तर की हवा बहुत खराब श्रेणी में आ जाती है।

स्काईमेट वेदर के मुख्य मौसम विज्ञानी महेश पलावत का कहना है कि पिछले चार से पांच दिनों से दिल्ली-एनसीआर के साथ-साथ उत्तर- पश्चिमी भारत के कई हिस्सों में हल्की हवा चल रही है। पिछले गुरुवार से निचले स्तर पर दिल्ली और एनसीआर में तेज हवा है, जबकि लगभग पांच हजार फीट की ऊंचाई पर तेज रफ्तार वाली उत्तर-पश्चिमी हवा चल रही हैं। इसी के साथ पराली जलने के कारण धुएं के कण ऊपरी हवाओं के साथ दिल्ली आ रहे हैं और फिर धीरे- धीरे यह निचले स्तर पर आकर हवा में घुलकर प्रदूषण बढ़ा रहे हैं।

प्रदूषण को चुनावी मुद्दा बनाएगी भाजपा

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : राजधानी की खराब होती हवा पर सियासी घमासान जारी है। भाजपा ने इसे चुनावी मुद्दा बनाने का एलान किया है। पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री व राज्यसभा सदस्य विजय गोयल ने कहा कि दिल्ली में लगातार बढ़ रहे वायु प्रदूषण के लिए आप सरकार जिम्मेदार है। समस्या हल करने के लिए ठोस कदम उठाने के बजाय मुख्यमंत्री इसे लेकर गलतबयानी कर रहे हैं। वह दिल्लीवासियों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं इसलिए उनके खिलाफ मुकदमा चलना चाहिए। उन्हें अपने पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। वह प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधितकर रहे थे।

उन्होंने कहा कि दिल्ली विश्व का सबसे प्रदूषित शहर बन गया है। लगातार प्रदूषण बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री अपनी नाकामी छिपाने के लिए पंजाब व हरियाणा में जलने वाली पराली को प्रदूषण के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। इसमें कोई सच्चाई नहीं है। कई संस्थाओं व विशेषज्ञों का भी कहना है कि पराली से अधिकतम दस फीसद तक प्रदूषण होता है। स्पष्ट है कि 90 फीसद प्रदूषण स्थानीय कारणों की वजह से हो रहा है जिसे रोकने की जिम्मेदारी दिल्ली सरकार की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री प्रदूषण को लेकर विशेषज्ञों की रिपोर्ट को गलत बता रहे हैं। यदि सभी आंकड़ें गलत हैं तो वह किस आधार पर दावा कर रहे हैं कि दिल्ली में 25 फीसद प्रदूषण कम हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण चुनावी मुद्दा बनेगा, क्योंकि मुख्यमंत्री ने समस्या हल करने के लिए न तो कोई कदम उठाया है और न उठाने वाले हैं। वह अपने प्रचार के लिए ऑड-इवेन लागू करने जा रहे हैं। यह दिल्ली के लोगों को परेशान करने वाला कदम है, क्योंकि प्रदूषण रोकने में ऑड-इवेन कारगर नहीं है। उन्होंने कहा कि आप सरकार ने दस हजार बसें लाने का वादा किया था जो पूरा नहीं किया गया। समस्या इतनी गंभीर हो गई है, लेकिन दिल्ली सराकर ने विपक्षी दलों और विशेषज्ञों की कोई बैठक नहीं बुलाई है। केंद्र सरकार की नीतियों व प्रयास से राजधानी में प्रदूषण के स्तर में कुछ कमी आई है। पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे बनने से प्रतिदिन करीब 60 हजार वाहनों का दिल्ली में प्रवेश बंद हो गया है।

ऑड-इवेन के दायरे में होंगे दिल्ली के सीएम व मंत्री, केंद्रीय मंत्रियों को छूट

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

दिल्ली में चार से 15 नवंबर तक लागू होने वाली ऑड-इवेन योजना के दायरे में दिल्ली के मुख्यमंत्री और मंत्री भी रहेंगे। उन्हें भी ऑड-इवेन का पालन करना होगा। हालांकि दिल्ली के उपराज्यपाल को इससे छूट दी गई है। साथ ही प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों और दूसरे राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी छूट दी गई है। लेकिन अन्य राज्यों के मंत्रियों को इसका पालन करना होगा। इसके अलावा स्कूली बसों को भी छूट है। ऑड-इवेन सोमवार से शनिवार तक लागू होगा। रविवार को इससे छूट रहेगी। इसका पालन दूसरे राज्यों से दिल्ली आने वाले वाहनों को भी करना होगा। ऑड-इवेन सुबह 8 से शाम 8 बजे तक लागू होगा। इसका पालन न करने पर चार हजार रुपये का जुर्माना लगेगा। इसकी जानकारी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को दिल्ली सचिवालय में पत्रकार वार्ता के दौरान दी।

महिलाओं को छूट, 12 साल के बच्चे जा सकेंगे साथ : मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि ऑड-इवेन से महिलाओं को छूट मिलेगी। इस दौरान महिलाएं वाहनों पर अपने साथ बच्चे को साथ ले जा सकेंगी, लेकिन उन बच्चों की उम्र तय की गई है। उन्होंने बताया कि 12 साल से कम उम्र के बच्चे महिलाओं के साथ सफर कर सकेंगे। अगर महिलाओं के वाहनों में पुरुषों की उपस्थिति पाई गई तो उन पर जुर्माना लगाया जाएगा।

स्कूल यूनिफॉर्म पहने बच्चों को स्कूल छोड़ने और लाने की रहेगी छूट : केजरीवाल ने कहा कि ऑड-इवेन के दौरान बच्चों को स्कूल छोड़ने और लाने के लिए अभिभावकों को छूट रहेगी। उन्होंने कहा कि जिन वाहनों में स्कूल यूनिफॉर्म पहने बच्चे पाए जाएंगे, उन्हें स्कीम में छूट मिलेगी। यह छूट स्कूल टाइम तक ही मिलेगी। छुट्टी के समय जब अभिभावक बच्चों को लेने के लिए स्कूल जाएं तो वह अपने वाहनों पर 'स्कूल से बच्चे पीकअप' करने वाला स्टीकर लगाते हुए जाएं ताकि प्रशासन को इसकी जानकारी आसानी से मिल सके।

स्कीम के दायरे में रहेंगे सीएनजी वाहन : इस बार ऑड-इवेन में सीएनजी वाहनों को किसी प्रकार की राहत नहीं मिलेगी। केजरीवाल ने कहा कि सीएनजी वाहन भी स्कीम के दायरे में रहेंगे। दिल्ली के अंदर बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए उन्होंने इस बार सीएनजी वाहनों को राहत नहीं दी गई है। अन्य वाहनों की तरह सीएनजी वाहनों को भी नियम का पालन करना पड़ेगा।

राजधानी में ऑड-इवेन को लेकर पत्रकार वार्ता करते अरविंद केजरीवाल। साथ में मंत्री सत्येंद्र जैन। संजय

- चार से 15 नवंबर तक रहेगा व्यवस्था, दोपहिया वाहनों को इस बार भी छूट
- इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने पर लगेगा चार हजार रुपये का जुर्माना

देश का दूसरा सबसे प्रदूषित शहर रहा गाजियाबाद

जागरण संवाददाता, साहिबाबाद

गाजियाबाद गुरुवार को देश में दूसरा सबसे प्रदूषित शहर रहा। यहां सांस लेना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। वहीं, ग्रेडेड रेस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) लागू होने के तीसरे दिन गुरुवार को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम ने जिले की आठ औद्योगिक इकाइयों पर 1.61 करोड़ रुपये की जुर्माना लगाने के लिए रिपोर्ट मुख्यालय को भेजी है। वहीं, ट्रांस हिंडन में जगह-जगह तंदूर और वाहनों से काला धुआं निकलता दिखाई दिया।

देश में सिरसा सबसे प्रदूषित शहर रहा। इसके बाद गाजियाबाद दूसरे नंबर पर रहा। जिले में लोनी का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) सर्वाधिक 315 दर्ज किया गया। ग्रेप लागू होने के तीसरे दिन प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम ने अलग-अलग औद्योगिक क्षेत्रों की आठ औद्योगिक इकाइयों पर 1.61 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने की संस्तुति की है।

इन औद्योगिक इकाईयों में प्लास्टिक एवं प्लाईवुड को बॉयलर के लिए जलाया जा रहा था। इसके साथ ही भोपुरा में खुले में भवन निर्माण सामग्री रखने पर छह लोगों के खिलाफ 50-50 हजार रुपये जुर्माना लगाने की सिफारिश एसडीएम को भेजी गई है। इतना ही नहीं, आनंद औद्योगिक क्षेत्र, राजनगर एक्सटेंशन चौराहा और हिंडन बैराज के पास रेलवे अंडरपास के आसपास प्रदूषण फैलाने वालों पर 25-25 हजार रुपये जुर्माने की सिफारिश की गई है। हिंडन बैराज रोड पर कूड़ा जलाने पर नगर निगम ने थाना इंदिरापुरम में शिकायत भी दी है।

लोनी नगर पालिका पर पाइप लाइन रोड पर धूल और गंदगी फैलाने पर 25 हजार जुर्माना, बुलंदशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र में दो कंपनियों पर भी 50-50 हजार रुपये जुर्माने की संस्तुति की गई है।

प्रशासन की ढिलाई, ग्रेप का नहीं हो रहा पालन

ट्रांस हिंडन में ग्रेप नियम का पालन नहीं हो रहा है। सीआइएसएफ रोड पर गुरुवार को तंदूर से निकलता हुआ धुआं हवा में घुलता रहा। इस प्रशासन की ढिलाई ही कहेंगे कि सड़क के किनारे तंदूर जल रहा है और अधिकारियों को दिखाई नहीं दिया। काला धुआं छोड़ते वाहन सड़कों पर दौड़ते रहे, लेकिन इनका चालान तक नहीं हुआ। वहीं, इंदिरापुरम की ग्रुप हाउसिंग सोसायटियों में भी बिजली कटने के बाद जनरेटर चलाया जा रहा है। फेडरेशन ऑफ एओए का कहना है कि जनरेटर न चलाने से लिफ्ट नहीं चलेगी और लोग बहुमंजिला इमारतों से उतर नहीं पाएंगे। साथ ही सोसायटियों में अंधेरा रहता है। लाइट न होने पर हादसा होने का भी डर है। 24 घंटे बिजली आपूर्ति की जाए। इसके बाद ही जनरेटर का बहिष्कार किया जा सकता है।

पड़ोसी राज्यों में पराली जलने से बढ़ रहा प्रदूषण : केजरीवाल

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने फिर कहा कि पिछले कई माह से दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण में था, लेकिन पड़ोसी राज्यों में पराली जलनी शुरू हुई तो यहां भी प्रदूषण बढ़ने लगा। केंद्र सरकार की संस्था सफर इंडिया के आंकड़ों पर सवाल उठाते हुए उन्होंने इन्हें बीते वर्ष का बताया।

दिल्ली सचिवालय में पत्रकार वार्ता के दौरान केजरीवाल ने कहा कि प्रदूषण पर विशेषज्ञों की इज्जत करता हूं। मैं खुद इंजीनियर हूं। किसी रिपोर्ट को गलत नहीं बता रहा हूं। मैं बस यह कह रहा हूं कि वह रिपोर्ट अलग-अलग समय की है। कोई जून 2015 की रिपोर्ट बता रहा है। मेरे पास अगस्त 2018 का आंकड़ा है। इसमें लिखा है कि सर्दी में 36 फीसद प्रदूषण अपना है। गर्मी में यह 26 फीसद हो जाता है। मैं यह कह रहा हूं कि पुरानी रिपोर्ट पर आज का आंकलन नहीं कर सकते। आज कोई एजेंसी नहीं बता सकती कि अभी दिल्ली में किन-किन कारणों से कितना प्रदूषण है। दिल्ली में आज अपना व बाहर का भी प्रदूषण है, लेकिन किसका है, यह बता पाना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह ही एक एजेंसी ने बताया पराली से एक फीसद है। दूसरी एजेंसी ने कहा 10 फीसद है। दोनों में जब दस गुना का अंतर तो यह विज्ञान कहां है। मैं किसी के आंकड़ों को सही या गलत नहीं बता रहा हूं। मैं इतना कह रहा हूं कि दिल्ली में प्रदूषण बाहर से भी है। इसे कोई इन्कार नहीं कर रहा। जब तक इस पर रोक नहीं लगेगी, दिल्ली को प्रदूषण से मुक्त नहीं कर सकते। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली के लोगों ने बहुत कठोर कदमों का स्वागत किया है। बहुत मेहनत की है। इसी से पिछले चार सालों में प्रदूषण 25 फीसद कम हुआ है। हम इससे संतुष्ट नहीं है। हमें इसे और भी कम करना है। लेकिन पूरे देश में दिल्ली ऐसा अकेला शहर है जहां प्रदूषण घटने लगा है। दिल्ली के लोग बधाई के पात्र हैं, सिर्फ दिल्ली के लोगों को दोष देना जायज नहीं हो सकता।

दिल्ली सरकार ने वाशिंगटन यूनिवर्सिटी से करार किया है। एक मार्च 2019 को सेटअप किया। एक साल से यह अध्ययन कर रहे हैं। एक अप्रैल 2020 से हम चार घंटे के अंतराल में बताने की स्थिति में होंगे कि किस कारण कितना प्रदूषण है। मशीनें आ चुकी हैं।

मुख्यमंत्री बोले, सड़कों पर बने 232 गड्ढे आज हो जाएंगे ठीक

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : दिल्ली सरकार के अधिकार क्षेत्र में आने वाली पीडब्ल्यूडी की 1260 किलोमीटर सड़कों के गड्ढों का मुआयना हो गया है। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने बताया कि इनमें 232 गड्ढे मिले हैं, जिन्हें ठीक करने का काम चल रहा। शुक्रवार तक पूरा हो जाएगा। उन्होंने बताया कि सर्वे के दौरान इन सड़कों पर 283 पैच भी मिले हैं। इन्हें 31 अक्टूबर तक बना दिया जाएगा। सर्वे के दौरान जो 272 उबड़-खाबड़ सड़कें पाई गई हैं, उन्हें 30 नवंबर तक ठीक कर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 392 स्थान ऐसे भी मिले हैं, जहां विभिन्न एजेंसियों का काम चल रहा है और आपसी तालमेल के अभाव के कारण अभी मरम्मत का काम पूरा नहीं हुआ है। इन्हें ठीक करने के लिए 24 अक्टूबर को सभी विभागों के साथ बैठक होगी। इसमें विभागों को निर्देश दिया जाएगा कि जल्द से जल्द एनओसी प्रक्रिया पूरी करें। साथ ही बचे हुए काम की समयसीमा तय की जाएगी। केजरीवाल ने कहा कि मैं मानता हूं कि इस अभियान के बाद दिल्ली सरकार के अधिकार क्षेत्र में आने वाली सभी सड़कें गड्ढा मुक्त हो जाएंगी।

भाजपा के पूर्व विधायक सुरेंद्र चौधरी ने थामा आप का दामन

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : गोकलपुर के पूर्व भाजपा विधायक सुरेंद्र चौधरी गुरुवार को आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। वह मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हुए। केजरीवाल ने पार्टी की टोपी और पटका पहनाकर उनका स्वागत किया।

चौधरी का कहना था कि उन्होंने भाजपा की दलित विरोधी नीतियों से नाराज होकर भाजपा छोड़ी, जबकि दिल्ली सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों से प्रभावित होकर आम आदमी पार्टी में शामिल होने का फैसला लिया। पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता के दौरान केजरीवाल ने कहा कि मुझे बेहद खुशी है कि अच्छी विचारधारा के लोग अपनी-अपनी पार्टियां छोड़कर आम आदमी पार्टी से जुड़ रहे हैं।

केजरीवाल ने कहा कि बीते दिनों कांग्रेस के पूर्व विधायक प्रह्लाद सिंह साहनी कांग्रेस को छोड़ आम आदमी पार्टी में शामिल हुए थे। यह केवल इसीलिए हो पा रहा है क्योंकि पिछले पांच सालों में आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली में जो जनहित के काम किए हैं, विकास के काम किए हैं, उनसे पूरी दिल्ली की जनता खुश है।

पंजाब के आठ हजार गांवों में 15 हजार नोडल अधिकारी नियुक्त

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

- पराली जलाने की समस्या से निपटने की कवायद
- राज्य में नियमों को तोड़ने वाले गांवों की कृषि विभाग ने की पहचान
- नोडल अधिकारियों को कड़ी चौकसी बरतने का दिया गया निर्देश

पंजाब में धान की पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए राज्य सरकार ने 8000 गांवों में 15,035 नोडल अधिकारी नियुक्त करने का फैसला किया है। कृषि और किसान कल्याण विभाग के सचिव काहन सिंह पन्नू ने बताया कि इन गांवों की पहचान कृषि विभाग द्वारा की गई है। इनमें वे गांव शामिल हैं, जो परंपरागत रूप से पराली जलाते हैं।

कृषि सचिव ने बताया कि डिप्टी कमिश्नरों को पहले ही प्रभावित गांवों में अधिकारियों-कर्मचारियों को तैनात करने के लिए कहा गया है, जिससे पराली जलाने से पर्यावरण और स्वास्थ्य को होने वाले खतरनाक नुकसान के बारे में जागरूक किया जा सके। अब नोडल अधिकारियों को धान की कटाई के बाद सख्त चौकसी बरतने का कार्य सौंपा गया है।

नोडल अधिकारी किसानों के साथ बैठक करके फसली अवशेष प्रबंधन (सीआरएम) मशीनों की व्यवस्था करेंगे और गांवों में किसानों को जागरूकता वाले पर्चे और अन्य सामग्री बांटेंगे। इसके अलावा गुरुद्वारों से या अन्य स्थानों से पराली न जलाने संबंधी घोषणाएं करवाएंगे। इन नोडल अधिकारियों को रैलियां और जागरूकता लेक्चर करवाने के लिए गांवों के स्कूलों से संपर्क करने का काम सौंपा गया है जिससे विद्यार्थियों को भी संवेदनशील बनाया जा सके और वे अपने मां-बाप को पराली न जलाने संबंधी कह सकें।

कई विभागों की ली जा रहीं सेवाएं

कृषि और किसान कल्याण विभाग के सचिव काहन सिंह पन्नू ने बताया कि पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए कई विभागों की सेवाएं ली जा रही हैं। राज्य भर की सभी 3485 सहकारी सोसायटियों के सचिवों को भी इस काम पर लगाया गया है। ग्रामीण विकास और पंचायत विभाग के 1850 पंचायत सचिवों, पावरकॉम के 2000 जूनियर इंजीनियरों, 6000 लाइनमैनों, 200 सब-डिवीजनल अधिकारियों, कृषि, बागबानी, भू संरक्षण विभागों के 1500 अधिकारियों की सेवाएं ली जा रही हैं।

पराली जलाने पर रिकॉर्ड में दर्ज होगी रेड एंट्री

कृषि और किसान कल्याण विभाग के सचिव काहन सिंह पन्नू ने कहा कि यदि कोई किसान खुले खेतों में पराली को आग लगाता है तो नोडल अधिकारी राजस्व पटवारी की सहायता से संबंधित जमीन मालिक के रिकॉर्ड में रेड एंट्री दर्ज करवाएंगे। इसी तरह नोडल अधिकारी राज्य सरकार/बोर्डों/कारपोरेशनों/सहकारी सभाओं के कर्मचारियों और पंचायती जमीन के लिए जारी निर्देशों का पालन करवाएंगे।

गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक...

उपराज्यपाल अनिल बैजल ने महरौली में अंजुमन-सैर-ए-गुल-फरोशां की ओर से आयोजित वार्षिक ऐतिहासिक उत्सव फूलवालों की सैर में पहुंचकर ख्वाजा काकी के दरगाह पर चादर चढ़ाई। लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली में शांति, सह-अस्तित्व और सामाजिक सद्भाव की परंपरा रही है और फूलवालों की सैर राजधानी की गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है। इस पारंपरिक आयोजन में कव्वाली कार्यक्रमों के अलावा पंखा की प्रस्तुति, शहनाई आदि के साथ जुलूस भी निकाला जाता है। योगमाया मंदिर में पुष्प चढ़ाए जाते हैं। जागरण

रिपोर्ट

ई-वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स बनने के सात साल बाद भी राजधानी में चल रही हैं ई-वेस्ट यूनिटें

ई-कचरा बन रहा खतरा, यमुना को भी पहुंच रहा नुकसान

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर काम करने वाले गैर सरकारी संगठन टॉक्सिक लिंक का कहना है कि ई-कचरा दिल्ली के लिए खतरा बनता जा रहा है। आलम यह है कि ई-वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स बनने के सात साल बाद भी दिल्ली में ई-वेस्ट यूनिटें चल रही हैं। इस आशय की रिपोर्ट जारी करते हुए टॉक्सिक लिंक ने दिल्ली के ऐसे 15 हॉट स्पॉट की सूची भी शामिल की है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि ई-वेस्ट के ज्यादातर प्रोसेसिंग यार्ड यमुना नदी के किनारे चल रहे हैं। इससे यमुना को भी नुकसान पहुंच रहा है। मालूम हो कि देश में हर साल दो मिलियन टन से अधिक ई-कचरा निकलता है।

इस रिपोर्ट के मुताबिक 15 हॉट स्पॉट की सूची में न्यू एंड ओल्ड सीलमपुर, मुस्तफाबाद, बहता हाजीपुर, लोनी (गाजियाबाद) सबसे बड़े हैं। जबकि इसके अलावा तुर्कमान गेट, दरियागंज, शास्त्री पार्क, मायापुरी, सैयद नगर, जाफराबाद, माता सुंदरी रोड, मंडोली, बृजपुरी और सीमापुरी शामिल हैं। चिंताजनक यह कि इन जगहों पर देश के कई हिस्सों से ई-कचरा पहुंच रहा है और इन क्षेत्रों में हर तरीके से ई-कचरे की प्रोसेसिंग हो रही है। इसमें ई-कचरे को अलग करना, उनका निपटारा करना, मेटल को रिसाइकल करना और मेटल निकालना आदि शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक इस तरह के अवैध कारोबार में लगे लोग रिसाइकिल सामान को अनौपचारिक सेक्टरों में बेच रहे हैं, जो पूरी तरह गलत है। इन क्षेत्रों में खुले में आग लगाना, एसिड को बहा देना, खतरनाक कूड़े को इधर-उधर फेंक देना जैसे सभी प्रतिबंधित काम हो रहे हैं। टॉक्सिक लिंक की मुख्य कार्यक्रम समन्वयक प्रीति महेश के अनुसार, इन क्षेत्रों में काम करने वाले लोग एक छोटे से कमरे में काम करते हैं और आसपास की कच्ची कॉलोनियों में ही रहते हैं। इससे वह यहां निकलने वाले केमिकल और मैटेलिक प्रदूषण की चपेट में आते हैं। इस तरह की इकाइयों से हवा ही नहीं, बल्कि मिट्टी और पानी भी जहरीला हो रहा है। टॉक्सिक लिंक के एसोसिएट डायरेक्टर सतीश सिन्हा ने बताया कि इस वजह से यहां पर बीएफआर (ब्रोमिनेट फ्रेम रेडिएंट्स), लेड, कैडमियम, मरकरी, पीवीसी जैसे खतरनाक केमिकल और मेटल मिलते हैं।

डूब क्षेत्र में अतिक्रमण पर एनजीटी की आपत्ति

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने यमुना के डूब क्षेत्र में बने झुग्गी व अर्धस्थायी संरचना पर कड़ी आपत्ति जताई है। यह क्षेत्र गुरुद्वारा मजनूं का टीला के दक्षिण में है और वहां पाकिस्तान से आए लगभग 120 शरणार्थी परिवार रहते हैं। एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयल की पीठ ने यह आपत्ति एक रिपोर्ट को देखने के बाद जताई है।

उन्होंने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि प्राधिकार कैसे यमुना के डूब क्षेत्र में ऐसे अतिक्रमण की अनुमति दे सकता है। यह रिपोर्ट दिल्ली सरकार, दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) व केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों के निरीक्षण के बाद दाखिल की गई है। याचिकाकर्ता जगदेव ने गुरुद्वारे के दक्षिणी हिस्से से सटे अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करने एवं पेड़ों की बड़े पैमाने पर कटाई के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। डीडीए के अधिवक्ता ने कहा कि स्थल निरीक्षण के दौरान सामने आया कि वर्ष 2011 से 2014 के बीच लगभग 120 पाकिस्तानी हिंदू तीर्थयात्रा वीजा पर भारत आए थे। उनके परिवार में लगभग सात सौ लोग थे और उन्होंने गुरुद्वारा मजनूं का टीला के यमुना के डूब क्षेत्र के पांच हजार वर्ग गज में झुग्गी या अस्थायी संरचना बनाकर रहना शुरू कर दिया था। वहां रह रहे लोगों ने बताया था कि सरकारी अधिकारियों ने उन्हें जमीन पर रहने को कहा है, लेकिन उनके पास से ऐसी कोई लिखित अनुमति नहीं मिली। यह जमीन आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के तहत आने वाले भूमि एवं विकास कार्यालय की है। मंत्रालय ने 7 जुलाई, 1971 को उसकी देखभाल व रखरखाव की जिम्मेवारी डीडीए को सौंप दी थी और उसे हस्तांतरित कर दिया था।

एयरपोर्ट के पहले चरण के साथ शुरू होगी एमआरओ की सुविधा

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

- देश-विदेश के विमानों की जेवर एयरपोर्ट पर होगी मरम्मत

जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहले चरण के साथ हवाई जहाज के रखरखाव, मरम्मत की सुविधा विकसित की जाएगी। पहले चरण में एमआरओ से छूट देने की बिड में शामिल कंपनियों की मांग को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट कंपनी लिमिटेड (नियाल) ने अस्वीकार कर दिया है। जेवर एयरपोर्ट कार्गो के लिए भी बड़ा केंद्र होगा। हवाई सेवाओं की शुरुआत के साथ ही एयरपोर्ट पर घरेलू व विदेशी कार्गो से कमाई होगी।

जेवर एयरपोर्ट को देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट के रूप में विकसित करने की योजना है। पहले चरण में दो रनवे के साथ एयरपोर्ट का निर्माण हो रहा है। इसके लिए 1334 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है। अस्सी फीसद जमीन पर यमुना प्राधिकरण को कब्जा भी मिल चुका है। एयरपोर्ट की बिड 29 नवंबर को संपन्न हो जाएगी। बिड में शामिल कंपनियों ने पहले चरण में एमआरओ (मेंटीनेंस, रिपेयर, ओवरहाल) से छूट मांगी थी। लेकिन नियाल ने इसे अस्वीकार कर दिया है। एयरपोर्ट का निर्माण करने वाली कंपनियों को एयरपोर्ट के साथ एमआरओ सुविधा भी विकसित करनी होगी। इससे जेवर एयरपोर्ट भारत समेत आस पास के देशों के विमानों की मरम्मत और रखरखाव के लिए केंद्र बन जाएगा। इससे रोजगार के साथ अच्छा खासा राजस्व मिलेगा। वहीं कार्गो से भी जेवर एयरपोर्ट को अच्छी खासी कमाई होगी। आइजीआइ एयरपोर्ट को मिलने वाले कार्गो का बड़ा हिस्सा गौतमबुद्ध नगर व गाजियाबाद का है। जेवर एयरपोर्ट के शुरू होने से दोनों जिलों का कार्गो यहां से आने जाने की उम्मीद है। एयरपोर्ट पर 2022-23 में 32 मीट्रिक टन घरेलू व 727 मीट्रिक टन इंटरनेशनल कार्गो मिलने की उम्मीद है, जो 2049-50 तक घरेलू में 750 मीट्रिक टन व इंटरनेशनल में 3511 मीट्रिक टन हो जाएगा।

1,700 से ज्यादा सेंट्रल पुलिस कैंटीन (सीपीसी) हैं देश भर में। सशस्त्र बलों के 10 लाख जवान और उनके परिजन सालाना करोड़ों रुपये का घरेलू सामान इन्हीं कैंटीनों से खरीदते हैं।

कोलेजियम ने झारखंड व मेघालय हाई कोर्ट के जजों की पदोन्नति की सिफारिश की

▸ त्रिपुरा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पटना, जस्टिस मित्तल को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट भेजने की अनुसंशा की है

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने हाई कोर्ट के दो न्यायाधीशों जस्टिस रवि रंजन और जस्टिस मुहम्मद रफीक को क्रमशः झारखंड हाई कोर्ट और और मेघालय हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों के पदों पर पदोन्नत करने की सिफारिश की है। जस्टिस रंजन पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में न्यायाधीश हैं जबकि जस्टिस रफीक राजस्थान हाई कोर्ट में हैं।

मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाले शीर्ष कोर्ट के कोलेजियम ने 15 अक्टूबर को हुई अपनी बैठक में इस बाबत निर्णय लिया। शीर्ष कोर्ट की वेबसाइट पर डाले गए बयान में यह जानकारी दी गई। कोलेजियम ने मेघालय हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एके मित्तल का मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश के तौर पर तबादला करने की भी अनुशंसा की है। इससे पहले, कोलेजियम ने जस्टिस मित्तल का मद्रास हाई कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश के तौर पर तबादला करने की सिफारिश की थी। जस्टिस मित्तल को मद्रास हाई कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश वीके ताहिलरमानी का स्थान लेना था। लेकिन जस्टिस ताहिलरमानी ने मेघालय हाई कोर्ट जाने से इन्कार कर दिया और त्यागपत्र दे दिया जिसे स्वीकार कर लिया गया है। कोलेजियम ने त्रिपुरा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजय करोल का पटना हाई कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश के तौर पर और पटना हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एपी साही को मद्रास हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश के रूप में तबादला करने की सिफारिश की है।

वकीलों को न्यायाधीश बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी : कोलेजियम ने वकील मोक्षा काजमी (खजुरिया) और राजेश ओस्वाल को जम्मू कश्मीर हाई कोर्ट में न्यायाधीश के तौर पर नियुक्त करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। कोलेजियम ने न्यायिक अधिकारियों पार्थिवज्योति सैकिया और एस हुकातो स्वयू और वकील सुमित्रा सैकिया को गौहाटी हाई कोर्ट में न्यायाधीश बनाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। इसने न्यायिक अधिकारी वानलुरा डेंगदोह को मेघालय हाई कोर्ट में न्यायाधीश के तौर पर पदोन्नत करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है।

पटना हाई कोर्ट के जस्टिस राकेश कुमार के तबादले की सिफारिश

हाल ही में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की बात कहकर विवाद पैदा करने वाले पटना हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस राकेश कुमार को आंध्र प्रदेश भेजने की सिफारिश की गई है। एक पूर्व आइएएस अधिकारी को भ्रष्टाचार मामले में अग्रिम जमानत देने से इन्कार करने के बाद पटना के जिला न्यायाधीश ने नियमित जमानत दे दी थी। इसी मामले में जस्टिस कुमार ने न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की बात कहते हुए जिला न्यायाधीश के खिलाफ सीबीआइ जांच का आदेश दिया था। जस्टिस कुमार ने 28 अगस्त को दिए गए अपने आदेश की प्रति भारत के मुख्य न्यायाधीश, शीर्ष कोर्ट कोलेजियम, केंद्रीय कानून मंत्रालय और प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजने का निर्देश भी दिया गया। बाद में पटना हाई कोर्ट की पूर्ण पीठ ने इस आदेश को निरस्त कर दिया था।

जेपी के प्रोजेक्ट पर एनबीसीसी ने दी संशोधित योजना

नई दिल्ली, आइएएनएस : नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कारपोरेशन (एनबीसीसी) ने जेपी इंफ्राटेक के अधूरे प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के समक्ष संशोधित प्रस्ताव पेश किया है। यह प्रस्ताव इसके बाद एनबीसीसी के वकील को वापस सौंप दिया गया। होम बायर्स के वकील ने कोर्ट से प्रस्ताव की एक प्रति को उन्हें भी सौंपने की अपील की है। इस बीच, जेपी ग्रुप ने नेशनल कंपनी लॉ अपील ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) के आदेश के खिलाफ सर्वोच्च अदालत में दस्तक दी है। एनसीएलएटी ने मूल कंपनी जेपी एसोसिएट्स को जेपी इंफ्रा के लिए बोली लगाने से रोक दिया था।

जेपी ग्रुप ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट से इस प्रोजेक्ट के लिए उसके प्रस्ताव पर विचार करने की अपील की है। कोर्ट जेपी ग्रुप की याचिका पर 22 अक्टूबर को सुनवाई करेगी। साथ ही तब के लिए कंपनी की दिवालिया घोषित करने संबंधी अदालती प्रक्रिया को यथास्थिति बरकरार रखने को कहा है। विगत दो अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने एनसीएलएटी के आदेश के खिलाफ जेपी ग्रुप की याचिका को दो हफ्ते के लिए यथास्थिति रखने का आदेश दिया था।

देश में खुलेंगे 45 नए जवाहर नवोदय विद्यालय

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▸ नवोदय विद्यालय समिति की उच्च स्तरीय बैठक में बनी सहमति, जल्द ही कैबिनेट में लाया जाएगा प्रस्ताव

▸ वंचित जिलों को प्रमुखता से किया जाएगा शामिल, अभी देश में करीब 661 विद्यालय हैं मौजूद

रमेश पोखरियाल निशंक फाइल फोटो

देश में आने वाले दिनों में 45 नए जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) खोले जाएंगे। इनमें एक विद्यालय हरियाणा के चरखी-दादरी में भी खुलेगा। फिलहाल इसकी तैयारी शुरू हो गई है। जल्द ही इसका प्रस्ताव कैबिनेट को भेजा जाएगा। इस प्रस्ताव में सबसे ज्यादा 21 विद्यालय अकेले तेलंगाना में खोले जाएंगे। ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभाशाली बच्चों को बेहतर और निःशुल्क स्कूली शिक्षा मुहैया कराने के लिए लिहाज से यह स्कूल संचालित किए जा रहे हैं। मौजूदा समय में देश भर में ऐसे करीब 661 विद्यालय हैं।

मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई नवोदय विद्यालय समिति के कार्यकारिणी की 37वीं बैठक में इसे लेकर सहमति बनी है। केंद्रीय मंत्री निशंक ने इस दौरान समिति से जल्द ही इसका विस्तृत प्रस्ताव तैयार देने के निर्देश दिए हैं। खास बात यह है कि इस प्रस्ताव के तहत इन विद्यालयों को उन्हीं जिलों में खोला जाएगा, जहां मौजूदा समय में जवाहर नवोदय विद्यालय नहीं हैं। नवोदय विद्यालय समिति के मुताबिक प्रत्येक जिले में ऐसा कम से कम एक विद्यालय खोलने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि कुछ जिलों में दो या तीन विद्यालय भी विशेष प्रावधानों के तहत खोले गए हैं। इनमें वह जिले शामिल हैं, जिसमें एससी-एसटी की सबसे ज्यादा आबादी निवास करती है।

मंजूरी के बाद भी जमीन न मिलने पर निशंक ने जताई नाखुशी

केंद्रीय मंत्री ने इस दौरान स्वीकृति के बाद भी कई राज्यों में स्कूल के लिए जमीन न मिलने को लेकर नाखुशी जताई। साथ ही समिति को निर्देश दिया कि वह दो महीने के भीतर ऐसे राज्यों से संपर्क कर जमीन का आवंटन सुनिश्चित कराएं। दिक्कत होने पर मंत्रालय की मदद लेने के भी निर्देश दिए हैं। मौजूदा समय में जमीन न मिल पाने के चलते उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड सहित कई राज्यों में कई स्कूलों को खुद का भवन नहीं मिल पाया है। नियम के मुताबिक जवाहर नवोदय विद्यालय के लिए कम से कम 30 एकड़ जमीन चाहिए। जिसे उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है।

किस राज्य को मिलेंगे कितने विद्यालय

समिति से जुड़े सूत्रों के मुताबिक प्रस्ताव में जिन राज्यों में 45 नए विद्यालय खोलने का प्रस्ताव है, उनमें 21 तेलंगाना, पश्चिम बंगाल–तीन, मणिपुर–सात, असम–छह, अरुणाचल प्रदेश में पांच, हरियाणा में एक, महाराष्ट्र में एक और नगालैंड में भी एक विद्यालय खोला जाएगा।

24 तक ईडी की हिरासत में रहेंगे चिदंबरम

मुश्किलें बरकरार ▸ आइएनएक्स मीडिया डील के मनी लांड्रिंग मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिया आदेश

भ्रष्टाचार मामले में भी न्यायिक हिरासत सात दिन तक के लिए बढ़ी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

आइएनएक्स मीडिया डील मामले में आरोपित पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी चिदंबरम को एक बार फिर कोर्ट से झटका लगा है। दिल्ली स्थित राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश अजय कुमार कुहार ने गुरुवार को उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की सात दिन की हिरासत में भेज दिया। चिदंबरम 24 अक्टूबर तक ईडी की हिरासत में रहेंगे। वहीं, अदालत ने सीबीआइ के भ्रष्टाचार मामले में चिदंबरम की न्यायिक हिरासत भी सात दिन तक के लिए (24 अक्टूबर तक) बढ़ा दी। वहीं ईडी की हिरासत के दौरान चिदंबरम ने घर का खाना उपलब्ध कराने, वेस्टर्न टॉयलेट और दवाइयों के इस्तेमाल की इजाजत मांगी। उन्होंने अलग सेल की मांग की। कोर्ट ने उनकी इन सभी मांगों को स्वीकार कर लिया।

इससे पहले ईडी द्वारा दर्ज मनी लांड्रिंग मामले में गुरुवार को सुनवाई हुई। ईडी ने चिदंबरम से पूछताछ के लिए 14 दिन की हिरासत मांगी। ईडी की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि चिदंबरम को बुधवार को गिरफ्तार किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने भी चिदंबरम को हिरासत में लेकर पूछताछ करने की बात कही है। पहले भी चिदंबरम सहयोग करने को तैयार थे। ईडी के पास मनी लांड्रिग के सुबूत हैं। पांच सितंबर को चिदंबरम ईडी की हिरासत में जाने को तैयार थे और उस दिन हिरासत में इसलिए नहीं लिया गया क्योंकि हमें कुछ लोगों के बयान लेने थे, जो अब पूरे हो गए हैं। ईडी को मनी लांड्रिग के कई नए सुबूत मिले हैं।

नई दिल्ली में गुरुवार को पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी. चिदंबरम को अदालत में पेश किया गया। प्रेट्र

चिदंबरम के वकील कपिल सिब्बल ने ईडी की दलीलों का विरोध किया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हिरासत में लेकर पूछताछ की जरूरत है, ऐसे में ईडी ने तत्काल हिरासत में क्यों नहीं लिया। ईडी ने जब भी चिदंबरम को बुलाया है वे गए। वह आखिरी बार ईडी के सामने इस साल आठ फरवरी को पेश हुए थे। कपिल सिब्बल ने कहा कि पहले सीबीआइ ने गिरफ्तार किया, फिर पुलिस कस्टडी और फिर न्यायिक हिरासत। जब 60 दिन पूरे होने वाले हैं तब प्रवर्तन निदेशालय कस्टडी मांग रहा है। जांच एजेंसी की मंशा सिर्फ चिदंबरम को जेल में रखने की है।

सिब्बल ने कहा कि ईडी व सीबीआइ पिछले दो साल से वही पुरानी दलीलें दे रही हैं। मैं फिर कहता हूं कि किसी विदेशी खाता और किसी शेल कंपनी से नाता नहीं है, जिसकी बात प्रवर्तन निदेशालय कर रहा है। सीबीआइ और ईडी की रिमांड याचिका एक जैसी है। यह सब तो पांच सितंबर से पहले ही का है, इसमें ईडी के पास नया क्या है? अगर ईडी को वही पुरानी दलीलें देनी थीं तो पहले कस्टडी क्यों नहीं ली? सुप्रीम कोर्ट ने गिरफ्तारी का आदेश दिया तो आपने तुरंत क्यों नहीं गिरफ्तार किया? सीबीआइ ने चिदंबरम को 21 अगस्त को गिरफ्तार किया था और कोर्ट ने 22 अगस्त को उन्हें रिमांड पर भेज दिया था। पांच सितंबर को रिमांड पूरी होने के बाद चिदंबरम को पहले 19 सितंबर तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा और 19 सितंबर को उनकी न्यायिक हिरासत 14 दिन के लिए बढ़ा दी गई।

यह है मामला : आइएनएक्स मीडिया मामले में सीबीआइ ने 15 मई 2017 को प्राथमिकी दर्ज की थी। आरोप है कि पी चिदंबरम के कार्यकाल के दौरान 2007 में 305 करोड़ रुपये की विदेशी धनराशि प्राप्त करने के लिए आइएनएक्स मीडिया समूह को दी गई विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड (एफआइपीबी) की मंजूरी में अनियमितताएं हुईं। ईडी ने मनी लांड्रिंग का मामला दर्ज किया था।

354 करोड़ के बैंक लोन घोटाले में रतुल पुरी के खिलाफ आरोप पत्र दायर

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

354 करोड़ रुपये के बैंक लोन घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में ईडी ने गुरुवार को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ के भतीजे आरोपित रतुल पुरी के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल कर दिया। ईडी ने विशेष न्यायाधीश संजय गर्ग की अदालत में रतुल व मोजर बेयर कंपनी के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया। कोर्ट ने दस्तावेजों की जांच के लिए सुनवाई 25 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी। आरोप है कि कागजों से छेड़छाड़ कर 354 करोड़ का लोन लिया गया। इस मामले में विशेष अदालत ने अगस्ता वेस्टलैंड मामले में पुरी की न्यायिक हिरासत को 25 अक्टूबर तक के लिए बढ़ा दिया है। मामले में हाई कोर्ट ने पुरी की अग्रिम जमानत याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि मामले में विस्तार से जांच की जरूरत है। सीबीआइ ने 17 अगस्त को सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की शिकायत पर रतुल, दीपक पुरी और नीता पुरी के खिलाफ केस दर्ज किया था। सीबीआइ के बाद ईडी ने भी यह मामला दर्ज किया था और 20 अगस्त को पुरी को गिरफ्तार कर लिया गया था। तब से रतुल पुरी ईडी के पास रिमांड पर थे।

यह है मामला : गलत ढंग से लोन लेने का मामला रतुल पुरी के पिता दीपक पुरी की कंपनी मोजर बेयर से जुड़ा है। 2012 में रतुल पुरी इस कंपनी के कार्यकारी निदेशक थे और उसी अवधि में लोन लिया गया था। बाद में रतुल पुरी ने खुद को कंपनी से अलग कर लिया था। रतुल पुरी के खिलाफ ईडी, आयकर विभाग और सीबीआइ जांच कर रही हैं।

भारतीय दृष्टिकोण से लिखें इतिहास का सच : शाह

राकेश पांडेय, वाराणसी

▸ गृहमंत्री ने कहा, सम्राट स्कंदगुप्त और विक्रमादित्य की गौरवशाली गाथा को इतिहास में नहीं दी गई जगह

भाजपा के खेमे से वीर सावरकर को भारत रत्न देने की मांग के बीच गृहमंत्री अमित शाह ने स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान की मुक्तकंठ से प्रशंसा की है। कहा, यदि सावरकर न होते तो 1857 की क्रांति को भी देश ठीक से न जान पाता और वह ब्रिटिश दृष्टिकोण से एक विद्रोह भर रह जाता। अब वक्त आ गया है कि अंग्रेज इतिहासकारों और वामपंथियों को दोष देना बंद करें और भारतीय दृष्टिकोण से भारतीय इतिहास का लेखन किया जाए। इतिहास का यह पुनर्लेखन सत्य पर आधारित हो, पहले का इतिहास क्या लिखा गया इस विवाद में न पड़ें।

काशी हिंदू विश्वविद्यालय स्थित भारत अध्ययन केंद्र की ओर से गुरुवार को स्वतंत्रता भवन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 'गुप्तवंशैक वीर : स्कंदगुप्त विक्रमादित्य का ऐतिहासिक पुनः स्मरण एवं भारत राष्ट्र का राजनीतिक भविष्य' को गृह मंत्री ने बतौर मुख्य अतिथि संबोधित किया। उन्होंने देश के इतिहासकारों से अपील की कि अतीत के 200 व्यक्तित्व-महापुरुषों और 25 साम्राज्यों का गौरवशाली इतिहास लिखें। कोई फर्क नहीं पड़ेगा कि पहले क्या लिखा गया, अब जो सच आप लिखेंगे, वह लंबा चलेगा और चिरंजीवी होगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, आइआइटी बीएचयू के निदेशक प्रो. आरके जैन, इतिहास संकलन समिति के अध्यक्ष डा. बालमुकुंद पांडेय और समन्वयक प्रो. सदाशिव कुमार द्विवेदी भी मंचासीन रहे। दो दिवसीय संगोष्ठी में भारत सहित आठ देशों के 200 से अधिक विद्वान शामिल होंगे।

पराक्रमी थे सम्राट स्कंदगुप्त विक्रमादित्य : अमित शाह ने महाभारत काल के 2000 वर्ष बाद के 800 वर्ष के गौरवशाली कालखंड की चर्चा करते हुए कहा कि इसे दो प्रमुख शासन व्यवस्थाओं 'मौर्य वंश' और 'गुप्त वंश' के चलते जाना जाता है। दोनों वंशों ने भारतीय संस्कृति को तब के वैश्विक परिदृश्य में सर्वोच्च स्थान पर प्रतिस्थापित किया। चंद्रगुप्त विक्रमादित्य को इतिहास में प्रसिद्धि मिली लेकिन स्कंदगुप्त विक्रमादित्य के साथ इतिहास में अन्याय हुआ। आज उनके व्यक्तित्व-कृतित्व को जानने के लिए 200 पेज का भी लेखन नहीं मिलता। स्कंदगुप्त ने कश्मीर से कंधार तक के हूणों के आतंक से देश को मुक्त कराया। दुनिया में पहली बार हूणों को पराजय मिली और स्कंदगुप्त ने बर्बर आक्रमण को खत्म करने के साथ सुखी और समृद्ध भारत का निर्माण किया। स्कंदगुप्त के गौरवशाली पराक्रम को इतिहास में विस्तार से दर्ज करने की जरूरत है। स्कंदगुप्त विक्रमादित्य को उत्कृष्ट शासन व्यवस्था, दुर्ग स्थापत्य, नगर संरचना, राजस्व संग्रह के आदर्श नियमों और सामरिक सशक्ततता के लिए जाना जाता है।

वाराणसी में गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते अमित शाह। जागरण

गुप्तवंश की आठवीं पीढ़ी के शासक थे स्कंदगुप्त : गुप्त वंश की आठवीं पीढ़ी के शासक थे सम्राट स्कंदगुप्त विक्रमादित्य। इनकी राजधानी पाटलिपुत्र थी। सम्राट कुमार गुप्त के पुत्र स्कंदगुप्त को इतिहास में बर्बर आक्रांताओं हूणों को परास्त करने के लिए जाना जाता है। दुनियाभर में विध्वंस करने वाले हूण पहली बार स्कंदगुप्त द्वारा भारत में न सिर्फ हराए गए बल्कि उन्हें देश की सीमा से बाहर खदेड़ दिया गया था। स्कंदगुप्त के बारे में इतिहास में बहुत विस्तार से उतनी जानकारी नहीं मिलती है जितना उनका पराक्रम और शासकीय योगदान था।

भाजपा–जदयू गठबंधन अटल, नीतीश के नेतृत्व में लड़ेंगे विधानसभा का चुनाव

नई दिल्ली, प्रेट्र : जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के साथ गठबंधन के भविष्य को लेकर लगाए जा रहे अनुमानों को विराम देते हुए भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने जोर देकर कहा है कि उनका गठबंधन अटल है। अगले साल होने वाला बिहार विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। भाजपा अध्यक्ष का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब राज्य में भाजपा और जदयू के बीच मतभेद की अटकलें लग रही थीं।

गुरुवार को एक निजी समाचार चैनल से बातचीत में शाह ने कहा, 'बिहार में भाजपा और जदयू का गठबंधन अटल है और दोनों मिलकर चुनाव लड़ेंगे। यह चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। यह पूरी तरह से स्पष्ट है।' गौरतलब है कि कई मुद्दों को लेकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की भाजपा नेता गिरिराज सिंह एवं कुछ अन्य पार्टी नेता आलोचना करते रहे हैं। इस पर जदयू नेताओं की ओर से प्रतिक्रिया भी आती रही है।

रूपाणी ने कहा, कायर थी मनमोहन सरकार

शत्रुघ्न शर्मा, अहमदाबाद

▸ प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान को दिया मुंहतोड़ जवाब

आतंकवाद के मुद्दे पर गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि पहले बायडी (कायर) सरकार थी लेकिन मोदी ने सत्ता में आते ही पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की कार्यशैली पर प्रश्न चिह्न लगाते हुए रूपाणी बोले की पूर्व पीएम बयान देते थे तब तक दूसरा आतंकी हमला हो जाता था।

रूपाणी ने गुरुवार को उत्तर गुजरात की बायड व थराद सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों का प्रचार किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के जमाने में बायडी या महिलाओं जैसी सरकार थी। जिसके चलते आतंकवादियों के हौंसले इतने बढ़ गए थे कि सरकार कोई कदम उठाए उससे पहले दूसरा हमला हो जाता था।

रूपाणी ने कहा पूर्व पीएम मनमोहन सिंह इतना धीमा बोलते थे कि आतंकी हमले को लेकर जब कहते थे हम देखते हैं, हम सोचते हैं तब तक दूसरा हमला हो जाता था। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनते ही आतंकवाद की कमर तोड़ दी। पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया जिसके चलते आज कश्मीर में भी आतंकवाद समाप्त होने जा रहा है। गुजरात में पहले आए दिन कांग्रेस कौमी दंगे कराती थी। लेकिन मोदी के मुख्यमंत्री बनने के बाद एक भी दंगा नहीं हुआ। 20 साल से राज्य में पूरी तरह शांति है। नेता विपक्ष परेश धनाणी ने मुख्यमंत्री के बयान को महिला विरोधी व नारी शक्ति का अपमान कहा है। उन्होंने कहा कि विफल सरकार के मुखिया महिलाओं का अपमान कर रहे हैं जनता इसका जवाब देगी।

विजय रूपाणी फाइल फोटो

तेज हो गया चुनाव प्रचार : गुजरात की छह सीटों पर होने जा रहे उपचुनाव के लिए प्रचार तेज हो गया है। थराद में कांग्रेस के पूर्व विधायक मावजी पटेल भाजपा में शामिल हुए तो राधनपुर में निर्दलीय उम्मीदवार सुभाष मकवाणा अपने 500 कार्यकर्ताओं के साथ कांग्रेस के पाले में चले गए। अल्पेश की मुश्किल दिन ब दिन बढ़ती जा रही है। इस सीट पर दलितों के 15 हजार से अधिक मतदाता हैं। कांग्रेस हर हाल में अल्पेश को यह चुनाव हराकर हिसाब चुकता करना चाहती है।

सुप्रीम कोर्ट की कमेटी ने ऑल वेदर परियोजना के डंपिंग जोन पर उठाया सवाल

जागरण संवाददाता, उत्तरकाशी : उत्तरकाशी में ऑल वेदर रोड परियोजना के तहत बरसाती नालों के किनारे बनाए गए डंपिंग जोन पर सुप्रीम कोर्ट की हाई पावर कमेटी ने सवाल उठाए। कमेटी के सदस्यों ने कहा कि बरसात के मौसम में यह खतरा बन सकते हैं। उन्होंने पूछा कि किस आधार पर इन स्थानों पर डंपिंग जोन बनाने की अनुमति दी गई। कमेटी ने इसका जल्द समाधान करने को भी कहा। ऑल वेदर रोड निर्माण में पर्यावरण को लेकर उठे सवालों के बाद सुप्रीम कोर्ट ने परियोजना के तहत नए कार्यों पर रोक लगा दी थी। ईको सेंसिटिव जोन होने के कारण उत्तरकाशी से गंगोत्री तक करीब 100 किलोमीटर सड़क पर भी काम शुरू नहीं हो पाया है। परियोजना से पर्यावरणीय प्रभाव के आंकलन के लिए केंद्र सरकार ने इसके लिए 13 सदस्यीय कमेटी का गठन किया। गुरुवार को कमेटी के सदस्यों ने उत्तरकाशी से दो किलोमीटर दूर चुंगी-बड़ेथी में भूस्खलन जोन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कमेटी के चेयमैन प्रो. रवि चोपड़ा ने सुझाव दिया कि जिन स्थानों पर सड़क की चौड़ाई 12 मीटर है, उन स्थानों को न छेड़ा जाए।

कैंटीन व ऑफिस में स्वदेशी वस्तुएं अपनाएं सीएपीएफ : गृह मंत्रालय

▸ कहा, विदेशी ब्रांडों का करें त्याग, देश में निर्मित खाद्य पदार्थ, घरेलू वस्तुएं और कपड़ों का करें प्रयोग

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सीआरपीएफ, सीआइएसएफ, आइटीबीपी, एसएसबी, बीएसएफ और असम राइफल्स जैसे सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) को विदेशी ब्रांड की वस्तुएं त्यागने का आदेश दिया है। साथ ही अपनी कैंटीनों और ऑफिसों में स्वदेशी वस्तुएं अपनाने का निर्देश दिया है। इन वस्तुओं में खाद्य पदार्थ, घरेलू वस्तुएं और कपड़े शामिल हैं।

मंत्रालय की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, देशभर की 1,700 से ज्यादा सेंट्रल पुलिस कैंटीनों (सीपीसी) में इन नई वस्तुओं की खरीद स्वदेशी की जाए। इसके अलावा जब वर्तमान वस्तुओं को बदलने का समय हो तो उन्हें भी स्वदेशी वस्तुओं से बदला जाए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'इस आदेश का मकसद इन वस्तुओं के स्थानीय उत्पादकों की आय में वृद्धि और उनके स्तर में बढ़ोतरी करना है। इसके अलावा स्वदेशी उत्पादों और उद्योग को बढ़ावा देना भी है। वर्तमान में इन बलों में करीब 10 लाख जवान हैं और वे हर साल करोड़ों रुपये का सामान इन कैंटीनों से खरीदते हैं।'

इसके साथ ही गृह मंत्रालय ने इन कैंटीनों का वित्तीय अनुदान भी बढ़ाने का फैसला किया है क्योंकि सरकार ने इन कैंटीनों को सैन्य बलों की कैंटीनों की तर्ज पर जीएसटी से मुक्त करने का प्रस्ताव ठुकरा दिया है।

सुनिश्चित करें, जवान साल में सौ दिन परिवार के साथ रहें : अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सीएपीएफ को बड़े स्तर पर ऐसी योजना बनाने का निर्देश दिया है ताकि इन बलों के जवान साल में कम से कम 100 दिन अपने परिवार के साथ बिता सकें। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि अमित शाह को पिछले महीने सीएपीएफ की कार्यपद्धति पर एक प्रेजेंटेशन दिया गया था। जिसके बाद उन्होंने निर्देश दिया कि इन बलों के जवानों की तैनाती के विवरण का डिजिटलीकरण किया जाए ताकि मैनपॉवर का बेहतर इस्तेमाल किया जा सके। अधिकारियों के मुताबिक, केंद्रीय गृह मंत्री के निर्देश का मतलब यह है कि जवानों को उनकी यूनिटों के नजदीक तैनात किया जाएगा और जब तक ऑपरेशनल मजबूरी न हो वे अपने परिवारों के साथ रह सकें। सीएपीएफ को ऐसी योजना बनाने के लिए दो महीने का वक्त दिया गया है।

सामने आया सच

दाऊद इब्राहिम के दाहिने हाथ माने जाने वाले इकबाल मिर्ची और उसके परिजनों ने देश और विदेश में काफी संपत्ति इकट्ठा की है, इनमें बंगले, दुकानें और कई फ्लैट शामिल हैं

दो हजार करोड़ की संपत्ति का मालिक है मिर्ची परिवार

नीलू रंजन, नई दिल्ली

इकबाल मिर्ची फाइल फोटो

▸ मुंबई, लंदन और दुबई तक में हैं ड्रग तस्कर परिवार की संपत्तियां, ईडी ने जुटाया काली कमाई से बनाई गई संपत्तियां का ब्योरा

अंडरवर्ल्ड सरगना दाऊद इब्राहिम के दाहिने हाथ माने जाने वाले जिस ड्रग तस्कर इकबाल मिर्ची के साथ व्यावसायिक रिश्तों को लेकर पूर्व नागरिक उड्डयन मंत्री और राकांपा के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल विवादों में घिर गए हैं, उस ड्रग तस्कर के परिवार के पास देश-विदेश में दो हजार करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां हैं। इनमें अकेले मुंबई में 500 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां हैं। ईडी ने देश-विदेश में फैली इन सारी नामी-बेनामी संपत्तियों और उन्हें खरीदने के लिए किए पैसे के लेन-देन (मनी ट्रेल) को ढूंढ निकाला है।

ईडी के पास मौजूद दस्तावेजों के अनुसार वर्ली के सनब्लिंक रियल्टर्स को दिए प्लॉट और प्रफुल्ल पटेल के परिवार की कंपनी मिलेनियम डेवलपर्स द्वारा बनाए गए 15 मंजिले सीजे हाऊस के अलावा भी कई संपत्तियां हैं। इनमें खंडाला में छह एकड़ जमीन पर बना एक बंगला है, जो वैसे तो व्हाइटवाटर लिमिटेड के नाम है, लेकिन असल में इकबाल मिर्ची की पत्नी हाजरा इकबाल और बेटे के कब्जे में है। वर्ली में ही साहिल बंगला भी इकबाल मिर्ची की पत्नी और बच्चों के नाम पर है। वर्ली स्थित समंदर महल इकबाल मिर्ची की बहन और बहनोई के कब्जे में है। इसी तरह बायकुला की न्यू रोशन टॉकीज, क्रॉफर्ड मार्केट में तीन दुकानें, जुहू तारा रोड पर मीनाज होटल और पंचगनी में बंगला भी मिर्ची परिवार का ही है।

ईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इकबाल मिर्ची के परिवार के पास ब्रिटेन में 25 संपत्तियां हैं। इनमें अकेले लंदन में 16 संपत्तियों की मालकिन इकबाल मिर्ची की पत्नी हाजरा मिर्ची है। ये सभी संपत्तियां काउंटी प्रोपर्टीज लिमिटेड और यूसकोंबे लिमिटेड नाम की दो कंपनियों के नाम पर हैं, लेकिन ये कंपनियां असल में हाजरा मिर्ची की ही हैं। ब्रिटेन की चार कंपनियों रिड्ज, टापलाइन इस्टेट, क्यूये मैनेजमेंट (वाटरसाइड) और इंपीरियल होटल (डार्टफोर्ड) के नाम पर लंदन स्थित छह संपत्तियां इकबाल मिर्ची परिवार की ही हैं। इसी तरह यूएई स्थित मिहाज इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन की लंदन में तीन संपत्तियां हैं, जो असल में मिर्ची परिवार की हैं। ब्रिटेन के अलावा मिर्ची परिवार ने 2010 में यूएई में अब्दुल सलेम नाम से मिड वेस्ट होटल अपार्टमेंट 93 मिलियन दिरहम यानी 180 करोड़ रुपये में खरीदा था। दुबई स्थित इस संपत्ति को खरीदने के लिए मुंबई की तीन संपत्तियों राबिया मैनसन, मरियम लॉज और सी व्यू को बेचकर हवाला के मार्फत पैसे भेजे गए थे।

प्रवर्तन निदेशालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि दुबई ही नहीं, लंदन की संपत्तियों को खरीदने के लिए भी इसी तरह मुंबई स्थित बेनामी संपत्तियों को धीरे-धीरे बेचकर हवाला के मार्फत पैसे भेजे गए थे। उन्होंने कहा कि इनमें बहुत सारे लेन-देन के सबूत भी मिले हैं, जिनमें चेन्नई स्थित कुछ फर्जी बैंक अकाउंट भी शामिल हैं। इकबाल मिर्ची की बेनामी संपत्तियों को बेचने और उससे मिले पैसे को हवाला के मार्फत विदेश भेजने में मदद करने वाले हारून युसूफ और रंजित सिंह बिंद्रा समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर ईडी के अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं।

शुक्रवार को प्रफुल्ल पटेल से पूछताछ करेगा ईडी

नई दिल्ली, आइएएनएस : ईडी पूर्व केंद्रीय मंत्री और राकांपा के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल से शुक्रवार को पूछताछ करेगा। अधिकृत सूत्रों ने गुरुवार को कहा, जांच एजेंसी ने पटेल को शुक्रवार को पूछताछ के लिए मुंबई कार्यालय में तलब किया है जहां उनके बयान को मनी लांड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत दर्ज किया जाएगा। पटेल से इकबाल मिर्ची की पहली पत्नी हाजरा के साथ मिलेनियम डेवलपर्स के साथ वित्तीय लेनदेन के बारे में पूछताछ की जाएगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री से उन तमाम मुखौटा कंपनियों के बारे में भी पूछताछ की जाएगी जिनकी जानकारी प्रवर्तन निदेशालय को मिर्ची परिवार से पूछताछ के बाद पता चली है।

बता दें कि जांच एजेंसी ने अंडरवर्ल्ड डान दाऊद इब्राहिम के सहयोगी इकबाल मिर्ची के परिवार के सदस्यों के साथ वित्तीय लेनदेन पर पूर्व केंद्रीय मंत्री और उनकी पत्नी वर्षा के खिलाफ शिकंजा कस दिया है। पटेल और उनकी पत्नी वर्षा की कंपनी मिलेनियम डेवलपर्स ने इकबाल मिर्ची के परिवार के सदस्यों के साथ कथित रूप से संपत्ति की खरीद-फरोख्त की है।

कह के रहेंगे माधव जोशी

हुंकार ▶ महाराष्ट्र की चुनावी रैलियों में विपक्ष पर जमकर बरसे प्रधानमंत्री

अनुच्छेद 370 हटाने का मजाक बनाने वालों को इतिहास भूलेगा नहीं : मोदी

कहा, देशहित के विरुद्ध बोलने वालों को सबक सिखाने का मौका

बीड, प्रेट्र : जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के कदम का मजाक बनाने वालों को इतिहास कभी नहीं भूलेगा। अब महाराष्ट्र की जनता के पास ऐसे लोगों को सजा देने का मौका है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए बीड में रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को यह बात कही। मोदी ने भरोसा जताया कि राज्य में भाजपा गठबंधन रिकॉर्ड जीत दर्ज करेगा। मोदी ने गुरुवार को बीड, सतारा और पुणे में रैलियां कीं। महाराष्ट्र विधानसभा के लिए 21 अक्टूबर को मतदान होगा और नतीजे 24 अक्टूबर को आएंगे।

मोदी ने कहा, 'मुझे आप पर और आपकी देशभक्ति पर भरोसा है कि आप देशहित के विरुद्ध बोलने वालों को सबक सिखाएंगे।' पीएम ने कांग्रेस नेताओं के बयानों को भारत विरोधी तत्वों को ऑक्सीजन देने वाला करार दिया। उन्होंने कहा, 'कुछ कांग्रेस नेता कहते हैं कि अगर कश्मीर हिंदू बहुल होता, तो अनुच्छेद 370 हटाने का फैसला नहीं लिया जाता। बात जब देश की अखंडता की है, तब आप हिंदू-मुस्लिम सोच रहे हैं। क्या यह सही है? कुछ कांग्रेस नेता कहते हैं कि अनुच्छेद 370 हटाना किसी की हत्या करने जैसा है। यह भारत का आतंरिक मामला नहीं है। इस अनुच्छेद के हटने से देश में तबाही मच जाएगी। ऐसे बयानों की सूची इतनी लंबी है कि सुनाते-सुनाते 21 अक्टूबर की तारीख आ जाएगी।' मोदी ने कहा कि देश ऐसे लोगों को सजा देने का मौका देख रहा है और महाराष्ट्र के लोगों के दरवाजे तक यह मौका चलकर आया है।

दुनिया देख रही भारत की ताकत
पीएम ने कहा कि पूरी दुनिया नए भारत के आत्मविश्वास को देख रही है। हर व्यक्ति इस बदलाव को महसूस कर रहा है। पुणे की रैली में जुटे लोगों से उन्होंने पूछा, 'क्या आपने हमारी सरकार की दूसरी पारी में पिछले 100 दिनों में नए भारत का असर महसूस किया है? क्या आपने इसकी ताकत देखी? क्या आपने फैसले लेने की इसकी क्षमता और विचारों में स्पष्टता को महसूस किया?'

बीड में हमेशा खिला कमल : मोदी ने कहा कि बीड में हमेशा कमल खिला है और अगले चुनाव में भी जीत के सभी रिकॉर्ड टूट जाएंगे। पीएम ने कहा कि बीड ने उन्हें गोपीनाथ मुंडे और प्रमोद महाजन जैसे दोस्त दिए। आज दोनों हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस और पंकजा मुंडे उनके सपनों को पूरा करने की दिशा में प्रयासरत हैं। पीएम ने कांग्रेस और राकांपा में कई युवा व वरिष्ठ नेताओं के बगावती सुरों का भी जिक्र किया।

जन भावनाएं नहीं समझते विपक्षी नेता : सतारा में रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि कांग्रेस और राकांपा के नेता जन भावनाएं समझने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा, 'जब इनके नेता हमारे जवानों की वीरता पर सवाल उठाते हैं, तो जनता को तकलीफ होती है। जब ये राफेल विमान पर झूठ फैलाते हैं, तो देश की भावनाएं आहत होती हैं। लोगों को गुस्सा आता है जब इनके नेता वीर सावरकर जैसे नेताओं को अपमानित करते हैं।'

महाराष्ट्र के सतारा जिले में गुरुवार को चुनावी रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तलवार भेंट की गई। प्रेट्र

कांग्रेस ने 370 हटाने के हक में वोट दिया, इसके खिलाफ नहीं : मनमोहन

ओमप्रकाश तिवारी, मुंबई

अनुच्छेद 370 हटाए जाने के मुद्दे पर चौतरफा घिर चुकी कांग्रेस का यू-टर्न चौंकाने वाला रहा। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस ने अनुच्छेद 370 हटाने के हक में वोट दिया, इसके खिलाफ नहीं। मनमोहन सिंह गुरुवार को मुंबई में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव अभियान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह कांग्रेस व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) को अनुच्छेद 370 के मुद्दे पर लगातार घेरते आ रहे हैं। कांग्रेस की ओर से आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में जब इसी मुद्दे पर मनमोहन सिंह से पूछा गया तो उन्होंने साफ कहा कि जब अनुच्छेद 370 हटाने का विधेयक संसद में आया और उस पर बातचीत हुई तो कांग्रेस पार्टी ने इसके हक में वोट दिया। कांग्रेस पार्टी का विचार है कि अनुच्छेद 370 एक अस्थाई व्यवस्था है, लेकिन यदि इसमें कोई परिवर्तन करना है तो जम्मू-कश्मीर के लोगों को भरोसे में लेकर किया जाना चाहिए। इसे खत्म करने का जो तरीका अपनाया गया, उस दबंगई का हम विरोध करते हैं, न कि अनुच्छेद 370 हटाए जाने का। मनमोहन सिंह ने एक सवाल का जवाब देते हुए यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी से ज्यादा देशभक्त और कोई दल नहीं है। आजादी की लड़ाई में कांग्रेस के योगदान को सब जानते हैं। कांग्रेस को अपनी देशभक्ति साबित करने के लिए किसी के प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है। उल्लेखनीय है कि अगस्त के पहले सप्ताह में संसद के दोनों सदनों में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने संबंधी विधेयक लाए गए थे। इस दौरान कांग्रेस और राकांपा जैसे कई राजनीतिक दलों ने न सिर्फ बहस में खुलकर इसका विरोध किया

मसले पर चौतरफा घिरी कांग्रेस ने अब लिया चौंकाने वाला यू-टर्न

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह ने गुरुवार को मुंबई में प्रेसवार्ता की। इस मौके पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे भी मौजूद रहे। प्रेट्र

था, बल्कि मतदान के समय भी उनका मत इस विधेयक के विरोध में ही गया था। इसके बावजूद मनमोहन सिंह का अनुच्छेद 370 हटाने के हक में वोट करने की बात कहना आश्चर्यजनक माना जा रहा है।

संप्रग को कोसना छोड़ अपनी उपलब्धि बताए सरकार : पूर्व प्रधानमंत्री ने आर्थिक मामलों पर भी भाजपा सरकार को घेरा। हाल में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आज की खराब आर्थिक स्थिति के लिए पूर्व की संप्रग सरकार को जिम्मेदार ठहराने पर मनमोहन ने कहा कि संप्रग सरकार में जो कुछ भी किया गया उसे आप सब जानते हैं। यदि संप्रग कार्यकाल में इतना ही खराब काम हुआ है, तो उसको दुरुस्त करने के लिए मोदी सरकार ने पांच साल में क्या किया, उसका हिसाब क्यों नहीं देते? यह कहते रहने से कि संप्रग ने यह किया, वह किया, इससे जनता की समस्याएं तो हल नहीं होंगी। मनमोहन ने कहा कि बेरोजगारी दूर करने के लिए अर्थव्यवस्था में आठ से 10 फीसद की दर से बढ़त की जरूरत है। इसके कोई संकेत फिलहाल नहीं मिल रहे हैं। सरकार में जनहितकारी नीतियां अपनाने की इच्छाशक्ति नहीं दिखाई देती।

पीएमसी मामला सबको मिलकर सुलझाने की जरूरत : संकटग्रस्त पीएमसी बैंक के कई भुक्तभोगी भी मनमोहन सिंह के संवाददाता सम्मेलन में मौजूद थे। एक समय आरबीआइ की कमान संभाल चुके मनमोहन सिंह ने इस समस्या पर कहा, 'जिस मामले में 16 लाख निवेशक न्याय की उम्मीद कर रहे हों, उसमें भारत सरकार, रिजर्व बैंक और महाराष्ट्र सरकार को एक साथ बैठकर कोई रास्ता निकालना चाहिए।'

महाराष्ट्र का हाल बदहाल : पूर्व पीएम ने कहा कि महाराष्ट्र एक समय निवेश आकर्षित करने के मामले में पहले स्थान पर हुआ करता था। आज यह राज्य किसानों की आत्महत्या के मामले में पहले स्थान पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच साल में देश में आर्थिक सुस्ती के कारण महाराष्ट्र उन राज्यों में शुमार रहा, जहां सबसे ज्यादा फैक्ट्रियां बंद हुईं। यहां विनिर्माण की विकास दर लगातार चार साल से गिर रही है।

मेरे रुख पर लगी मुहर : कृपाशंकर सिंह
अनुच्छेद 370 पर पार्टी के रुख से नाराज होकर कांग्रेस छोड़ने वाले वरिष्ठ नेता कृपाशंकर सिंह ने इस मसले पर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के बयान का स्वागत किया। उन्होंने कहा, 'पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अनुच्छेद 370 के खिलाफ नहीं है। पार्टी ने इसके पक्ष में वोटिंग की थी। उनके इस बयान का मैं स्वागत करता हूं। मुझे लगता है कि मनमोहन सिंह ने कहीं ना कहीं इस विषय पर मेरा जो पक्ष था, उसका समर्थन किया है। मैं उन्हें प्रणाम करता हूं। मैं चाहूंगा कि कांग्रेस पार्टी के माननीय सम्मानीय और नेतागण भी इस विषय पर अपना पक्ष खुलकर रखें। देशहित के किसी भी निर्णय पर सभी को समर्थन करना चाहिए।'

कांग्रेस डूबता जहाज भाजपा सुपरसोनिक मिसाइल : राजनाथ

जागरण संवाददाता, महेंद्रगढ़ : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के सतनाली कस्बे से कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने राफेल के विरोध का जिक्र किया और कांग्रेस को पाकिस्तान समर्थक ठहराया। कहा कि अगर पहले राफेल होता तो एयर स्ट्राइक के लिए हमारे सैनिकों को बालाकोट नहीं जाना पड़ता। हम देश की सीमा में रहकर ही बालाकोट पर आक्रमण कर सकते थे। उन्होंने कांग्रेस को डूबता जहाज और भाजपा को तेजी से आगे बढ़ रही सुपरसोनिक मिसाइल बताया।

राजपूत बहुल सैनिकों के क्षेत्र में राजनाथ ने वीरता को नमन करते हुए सैन्य शक्ति को सुदृढ़ करने के लिए पीएम की तारीफ की। उन्होंने कहा कि सेना के लिए राफेल जरूरत थी। कांग्रेस के पेट में दर्द उठ रहा है। ऐसा लगता है मानो कांग्रेस के लिए पाकिस्तान के हित पहले तथा भारत के हित बाद में हैं।

राफेल पर ओम नहीं तो क्या धत तेरे की लिखूं : कैरू स्थित बाबा मुंगीपा धर्मशाला में जनसभा को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि जब उन्होंने राफेल विमान के ऊपर ओम शब्द लिखा तो भी कांग्रेसियों को आपत्ति हुई कि ओम शब्द क्यों लिखा गया है, जबकि सभी धर्म और जातियां ओम शब्द का उच्चारण करती हैं। उन्होंने कांग्रेस की इस आपत्ति पर चुटकी लेते हुए कहा कि राफेल पर ओम नहीं लिखूं तो क्या धत तेरे की लिखूं...।

उद्धव के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले पूर्व विधायक के घर पर हमला

औरंगाबाद, प्रेट्र : एक चुनावी रैली में शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले पार्टी के पूर्व विधायक हर्षवर्धन जाधव के आवास पर अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया। हमलावरों ने एक कार व कुछ खिड़कियों को तोड़ दिया। वे जय शिवाजी के नारे लगा रहे थे। जाधव की पत्नी ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पुलिस ने बताया कि हमला बुधवार की देर रात करीब डेढ़ बजे किया गया। उस समय जाधव घर पर नहीं थे, लेकिन उनकी पत्नी व दो बच्चे मौजूद थे। जाधव भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रावसाहेब दानवे के दामाद हैं। जाधव ने कहा, 'शिवसेना नेताओं ने मेरे बारे में कई बार गलत बातें कहीं। मेरी टिप्पणी उसकी प्रतिक्रिया थी जो भाषण के प्रवाह में निकल गई, लेकिन मेरी अनुपस्थिति में मेरे घर पर हुआ हमला, इसी साल हुए लोकसभा चुनाव में शिवसेना को मिली हार की हताशा को दर्शाता है।' जाधव ने पिछले साल मराठा आरक्षण व मुसलमानों

हमलावरों ने कार व कुछ खिड़कियों को तोड़ा, जय शिवाजी के लगा रहे थे नारे

हर्षवर्धन जाधव फाइल

के मुद्दे पर शिवसेना से इस्तीफा देते हुए शिव स्वराज बहुजन पक्ष की स्थापना की थी। इस साल उन्होंने लोकसभा चुनाव लड़ा था और 2.8 लाख मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे। जाधव फिलहाल औरंगाबाद की कन्नड़ विधानसभा सीट से बतौर निर्दलीय किस्मत आजमा रहे हैं।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि अब्दुल सत्तार को शिवसेना में शामिल किए जाने से खफा जाधव ने बुधवार को एक रैली के दौरान उद्धव ठाकरे के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी थी। जाधव की टिप्पणी का वीडियो वायरल होने के बाद शिवसेना कार्यकर्ताओं ने बुधवार की शाम सीआइडीसीओ थाने में मुकदमा दर्ज कराने की मांग की। शिवसेना नेता व औरंगाबाद के पूर्व सांसद चंद्रकांत खैरे ने भी बुधवार की शाम जिला निर्वाचन अधिकारी से मामले की शिकायत की। शिवसेना के जिलाध्यक्ष व विधान पार्षद अंबादास दानवे ने कहा कि शिवसैनिक जाधव की टिप्पणी से गुस्से में हैं। उन्हें विधानसभा चुनाव बाद सबक सिखाया जाएगा। पुलिस निरीक्षक उत्तम मुलक ने कहा, 'सीसीटीवी फुटेज की जांच में तीन बाइकों पर सवार लोग जाधव के घर पर पथराव करते नजर आ रहे हैं। मामले की जांच की जा रही है। जाधव के दोनों घरों पर पुलिस तैनात कर दी गई है।'

राजग सरकार सीधे गोडसे को भारत रत्न दे : कांग्रेस

नागपुर, एएनआइ : महाराष्ट्र में अपने चुनावी घोषणा पत्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के वीर सावरकर का नाम भारत रत्न के लिए प्रस्तावित करने पर कांग्रेस ने जमकर खिंचाई की है। कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को सीधे नाथूराम गोडसे को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान दे देना चाहिए।

स्वतंत्रता सेनानी विनायक सावरकर को भारत रत्न दिए जाने के भाजपा के वादे पर कांग्रेस लगातार हमलावर है। मनीष तिवारी ने तंज कसा कि इस साल हम सब महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मना रहे हैं। ऐसे में राजग सरकार को भारत रत्न सावरकर को नहीं, बल्कि सीधे गोडसे को दे देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए अपने संकल्प पत्र में वीर सावरकर को भारत रत्न दिए जाने का वादा किया है, लेकिन उनकी जगह गांधीजी के हत्यारे नाथूराम गोडसे को देश का सर्वोच्च सम्मान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि गोडसे ने गोलियां मारकर बापू की हत्या की थी, जबकि सावरकर तो सिर्फ हत्याकांड के मुख्य साजिशकर्ता थे। इससे पहले, बुधवार को मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने अलीराजपुर में कहा था कि सावरकर के जीवन के दो पहलू थे। पहला-आजादी के आंदोलन में शामिल होना और दूसरा-माफी मांगकर (कालापानी से) वापस आने पर उनका नाम महात्मा गांधी की हत्या के साजिशकर्ताओं में दर्ज हुआ। इससे पहले कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने भी सावरकर को भारत रत्न देने के वादे पर विरोध जताया था। उन्होंने कहा था कि अगला नंबर गोडसे का ही है। सावरकर के बारे में सब जानते हैं। सुबूतों के अभाव में वे गांधीजी की हत्या के मामले में रिहा हो गए थे। आज यह सरकार उन्हें भारत रत्न देने की मांग कर रही है।

फुले को भी भारत रत्न देने की मांग: पिछले दिनों भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष जेपी नड्डा और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने महाराष्ट्र चुनाव के लिए पार्टी का संकल्प पत्र जारी किया था। इसमें वीर सावरकर के अलावा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले को भारत दिए जाने का वादा किया गया है।

अनुच्छेद 370 हटाने का महाराष्ट्र चुनाव पर नहीं होगा असर : शरद पवार

मुंबई, प्रेट्र : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने गुरुवार को कहा कि महाराष्ट्र की जनता इस बार बदलाव के मूड में है और भाजपा द्वारा आक्रामक तरीके से उठाए गए अनुच्छेद 370 के मुद्दे का राज्य में जमीनी स्तर पर कोई असर होता नहीं दिख रहा।

एक साक्षात्कार में पवार ने आरोप लगाया कि राजनीतिक विरोधियों को परेशान करने के लिए राजग सरकार सत्ता का दुरुपयोग कर रही है। उनका इशारा मनी लांड्रिंग के अलग-अलग मामलों में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उन्हें और वरिष्ठ राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल को समन किए जाने की ओर था। उन्होंने कहा कि यह कदम भी तब उठाया गया जब विधानसभा चुनाव नजदीक थे।

लोकसभा चुनाव में भाजपा को मिली जबर्दस्त जीत पर पवार ने कहा कि पुलवामा हमले के बाद लोगों की भड़की भावनाओं का भाजपा को लाभ मिला था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस मुद्दे पर काफी प्रचार किया था। पूर्व रक्षा मंत्री ने कहा, 'राष्ट्रीय संकट के समय लोग सामान्यतः एकजुट हो जाते हैं। भारत-पाकिस्तान (1971) युद्ध के दौरान भी हमने ऐसा देखा था। लिहाजा लोगों ने एकपक्षीय फैसला लिया और मोदी को 300 से ज्यादा सीटें मिल गईं, लेकिन ये विधानसभा के चुनाव हैं।'

राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का उदाहरण देते हुए पवार ने कहा कि लोकसभा चुनावों में तीनों राज्यों ने मोदी का समर्थन किया था, लेकिन कुछ महीने पहले हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा के खिलाफ मतदान किया था। उन्होंने कहा, 'चूंकि अनुच्छेद 370 हटाया जा चुका है इसलिए कोई भी कश्मीर में जाकर जमीन खरीद सकता है जो पहले संभव नहीं था। जब मैं लोगों से पूछता हूं कि क्या वे कश्मीर जाकर खेती करेंगे तो कोई भी हां नहीं कहता। इसलिए राज्य विधानसभा चुनावों में अनुच्छेद 370 को हटाए जाने का कोई असर नहीं होगा।' उन्होंने साफ किया कि राकांपा ने इस अनुच्छेद को हटाने का विरोध नहीं किया था। कुछ पूर्व मंत्रियों और विधायकों के राकांपा छोड़कर भाजपा में जाने के सवाल पर पवार ने कहा कि इससे उनकी पार्टी को युवा चेहरों को चुनाव में उतारने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि राकांपा इन दलबदलुओं को हराने में पूरी ताकत लगा देगी।

कहा, राज्य में जमीनी स्तर पर इस मुद्दे का असर नहीं

शरद पवार फाइल

अब अनुच्छेद 370 वापस लिए जाने की बात क्यों?
नासिक, प्रेट्र : उत्तर महाराष्ट्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शरद पवार ने प्रधानमंत्री की विपक्ष पर की गई 'डूब मरो' वाली टिप्पणी पर सवाल किया कि अब वह विपक्ष को अनुच्छेद 370 वापस लेने की चुनौती क्यों दे रहे हैं, जबकि अगस्त में संसद उसे हटा चुकी है। बुधवार को एक रैली में प्रधानमंत्री ने कहा था, 'वे (विपक्ष) यह कैसे कह सकते हैं कि जम्मू-कश्मीर का महाराष्ट्र से कोई लेना-देना नहीं है? उन्हें ऐसी सोच पर शर्म आनी चाहिए। क्या उनमें कोई शर्म नहीं है? डूब मरो।'

वाजपेयी सुसंस्कृत व्यक्ति थे, मोदी प्रभावशाली व्यक्ति
पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना करते हुए शरद पवार ने कहा, 'वाजपेयी एक बेहद सुसंस्कृत व्यक्ति थे, लेकिन जब किसी कार्यक्रम को लागू करने की बात आती है तो मोदी एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं। फैसला लेने के बाद मोदी के पास उसे बेरहमी से लागू करने की काबिलियत है, जबकि वाजपेयी इस बात का खयाल रखते थे कि उनके फैसले से कड़वाहट पैदा न हो। लोगों में उनके लिए ज्यादा सम्मान था।'

जजपा का गांव, युवाओं, कर्मचारियों पर फोकस

अनुराग अग्रवाल, चंडीगढ़

160 वादों के साथ जारी किया जन सेवा पत्र

हरियाणा के युवाओं को नौकरियों में 75 फीसद आरक्षण देने का वादा

हरियाणा के चुनाव को तिकोना बना रही जननायक जनता पार्टी (जजपा) ने गुरुवार को 160 वादों के साथ चुनाव घोषणा पत्र जारी किया। गांव, किसानों, कर्मचारियों, युवाओं और महिलाओं के कल्याण का दावा करते हुए घोषणा पत्र को जनसेवा पत्र का नाम दिया। जजपा संयोजक दुष्यंत सिंह चौटाला ने घोषणा पत्र में हरियाणा की सभी नौकरियों में यहां के युवाओं को 75 फीसद आरक्षण देने का बड़ा एलान किया है। जजपा ने बुढ़ापा पेंशन 5100 रुपये मासिक करने, हर 20 किलोमीटर की दूरी पर मोबाइल डिस्पेंसरी का इंतजाम करने, गांवों में शराब के ठेके बंद करने तथा किसानों को ट्यूबवेल कनेक्शन मुफ्त देने के भी कई बड़े वादे किए हैं।

चुनाव प्रचार में व्यस्त दुष्यंत चौटाला खुद पार्टी का चुनाव घोषणा पत्र जारी करने नहीं पहुंच सके। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. केसी बांगड़ और चुनाव घोषणा पत्र कमेटी के संयोजक पूर्व वाइस चांसलर डॉ. अभय सिंह मौर्य ने इसे जारी किया। इस चुनाव घोषणा पत्र में गांवों के विकास की झलक साफ नजर आती है। साथ ही महिलाओं व कर्मचारियों के साथ-साथ व्यापारियों तथा सैनिकों के कल्याण की भी चिंता की गई है। जजपा ने कर्मचारियों की समस्याओं पर खास फोकस किया है। कर्मचारियों को एचआरए एक जनवरी, 2017 से देने की घोषणा कर भरोसा जीतने की कोशिश की है।

जजपा ने अपनी घोषणाओं और वादों के जरिये दलित, पिछड़ा वर्ग और वाल्मीकि समुदाय को लुभाने की पूरी कोशिश की है। जजपा ने राज्य की जनता से ऐसा कोई भी वादा नहीं किया, जो वित्तीय व तकनीकी दृष्टि से पूरा नहीं हो सकता। उनके 160 वादों पर कुल कितना खर्च आएगा, ऐसा हिसाब हालांकि जजपा ने नहीं लगाया, लेकिन डॉ. केसी बांगड़ ने कहा कि भाजपा सरकार की फिजूलखर्ची रोकने मात्र से हमारी घोषणाओं को पूरा करने का खर्च निकल जाएगा। बता दें कि कांग्रेस ने एक लाख 26 हजार करोड़, इनेलो ने करीब 60 हजार करोड़ और भाजपा ने 32 हजार करोड़ रुपये की घोषणाएं-वादे किए हैं।

आसान नहीं राह
भाजपा का गढ़ माना जाता है महाराष्ट्र का विदर्भ क्षेत्र, पिछले विस चुनाव में मिली थीं 44 सीटें

विदर्भ में भाजपा के सामने पिछला प्रदर्शन दोहराने की चुनौती

ओमप्रकाश तिवारी, मुंबई

भाजपा यदि महाराष्ट्र में पहले से अधिक सीटें पाने का लक्ष्य लेकर चल रही है तो उसे विदर्भ में अपना पिछला प्रदर्शन दोहराना ही होगा। कारण यह है कि वर्ष 2014 में उसे 123 सीटों तक पहुंचाने में विदर्भ का बड़ा योगदान रहा था।

महाराष्ट्र के ईशान कोण पर स्थित विदर्भ क्षेत्र के 11 जिलों में विधानसभा की कुल 62 सीटें हैं। कभी यह क्षेत्र कांग्रेस का गढ़ माना जाता था। आज भाजपा का गढ़ बन चुका है, लेकिन चार मुख्यमंत्री दे चुके इस क्षेत्र में आज भी किसानों की आत्महत्याएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। केंद्र और फड़नवीस सरकार के तमाम दावों के बावजूद इस साल अगस्त तक पूरे महाराष्ट्र में आत्महत्या करने वाले 1,799 किसानों में 822 विदर्भ क्षेत्र के थे। इस साल आत्महत्याओं की संख्या पिछले वर्ष से ज्यादा रही है। पिछले साल अगस्त तक राज्य में 1,715 किसानों ने आत्महत्या की थी। इनमें 808 विदर्भ के थे। यह स्थिति तब है, जब फड़नवीस सरकार 34,000 करोड़ रुपये की कर्जमाफी योजना ला चुकी है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, 15 वर्षों

के कांग्रेस-राकांपा शासन से ऊब चुके किसान भाजपानीत सरकार से ज्यादा उम्मीदें लगाए बैठे थे। हालांकि, सरकार उनकी उम्मीदों पर पूरी तरह खरी नहीं उतर सकी है। किसानों को उनकी लागत का 50 फीसद भी हासिल नहीं हो पा रहा है। क्षेत्र के कांग्रेस नेता भी आरोप लगाते हैं कि फड़नवीस सरकार अपने वादों पर खरी नहीं उतर सकी है। चाहे पृथक विदर्भ राज्य बनाने का मामला हो या किसानों की आय दोगुनी करना, सरकार हर मोर्चे पर फेल रही है। औद्योगिक क्षेत्रों में तमाम कारखानों के बंद होने से बेरोजगारी भी बढ़ी है। इसका जवाब देते हुए विदर्भ के ही भाजपा नेता सुधीर मुनगंटीवार कहते हैं कि हमने पृथक विदर्भ का मुद्दा कभी छोड़ा नहीं है। भाजपा को पूर्ण बहुमत मिलते ही वादा पूरा करने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

बता दें कि विदर्भ का बड़ा शहर एवं राज्य की उपराजधानी नागपुर मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस एवं भाजपा के हैवीवेट नेता केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का तो गृहनगर है ही, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मुख्यालय भी है। गडकरी भी इस क्षेत्र के विकास का दावा करते हुए बताते हैं कि कांग्रेस शासन का विदर्भ का बैकलॉग न सिर्फ पूरा हो चुका है, बल्कि कई नई योजनाओं पर काम भी चल रहा है। विदर्भ के कई जिलों को इनका लाभ मिलने वाला है। वर्ष 2014 में कांग्रेस, राकांपा, शिवसेना और भाजपा अलग-अलग चुनाव लड़ रही थीं। इस स्थिति में भाजपा को 62 में से 44, कांग्रेस को 10, शिवसेना को चार, राकांपा को एक और प्रकाश आंबेडकर के भारिप बहुजन महासंघ को एक सीट मिली थी। इस बार कांग्रेस-राकांपा का गठबंधन है, तो भाजपा-शिवसेना एक साथ चुनाव लड़ रही हैं। गठबंधन में भाजपा को 50 और शिवसेना को 12 सीटें मिली हैं। दूसरी ओर, कांग्रेस 47 और राकांपा 14 सीटों पर लड़ रही है।

गढ़चिरौली जिले के आहेरी विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस-राकांपा आमने-सामने हैं। राकांपा नेता प्रफुल पटेल भी विदर्भ के ही हैं। हाल ही में उनके विरुद्ध लगे गंभीर आरोपों ने भाजपा-शिवसेना को कांग्रेस-राकांपा के खिलाफ नया हथियार थमा दिया है। लेकिन, भाजपा-शिवसेना गठबंधन के लिए भी स्थिति बहुत निश्चिंत रहने वाली नहीं है। छह माह पहले ही हुए लोकसभा चुनाव में केंद्र की मोदी सरकार में मंत्री रहे हंसराज अहीर कांग्रेस के सुरेश धानोरकर से और शिवसेना के सांसद रहे आनंदराव अडसूल निर्दलीय नवनीत राणा से चुनाव हार चुके हैं।

आश्चर्य यह भी रहा कि हंसराज अहीर की हार में उन्हीं के पड़ोसी व राज्य के वित्तमंत्री सुधीर मुनगंटीवार के क्षेत्र बल्लारपुर में भाजपा के वोटों में आई कमी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ऐसी स्थिति में उंगलियां भाजपा के आंतरिक तालमेल की ओर भी उठने लगी हैं। यदि तालमेल बहाल करके किसानों का भरोसा जीता जा सका, तभी भाजपा अपने पुराने प्रदर्शन पर कायम रह पाएगी।

राज्य में कांग्रेस कमजोर नहीं
महाराष्ट्र कांग्रेस का बचाव करते हुए शरद पवार ने कहा कि राज्य में पार्टी कमजोर नहीं है और जमीनी स्तर पर बेहद आक्रामकता के साथ काम कर रही है। कांग्रेस कार्यकर्ता उन विधानसभा क्षेत्रों में भी कठिन परिश्रम कर रहे हैं जहां राकांपा उम्मीदवार मैदान में हैं। उन्होंने उस धारणा को भी खारिज कर दिया कि कांग्रेस छवि की लड़ाई हार चुकी है। राज्य में कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ रहे राकांपा प्रमुख ने वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सुशील कुमार शिंदे के उस बयान को भी नकार दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस और राकांपा 'थक' चुकी हैं और भविष्य में एक साथ आ जाएंगी। पवार ने कहा कि शिंदे निजी तौर पर भले ही थक गए हों, लेकिन वह अभी नहीं थके हैं।

फड़नवीस प्रभावी मुख्यमंत्री नहीं
महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पवार ने कहा कि देवेंद्र फड़नवीस ने मुख्यमंत्री के तौर पर राज्य में किसानों और उद्योगों की समस्याएं दूर करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। फड़नवीस को परिणाम देने वाला और प्रभावी मुख्यमंत्री नहीं माना जाता। राज्य में बड़ी संख्या में किसान आत्महत्या कर रहे हैं। जब यह मुद्दा उठाया गया तो फड़नवीस ने पूर्ववर्ती कांग्रेस-राकांपा सरकार पर अंगुली उठा दी। पवार ने कहा, 'पिछले पांच साल से आप सत्ता में थे, इस दौरान आपने इन समस्याओं को हल क्यों नहीं किया?'

2 अगस्त, 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने मध्यस्थता रिपोर्ट पर सुनवाई करने के बाद कहा था कि अयोध्या मामले को मध्यस्थता से नहीं सुलझाया जा सकता। इसके बाद छह अगस्त से नियमित सुनवाई शुरू हुई थी।

एकता की मिसाल ▶ सबसे बड़े विवाद के निर्णय की घोषणा से उपजी सरगर्मी के साथ अपनी धुन में लीन शांत-संयत है अयोध्या

निर्णायक घड़ी में भी बुलंद हो रही रामनगरी की विरासत

491 साल पुराने विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में पूरी हो गई है सुनवाई, जल्द फैसला संभव

रघुवरशरण, अयोध्या

रामजन्मभूमि-बाबरी मस्जिद का जो विवाद पूरे देश की परीक्षा लेता रहा, उसकी आधारभूमि अयोध्या निर्णायक घड़ी में भी शांत-संयत है। 491 साल पुराने विवाद की बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी होने और करीब डेढ़ पखवारे में निर्णय आने के इंतजार की सरगर्मी तो बखूबी बयां होती है। प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लोग स्थानीय नागरिकों की राय लेते नजर आते हैं। विशेषज्ञों सहित आम लोग भी मौका पाकर अपनी बात रखते हैं। अनुकूल फैसले के लिए कुछ स्थानों पर पूजन-प्रार्थना का दौर भी देखने को मिलता है और इसी बहाने नगरी अपनी उस विरासत की जड़ों से जुड़ती है, जिसमें शील, संयम, उदारता की मिसालें हैं।

गुरुवार सुबह पुण्य सलिला सरयू आम दिनों की तरह गुलजार है। संत-श्रद्धालु कार्तिक स्नान की डुबकी लगा रहे होते हैं। तट पर पुरोहित गोदान करा रहे हैं। भिक्षुओं की पांत भी नजर आती है, जिन्हें लोग कुछ न कुछ देते आगे बढ़ रहे होते हैं। निष्काम सेवा ट्रस्ट के व्यवस्थापक महंत रामचंद्रदास नित्य की तरह सरयू दर्शन करने आए होते हैं, अयोध्या ही नहीं देश के सबसे बड़े विवाद के फैसले को लेकर वे कहते हैं, हमारा विश्वास सत्य एवं न्याय में है और इसी की जीत होगी।

सरयू से ही लगी राम की पैड़ी दीपोत्सव के लिए सज रही होती है। इसी के साथ युगों पूर्व की वह स्मृति जीवंत करने की तैयारी है, जब भगवान राम लंका विजय के बाद वापस अयोध्या लौटे थे। रामकथा मर्मज्ञ पं. राधेश्याम शास्त्री कहते हैं, यह असत्य पर सत्य की जीत शिरोधार्य करने का अवसर है और हमारा दर्शन भी यह बताता है कि जीत सदैव सत्य की होती है। इसलिए हम विचलित होने वालों में नहीं रहे। रामनगरी के मिजाज की सकारात्मकता कारोबारियों से भी परिभाषित होती है। समाजसेवी एवं व्यापारी नेता अंजनी गर्ग बताते हैं, निर्णय आने के साथ रामनगरी में लोगों का तांता लगेगा और इसी अनुपात में स्थानीय बाजार की रौनक बढ़ेगी।

अयोध्या में रामघाट स्थित अपने आवास पर बाबरी मस्जिद के मुद्दई मु. इकबाल को आशीर्वाद देते श्रीरामजन्मभूमि के मुख्य अर्चक आचार्य सत्येंद्रदास। जीतू निषाद

इकबाल ने रामलला के मुख्य अर्चक से की भेंट

जो मुहम्मद इकबाल और उनके वालिद मरहूम हाशिम अंसारी बाबरी मस्जिद की छह दशक से अदालत में बाबरी मस्जिद की पैरवी करते रहे वे गुरुवार को रामलला के मुख्य अर्चक आचार्य सत्येंद्रदास से भेंट करने उनके रामघाट स्थित आश्रम सत्यधाम गोपाल मंदिर पहुंचे। इस भेंट का संदेश सुनाते हुए रामलला के मुख्य अर्चक ने कहा कि कोर्ट का जो भी फैसला आएगा सभी पक्षों को सौहार्दपूर्वक इसे स्वीकार करना है।

फैसले के इंतजार में बंदिशों से मुक्ति की आस

जागरण संवाददाता, अयोध्या

▶ **विवाद के चलते वर्षों से सुरक्षा घेरे में जकड़ कर रखी गई है रामनगरी**

मंदिर-मस्जिद विवाद के साथ रामनगरी वर्षों से बंदिशों का सामना कर रही है। इतिहास की एक परंपरा तो यह कहती है कि 1528 में राम मंदिर तोड़े जाने के साथ इस विवाद की कीमत रामनगरी को चुकानी पड़ी। मंदिर वापस पाने के लिए 76 युद्ध लड़े गए और लाखों लोगों ने बलिदान दिया।

कोई शक नहीं कि इन युद्धों और बलिदानों का आघात रामनगरी अपनी छाती पर सह रही थी। इस दौरान उसे लंबे दबाव और प्रताड़ना से गुजरना पड़ा होगा। हालांकि आजादी के बाद का समय मंदिर के लिए युद्धों और बलिदानों से मुक्त रहा। 1984 में विहिप राम मंदिर मुक्ति के संकल्प के साथ नए तेवर में सामने आई। इसके बाद से ही मंदिर आंदोलन की केंद्र बनी अयोध्या बंदिशों से मुकाबिल हुई। संकल्प लेने विहिप के हजारों कार्यकर्ता आए तो सैकड़ों की संख्या में अतिरिक्त पुलिस-पीएसी लगी। एक फरवरी 1986 को रामलला का ताला खुला तो नगरी को संगीनों के साए से रहना पड़ा। 1987 से 89 तक शिला पूजन और शिलान्यास के साथ यदि मंदिर आंदोलन शिखर की ओर बढ़ा तो रामनगरी में सुरक्षा संबंधी बंदिशों का साया भी स्थायी हो गया।

1990 में तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने कारसेवकों को रोकने के लिए कहा था, यहां परिंदा भी पर नहीं मार सकता। इसी के अनुरूप उन्होंने रामनगरी को अपूर्व सुरक्षा घेरे में जकड़ दिया। 30 अक्टूबर 90 की कारसेवा से कुछ दिन पूर्व कर्फ्यू लगा दिया गया। 30 अक्टूबर एवं दो नवंबर की कारसेवा में कारसेवकों से खेली गई खून की होली बंदिशों के साथ रामनगरी को सहमा देने वाली रही। कुछ दिनों में कर्फ्यू और खूनी खेल से रामनगरी को निजात मिली पर बंदिशें बढ़ती गईं।

छह दिसंबर 92 को ढांचा ध्वंस की प्रतिक्रिया में विवादित स्थल के इर्द-गिर्द भूमि अधिग्रहण और 70 एकड़ से अधिक के परिसर में सुरक्षा घेरा रामलला की सुरक्षा के साथ स्थानीय लोगों के आवागमन की बंदिशों को भी कड़ा करने का सबब बना। रेड, येलो एवं ब्ल्यू जोन में बंटा विवादित स्थल का सुरक्षा घेरा गत 27 वर्षों से जिस मुहल्ले में विवादित स्थल है, हजारों की आबादी वाले उस रामकोट सहित नगरी के अधिकांश हिस्से के गले की फांस भी बना हुआ है।

इसी क्षेत्र में स्थित रंगमहल मंदिर के महंत रामशरणदास कहते हैं, अधिग्रहण के बाद से आवागमन मुश्किल है। बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को और भी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। उनके लिए यह दिक्कत चंद दिनों की होती है पर स्थानीय निवासियों के लिए सुरक्षा संबंधी बंदिशें नियति जैसी हैं। समाजसेवी विकास श्रीवास्तव कहते हैं, अब यह दिक्कत दूर होने वाली है। यह याद दिलाकर कि विवाद नहीं रहेगा तो सुरक्षा की जरूरतें भी सिमट जाएंगी।

आज भी हैं समाज में बाबर की मानसिकता के लोग : उमा भारती

जासं, उत्तरकाशी : पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा की नेता उमा भारती ने कहा कि आज भी देश में बाबर की मानसिकता के लोग हैं। सुप्रीम कोर्ट में रामजन्म भूमि विवाद पर मुस्लिम पक्ष के अधिवक्ता द्वारा एक साक्ष्य का पेज फाड़ने पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने घटना को दुखद बताया। उत्तरकाशी में मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि देश में सभी धर्मों के मानने वालों को एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए। कहा कि जिस तरह मुस्लिमों के मक्का और मदीना, ईसाईयों के लिए वेटिकन सिटी का महत्व है, वैसी भावनाएं हिंदुओं की रामजन्म भूमि से जुड़ी हैं। उदाहरण देते हुए उमा भारती ने कहा कि यदि कोई मक्का-मदीना में चर्च और वेटिकन सिटी में मस्जिद बना ले तो इन धर्मों के अनुयायियों के दिलों पर क्या गुजरेगी। कहा कि हम मक्का मदीना का सम्मान करते हैं, वेटिकन सिटी का सम्मान करते है। इसलिए मुस्लिम व ईसाई धर्म के लोगों से चाहते हैं कि अयोध्या के लिए हमारी भावनाओं का सम्मान करें। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम जन्म भूमि थी, राम जन्म भूमि है और राम जन्म भूमि रहेगी। उमा भारती ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी हुई, ये खुशी की बात है। उन्हें विश्वास है कि जहां रामलला बैठे हैं वहां भव्य मंदिर का निर्माण होगा और जल्द ही इसके लिए रास्ता निकलेगा।

डॉ. वेदांती ने रघुवंशी समाज के लोगों को दी तलवार

जागरण संवाददाता, अयोध्या : रामजन्मभूमि न्यास के सदस्य एवं पूर्व सांसद डॉ. रामविलास दास वेदांती ने मंदिर-मस्जिद विवाद पर फैसले के इंतजार के बीच भगवान राम के वंशज माने जाने वाले रघुवंशी समाज के प्रतिनिधि प्रदीप सिंह एवं अटल सिंह को अपने आवास हिंदूधाम में तलवार भेंट की। लखनऊ के प्रदीप सिंह वायुसेना के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं, जबकि कानपुर निवासी अटल सिंह उद्यमी हैं। दोनों ने इस अवसर को यादगार बताया। उन्होंने कहा कि यह तलवार उन्हें धर्मपालन की प्रेरणा देगी।

इससे पूर्व मीडिया से मुखातिब वेदांती ने बाबरी मस्जिद की पैरवी करने वाले अधिवक्ता राजीव धवन पर निशाना साधा। कहा, हिंदू महासभा की ओर से पेश नक्शा फाड़कर उन्होंने अपनी हताशा का परिचय दिया है। उन्होंने बताया कि मैं इस घटना के विरोध में एफआइआर दर्ज कराने वाला था, लेकिन संभावित निर्णय में कोई व्यवधान न आने पाए इस बात को ध्यान में रखकर विचार बदल लिया।

उन्होंने यह आरोप भी दोहराया कि राजीव धवन को बाबरी मस्जिद का मुकदमा लड़ने के लिए आतंकवादियों से फंडिंग होती है। उन्हें अपनी फंडिंग बंद होने का खतरा महसूस होने लगा है। वेदांती ने कहा, कांग्रेस 70 साल तक हिंदुओं-मुस्लिमों को लड़ाती रही। कांग्रेस चाहती थी कि अयोध्या मामले का समाधान न हो।

संविधान पीठ ने मध्यस्थता कमेटी की रिपोर्ट पर की चर्चा

नई दिल्ली, एएनआइ : सुप्रीम कोर्ट में पांच जजों की संविधान पीठ ने गुरुवार को अयोध्या के रामजन्मभूमि मामले में फैसले पर परामर्श के लिए सर्वोच्च अदालत के चैंबर में बैठक की। इस दौरान विगत बुधवार को मध्यस्थता कमेटी की ओर से सौंपी गई रिपोर्ट पर गहन विचार-विमर्श किया।

सूत्रों के अनुसार, सर्वोच्च अदालत के चैंबर में हुई बैठक के दो सत्र चले। पहला सत्र सुबह 11.15 बजे से दोपहर एक बजे तक चला। दूसरा सत्र सिर्फ एक घंटे दोपहर दो बजे से तीन बजे तक ही चला। संविधान पीठ की अध्यक्षता मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई ने की। अयोध्या मामले से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। पीठ के अन्य सदस्यों में जस्टिस एसए बोबडे, डीवाई चंद्रचूड़, अशोक भूषण और एस.अब्दुल नजीर भी शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित मध्यस्थता पैनल ने एक सीलबंद लिफाफे में विगत बुधवार को सुप्रीम कोर्ट को एक रिपोर्ट सौंपी थी। इस तीन सदस्यीय कमेटी की अध्यक्षता जस्टिस (सेवानिवृत्त) एफएमआइ खलीफुल्ला ने की है। जबकि इसके अन्य सदस्य धर्मगुरु श्रीश्री रविशंकर और वरिष्ठ वकील श्रीराम पाचू हैं।

पुजारी ने नक्शा फाड़ने पर सीजेआइ से विरोध दर्ज किया : अयोध्या में रामजन्मभूमि

▶ **सर्वोच्च अदालत के चैंबर में दो सत्र में चला परामर्श**

सुप्रीम कोर्ट फाइल फोटो

मामले में मुस्लिम पक्ष के वकील राजीव धवन के अदालत में सुनवाई के दौरान भगवान राम के जन्मस्थान का नक्शा फाड़ने पर एक हिंदू पुजारी ने अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया है। अजय गौतम नाम के पुजारी ने भारत के मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई को पत्र लिखकर पवित्र नक्शा फाड़ने को आक्रामक और अवैध करार दिया है। उन्होंने मुख्य न्यायाधीश से राजीव धवन को बतौर वकील प्रैक्टिस करने से रोकने के लिए उनका लाइसेंस रद करने की मांग की गई है। उल्लेखनीय है कि यह प्राचीन नक्शा 'अयोध्या रीविजेटेड' किताब में दर्शाया गया है।

बाबा रामदेव ने कहा अयोध्या में राम मंदिर बनकर ही रहेगा

जागरण संवाददाता, गुरुग्राम : योग गुरु बाबा रामदेव ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर बनकर रहेगा। वहां ईसा मसीह या मुहम्मद साहब नहीं, बल्कि राम ही पैदा हुए थे। यही सत्य है। अदालत का फैसला सत्य पर आधारित होता है। जहां तक इस मामले के राजनीतिक समाधान का प्रश्न है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह की जोड़ी हर कार्य को मुमकिन करने में सक्षम है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाकर यह साबित भी कर दिया है। इसके अलावा भी कई ऐसे फैसले लिए गए हैं जिसके बारे में पिछली सरकारों ने सोचने तक भी हिम्मत नहीं की। गुरुवार दोपहर जिला अदालत के सामने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बाबा रामदेव ने कहा कि इस देश में पैदा हुए सभी लोगों के पूर्वज राम हैं। राम मंदिर का निर्माण लोगों की आस्था से जुड़ा है। हर कोई यह मानता है कि अयोध्या में राम पैदा हुए थे। इसके बाद भी राजनीतिक स्वार्थवश इसे विवाद का विषय बना दिया गया। दुर्भाग्य यह है कि आज विपक्ष के पास कोई दमदार नेता नहीं है। आर्थिक मंदी को लेकर कहा कि यह पूरी दुनिया में है। इसका भी तोड़ जल्द ही केंद्र सरकार निकाल लेगी। महान स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर को भारत रत्न दिए जाने के सवाल पर कहा कि सावरकर ने देश की आजादी के लिए बहुत त्याग किया है।

राम की पैड़ी पर हर दीये में झिलमिलाएंगे राम

हरिशंकर मिश्र, अयोध्या

हनुमानगढ़ी से राम की पैड़ी की ओर बढ़ते समय किसी मंदिर के लाउडस्पीकर से मानस के चौपाइयां सुनाई पड़ती हैं- 'अवधपुरी प्रभु आवत जानी। भई सकल शोभा कै खानी'। भावार्थ यह कि प्रभु के आगमन की सूचना मिलते ही अयोध्या समस्त शोभाओं की खान हो गई। दीपोत्सव की तैयारियां इस बार कुछ ऐसा ही संकेत देती हैं। तीन साल पहले जिन स्थलों पर मुख्यमंत्री योगी ने उम्मीदों के दीप जलाए थे, वह अपने पूरे सौंदर्य के साथ इस दीपावली पर जगमगाते नजर आएंगे।

संयोग ही है कि इस बार के दीपोत्सव में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी होने का सुख और फैसला जल्द आने की संभावनाएं भी जुड़ी हुई हैं, जिसने अवधपुरी की हवाओं में उम्मीदें घोल दी हैं। विवाद के पक्षकारों का भरोसा सुप्रीम कोर्ट पर है, लेकिन यहां के लोगों का भरोसा अपने राम पर है और उन्हें मनाने का इनका अपना तरीका है। दो साल पहले अस्तित्व में आए अयोध्या नगर निगम में राम जन्मभूमि मंदिर क्षेत्र के पार्षद रमेश दास मिलते ही बताते हैं, 'पीपल के पेड़ के नीचे 11 दीये जलाकर आ रहा हूं। इस बार हमारे यहां दीयों का रिकॉर्ड बनेगा। हम साढ़े पांच लाख दीपक जलाने जा रहे हैं। चार लाख दीये तो अकेले राम की पैड़ी पर ही जलेंगे।' दीपों की यह संख्या पिछली बार की तुलना में ढाई लाख ज्यादा है।

दीपोत्सव के लिए सज रही अयोध्या स्थित राम की पैड़ी। जागरण

वैसे तो इस अवसर पर 11 स्थानों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है, लेकिन 26 अक्टूबर को पूरी अयोध्या पांच मुख्य स्थानों पर सिमटी नजर आएगी। राम की पैड़ी दीपोत्सव का मुख्य केंद्र है। यहां दीपक सजा रहे छात्र-छात्राओं का जमावड़ा होगा। इसके अलावा सरयू तट पर आरती, रामकथा पार्क में भगवान की अगवानी, पांच देशों की रामलीला और साकेत महाविद्यालय से शोभा यात्रा। गुरुद्वारा गोविंदधाम, नजरबाग के सेवादार नवनीत सिंह इस बारे में चर्चा करते ही जोश में आ जाते हैं, 'अयोध्या में राम ही धड़कन हैं। यहां उनके नाम से कुछ भी होगा तो नगर उमड़ पड़ेगा।'

वस्तुतः छोटी दिवाली अवध के कायाकल्प का प्रतीक हो गई है। हाईवे से सरयू तट की ओर जाने वाली सड़क पर युद्धस्तर पर काम होता नजर आता है। काम समय से हो पाएगा, इसको लेकर मन में शंका पैदा होती है, लेकिन जेसीबी की ओर जा रहे राम अवध मानो सवाल को ताड़ जाते हैं। सवालिया आंखों को वह खुद ही जवाब दे देते हैं, 'राम का काम है, समय से पूरा हो जाएगा।' भजन संध्या स्थल का निर्माण तो लगभग पूरा है। राम कथा पार्क को जैसे नई जिंदगी मिल गई है। इस पार्क के समीप ही दक्षिण कोरिया की रानी हो का स्मारक है। कहते हैं कि अयोध्या की एक रानी दक्षिण कोरिया जाकर वहां की महारानी बनीं और दो हजार साल पहले वहां राज किया। उन्हीं की स्मृति में यह स्मारक है, जिसका जीर्णोद्धार योगी सरकार ने किया। अयोध्या अंतरराष्ट्रीय स्तर के संबंधों का महत्व समझती रही है और यहां रामलीला में आ रहे इंडोनेशिया, थाइलैंड, नेपाल, मारीशस और सूरीनाम के कलाकार इस डोर को और मजबूत करते नजर आते हैं।

लोग खुलकर भले ही न बोलें, लेकिन इसमें संशय नहीं कि सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई ने यहां की दिवाली को इस बार नई रंगत दे दी है। भले ही सरकार परंपरागत रूप से अपने आयोजनों को अंजाम दे, लेकिन यहां झिलमिलाने वाले हर दीये में अयोध्या को अपना राम इस बार और स्पष्ट रूप से दिखाई देगा।

ब्रिटिश राजनयिक ने टटोली अयोध्या की नब्ज

जासं, अयोध्या : ब्रिटिश राजनयिक रिचर्ड बार्लो गुरुवार को भारतीय सहयोगी पारुल मेहरोत्रा के साथ अयोध्या पहुंचे। उन्होंने अयोध्या व फैजाबाद शहर में लोगों की नब्ज टटोली। उन्होंने अयोध्या में रामजन्मभूमि मंदिर को भी देखा और स्थानीय लोगों से मुलाकात की। देर शाम सिविल लाइंस स्थित एक होटल पहुंच कर मुस्लिम प्रतिनिधियों व मीडिया से मिलकर यहां की स्थिति को समझने का प्रयास किया। बार्लो भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त के पद पर तैनात हैं। उन्होंने टूटी-फूटी हिंदी में लोगों से सुप्रीम कोर्ट के संभावित फैसले, फैसले के बाद कानून-व्यवस्था, मुसलमानों की सुरक्षा से संबंधित सवाल पूछे और राय ली। इस मसले पर मीडिया की भूमिका पर उन्होंने खासी रुचि दिखाई। मुस्लिम प्रतिनिधियों से उन्होंने यह जरूर पूछा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला खिलाफ होने पर क्या प्रतिक्रिया होगी। मुस्लिम प्रतिनिधियों ने कहा कि वे इस फैसले को स्वीकार करेंगे।

हाई कोर्ट ने हटाई 'राम सिया के लव कुश' के प्रसारण पर लगी रोक

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

▶ **धारावाहिक के निर्माता ने निर्देशों का पालन करने का दिया हलफनामा**

▶ **कोर्ट ने हलफनामे के उल्लंघन पर सरकार कर सकती है कार्रवाई**

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने धारावाहिक 'राम सिया के लव कुश' के प्रसारण पर लगी रोक को हटा दिया है। धारावाहिक की निर्माता कंपनी द्वारा हलफनामा देने पर कोर्ट ने रोक हटाई है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि अगर निर्माता अपने हलफनामे का पालन नहीं करते तो राज्य सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई कर सकती है। उल्लेखनीय है कि एक टीवी चैनल पर प्रसारित होने वाले इस धारावाहिक का पंजाब में वाल्मीकि समुदाय ने तीखा विरोध किया था। निर्माता कंपनी द्वारा विशेषज्ञ समिति के दिशा-निर्देशों का पालन करने संबंधी हलफनामा देने पर जस्टिस तेजिंदर सिंह ढींढसा ने कपूरथला, नवांशहर और अमृतसर के जिला मजिस्ट्रेटों द्वारा प्रसारण रोकने के आदेश को खारिज कर दिया। इसी के साथ प्रसारण पर रोक संबंधी अन्य सभी आदेशों को भी रद कर दिया।

गौरतलब है कि पंजाब सरकार के वकील ने पिछली सुनवाई पर कहा था कि सरकार के आदेश वापस लिए जा सकते हैं, अगर निर्माता वाल्मीकि समुदाय से हुए समझौते की शर्तों का पालन करें। जस्टिस ढींढसा ने अपने फैसले में कहा कि राज्य सरकार ने इस मामले में सही निर्णय लेते हुए एक समिति बनाकर पूरे विवाद पर विचार किया। धारावाहिक के निर्माता ने जो कहा है, उसे समिति ने भी स्वीकार कर लिया है। गौरतलब है कि वाल्मीकि समुदाय के तीखे विरोध के बाद पंजाब सरकार ने छह सितंबर को इस धारावाहिक के प्रसारण पर रोक लगा दी थी।

न्यास कार्यशाला आस्था के केंद्र में

जासं, अयोध्या : निर्णय की प्रतीक्षा के बीच रामघाट स्थित मंदिर निर्माण कार्यशाला आस्था के केंद्र में है। बुधवार से कार्यशाला पहुंचने वाले यात्रियों की संख्या डेढ़ गुना हो गई है। देश के विभिन्न प्रांतों से पहुंचने वाले यात्रियों के जत्थे मंदिर के लिए तराशे गए पत्थरों को पूरी हसरत से देखने के साथ उन्हें पूरे आदर से प्रणाम करते हैं।

चेन्नई से आए बुजुर्ग वी रंगनाथन अपना हाथ पत्थरों से स्पर्श कराकर माथे से लगाते हैं। महाराष्ट्र के कोल्हापुर से आया यात्रियों का जत्था पत्थरों को नमन करता हुआ कार्यशाला की परिक्रमा करने में लगा होता है। आस्था की चटखी के बीच सरयू तट आस्था के साथ पर्यटन का रंग बिखेर रहा होता है। युवाओं का समूह सरयू के भरे-पूरे प्रवाह के साथ स्वयं को सेल्फी में कैद कर रहा होता है। अयोध्या आए यात्रियों में भारी उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में विभिन्न राज्यों से लोग यहां आ रहे हैं।

पुरखों ने बनाया सोमनाथ, वंशज बना रहे राम मंदिर

रमाशरण अवस्थी, अयोध्या

▶ **सोमनाथ मंदिर के मुख्य शिल्पी के पौत्र हैं प्रस्तावित राममंदिर के मुख्य शिल्पी**

▶ **मंदिर निर्माण कार्यशाला के प्रभारी अन्नू भाई के फूफा थे प्रभाशंकर**

राम मंदिर के लिए पत्थर तराशी का नेतृत्व उन शिल्पियों के हाथ में है जो गुजरात के सोमनाथ मंदिर के शिल्पी रहे हैं। सोमनाथ मंदिर युगों से भव्यता और समृद्धि के लिए जाना जाता रहा है। मंदिर की इसी खूबी के चलते 1025 में महमूद गजनवी ने इस प्राचीन-पौराणिक मंदिर को न केवल लूटा बल्कि जाते-जाते मंदिर को ध्वस्त कर गया। तभी से भोले का यह ध्वस्त मंदिर भक्तों की छाती में शूल की तरह चुभता रहा। सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की हसरत लिए पीढ़ियां गुजर गईं। 926 वर्ष बाद यह हसरत पूरी हुई सरदार वल्लभ भाई पटेल के उप प्रधानमंत्री रहते। लौहपुरुष ने शताब्दियों के शूल का पूरी दृढ़ता से प्रतिकार किया और सोमनाथ का उसकी गरिमा के अनुरूप पुनरोद्धार सुनिश्चित कराया। 1951 में सोमनाथ मंदिर का नया संस्करण भव्य स्थापत्य की मिसाल बनकर पेश हुआ। इस स्थापत्य के मुख्य शिल्पी गुजरात के ही प्रभाशंकर सोमपुरा थे।

अन्नूभाई सोमपुरा जागरण

1989 में रामजन्मभूमि पर प्रस्तावित मंदिर का मानचित्र और शिल्प योजना के लिए विहिप ने इन्हीं सोनपुरा के पौत्र चंद्रकांत सोमपुरा का चुनाव किया। चंद्रकांत ने राममंदिर का जो मानचित्र तैयार किया है, उसके अनुरूप रामघाट स्थित मंदिर निर्माण कार्यशाला में पत्थर तराशी 1991 से ही चल रही है। उसी समय से ही कार्यशाला के प्रभारी का दायित्व निभा रहे अन्नू भाई सोनपुरा भी सोमनाथ के मुख्य शिल्पी के संबंधी हैं। अन्नू भाई पूरे गर्व से बताते हैं कि प्रभाशंकर सोनपुरा उनके फूफा थे और उन लोगों का खानदान पीढ़ियों से सम्मानित शिल्पी के रूप में जाना जाता है।

कार्यशाला का दायित्व निभाने आए अन्नू भाई उस समय 50 वर्ष के थे, अब उनका शरीर कमजोर पड़ गया है पर मंदिर निर्माण का जोश कायम है। वे कहते हैं, जीवन का कुछ ठिकाना नहीं इसलिए चाहता हूं कि जल्द से जल्द उस स्थल पर शिला रखने का अवसर प्राप्त हो, जहां प्रस्तावित मंदिर के लिए तीन दशक तक पसीना बहाया है और जो कार्य ही नहीं हमारी पूजा भी है।

विवाद

करवा चौथ के दिन पत्नी से विवाद, बाद में समझौता, ससुराल पक्ष ने लगाया कोई काम नहीं करने का आरोप

पाक के पूर्व विधायक बलदेव को सास ने पहुंचाया थाने

जागरण संवाददाता, खन्ना

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा (केपीके) राज्य की बारीकोट सीट से पाकिस्तान प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के पूर्व विधायक बलदेव कुमार एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। गुरुवार को उनकी सास ज्योति ने बलदेव पर पत्नी भावना और ससुरालियों तंग करने का आरोप लगाकर पुलिस को शिकायत कर दी। इसके बाद करवाचौथ वाले दिन बलदेव कुमार को थाने जाना पड़ा। हालांकि, बाद में दोनों पक्षों में लिखित समझौता हो गया।

पुलिस के अनुसार कुछ दिनों से बलदेव के साथ चल रहे विवाद को लेकर उसके ससुराल पक्ष के लोग खन्ना के एसएसपी से भी मिले थे। गुरुवार को पत्नी से विवाद बढ़ा तो उसकी सास ज्योति ने पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 पर शिकायत कर दी। इसके बाद बलदेव को थाना सिटी-एक बुलाया गया।

एसएचओ कुलजिंदर सिंह ने कहा कि सास ज्योति ने बलदेव पर उनकी बेटी को तंग करने और परिवार के पालन-पोषण के लिए कोई काम न करने के आरोप लगाए थे। समझौता होने के बाद ससुराल वाले बलदेव को दोबारा अपने साथ ले गए।

पाकिस्तान के पूर्व विधायक बलदेव पत्नी भावना और बच्चों के साथ। फाइल फोटो

मेरे पास नहीं है वर्क परमिट : बलदेव ने कहा कि ससुराल वाले उसे काम करने को कह रहे हैं, लेकिन उसके पास वर्क परमिट नहीं है। वीजा भी 12 नवंबर को खत्म हो जाएगा। करीब 15 दिन पहले वीजा बढ़ाने की अर्जी दी थी, जिस पर कोई जवाब नहीं मिला है। भारत में राजनीतिक शरण मांग पर भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

दिल्ली सरकार को न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी की इजाजत

नई दिल्ली, आइएएनएस : सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली सरकार को न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी की अधिसूचना जारी करने की इजाजत दे दी। इस मंजूरी से श्रमिकों के न्यूनतम वेतन में 37 फीसद की बढ़ोतरी हो जाएगी।

जस्टिस यूयू ललित और जस्टिस अनिरुद्ध बोस की पीठ ने कहा, 'हम याचिकाकर्ता (दिल्ली सरकार) को अधिसूचना के मसौदे को तार्किक निष्कर्ष तक ले जाने की इजाजत देते हैं। साथ ही निर्देश देते हैं कि जब तक अधिसूचना प्रभावी नहीं होती तब तक तीन मार्च, 2017 को जारी अधिसूचना प्रभावी रहेगी जैसा कि 31 अक्टूबर, 2018 के आदेश में कहा गया था।'

दिल्ली सरकार ने अकुशल श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन 14,842 रुपये प्रतिमाह और क्लर्क व सुपरवाइजरों के लिए 16,341 रुपये प्रतिमाह का न्यूनतम वेतन प्रस्तावित किया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति अधिसूचना से प्रभावित होता है तो वह कानून की मदद लेने का अधिकारी होगा। बता दें कि यह मामला अदालतों में करीब दो साल से लंबित था।

खदान में फंसे युवकों को निकालने पहुंची एनडीआरएफ टीम

जागरण संवाददाता, आसनसोल

कुल्टी थाना क्षेत्र के अकवन बागान स्थित कुंआनुमा अवैध कोयला खदान में चार दिनों से फंसे तीन युवकों को निकालने के लिए गुरुवार सुबह एक बार फिर बचाव अभियान शुरू किया गया। इसके लिए कोलकाता से पहुंची एनडीआरएफ के 40 सदस्यीय टीम ने दो जेसीबी मशीन की मदद से बचाव का काम शुरू किया।

टीम का नेतृत्व डिप्टी कमांडेंट अभय कुमार सिंह कर रहे हैं। सुबह करीब 8:30 बजे से अभियान शुरू किया गया। जेसीबी मशीनों के माध्यम से कुआंनुमा खदान के मुहाने को मिट्टी हटाकर चौड़ा किया गया। इसके बाद पंखे लगाकर सुरंग के अंदर से जहरीली गैस को बाहर निकाला गया। इस कवायद में शाम हो गई। उसके बाद कई उपकरणों से सुसज्जित टीम के कुछ सदस्य खदान के मुहाने से अंदर घुसे। अंदर सुरंग धीरे धीरे संकरी होती गई। टीम के सदस्यों ने अंदर का नक्शा समझने का प्रयास किया। अंदर जगह बेहद संकरी होने के कारण टीम के सदस्य बाहर आ गए। इसके बाद फिर दो जेसीबी लगाकर और मिट्टी हटाने का काम हो रहा है। ताकि रास्ता को चौड़ा किया जा सके। समाचार लिखे जाने मिट्टी हटाने का काम जारी है। खदान में फंसे युवकों का फिलहाल कोई सुराग टीम के सदस्यों को नहीं मिल सका था। इधर मौके पर एनडीआरएफ टीम के आने की खबर पाकर सैकड़ों ग्रामीण जुटे हैं।

सुरंग में मौजूद है कई गैसों का मिश्रण : सिंह एनडीआरएफ के डिप्टी कमांडेंट अभय कुमार सिंह ने बताया कि अंदर सुरंग में कई तरह की गैस का मिश्रण है। विशेष रूप से हाइड्रोजन सल्फाइड गैस अंदर है। मालूम हो कि रविवार की देर शाम को खदान में तीनों युवक घुसे थे। उनका कोई पता नहीं चल रहा है। रविवार व सोमवार को ईसीएल की माइंस रेस्क्यू टीम ने बचाव अभियान चलाया था। बावजूद दमघोंटू गैस के कारण वह टीम तो अंदर ही नहीं घुस सकी थी।

2250 के पार हो गई है बिहार में डेंगू पीड़ितों की संख्या। पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल में गुरुवार को 140 नए डेंगू पॉजिटिव मरीजों की पहचान हुई।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शुक्रवार 18 अक्टूबर 2019

पाक के इशारे पर हो रहीं कश्मीर में हत्याएं

बोले सत्यपाल मलिक ▶ आतंकी बचेंगे नहीं, उनको यहां से मार भगाया जाएगा

राज्यपाल ने कहा, राज्य में बनाएं सुरक्षा, विकास व खुशहाली का माहौल

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

कश्मीर में निर्दोष लोगों की हत्याएं पाकिस्तान के इशारे पर हो रही हैं। पाकिस्तान यहां अफरा-तफरी फैलाना चाहता है। हम इसकी अनुमति नहीं देंगे। ऐसा करने वालों को हम बख्शेंगे नहीं। यह बात राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने दक्षिण कश्मीर में तीन निर्दोष नागरिकों की आतंकियों द्वारा की गई हत्या पर दुख जताते हुए कही।आतंकियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई का संकेत देते हुए मलिक ने कहा कि अब जानकारियां मिलने लगी हैं। बुधवार को ही तीन आतंकी मारे गए। अगर वह सोचते हैं कि वे यह सब करके बचेंगे, तो गलत सोचते हैं। हम उन्हें मार भगाएंगे। हम जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा, विश्वास, विकास और खुशहाली का माहौल बनाएंगे।

गौरतलब है कि आतंकियों ने सोमवार को दक्षिण कश्मीर के शोपियां में राजस्थान के एक ट्रक चालक की हत्या कर दी थी। उसके बाद मंगलवार को पुलवामा में झारखंड के श्रमिक और शोपियां में पंजाब के एक सेब व्यापारी की भी हत्या कर दी थी। इन हत्याओं के बाद घाटी में स्थानीय और दूसरे राज्यों से आए लोगों में

सत्यपाल मलिक। फाइल फोटो

भय फैल गया है। राज्यपाल ने दक्षिण कश्मीर में तीन नागरिकों की हत्या पर दुख जताते हुए कहा कि नेशनल मीडिया और प्रैस को इन घटनाओं की कड़ी निंदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई गरीब बेचारा रोजी रोटी कमाने आया है। कोई सेब लेने आया है और आप (आतंकी) उसको कत्ल करेंगे। आप निहत्थे को मार कर क्या लोगे?

अभी बंद रहेंगी प्री-पेड मोबाइल व इंटरनेट सेवाएं: पोस्टपेड मोबाइल और इंटरनेट सेवा को बहाल करने संबंधी सवाल के जवाब में राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने हमने लैंडलाइन और पोस्टपेड मोबाइल फोन बहाल कर दिए हैं। प्री-पेड और इंटरनेट सेवा फिलहाल बंद ही रहेगी। यह दोनों सेवाएं तभी बहाल होंगी, जब यहां हालात पूरी तरह शांत व सामान्य होंगे। पाकिस्तानी एजेंट और आतंकी प्री-पेड व इंटरनेट सेवाओं का दुरुपयोग कर यहां माहौल बिगाड़ने का प्रयास कर सकते हैं।

आतंकी नवीद और राहिल के पोस्टर जारी, इनाम भी रखा

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

- ट्रक चालक और सेब व्यापारी की हत्या में लिप्त हैं दोनों आतंकी
- दोनों वारदातों का सूत्रधार हिज्ब का जिला कमांडर नवीद है

पुलिस ने शोपियां में ट्रक चालक और सेब व्यापारी की हत्या में लिप्त हिजबुल मुजाहिदीन के जिला कमांडर नवीद बाबू और राहिल मागरे के पोस्टर जारी किए हैं। पुलिस ने इन आतंकियों का सुराग देने वाले को इनाम देने का भी एलान किया है।

गौरतलब है कि गत सोमवार को आतंकियों ने शोपियां के श्रीमाल इलाके में राजस्थान के चालक शरीफ खान की हत्या कर ट्रक को आग लगा दी थी। इसके बाद बुधवार शाम को त्रेंज शोपियां में आतंकियों ने पंजाब के दो व्यापारियों को गोली मारी। इनमें एक की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरे की हालत गंभीर है। सूत्रों ने बताया कि दोनों वारदातों का सूत्रधार हिज्ब का जिला कमांडर नवीद है। उस पर सुरक्षाबलों ने सात लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा है। उसके इशारे पर हिज्ब और जैश के आतंकियों के संयुक्त दस्ते ने चालक व सेब व्यापारी को निशाना बनाया है। नवीद के साथी राहिल मागरे और एक पाकिस्तानी आतंकी को श्रीमाल में स्थानीय लोगों ने कथित तौर पर ट्रक चालक को अगवा करते देखा था। पुलिस ने अपने तंत्र से पता लगाया है कि वारदात के समय नवीद अपने साथियों संग संबंधित इलाकों में ही घूम रहा था। उसने गत माह पोस्टर जारी कर स्थानीय लोगों को देश की मंडियों में सेब निर्यात न करने की धमकी दी थी। उसने 10 अगस्त को शोपियां की एक मस्जिद में लोगों को धमकियां दी थीं। आतंकी बनने से पूर्व नवीद मुश्ताक राज्य पुलिस में बतौर कांस्टेबल तैनात था। वह वर्ष 2017 में आतंकी बना था।

बड़ा कदम : जम्मू-कश्मीर विधान परिषद 62 वर्ष बाद समाप्त

राज्य ब्यूरो, जम्मू

- परिषद के अधिकारी व कर्मचारी 22 अक्टूबर तक जीएडी में करेंगे रिपोर्ट
- एस्टेट विभाग को सौंपी जाएंगी परिषद की इमारत सहित अन्य संपत्ति
- ससंदीय मामलों का विभाग के हवाले किया जाएगा परिषद का रिकार्ड

जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद अब विधान परिषद को खत्म कर दिया। जम्मू-कश्मीर विधान परिषद के सचिव सहित पूरे स्टाफ को 22 अक्टूबर तक सामान्य प्रशासनिक विभाग (जीएडी) में रिपोर्ट करना होगा। राज्य सरकार ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम-2019 के तहत इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए हैं। जीएडी सचिव मोहम्मद फारूक लोन के हस्ताक्षरित आदेश में जम्मू-कश्मीर व लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश में परिवर्तित करने की प्रक्रिया के तहत जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम-2019 (धारा 57) के तहत जम्मू-कश्मीर विधान परिषद को समाप्त कर पूरे परिषद स्टाफ को 22 तक जीएडी में रिपोर्ट करने के लिए कहा है। अधिकारियों के अनुसार, परिषद के अधिकारी व कर्मचारी नई व्यवस्था के तहत विभिन्न विभागों में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में आवश्यकतानुसार स्थानांतरित होंगे। परिषद में करीब 116 अधिकारी और कर्मचारी हैं।

जीएडी की अधिसूचना के मुताबिक, राज्य विधान परिषद द्वारा समय-समय पर खरीदे गए सभी वाहन निदेशक स्टेट मोटर गैराज में स्थानांतरित किए जाएंगे। इसके साथ ही परिषद

जम्मू-कश्मीर विधान परिषद। फाइल फोटो

के सचिव को परिषद की इमारत, फर्नीचर, बिजली के उपकरण सहित अन्य उपकरण भी निदेशक इस्टेट विभाग के हवाले करने होंगे। निर्देश दिया गया है कि वह परिषद सचिवालय और परिषद की कार्रवाई से संबंधित सारे रिकार्ड कानून, न्याय एवं ससंदीय मामलों के विभाग के हवाले करें।

1957 में गठित हुई थी विधान परिषद : 62 साल पहले 1957 में संसद में पारित एक प्रस्ताव के तहत गठित विधान परिषद के समाप्त होने के बाद अब सिर्फ जम्मू-कश्मीर में विधानसभा ही रहेगी। पांच अगस्त को केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम पारित कर जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर व लद्दाख में विभाजित कर दिया था। 31 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर व लददाख दो अलग-अलग केंद्र शासित प्रदेश के रूप में देश के नक्शे पर उभरेंगे।

23 की सदस्यता भी हुई समाप्त

राज्य सरकार द्वारा विधान परिषद के समाप्त करने के आदेश के बाद अब जम्मू कश्मीर विधान परिषद के 23 सदस्यों की सदस्यता भी समाप्त हो गई है। जम्मू कश्मीर राज्य विधान परिषद के 36 सदस्य होते थे। इसमें से 13 सदस्य का कार्यकाल समाप्त हो चुका है। अब विधान परिषद के अन्य 23 सदस्यों की सदस्यता विधान परिषद के समापन के साथ स्वत: ही खत्म हो गई है। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में 89 सदस्य हैं। इसके अलावा विधानसभा में 25 सीटें गुलाम कश्मीर के लिए भी आरक्षित हैं।

पाक से करतारपुर कॉरिडोर पर 20 डॉलर शुल्क नहीं लगाने को कहा

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत ने पाकिस्तान से प्रति भारतीय श्रद्धालु से शुल्क के रूप में 20 डॉलर नहीं वसूलने को कहा है। इसके साथ ही भारत ने उम्मीद जताई है कि करतारपुर कॉरिडोर के संचालन में आने के लिए जल्दी ही दोनों देशों के बीच समझौते पर हस्ताक्षर हो जाएंगे। पाकिस्तान ने कॉरिडोर को लेकर समझौते का अंतिम मसौदा भारत के पास भेजा है। इसके मुताबिक प्रत्येक भारतीय तीर्थयात्री से 20 डॉलर शुल्क लिया जाएगा। पाकिस्तान इसे सर्विस चार्ज कहा है। भारत इससे पहले यह प्रस्ताव ठुकरा चुका है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने कहा कि करतारपुर कॉरिडोर पर कई दौर की बैठक हुई है। इसमें तीर्थयात्रियों पर लगने वाले शुल्क के अलावा अन्य सभी मुद्दों पर सहमति बन गई है। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान के साथ कई राउंड की बैठक के बाद हम सर्विस फी के अलावा सभी मुद्दों पर सहमति पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान 20 डॉलर (1,420 रुपया) सर्विस चार्ज पर अड़ा हुआ है।'

उन्होंने कहा कि भारत ने पाकिस्तान से कहा है कि श्रद्धालुओं के हित को देखते हुए वह सर्विस चार्ज नहीं लगाए। इसके साथ ही कॉरिडोर खोला

- पाकिस्तान ने शुल्क को सर्विस चार्ज कहा है
- समझौते पर जल्दी ही हस्ताक्षर होने की उम्मीद

जाना लोगों से लोगों के बीच पहल है। उन्होंने कहा, 'हम उम्मीद करते हैं कि समझौता हो जाएगा।'पाकिस्तान प्रति तीर्थयात्री 20 डॉलर सर्विस चार्ज लगाने पर जोर दे रहा है। इसके पीछे उसने पाकिस्तान के करतारपुर में स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब और पंजाब के गुरदासपुर जिले में स्थित डेरा बाबा नानक को जोड़ने वाले कॉरिडोर के संचालन खर्च जुटाने का तर्क दिया है। शुरुआती योजना के मुताबिक दोनों देशों को नवंबर महीने के शुरू में ही समझौते पर हस्ताक्षर करने थे ताकि गुरु नानक की 550वीं जयंती के मौके पर इसे खोला जा सके।

सिखों के पवित्रतम धार्मिक स्थलों में से एक करतारपुर साहिब गुरुद्वारा रावी नदी के पार पाकिस्तान के नारोवाल जिले में स्थित है। यह भारत के पंजाब के गुरदासपुर जिले के डेरा बाबा नानक से करीब चार किलोमीटर दूर है।

टेक्नोमेक घोटाला : एमडी राकेश के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी

राज्य ब्यूरो, शिमला

- दिल्ली निवासी आरोपित की अब विदेश में भी हो सकेगी गिरफ्तारी
- 6000 करोड़ के घोटाले के आरोपित के दुबई में होने के संकेत

इंडियन टेक्नोमेक कंपनी के 6000 करोड़ के कर-कर्ज घोटाले के मुख्य आरोपित दिल्ली निवासी राकेश कुमार शर्मा के खिलाफ इंटरपोल (अंतरराष्ट्रीय पुलिस) ने रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया है। हिमाचल प्रदेश के एडीजीपी सीआइडी अशोक तिवारी ने इसकी पुष्टि की है।

घोटाले का मुख्य आरोपित कंपनी का प्रबंध निदेशक विदेश भाग गया है। उसकी ताजा लोकेशन दुबई आई थी। नोटिस जारी होने के बाद अब उसकी विदेश में भी गिरफ्तारी हो सकेगी। हिमाचल की सीआइडी को सीबीआइ के माध्यम से सूचना मिली कि वह दुबई, लंदन, इंडोनेशिया, पेरू, दक्षिण अफ्रीका में कहीं छिपा हो सकता है। अब तक की जांच के मुताबिक चेक बाउंस केस में आरोपित दुबई की जेल में भी रहा है।

इस घोटाले में सीआइडी अब तक 22 आरोपितों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें कंपनी के कर्मचारियों के अलावा आबकारी एवं कराधान विभाग के अधिकारी, कर्मी शामिल हैं।

क्या है मामला

आबकारी एवं कराधान विभाग की इकोनॉमिक इंटेलीजेंस यूनिट में 2014 में इंडियन टेक्नोमेक कंपनी की गड़बड़ियों को पकड़ा। तीन साल तक यह मामला हाई कोर्ट व सुप्रीम कोर्ट में चलता रहा। दो साल से हिमाचल हाई कोर्ट में नीलामी का केस चल रहा है। सीआइडी ने इस पूरे मामले की गहनता से जांच की है।

19 आरोपितों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हो गई है। इस पर अगली सुनवाई दो नवंबर को होगी।

इन्हें लगाई चपत: आरोप है कंपनी ने 17 बैंकों का कर्ज व ब्याज का ढाई हजार करोड़ हड़प लिया है। आबकारी व कराधान विभाग को 2175 करोड़ रुपये व आयकर विभाग को 750 करोड़ रुपये का कंपनी ने चपत लगाई है। कर्मचारी भविष्य निधि, बिजली बोर्ड, श्रम विभाग व अन्य विभागों को भी करोड़ों रुपये की चपत लगाई गई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी कंपनी के मनी लांड्रिंग की अलग से जांच कर रहा है। बैंक फ्रॉड मामले में हाल ही में आरोपित राकेश कुमार शर्मा, विनय कुमार शर्मा की 288 करोड़ की संपत्ति को अचैट किया है। ईडी मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत कार्रवाई कर रहा है। कोर्ट के निर्देश पर कंपनी की पांवटा स्थित संपत्ति की नीलामी करने की प्रक्रिया दोबारा आरंभ होगी।

क्या है रेड कॉर्नर नोटिस: अगर भारत का कोई अपराधी या आरोपित विदेश में है और भारतीय एजेंसियां उसे वहां पकड़ नहीं सकती तो इंटरपोल आग्रह पर रेड कॉर्नर नोटिस जारी करता है। जिस देश में भी व्यक्ति हो, वहां की पुलिस उसका पता लगाती है। इसके बाद दो देशों की सरकारों के बीच पत्राचार होता है। अगर प्रत्यार्पण संधि हो तो वापस लाना आसान होता है, अन्यथा दूसरे कानूनी रास्ते तलाशने पड़ते हैं।

ट्रक चालकों को सुरक्षाबलों के शिविरों में शरण लेने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

राज्य प्रशान ने अन्य राज्यों के ट्रक चालकों और सेब व्यापारियों की सुरक्षा को यकीनी बनाने के लिए उन्हें सुरक्षित स्थानों पर भेजना शुरू कर दिया है। ट्रक चालकों को सुरक्षाबलों के शिविर में जाने के लिए कहा गया है। कहीं फल मंडी परिसर में ही ठहरने की हिदायत दी गई है। हाईवे पर भी उन्हें निर्धारित स्थानों पर ही रुकने के लिए कहा गया है।

श्रमिकों की बस्तियों और फल मंडियों की सुरक्षा बढ़ाने के साथ ही अंदरूनी इलाकों की सड़कों पर भी सुरक्षाबलों की गश्त बढ़ा दी गई है। फल मंडियों के आसपास सीआरपीएफ व अन्य केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है। राज्य प्रशासन ने वादी में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उसे नए सिरे से चाक चौबंद किया है। ट्रक चालकों को निर्देश दिया गया है कि अगर कोई वादी के भीतरी इलाके में जाता है तो दिन ढलने से पहले वहां से निकल जाए। अगर रुकना पड़े तो सुरक्षा शिविर में ही शरण लें।

सूत्रों ने बताया कि सिर्फ जिला शोपियां में ही इस समय अन्य राज्यों के करीब पांच सौ ट्रक चालक हैं। इन्हें बस स्टैंड, फल मंडी और जिला उपायुक्त कार्यालय परिसर में रखा गया है। करीब दो दर्जन से ज्यादा ट्रकों को शोपियां में एक सुरक्षा शिविर में ले जाया गया है, जबकि अगलर फल मंडी में लगभग एक दर्जन ट्रक चालकों को रखा गया है।

अनंतनाग में भी सभी ट्रक चालकों को मंडी में या फिर बस स्टैंड में रहने के लिए कहा गया है। काजीगुंड और लोअर मुंडा में ट्रक चालकों को बस अड्डे से बाहर न जाने के लिए कहा गया है। सोपोर और बारामुला में भी ट्रक चालकों को सुरक्षा शिविरों के आसपास या फिर मंडी में ही ठहरने के लिए कहा गया है। ट्रक चालकों को जवाहर सुरंग से लेकर रामबन तक हाईवे पर पूरी सतर्कता बरतने के लिए कहा गया है।

सूत्रों के अनुसार वादी में सभी पुलिस चौकी व थाना प्रभारियों को कहा गया है कि वह श्रमिकों की बस्तियों, किरायेदारों और अल्पसंख्यकों के मुहल्लों की सूची तैयार करें। इसके अलावा सुरक्षाबलों की चौकियां भी स्थापित की जा रही हैं।

माफी मांगने पर दोबारा शुरू हुई शिवकुमार की जमानत पर सुनवाई

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिवक्ता की अनुपस्थिति पर दिल्ली हाई कोर्ट ने नाराजगी जताई। ईडी की तरफ से पेश हुए एक अधिवक्ता ने यह कहते हुए सुनवाई में 30 मिनट की राहत मांगी कि मामले में बहस करने वाले विधि अधिकारी अन्य मामले को लेकर राउज एवेन्यू कोर्ट में हैं। इस पर पीठ ने कहा कि यह कतई स्वीकार नहीं है। पीठ ने शिवकुमार की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख ईडी से लिखित जवाब 19 अक्टूबर की दोपहर तक देने का आदेश दिया। हालांकि, बाद में एडिशनल सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने न्यायमूर्ति सुरेश कैट की पीठ से माफी मांगी, इसके बाद अदालत ने दोबारा सुनवाई शुरू की।

मनी लांड्रिंग मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को डीके शिवकुमार की न्यायिक हिरासत 25 अक्टूबर तक के लिए बढ़ा दी थी। शिवकुमार की जमानत अर्जी निचली अदालत के अलावा हाई कोर्ट से भी खारिज हो चुकी है। ईडी का दावा है कि इस अपराध की जड़ें गहरी हैं और अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाया गया है। शिवकुमार पर आयकर विभाग के आरोपपत्र के बाद मनी लांड्रिंग का केस दर्ज किया गया था। एजेंसी का दावा है कि शिवकुमार की 800 करोड़ की संपत्ति का कोई हिसाब नहीं है।

सदाकत के घर तीसरी बार एटीएस ने मारा छापा

जागरण संवाददाता, बरेली

टेरर फंडिंग का मामला

सदाकत का घर बंद मिला था। उसके यहां जांच की गई है। फईम और सिराजुद्दीन के परिवारीजनों ने सहयोग करने को कहा है। उनसे जरूरी पूछताछ भी की गई।
–मंजीत सिंह
इंस्पेक्टर, एटीएस बरेली।

टेरर फंडिंग के संदिग्ध सदाकत की तलाश में एटीएस ने एक सप्ताह में तीसरी बार उसके घर छापा मारा। गुरुवार को टीम वहां पहुंची तो सदाकत ही नहीं, उसके परिवार के अन्य लोग भी फरार थे। सुराग हासिल करने की कवायद में एक घंटे तक टीम वहां रही। इसके बाद इसी गांव में रहने वाले दो अन्य संदिग्ध सिराजुद्दीन व फईम के घर भी पहुंची। वहां परिवारीजनों से पूछताछ के बाद लौट गई।

बीते शुक्रवार को उप्र के लखीमपुर खीरी से उम्मेद अली, संजय अग्रवाल, एराज अली व बरेली निवासी समीर सलमानी को टेरर फंडिंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। आरोपितों के पास से भारतीय व नेपाल की करंसी भी बरामद हुई थी। पूछताछ में उन्होंने एटीएस को बताया था कि वे बरेली के परतापुर चौधरी गांव निवासी सदाकत, फहीम और सिराजुद्दीन के लिए काम करते हैं।

शुक्रवार रात को ही एटीएस गांव पहुंची मगर सदाकत नहीं मिला था। इसके बाद मंगलवार को भी दबिश दी थी। मंगलवार को ही रात में सदाकत की कार इज्जतनगर रेलवे स्टेशन के पास बरामद हुई तो आशंका व्यक्त की गई कि वह बरेली में ही है, जिसके बाद गुरुवार को एटीएस फिर सदाकत के गांव परतापुर चौधरी पहुंची। दरवाजे नहीं खुले तो एटीएस पड़ोसी की छत से उसके घर में दाखिल हुई। करीब एक घंटे तक जांच पड़ताल की। घर से परिवारीजन भी फरार थे। इसके बाद टीम संदिग्ध सिराजुद्दीन और फईम के घर गई। जहां परिवारीजनों से पूछताछ कर एटीएस लखनऊ लौट गई। बता दें कि सिराजुद्दीन और फईम भी सदाकत के साथ ही 20 दिन से गायब हैं।

अमर्त्य और अभिजीत को खास सम्मान देगा प्रेसिडेंसी विश्वविद्यालय

जागरण संवाददाता, कोलकाता : कोलकाता के प्रेसिडेंसी विश्वविद्यालय ने अर्थशास्त्र के लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अपने पूर्व छात्रों अमर्त्य सेन व अभिजीत विनायक बनर्जी को खास सम्मान देने का फैसला किया है। उनके चेहरे की प्रतिकृति को विवि की दीवार पर नक्काशी माध्यम से उकेरा जाएगा। विवि की कुलपति अनुराधा लोहिया ने गुरुवार को बताया कि विवि प्रबंधन ने इस साल नोबेल पुरस्कार जीतने वाले अभिजीत बनर्जी के घर अभिनंदन सूचीपत्र भेजने का भी फैसला लिया है। अमर्त्य सेन को 1998 में अर्थशास्त्र के लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

गौरतलब है कि 202 साल पुराने इस विवि के 100 मशहूर पूर्व छात्रों के नाम अंकित हैं। प्रेसिडेंसी की स्थापना 1817 में हिंदू कालेज के नाम से हुई थी। 1855 में इसका नाम बदलकर प्रेसिडेंसी कालेज रखा गया था और 2010 में इसे विवि का दर्जा दिया गया। अभिजीत ने 1981 में तत्कालीन प्रेसिडेंसी कालेज से अर्थशास्त्र (आनर्स) में स्नातक किया था। लोहिया ने कहा कि इस साल अर्थशास्त्र में नोबेल पदक जीतने वाले अभिजीत बनर्जी, उनकी पत्नी एस्थर डफलो और माइकल क्रेमर को डी. लिट की उपाधि से सम्मानित करने के लिए विवि के गर्वनिंग बोर्ड के सामने प्रस्ताव रखा जाएगा।

उत्तर प्रदेश में पीडब्ल्यूडी सहित चार विभागों के टेंडरों का होगा ऑडिट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गड्ढे वाली सड़कों के लिए जिम्मेदार अफसरों पर बरसे योगी
- सभी सड़कें 15 नवंबर तक गड्ढा मुक्त कराने का फरमान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि प्रदेश की सभी सड़कें 15 नवंबर तक गड्ढा मुक्त कर दी जायें। खराब सड़कों पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने कहा कि इसके लिए जवाबदेही तय की जाएगी। सड़कों की दुर्दशा से योगी इतने खफा थे कि उन्होंने लोक निर्माण (पीडब्ल्यूडी) व ऊर्जा समेत चार विभागों में दो वर्षों में हुए सभी टेंडरों का ऑडिट करवाकर जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए। नगर विकास विभाग और सिंचाई विभाग के टेंडरों की भी ऑडिट होगा।

लोकभवन में गुरुवार को आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव को निर्देश दिया कि जिन जिलों में बिना कार्य किए ही रकम निकाली गई है, वहां पर सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री तक शिकायत पहुंची है कि देवरिया और बस्ती समेत कई जिलों में बिना कार्य हुए धनराशि अवमुक्त कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने खराब सड़क निर्माण के लिए जिम्मेदार ठेकेदारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने को भी कहा।

दरअसल, बुधवार को चुनावी दौरे पर मुख्यमंत्री मऊ जिले की घोसी विधान सभा में गए थे। जनसभा को संबोधित करते हुए देरी हो जाने से उनका हेलीकाप्टर उड़ नहीं सका। वह सड़क मार्ग से करीब सवा सौ किलोमीटर की दूरी तय कर वाराणसी गए। हिचकोले खाती गड्ढे वाली सड़कों पर चलकर उन्हें आम जनमानस को होने वाली पीड़ा का अहसास हुआ। इसके बाद योगी ने गुरुवार को बैठक बुलाकर अफसरों की जमकर क्लास लगाई।

ठेकेदारों और अफसरों पर होगी कार्रवाई : मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय मार्गों की हालत बहुत ही खराब है। जहां निर्माण चल रहा है वहां कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है, जिससे लोग परेशान हो रहे हैं। उन्होंने एनएचएआइ के अधिकारियों को गोरखपुर-वाराणसी, मऊ-गोरखपुर और मऊ-वाराणसी मार्ग का निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य सचिव आरके तिवारी से इसकी समीक्षा कर अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई करने और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय को पत्र लिखने को कहा। योगी ने कहा कि अभी प्रदेश में 22 फीसदी नगरीय क्षेत्र है, अगले दो साल में इसे बढ़ाकर 30 फीसद किया जाए। शहरों के इर्दगिर्द विकसित हो रही अनियमित आवासीय कालोनियों को नगरीय क्षेत्र में शामिल कर लिया जाए।

तीनों सेनाओं का होगा ज्वाइंट सर्विस एक्ट

निशांत यादव, लखनऊ : देश की तीनों सेनाओं के अलग- अलग एक्ट को एकीकृत करने की तैयारी है। आर्मी एक्ट, नेवल और एयरफोर्स एक्ट की जगह तीनों सेनाओं का ज्वाइंट सर्विस एक्ट बनाया जाएगा। नई दिल्ली में चल रहे आर्मी कमांडर्स कॉन्फ्रेंस (आइसीसी) में मध्य कमान के सेनाध्यक्ष ले. जनरल आइएस घुमन सहित देशभर के सभी कमांडरों ने इस पर सहमति प्रदान की।

सेना के आधुनिकीकरण और भावी चुनौतियों को लेकर कई मुद्दे उठाए गए। तीनों सेनाओं के बीच तालमेल बनाने और एकीकरण के लिए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ पर भी चर्चा हुई। आर्मी कमांडरों ने कहा कि तीनों सेनाओं का ज्वाइंट सर्विस एक्ट होने से एकीकरण तेजी से होगा। कॉन्फ्रेंस में सेना मुख्यालय का पुनर्गठन भी चर्चा का केंद्र रहा। बताया गया कि पुनर्गठन की प्रक्रिया के लिए कुछ अनुमोदन सरकार ने दिए हैं। यह निर्णय लिया गया है कि जब भी सरकार सारे प्रस्तावों को मंजूरी देगी, समग्रता में सेना मुख्यालय का पुनर्गठन शुरू हो जाएगा।

जल्द लागू होंगी कई योजनाएं : आर्मी की ट्रेनिंग युद्ध की तैयारियों के लिए होती है। सेना में स्पेस, आर्टिफिशिएल इंटेलीजेंस और मिलिट्री एजुकेशन के अपग्रेडेशन के लिए कई स्तर पर प्लान तैयार किया गया है। जल्द ही इसको लागू किया जाएगा। भारतीय सैन्य प्रशिक्षण संस्थानों में इंटरनेशनल ऑनर कोड लागू करने का भी निर्णय लिया गया।

जुगाड़

नेटवर्क न मिलने पर आइटीबीपी जवानों ने अपनाया यह रास्ता, जिला मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर घने वनों और पहाड़ियों से घिरे हड़ेली में तैनात हैं जवान

पेड़ों पर मोबाइल टांगकर दिया करवा चौथ का आशीष

पूनम मानिकपुरी, कोंडागांव

महिलाएं पति की लंबी उम्र की कामना के लिए निर्जला व्रत रख कर करवा चौथ का व्रत करने में लगी रहीं तो नक्सलगढ़ में तैनात जवान पत्नियों से बात करने का जुगाड़ खोजते नजर आए। धुर नक्सल प्रभावित कोंडागांव जिले के ग्राम हड़ेली में पदस्थ आइटीबीपी के जवानों ने मोबाइल नेटवर्क की समस्या को देखते हुए अपने मोबाइल पेड़ पर टांग कर ब्लूटूथ के जरिये करवा चौथ के अवसर पर अपनी पत्नी से बात की।

जिला मुख्यालय से करीब 40 किमी दूर चारों ओर घने वनों व पहाड़ियों से घिरे ग्राम हड़ेली में अपनी तैनाती के दिनों से ही जवानों को विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। आइटीबीपी 41वीं वाहिनी के असिस्टेंट कमांडेंट सुरेश यादव ने नईदुनिया को बताया मोबाइल नेटवर्क की समस्या आम है। कभी-कभी बीएसएनएल व जिओ का नेटवर्क आता है। फिलहाल बीएसएनएल का नेटवर्क तो महीने भर से नहीं है। जिओ का नेटवर्क ढूंढने के लिए भी भारी मशक्कत करनी पड़ती है। करवा चौथ के अवसर पर सभी महिलाओं को

छत्तीसगढ़ के धुर नक्सल प्रभावित कोंडागांव कैंप के पास मोबाइल नेटवर्क न मिलने पर आइटीबीपी के जवानों ने रस्सी के जरिये पेड़ पर टांग दिया मोबाइल, फिर अपनी पत्नियों को दिया करवाचौथ का आशीष। नईदुनिया

अपने पति से बात करने का बेसब्री से इंतजार होता है। आज विशेष तौर पर पत्नियों को करवा चौथ सेलिब्रेट करने के लिए हमने पेड़ की ऊंचाई पर रस्सी बांधकर जुगाड़ से नेटवर्क पकड़ाया। सभी फोन को प्लास्टिक के डब्बे पर रखकर हम रस्सी के सहारे ऊपर चढ़ाते हैं और ब्लूटूथ से कनेक्ट कर अपने परिवार वालों से बातें करते हैं। गुरवार शाम जब चांद आसमान में खिला तो मोबाइलों को रस्सी के सहारे ऊपर चढ़ाया गया। नेटवर्क मिलते ही इंतजार करते जवानों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। सभी जवान एक स्वर में ताली बजाते हुए अपने परिवारीजनों से कनेक्ट होते चले गए।

पीएमसी के पूर्व निदेशक ने किया था पद का दुरुपयोग : ईओडब्ल्यू

मुंबई, प्रेट्र : पंजाब एवं महाराष्ट्र कोऑपरेटिव (पीएमसी) बैंक घोटाले की जांच कर रही महाराष्ट्र पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने अदालत में बताया कि बैंक के पूर्व निदेशक सुरजीत सिंह अरोड़ा ने पद का दुरुपयोग कर घोटाले में मदद की थी। अदालत ने अरोड़ा को 22 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। इसके अलावा बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक जॉय थॉमस को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया, उनकी पुलिस हिरासत की अवधि गुरुवार को खत्म हो गई।

सुरजीत अरोड़ा को ईओडब्ल्यू ने बुधवार को पूछताछ के लिए बुलाया था जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। 4,355 करोड़ रुपये के पीएमसी घोटाले में गिरफ्तार होने वाले वह पांचवें शख्स हैं। ईओडब्ल्यू ने बताया कि रिजर्व बैंक द्वारा पीएमसी बैंक का कामकाज अपने हाथ में लिए जाने से पहले तक सुरजीत अरोड़ा बैंक के निदेशक होने के साथ-साथ ऋण समिति के प्रमुख सदस्य भी थे। एचडीआइएल ग्रुप ऑफ कंपनीज को बैंक ने बड़े पैमाने पर कर्ज दिए थे जिसमें घोटाला किया गया। कथित घोटाले में सुरजीत अरोड़ा ने मदद की थी। ईओडब्लू पहले ही अदालत को बता चुका है कि बैंक अधिकारियों ने एचडीआइएल के 44 बैंक खातों को 21,049 फर्जी खातों में तब्दील कर दिया था ताकि इस बात को छिपाया जा सके कि एचडीआइएल ने कर्ज नहीं चुकाया है। अन्य आरोपितों के साथ सुरजीत अरोड़ा की भी इस अपराध में मिलीभगत थी।

जनहित याचिका पर सुनवाई को हाई कोर्ट राजी

बांबे हाई कोर्ट गुरुवार को उस जनहित याचिका पर सुनवाई के लिए राजी हो गया जिसमें पीएमसी बैंक से धन निकासी की सीमा तय करने संबंधी रिजर्व बैंक के आदेश से राहत देने की मांग की गई है। यह याचिका बैंक के खाताधारकों की ओर से मुंबई स्थित गैरसरकारी संगठन 'कंज्यूमर एक्शन नेटवर्क' ने दायर की है।

53.57 करोड़ हो गई है भारत में पशुधन आबादी। 2012 से लेकर अब तक गायों की संख्या में 18 फीसद की वृद्धि हुई और इनकी संख्या बढ़कर 14.51 करोड़ पहुंच गई है। बंगाल में पशुओं की संख्या में सबसे ज्यादा 23.32 फीसद की वृद्धि हुई है।

न्यूज गैलरी

पूर्व मुख्यमंत्रियों से बकाया वसूली पर सुनवाई आज

नैनीताल : पूर्व मुख्यमंत्रियों से आवास भत्ता व अन्य सुविधाओं पर खर्च वसूली के आदेश के मामले में हाईकोर्ट अगली सुनवाई शुक्रवार को करेगा। राज्य सरकार की ओर से इन खर्चों को माफ करने के अध्यादेश को रूलक संस्था ने नैनीताल हाईकोर्ट में चुनौती पेश की हुई है। गुरुवार को मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रमेश रंगनाथन व न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा की खंडपीठ में इससे संबंधित जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। याचिका में कहा गया है कि राज्य सरकार ने अपनी शक्तियों का दुरुपयोग कर पूर्व मुख्यमंत्रियों को व्यक्तिगत लाभ प्रदान करने के लिए बकाया किराया राशि माफ करने का अध्यादेश पारित किया गया है, जो असंवैधानिक है। सरकार ने हाईकोर्ट के आदेश को ताक पर रखकर यह अध्यादेश पारित किया। (जासं)

महुआ की मानहानि शिकायत पर रोक का फैसला रद

नई दिल्ली : निचली अदालत ने संसद में दिए गए तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा के भाषण के संबंध में हुए शो पर निजी चैनल के प्रधान संपादक के खिलाफ दायर मानहानि शिकायत पर 25 सितंबर को कार्रवाई करने से रोक लगा दी थी। इसके खिलाफ मोइत्रा द्वारा दायर याचिका पर गुरुवार को दिल्ली हाई कोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को रद कर दिया। मोइत्रा ने दलील में कहा था कि सत्र न्यायालय को मानहानि की कार्यवाही में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए था। वहीं प्रधान संपादक के अधिवक्ता ने दलील का विरोध करते हुए कहा था कि इस पर विचार करने का आधार नहीं है। प्रधान संपादक की ओर से आवेदन में संबंधित तथ्यों को छिपाने के लिए सांसद के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। (जासं)

प्रवेश परीक्षा में राज्यपाल पर सवाल में फागू का नाम गायब

बेगूसराय : बिहार विद्यालय परीक्षा समिति का विवादों से पुराना नाता है। एक बार फिर से सिमुलतला जैसे महत्वपूर्ण संस्थान में एडमिशन के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में दिया गया एक प्रश्न चर्चा में है। बोर्ड द्वारा तैयार प्रश्नपत्र के प्रश्न संख्या 79 में बिहार के वर्तमान राज्यपाल का नाम विकल्प से गायब था। समिति द्वारा सिमुलतला आवासीय विद्यालय जमुई के लिए गुरुवार को शहर प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया, इसमें जिले के 622 परीक्षार्थी शामिल हुए। परीक्षा देकर निकले विद्यार्थियों ने बताया कि कई सवालों से उनको परेशानियों का सामना करना पड़ा। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न संख्या 79 था। जिसमें पूछा गया था कि बिहार के राज्यपाल कौन हैं? उसके ऑप्शन में एक नंबर पर रामनाथ कोविंद, दो नंबर पर सत्यपाल मलिक, तीन नंबर पर केशरीनाथ त्रिपाठी और चार नंबर डीवाई पाटिल लिखा गया था। जबकि वर्तमान राज्यपाल फागू चौहान का कहीं जिक्र भी नहीं था। (जासं)

उत्तराखंड में पंचायत सदस्यों की खरीद-फरोख्त पर कोर्ट सख्त

निर्देश ▶ शिकायत सही पाए जाने पर चुनाव आयोग प्राथमिकी दर्ज कराए

जागरण संवाददाता, नैनीताल

हाई कोर्ट ने जिला पंचायत अध्यक्ष व ब्लॉक प्रमुख के चुनावों में सदस्यों की खरीद-फरोख्त की शिकायतों के मामले में सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने आदेश दिए कि अगर चुनाव में इस तरह की शिकायतें मिलती हैं तो मामले की जांच कराई जाए और संबंधित के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराएं। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि शिकायत की पुष्टि होने पर चुनाव प्रकिया भी रोक दी जाए। राज्य चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाते हुए अदालत ने पुरानी चुनाव प्रक्रिया में बदलाव की भी जरूरत बताई।

हाई कोर्ट ने ब्लॉक प्रमुख व जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के राज्य चुनाव आयोग को 32 दिशा-निर्देश जारी किए हैं। देहरादून निवासी विपुल जैन की जनहित याचिका पर अदालत ने यह फैसला दिया। याचिका पर सुनवाई के दौरान पक्षकारों ने न्यायालय के समक्ष सुप्रीम कोर्ट व अन्य अदालतों के 92

> 'हाई कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला दिया है। मैं न्यायपालिका के दिशा-निर्देशों का स्वागत करता हूं। जिला पंचायत अध्यक्ष व ब्लॉक प्रमुख चुनाव सीधे जनता से कराने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर करूंगा।
> – विपुल जैन, याचिकाकर्ता

निर्णय पेश किए। याचिका में ब्लॉक प्रमुख व जिला पंचायत अध्यक्ष चुनावों में अभी तक सदस्यों की बड़े पैमाने पर खरीद-फरोख्त किए जाने का उल्लेख किया। साथ ही, इस पर अंकुश के लिए राज्य चुनाव आयोग को दिशा-निर्देश देने और उपरोक्त पदों पर सीधे चुनाव कराने की मांग की। अदालत ने पिछले दिनों इस मामले में सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रख लिया था। गुरुवार को मुख्य न्यायाधीश रमेश रंगनाथन व न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा की खंडपीठ ने फैसला सुनाया।

चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल : हाई कोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि कोई संवैधानिक संस्था कर्तव्यों का निवर्हन सही तरीके से नहीं करती है तो हाई कोर्ट को आयोग को दिशा-निर्देश जारी करने का अधिकार है। कोर्ट ने कहा कि निर्वाचित सदस्यों को हाइजैक नहीं किया जा सकता। यह आदेश इस पर रोक लगाता है। अदालत ने राज्य निर्वाचन आयोग को आदेश दिया है कि मौजूदा पंचायत चुनावों में मीडिया या किसी अन्य माध्यम से भ्रष्टाचार की शिकायत मिलती हैं तो इसकी जांच के लिए अलग से प्रकोष्ठ का गठन करें। शिकायत सही पाए जाने पर प्राथमिकी दर्ज करें। किसी प्रत्याशी के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत मिली तो तत्काल चुनाव रोका भी जा सकता है। उसके नामांकन के साथ ही चुनाव लड़ने पर भी रोक लगाई जा सकती है।

चुनाव प्रणाली में सुधार के लिए कानून बनाएं: कोर्ट ने फैसले में यह भी कहा है कि सदस्यों की खरीद-फरोख्त रोकने के लिए उनके विदेश या अन्य स्थानों पर जाने के लिए पासपोर्ट चेक किया जाए। आयोग नेपाल जाने वालों पर नजर रखे। कोर्ट ने सरकार व राज्य विधान सभा से आग्रह किया है कि चुनाव प्रणाली में सुधार के लिए कानून बनाने की जरूरत है।

साइबर ठगों ने सिविल जज के खाते से 80 हजार रुपये उड़ाए

जागरण संवाददाता, विकासनगर : उत्तराखंड में सिविल जज जूनियर डिवीजन रमेश चंद के खाते से साइबर ठगों ने दो दिन के भीतर 80 हजार रुपये निकाल लिए। हैरानी यह कि उनके मोबाइल पर रकम निकालने का मैसेज तक नहीं आया, सिर्फ मेल आई। सिविल जज की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सिविल जज का एसबीआइ की हरबर्टपुर शाखा में खाता है। साइबर ठगों ने 15 अक्टूबर की रात उनके खाते से दस-दस हजार कर 40 हजार रुपये निकाल लिए। अगले दिन यानी 16 अक्टूबर की सुबह ठगों ने फिर से 40 हजार रुपये निकाल लिए। तहरीर में उन्होंने बताया कि गुरुवार को वह अपनी मेल चेक कर रहे थे, उससे उन्हें खाते से 80 हजार रुपये निकाले जाने का पता चला। इसके बाद सिविल जज ने पुलिस और बैंक के शाखा प्रबंधक को इसकी जानकारी दी।

कोतवाल प्रदीप बिष्ट के अनुसार पुलिस मामले की जांच कर रही है, पहले य ह पता लगाया जा रहा है कि साइबर ठगों ने किस जगह के एटीएम से पैसे निकाले हैं, वहां के एटीएम से सीसीटीवी फुटेज लेकर साइबर ठगों का पता लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस इस मामले को जल्द से जल्द सुलझा लेगी।

छात्रवृत्ति घोटाले में नौटियाल की गिरफ्तारी का रास्ता साफ

जागरण संवाददाता, नैनीताल

हाई कोर्ट ने उत्तराखंड में करीब पांच सौ करोड़ के छात्रवृत्ति घोटाले में आरोपित समाज कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक गीता राम नौटियाल को तगड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने नौटियाल की गिरफ्तारी पर रोक संबंधी दोनों याचिकाएं निरस्त कर दीं। इससे अब एसआइटी के लिए नौटियाल की गिरफ्तारी की राह आसान हो गई है।

मुख्य न्यायाधीश रमेश रंगनाथन व न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान एसआइटी की ओर से पेश गोपनीय रिपोर्ट भी सरकार को वापस कर दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि नौटियाल के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं और वह जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। घोटाले से संबंधित दस्तावेज भी उनके द्वारा नहीं दिए जा रहे हैं। गिरफ्तारी से बचने के लिए न्यायिक प्रक्रिया की आड़ लेने के साथ ही इधर-उधर भाग रहे हैं। इस रिपोर्ट के आधार पर कोर्ट ने नौटियाल की याचिका को निरस्त कर दिया। अदालत की ताजा सुनवाई के बाद अब एसआइटी किसी भी वक्त नौटियाल को गिरफ्तार कर सकती है।

आदेश

- हाई कोर्ट ने गिरफ्तारी पर रोक से संबंधित याचिकाओं को किया निरस्त
- अदालत ने एसआइटी की गोपनीय रिपोर्ट सरकार को की वापस

बता दें कि समाज कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक नौटियाल ने गिरफ्तारी से बचने के लिए पहले नैनीताल हाई कोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट की शरण ली। सुप्रीम कोर्ट ने मामला हाई कोर्ट में विचाराधीन होने की वजह से वापस यहां भेज दिया था। दोनों अदालतों ने गिरफ्तारी पर रोक नहीं लगाई थी। इस पर नौटियाल ने राज्य के अनुसूचित जाति-जनजाति आयोग में प्रार्थना पत्र देकर खुद के उत्पीड़न होने का आरोप लगाया था। आरोप लगाया कि एसआइटी पूछताछ के बहाने उत्पीड़न कर रही है। इस पर सुनवाई करते हुए आयोग ने नौटियाल पर कार्रवाई पर रोक लगा दी थी। मामला फिर जनहित याचिका के माध्यम से हाईकोर्ट पहुंचा तो कोर्ट ने एससी-एसटी कमीशन का आदेश निरस्त कर दिया था।

अब सीआरपीएफ के जवान देंगे बंगाल के राज्यपाल को सुरक्षा

जागरण संवाददाता, कोलकाता

- जगदीप धनकड़ को दी गई जेड श्रेणी की सुरक्षा
- जादवपुर विश्वविद्यालय में हुई घटना के बाद गृह मंत्रालय ने लिया फैसला

बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ अब जेड श्रेणी की सुरक्षा दे दी गई है। अब तक बंगाल के राज्यपाल कोलकाता पुलिस की सुरक्षा में चलते थे। उनकी सुरक्षा अब केंद्रीय सुरक्षा बल (सीआरपीएफ) को तैनात किया जा रहा है। जादवपुर विश्वविद्यालय में जिस तरह से उनके साथ बर्ताव हुआ था उसके मद्देनजर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्यपाल को जेड श्रेणी सुरक्षा देने का निर्णय लिया है। राज्यपाल की सुरक्षा में सीआरपीएफ के चार से पांच जवान तैनात रहेंगे। इस संदर्भ में केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से केंद्रीय बल को निर्देश जारी कर कहा गया है कि सुरक्षाकर्मी देश भर में धनखड़ के कहीं भी जाने पर साथ तैनात रहेंगे। बंगाल के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष से लेकर राहुल सिन्हा, मुकुल राय, अर्जुन सिंह समेत कई भाजपा नेताएं केंद्रीय सुरक्षा बलों की सुरक्षा में चलते हैं।

ज्ञात हो कि पिछले माह जादवपुर विश्वविद्यालय में केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो को वहां के वामपंथी समर्थित कुछ छात्रों ने घेर रखा था। घंटों बाद राज्यपाल खुद वहां बाबुल को मुक्त कराने पहुंचे थे। इस दौरान राज्यपाल को विरोध का सामना करना पड़ा और करीब एक घंटे तक छात्रों ने उन्हें भी घेरे रखा। इसे लेकर बंगाल भाजपा ने केंद्रीय गृह मंत्रालय से राज्यपाल की सुरक्षा में केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती की मांग की थी।

सार्वजनिक पटल पर मतभेद : बंगाल का राज्यपाल नियुक्ति होने के बाद से राज्यपाल और राज्य सरकार के बीच कई बार सार्वजनिक पटल पर मतभेद खुलकर सामने आ चुका है फिर चाहे मामला जादवपुर विवि का हो या फिर मुर्शिदाबाद का तिहरे हत्याकांड में राज्यपाल द्वारा राज्य सरकार पर सवाल खड़ा किया जाना। इतना ही नहीं 11 अक्टूबर को बंगाल सरकार की ओर से आयोजित दुर्गा पूजा कार्निवल में अपमानित करने का आरोप भी राज्यपाल ने राज्य सरकार पर लगाया था।

केरल में निजी संस्थानों की कर्मचारी को भी मिलेगा मातृत्व अवकाश

तिरुअनंतपुरम, प्रेट्र : केरल निजी संस्थानों को मातृत्व अवकाश के दायरे में लाने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा। इसका फायदा वहां की हजारों महिला कर्मचारियों व निजी स्कूलों की शिक्षकों को मिलेगा। सरकारी कर्मचारियों की तरह उन्हें 26 सप्ताह का सवैतनिक अवकाश मिलेगा।

सूत्रों ने बताया कि गैर सरकारी सहायता प्राप्त निजी स्कूलों, कॉलेजों तथा निजी संस्थानों में काम करने वाली महिलाओं को मातृत्व अवकाश के दायरे में लाने के लिए केरल सरकार ने केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा था। केंद्र ने उसे हरी झंडी दे दी है। जल्द ही इस संबंध में सरकार अधिसूचना जारी करेगी।

श्रम विभाग ने कहा, 'पहली बार किसी राज्य में निजी स्कूलों की शिक्षिकाओं को मातृत्व अवकाश कानून के दायरे में लाया जाएगा। अवकाश के दौरान उन्हें न्यूनतम वेतन दिया जाएगा।' राज्य कैबिनेट ने 29 अगस्त को इस संबंध में केंद्र से अनुमति लेने का निर्णय लिया था। मातृत्व कानून के अनुसार, नियोक्ताओं को उनकी कर्मचारियों को चिकित्सकीय खर्च के रूप में एक हजार रुपये अतिरिक्त देने होंगे। दस्तावेज बताते हैं कि राज्य में 1,060 गैर सरकारी सहायता प्राप्त निजी स्कूल हैं। इनके अलावा 1,433 सरकारी सहायता प्राप्त व 1,227 राजकीय उच्च विद्यालय हैं।

मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास के ठिकाने से छह हथियार बरामद

जागरण संवाददाता, लखनऊ

बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी के नई दिल्ली स्थित बसंतकुंज आवास से गुरुवार को लखनऊ पुलिस ने छह हथियार बरामद किए हैं। यही नहीं आरोपित के ठिकाने से बड़ी मात्रा में कारतूस भी मिले हैं। एसएसपी कलानिधि नैथानी के मुताबिक, महानगर कोतवाली में दर्ज जालसाजी के मुकदमे में यह कार्रवाई की गई है। क्राइम ब्रांच को विवेचना दी गई थी। अब्बास के घर से अलग-अलग बोर के कुल 4431 कारतूस मिले हैं। आरोपित के खिलाफ महानगर पुलिस ने दर्ज एफआइआर में धाराओं की बढ़ोतरी भी की है।

दरअसल, अब्बास अंसारी ने एक ही लाइसेंस पर पांच हथियार खरीद लिए थे। आरोपित ने एक लाइसेंस बनवाया था, जिसको दिल्ली ट्रांसफर करवा लिया था। इसके बाद वहां से लाइसेंस हासिल कर अलग-अलग देशों से कीमती हथियार खरीद लिए। एसटीएफ को जब इसकी भनक लगी तो छानबीन की गई। इसके बाद अब्बास पर एक शस्त्र लाइसेंस से अवैध ढंग से कई हथियार खरीदने के आरोप में 12 अक्टूबर को महानगर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज की गई।

इटली और आस्ट्रिया से मंगाए हथियार: आरोपित ने इटली और आस्ट्रिया से हथियार मंगाए थे। इनमें इटली से .12 बोर की डबल बैरल गन व अलग-अलग बोर के सेवेन स्पेयर बैरल स्लोवेनिया से तथा .12 बोर की सिंगल बैरल गन मंगाई है। वहीं लखनऊ के इंडियन आर्म्स कॉर्प से .300 बोर रायफल, दिल्ली के राजधानी ट्रेडर्स से .12 बोर डबल बैरल गन, मेरठ के शक्ति शस्त्रागार से .357 बोर की रिवॉल्वर खरीदी गई है। इन सभी हथियारों को पुलिस ने बरामद किया है। इसके अलावा तीन पिस्टल बैरल, आस्ट्रिया से मंगाई गई .380 और .40 बोर की मैगजीन, एक लोडर और कुल 4431 कारतूस मिले हैं। पुलिस बरामद कारतूसों का रिकॉर्ड खंगाल रही है।

2002 में बनवाया था लाइसेंस

यूपी एसटीएफ को अब्बास के अवैध तरीके से हथियार की खरीदारी की जानकारी मिली थी। जांच में पता चला था कि अब्बास के नाम 2002 में डीएम लखनऊ ने पेपर मिल कॉलोनी निशातगंज के पते पर डबल बैरल बंदूक का लाइसेंस जारी किया था। आरोपित ने बिना प्रशासन की अनुमति के इसी लाइसेंस को नई दिल्ली के बसंतकुंज स्थित किशनगंज के पते पर स्थानांतरित करवा कर खुद को विख्यात निशानेबाज बताते हुए हथियार खरीदे थे।

केरल में सीमाशुल्क विभाग ने जब्त किया 123 किलो सोना

कोच्चि, प्रेट्र : सीमाशुल्क विभाग ने केरल में तस्करी के बड़े मामले का पर्दाफाश करते हुए 123 किलोग्राम सोना जब्त किया है। त्रिशूर के 23 ठिकानों पर की गई कार्रवाई में जब्त सोने की कीमत 50 करोड़ आंकी गई है। 13 टीमों की इस कार्रवाई में 17 लोगों को हिरासत में लिया गया है। मौके से दो करोड़ रुपये व 9,000 अमेरिकी डॉलर भी बरामद हुए हैं। विभाग के शीर्ष अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

सीमाशुल्क आयुक्त (निरोधक) सुमित कुमार ने बताया कि तस्कर गिरोह के खिलाफ की गई छापेमारी के दौरान सोने को जब्त किया गया। इन्हें तमिलनाडु के विभिन्न शहरों से सड़क मार्ग के जरिये लाया गया था, क्योंकि त्रिशूर के लिए हवाई या जल यातायात की सुविधा नहीं है। आरोप है कि हिरासत में लिए गए 17 आरोपितों में से 15 सोने की तस्करी करते थे और दो उन्हें खरीदते थे। उन्होंने बताया कि त्रिशूर में यह कार्रवाई बुधवार को भोर में की गई।

कुमार ने कहा, 'हमने 123 किलो सोना बरामद किया है। 23 ठिकानों पर छापेमारी के दौरान सोने के अलावा दो करोड़ रुपये नकद और 9,000 अमेरिकी डॉलर भी बरामद हुए। गिरफ्तार किए गए सभी 17 आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। तस्करों का गिरोह तमिलनाडु के त्रिचि, चेन्नई और कोयंबटूर से काम करता है।' उन्होंने कहा कि हमें काफी साक्ष्य मिले हैं।

दिव्य गुफा में रजनीकांत ने की अध्यात्म की अनुभूति

संवाद सहयोगी, द्वाराहाट (रानीखेत)

फिल्म काला की सफलता के बाद महावतार बाबा के अनुयायी एवं दक्षिण फिल्मों के महानायक रजनीकांत अपनी अगली फिल्म दरबार की कामयाबी के लिए एक बार फिर अपने गुरु की अलौकिक गुफा में ध्यानमग्न हुए। 'ऑटो बायोग्राफी ऑफ ए योगी' (योगीकथामृत) पुस्तक को पढ़ने के बाद दक्षिण के सुपरस्टार रील लाइफ से इतर वास्तविक जिंदगी में अध्यात्म से लबरेज हो चले हैं। यहां के वातावरण में एक्शन हीरो रजनीकांत एकदम शांत मुद्रा में आने के बाद मीडिया व प्रशंसकों के सामने मंद मुस्कान और हाथ हिला अभिवादन कर नैनीताल के लिए रवाना हो गए।

सुपर स्टार रजनीकांत बुधवार देर शाम योगदाआश्रम पहुंचे थे। गुरुवार सुबह जल्द उठकर उन्होंने अलौकिक द्रोणगिरि पर्वत शृंखला की शुद्ध प्राणवायु ली। फिर दिव्य पांडवखोली स्थित महावतार बाबा की गुफा तक पदयात्रा की, जहां उन्होंने ध्यान लगाया। पिछले वर्ष मार्च के बाद रजनीकांत का यह दूसरा दौरा रहा।

...और चारों तरफ गूंजा 'थलाइवा थलाइवा': रजनीकांत दक्षिण ही नहीं पहाड़ में भी 'थलाइवा' नाम से मशहूर हो चले हैं। गुरुवार को बच्चे, युवा व महिलाओं ने फूलमालाओं से उनका किया स्वागत किया। पांडवखोली रवाना होते समय सिनेस्टार रजनीकांत को जब खेतों में काम कर रही महिलाओं ने पहचाना तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

तीन घंटे लगाया ध्यान, फिर ली चाय की चुस्की: गुफा पहुंचकर सिने स्टार ने करीब तीन घंटा ध्यान लगाया। लौटते समय कुकुछीना स्थित जोशी भवन में परिजनों व मित्रों के साथ चाय की चुस्की ली। करीब एक बजे योगदा आश्रम पहुंचे। उसके बाद गुरुशरणम् आश्रम में दिन का भोजन लेकर अपराह्न करीब तीन बजे द्वाराहाट से नैनीताल रवाना हो गए।

अल्मोड़ा के कुकुछीना स्थित जोशी भवन में चाय की दुकान में सिने स्टार रजनीकांत। जागरण

कोलकाता एयरपोर्ट से वायुसेना के विमानों ने उड़ान भरकर किया युद्धाभ्यास

जागरण संवाददाता, कोलकाता : कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (दमदम एयरपोर्ट) से गुरुवार सुबह वायुसेना के तीन लड़ाकू विमानों ने उड़ान भरी। वायुसेना सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पूर्व व उत्तर-पूर्व भारत के छह हवाई अड्डों से वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने उड़ान भरकर युद्धाभ्यास किया। इसका मकसद जरूरत के समय असामरिक हवाई अड्डों का सामरिक कार्यों में इस्तेमाल करने को सुनिश्चित करना है। बंगाल में इसके लिए कोलकाता और अंडाल हवाई अड्डे का चयन किया गया है। इन दोनों के अलावा दीमापुर, इंफाल, गुवाहाटी व पाशीघाट के हवाई अड्डों से वायुसेना के विमानों ने उड़ान भरकर युद्धाभ्यास गया। युद्धाभ्यास सुखोई-30 और हॉक-132 श्रेणी के विमानों ने हिस्सा लिया।

युद्धाभ्यास के लिए तीन लड़ाकू विमान बुधवार को ही कोलकाता पहुंच गए थे और उन्हें नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रखा गया था। गुरुवार सुबह विमानों ने कोलकाता व आसपास के इलाकों के आसमान में उड़ान भरी। विमानों में आसमान में होड़ देखने को मिली। एक विमान दूसरे का पीछा करता नजर आया। उसमें मानों कोई जंग चल रही हो।

सरसों के तेल से भरा टैंकर पलटा, तेल भरने के लिए मची होड़...

मध्य प्रदेश के मालथौन क्षेत्र में गुरुवार सुबह सरसों (राई) के तेल से भरा टैंकर मवेशियों को बचाने के दौरान पलट गया। इसकी खबर मिलते ही लोग डिब्बे, कैन आदि लेकर जुट गए और तेल भरकर ले गए। टैंकर जबलपुर से मुरैना ले जाया जा रहा था। पुलिस ने लोगों को मौके से हटाया। मालथौन थाना प्रभारी जेपी ठाकुर ने बताया कि ड्राइवर को मामूली चोट आई है। 14 पहिये वाले इस टैंकर में करीब 25 हजार लीटर तेल था। वीडियोग्रैब

बैठक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी की बैठक के दूसरे दिन सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन एवं ग्राम विकास के विषयों पर हुई चर्चा

गो संवर्धन, पर्यावरण संरक्षण व जैविक खेती को बढ़ावा देगा संघ

संजय कुमार, भुवनेश्वर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी की बैठक भुवनेश्वर के सोया यूनिवर्सिटी में चल रही है। बुधवार से प्रारंभ बैठक के दूसरे दिन अलग-अलग सत्रों में संघ की ओर से चल रही छह गतिविधियों का काम बढ़ाने पर चर्चा की गई। संघ ने वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए गो संवर्धन, जैविक खेती एवं प्लास्टिक उन्मूलन के अभियान को तेज करने का निर्णय लिया गया। लव जिहाद एवं धर्मांतरण को रोकने के लिए समाज के लोगों के बीच सामाजिक समरसता एवं सद्भाव को भी और तेजी चलाने पर सहमति बनी। तीन दिवसीय बैठक सरसंघचालक मोहन भागवत के संबोधन के साथ शुक्रवार की शाम समाप्त हो जाएगी। उसके बाद 19 और 20 अक्टूबर को संघ के केंद्रीय अधिकारियों एवं प्रांत एवं क्षेत्र के पदाकारियों की बैठक होगी। तीन दिवसीय इस बैठक में संघ प्रमुख एवं सरकार्यवाह के साथ साथ सभी केंद्रीय अधिकारी, सभी प्रांत एवं क्षेत्र के संघचालक, कार्यवाह एवं प्रचारक और अनुषांगिक संगठनों के संगठन मंत्री भाग ले रहे हैं।

5000 गांवों में संघ के स्वयंसेवकों कर रहे ग्राम विकास का काम : संघ सूत्रों के अनुसार गुरुवार की बैठक में जो बातें सामने आई उसके अनुसार देश के 5000 गांवों में संघ के स्वयंसेवकों की ओर से ग्राम विकास का काम चल रहा है। इनमें से सैकड़ों गांवों में परिणाम अच्छे दिखे है। जैविक उत्पादों की मांग भी बढ़ी है। रसायन से तैयार सब्जियों के उपयोग के कारण आज कई तरह की बीमारियां उत्पन्न हो रही हैं। इससे बचने के लिए लोग जैविक उत्पादों की ओर भाग रहे हैं। संघ ने अपने विविध संगठनों के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा देने की निर्णय लिया है।

भुवनेश्वर में चल रही आरएसएस की अखिल भारतीय कार्यकारिणी की बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा हुई। एएनआइ

अतिथियों के परिवेशन को पहुंचे केंद्रीय मंत्री: भुवनेश्वर में पहली बार हो रही संघ की अखिल भारतीय बैठक को लेकर यहां के लोगों में काफी उत्साह है। गुरुवार को केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान व केंद्रीय राज्य मंत्री प्रताप षाड़ंगी, पूर्व केंद्रीय मंत्री जुएल ओरांव, भाजपा के सभी विधायक व शहर के गण्यमान्य लोग भोजन परोसने के लिए पहुंचे थे। बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं। बाद में सभी लोगों ने भोजन किया। बातचीत में कई लोगों ने कहा कि इससे विविध क्षेत्रों में काम करनेवाले कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ेगा।

प्लास्टिक मुक्त स्थल बनाकर समाज को दिया संदेश: संघ की बैठक में 400 लोग बाहर से आए हैं। 300 लोग व्यवस्था में लगे हैं। प्रतिदिन कुल 1000 लोगों का भोजन बनता है। भोजन कक्ष में किसी भी तरह के प्लास्टिक का उपयोग नहीं हो रहा है। पूरे परिसर में कहीं भी प्लास्टिक दिखाई नहीं दे रहा है। इससे संघ समाज को यह संदेश दे रहा है कि बिना प्लास्टिक का उपयोग किए इतना बड़ा कार्यक्रम आप कर सकते हैं।

फ्लैग मीटिंग के बहाने बुलाया

▶ प्रथम पृष्ठ से आगे

मुर्शिदाबाद जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे जलंगी क्षेत्र में स्थित पद्मा नदी में गुरुवार सुबह मछली पकड़ने गए तीन भारतीय मछुआरे को बीजीबी के जवानों ने बंधक बना लिया था। बाद में दो मछुआरे को यह कहते हुए छोड़ा कि वे बीएसएफ पोस्ट कमांडर को फ्लैग मीटिंग के लिए बुलाए। दोनों मछुआरों ने लौटकर सुबह करीब नौ बजे बीएसएफ के ककमारीचर पोस्ट पर घटना के बारे में सूचना दी। इसके बाद सुबह साढ़े 10 बजे पोस्ट कमांडर पांच अन्य जवानों के साथ स्पीड बोट से फ्लैग मीटिंग के लिए पहुंचे। बीएसएफ अधिकारियों के मुताबिक, फ्लैग मीटिंग के दौरान बीजीबी ने बेहद आक्रामक रुख दिखाया और बीएसएफ की टीम की घेराबंदी करने की कोशिश की। साथ ही उन्होंने बंधक बनाए गए एक भारतीय मछुआरे को भी नहीं छोड़ा। हालात की गंभीरता को देखते हुए बीएसएफ की टीम स्पीड बोट से वापस लौटने लगी। इसी दौरान बीजीबी जवानों ने बोट पर सवार बीएसएफ के दल पर एके-47 राइफल से गोलियां बरसानी शुरू कर दी। बीएसएफ दल किसी तरह स्पीड बोट को डूबने से बचाते हुए भारतीय सीमा क्षेत्र में लाने में सफल रहे।

बीजीबी के डीजी ने दिया कार्रवाई का आश्वासन : इस घटना से भारत-बांग्लादेश सीमा पर तनाव बढ़ गया है। बीएसएफ में इसको लेकर बेहद रोष देखा जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, यह बेहद आक्रामक व अपमानजनक घटना है। बीएसएफ महानिदेशक वीके जौहरी ने घटना पर नाराजगी जताते हुए बीजीबी के महानिदेशक मेजर जनरल शफीनुल इस्लाम से हॉटलाइन पर बात कर इसे मुद्दे को उठाया। इसके बाद बीजीबी के महानिदेशक ने घटना की जांच का आश्वासन देते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया है। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटना किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे।

Download UPSC IAS Material: www.iascgl.com

दैनिक जागरण

सब्र करने वाले को सब कुछ हासिल होता है

कश्मीर में दहशतगर्दी

कश्मीर में बीते तीन दिनों में तीन गैर कश्मीरियों की जिस तरह चुन-चुन कर हत्या की गई उससे यही स्पष्ट हो रहा है कि घाटी में छिपे आतंकी दहशत फैलाने में तुल गए हैं। इस दहशतगर्दी का सिर कुचला ही जाना चाहिए और वह भी आनन-फानन। आतंकियों ने जिन्हें अपना निशाना बनाया उनमें एक ट्रक ड्राइवर था, एक सेब व्यापारी और एक ईंट भट्ठे में काम करने वाला मजदूर। आतंकियों ने खास तौर पर सेब की खेप लाने गए लोगों को जिस तरह निशाना बनाया उसका मतलब यही है कि वे नहीं चाहते कि घाटी में सेब उगाने वाले किसानों का भला हो। ये तीन हत्याएं कश्मीरियत को कलंकित करने के साथ ही यह भी बताती हैं कि कश्मीर में पाकिस्तान की शह पर सक्रिय आतंकी किस तरह कश्मीरियों के लिए ही खतरा बन गए हैं। तीन निर्दोष-निहत्थे लोगों की हत्या के बाद कश्मीर में काम-धंधे के लिए गए अन्य लोगों में दहशत होना स्वाभाविक है। यदि उन्हें सुरक्षा का भरोसा नहीं दिलाया गया तो वे कश्मीर छोड़ने को मजबूर हो सकते हैं। इससे सबसे अधिक अहित कश्मीर के लोगों का ही होगा। निःसंदेह एक ओर जहां यह जरूरी है कि पुलिस एवं सुरक्षा बल काम-धंधे की वजह से कश्मीर गए बाहरी लोगों का निशाना बना रहे आतंकियों का सफाया करें वहीं यह भी आवश्यक है कि आम कश्मीरी जनता आतंकी तत्वों के खिलाफ खुलकर खड़ी हो। आम कश्मीरी जनता पाकिस्तानपरस्त कायर आतंकियों और साथ ही उनके खुले-छिपे समर्थकों के खिलाफ मुखर हो, इसकी कोशिश सुरक्षा बलों के साथ-साथ कश्मीर के राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक संगठनों को भी करनी चाहिए। ऐसा करके ही कश्मीरियत को जीवित किया जा सकता है।

यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि गैर कश्मीरी लोगों को मारने वाले आतंकियों ने प्रतिबंधों में ढील का फायदा उठाया है। वे ऐसा कैसे कर पा रहे हैं, इसकी न केवल तह तक जाना होगा, बल्कि आतंकियों और उनके समर्थकों के खिलाफ सख्ती का भी परिचय देना होगा। ऐसा करते हुए यह भी सुनिश्चित करना होगा कि आतंक के समर्थक मानवाधिकारों की फर्जी आड़ न लेने पाएं। सरकार और सुरक्षा बल इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि स्वतंत्रता और मानवाधिकारों की बात करने वाले कई ऐसे तत्व सक्रिय हैं जो वास्तव में अलगाव और आतंक के पिट्ठू हैं। यही तत्व कश्मीर के बारे में दुष्प्रचार करने में लगे हुए हैं। उनकी ढिठाई का पता इससे चलता है कि वे खूंखार आतंकियों को भी आम कश्मीरी नागरिक की संज्ञा देने से बाज नहीं आते। यह जरूरी है कि भारत सरकार सोशल मीडिया से लेकर पश्चिमी मीडिया में सक्रिय ऐसे तत्वों को बेनकाब करने का काम करे।

2021 चुनाव की रणनीति

बंगाल में विधानसभा चुनाव में अभी काफी वक्त है, परंतु दो पार्टियों में 2021 के चुनाव के लिए रणनीति बनाने में होड़ सी लगी है। एक ओर तृणमूल तीसरी बार सत्ता पर काबिज होने के लिए लोकसभा चुनाव में लगे झटके को भुला कर स्थिति मजबूत करने को अभी से मोहरे सजा रही है तो दूसरी ओर पहली बार बंगाल में 18 लोकसभा सीटें जीतने वाली भाजपा अपनी जमीन को और सख्त करते हुए तृणमूल को हर हाल में सत्ता से बाहर करने की रणनीति को आगे बढ़ा रही है। भाजपा अब कोलकाता और आसपास के जिलों के साथ-साथ मुस्लिम बहुल खासकर सीमावर्ती जिले मुर्शिदाबाद, मालदा में अपना जनाधार बढ़ाने के लिए विशेष अभियान छेड़ने की तैयारी की है। वहीं तृणमूल ने जनसंपर्क बढ़ाने और जनाधार को मजबूत करने के लिए 'दीदी के बोलो' अभियान के तीसरे चरण की शुरुआत की है। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर 2021 विधानसभा चुनाव के लिए तृणमूल की रणनीति पर काम कर रहे हैं। वहीं भाजपा भी पीछे नहीं है। एक बाद एक कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को जोड़ने की कोशिश में है। प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दिलीप घोष ने स्वीकार किया है कि सूबे में भाजपा का प्रभाव काफी बढ़ा है। बावजूद इसके मुर्शिदाबाद, दक्षिण 24 परगना, कोलकाता, वीरभूम जैसे जिलों में पार्टी अब भी कमजोर है। भाजपा राज्य नेतृत्व ने इन जिलों के संगठन को निर्देश दिया है कि अधिक से अधिक लोगों के साथ जनसंपर्क बढ़ाएं, कार्यक्रम आयोजित करें और केंद्र सरकार की उपलब्धियों को लोगों तक पहुंचाएं। इस समय भाजपा के बूथ स्तरीय संगठन का चुनाव चल रहा है। 79 हजार बूथ स्तरीय कमेटियों में से करीब 64 हजार बूथ स्तरीय कमेटियों का चुनाव हो चुका है। इस कमेटी के जरिये ही भाजपा हर बूथ पर अपनी पहुंच को मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है। वहीं तृणमूल 'दीदी के बोलो' अभियान के तहत 600 से अधिक ब्लॉक एवं नगर अध्यक्षों को राज्य के 2000 गांवों एवं वार्डों का दौरा करने का निर्देश दिया गया है। यही नहीं वे सभी पार्टी सदस्यों के घर रात्रि भोजन करने के साथ-साथ बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से मिलेंगे और उनकी बातें सुनेंगे। साथ ही पार्टी समर्थक के घर एक रात बिताएंगे। तृणमूल एवं भाजपा जहां एक के बाद एक रणनीति बन रही हैं तो दूसरी ओर माकपा एवं कांग्रेस में सन्नाटा है।

गरीबों का जीवन बदलने वाले प्रयोग

विवेक कौल

वास्तविक जीवन में प्रयोग करना काफी मुश्किल होता है, लेकिन अभिजीत बनर्जी और डुफ्लो के साथ ऐसा नहीं है, उनके शोध प्रायोगिक दृष्टिकोण पर आधारित हैं

वर्ष 2011 की बात है। अभिजीत बनर्जी मुंबई आए हुए थे और मुझे उनका साक्षात्कार करना था। साक्षात्कार के दौरान उन्होंने मोरक्को से जुड़ा एक दिलचस्प प्रसंग बयान किया। अपने मोरक्को दौरे के दौरान बनर्जी जब एक गरीब आदमी से मिले तो उन्होंने उससे पूछा कि अगर तुम्हे थोड़े और पैसे मिलें तो तुम उन पैसों का क्या करोगे? उस आदमी ने कहा कि वह उन पैसों से भोजन खरीदेगा। इस पर बनर्जी ने उससे पूछा कि अगर और भी पैसा मिले तो वह उन पैसों का क्या करेगा? आदमी ने फिर जवाब दिया कि वह और भी भोजन खरीदेगा। बनर्जी को यह सुनकर काफी अजीब लगा, पर जब वह उस आदमी के घर पहुंचे तो हक्के-बक्के रह गए। उस आदमी के घर में टीवी और डीवीडी प्लेयर भी था। यह देखने के बाद बनर्जी ने उससे कहा कि अगर तुम्हारे पास खाने के लिए पर्याप्त आहार नहीं है तो फिर टीवी कैसे है? इस पर उसने जवाब दिया कि जिंदगी में टीवी होना खाने से अधिक जरूरी है। बनर्जी के लिए यह काफी चौंकाने वाली बात थी। इस अनुभव से दो-चार होने के बाद उन्होंने अपनी पत्नी एस्थर डुफ्लो के साथ विश्व के कई देशों में भोजन के अधिकार पर कई प्रयोग किए। इसके अलावा उन्होंने बाल शैक्षिक सुधार की दिशा में भी काफी काम किया। उन्हें इन क्षेत्रों में काम के लिए ही माइकल क्रेमर के साथ अर्थशास्त्र में इस साल के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

अधिकांश अर्थशास्त्री अपने काम के लिए प्रयोग आधारित दृष्टिकोण का पालन नहीं कर पाते, क्योंकि वास्तविक जीवन में प्रयोग करना काफी मुश्किल होता है, लेकिन अभिजीत बनर्जी और डुफ्लो के साथ ऐसा नहीं है। अर्थशास्त्र में उनके शोध प्रायोगिक दृष्टिकोण पर आधारित हैं। मोरक्को वाले उदहारण के आधार पर चीन में एक प्रयोग किया गया। इस प्रयोग की चर्चा बनर्जी ने उक्त साक्षात्कार में की थी। इसके बाद 2014 में मुंबई में हुए एक लिटरेचर फेस्टिवल में भी उन्होंने इसके बारे में काफी विस्तार से बताया। संयोग से मैं वहां मौजूद था। बनर्जी ने बताया कि हमने चीन में कुछ लोगों को सस्ते चावल खरीदने के लिए वाउचर दिए। हमारा अनुमान था कि इससे पोषण में सुधार होगा। चूंकि यह एक प्रयोग के रूप में किया गया था इसलिए कुछ लोगों को वाउचर दिए गए थे और कुछ को नहीं। इस प्रयोग का परिणाम उम्मीद से बहुत अलग निकला। आशा यह की जा रही थी कि लोगों का पोषण सुधरेगा, पर ऐसा हुआ नहीं। बनर्जी ने बताया, वाउचर वाले लोग पोषण में बदतर निकले। दरअसल उन्हें लगा कि अब उनके पास वाउचर है सो वे पहले से ज्यादा अमीर हैं और अब उन्हें चावल खाने की जरूरत नहीं है। वे पोर्क, झींगा आदि खा सकते हैं। उन्होंने पोर्क और झींगा खरीदा और परिणामस्वरूप उनके शुद्ध कैलोरी ग्रहण में कमी हो गई। भले ही यह

अवधेश राजपूत

बात सुनने में थोड़ी अजीब लगे, पर बनर्जी इसे पूरी तरह तर्कसंगत मानते हैं। उनका कहना है कि वे लोग आनंद की प्रतीक्षा कर रहे थे। आनंद न केवल हमारे जीने के लिए, बल्कि हमारे भाग्य को नियंत्रित करने के संदर्भ में भी बहुत महत्वपूर्ण है। अगर किसी को लगता है कि उसे शेष जीवन दब्बू होकर जीना होगा तो इसका मतलब है कि उसका जीना बहुत मुश्किल हो गया है। बनर्जी के अनुसार, चीन के वे लोग अपने पोषण में सुधार कर सकते थे या अगले दस दिनों के लिए थोड़ा बेहतर खा सकते थे, लेकिन आनंद एक ऐसी चीज है जिसके बारे में हम भूल जाते हैं।

दुनिया भर के विभिन्न देशों ने भोजन के अधिकार को इसी विचार के साथ लागू किया है कि अगर गरीब लोगों को रियायती भोजन दिया जाएगा तो उनके पोषण में सुधार होगा। जब खाद्य सुरक्षा नीतियां तैयार की जाती हैं तो उन्हें तैयार करने वाले जीवन के आनंद के बारे में नहीं सोचते। वे यह मानकर चलते हैं कि अगर भोजन रियायती दरों पर उपलब्ध कराया जाएगा तो लोग स्वाभाविक रूप से पोषण के बारे में ही सोचेंगे, लेकिन ऐसा नहीं है। यह एक बहुत ही सरल, किंतु गहरी बात है जो किसी प्रयोग से ही बाहर आ सकती थी। यह प्रयोग बनर्जी और डुफ्लो ने किया। ऐसे ही प्रयोग उन्होंने शैक्षिक सुधार के क्षेत्र में भी किए और यह पाया कि भारत के सरकारी स्कूलों में शैक्षिक सुधार की काफी जरूरत है। ऊंची कक्षाओं के छात्र भी ठीक से पढ़-लिख नहीं पाते हैं। उन्हें बुनियादी गणित के सवाल हल करने में भी दिक्कत होती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए उन्होंने सरकारी शिक्षकों के साथ एक प्रयोग किया।

बनर्जी दंपती ने शिक्षकों से कहा कि छह हफ्ते तक वे केवल छात्रों के बुनियादी कौशल पर ध्यान दें। यदि वे पढ़ नहीं सकते तो उन्हें पढ़ना सिखाएं। यदि वे गणित में दक्ष नहीं तो उन्हें गणित सिखाएं। इन शिक्षकों को थोड़ा वजीफा और साथ ही कुछ दिनों का प्रशिक्षण भी दिया गया। छह सप्ताह के इस प्रयोग से यह पता चला कि अगर एक अलग तरीके से पढ़ाया जाए तो बच्चों का भविष्य बदला जा सकता है। इस बारे में बनर्जी ने समझाया कि शिक्षकों को एक ऐसा काम करने के लिए कहा गया था जो वास्तव में उन्हें समझ में आता है। उन्हें बच्चों को वह सिखाने के लिए कहा गया जो बच्चे नहीं जानते थे। आम तौर पर शिक्षकों को पाठ्यक्रम पढ़ाने के लिए कहा जाता है।

शिक्षा अधिकार अधिनियम के तहत हर साल शिक्षकों को पाठ्यक्रम पूरा करना पड़ता है। बच्चे कुछ समझ रहे है या नहीं, इसकी उन्हें चिंता नहीं होती। जरा कक्षा चार में पढ़ने वाले उन बच्चों के बारे में सोचिए जो पढ़ नहीं सकते, लेकिन वे सामाजिक अध्ययन और अन्य सभी चीजें सीख रहे होते हैं। वे किसी विदेशी भाषा में कुछ फिल्में भी देखते हैं। बनर्जी के अनुसार, दरअसल वे कुछ नहीं सीख रहे होते हैं और इसीलिए ड्रॉपआउट दर अधिक हैं। शिक्षा की समस्या का एक सरल समाधान है। बनर्जी का कहना है, पहले चार वर्षों में हमें बुनियादी कौशल सिखाने को प्राथमिकता देनी चाहिए। देश के इतिहास से परिचित कराने का काम बाद में भी हो सकता है। बनर्जी के अनुसार, हम यह भूल जाते हैं कि पूर्णता अच्छे की दुश्मन है। हम एक ऐसी शिक्षा प्रणाली की कोशिश कर रहे हैं, जो एकदम सही हो और हर बच्चा इसके अंत में ज्ञान के साथ सामने आए। इस कोशिश के कारण वे कुछ नहीं सीख पाते। ऐसे प्रयोगों से काफी लोगों का फायदा हुआ है। नोबेल पुरस्कार संबंधी प्रेस विज्ञप्ति में कहा भी गया है कि महज एक अध्ययन के प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में पचास लाख से अधिक भारतीय बच्चों को स्कूलों में ट्यूशन के प्रभावी कार्यक्रमों से लाभ हुआ है। यह बहुत बड़ी बात है।

(स्तंभकार अर्थशास्त्री एवं इजी मनी ट्राइलॉजी के लेखक हैं)

response@jagran.com

वक्त से पहले हासिल उपलब्धि

रमेश कुमार दुबे

उज्ज्वला के तहत मार्च 2020 तक आठ करोड़ गैस कनेक्शन देने के लक्ष्य को समय से पहले हासिल करना बड़ी बात है

जिस देश में सरकारी योजनाएं देरी के लिए कुख्यात हों वहां समय से पहले किसी योजना का लक्ष्य पूरा होना नई और अनोखी बात है। इस मामले में सबसे उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना। इस योजना के तहत मार्च 2020 तक आठ करोड़ गैस सिलेंडर देने का लक्ष्य तय किया गया था, लेकिन उसे बीते महीने यानी निर्धारित समय से सात माह पहले हासिल कर लिया गया। इस योजना के साथ ही सरकार हर गांव तक बिजली पहुंचाने और हर घर को शौचालय सुलभ कराने में भी कामयाब रही है। चूंकि मोदी सरकार की इन योजनाओं का लक्ष्य चुनावी राजनीति न होकर आम आदमी का सशक्तीकरण है इसलिए चुनाव बीतने के बाद भी उनके क्रियान्वयन पर पहले जैसा ही जोर दिया जा रहा है। अभी तक सरकारें आम तौर पर चुनावों को ध्यान में रखकर ही योजनाएं बनाती रही हैं। इसीलिए चुनाव बीतते ही उनकी रफ्तार सुस्त पड़ जाती थी। इसके अलावा राजनीतिक प्रतिबद्धता की कमी, नौकरशाही की शिथिलता और भ्रष्टाचार की व्यापकता के कारण सरकारी योजनाओं के अपेक्षित लाभ हासिल नहीं होते थे। वास्तव में इसी कारण जन कल्याणकारी योजनाएं गरीबी उन्मूलन का कारगर हथियार नहीं बन पाईं। इसके विपरीत मोदी सरकार ने समाज के वंचित तबकों को हर तरह से सशक्त बनाने का काम किया। गरीबों को बिजली, सड़क, पक्के मकान, शौचालय, रसोई गैस जैसी मूलभूत सुविधाएं बिना किसी भेदभाव के मिलीं, जिनके लिए सरकारें आम आदमी को दशकों से ख्वाब दिखा रही थीं। जैसे-जैसे मोदी सरकार की योजनाओं का लाभ ग्रामीण इलाकों और वंचित तबकों तक पहुंचा वैसे-वैसे इन क्षेत्रों और समुदायों में भाजपा की पैठ बढ़ी। इन योजनाओं में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का उल्लेख इसीलिए बार-बार होता है, क्योंकि इससे करोड़ों महिलाओं को चूल्हे के धुएं से आजादी तो मिली ही, उनके समय की बचत भी हुई। चूल्हे में भोजन पकाने में महिलाओं को कहीं अधिक श्रम के साथ समय भी खपाना पड़ता था। अब उन्हें कहीं कम समय देना पड़ता है। शेष समय का उपयोग वे ऐसे कार्यों में करती हैं जिनसे उनका जीवन सुधरे।

देश में परंपरागत चूल्हों के धुएं से होने वाले प्रदूषण से हर साल पांच लाख महिलाओं की मौत हो जाती थी। विशेषज्ञों के मुताबिक रसोई में खुली आग के धुएं में एक घंटे बैठने का मतलब चार सौ सिगरेट के बराबर धुआं सूंघना है। 2014 में वर्ल्ड वाच इंस्टीट्यूट ने अपनी रिपोर्ट

में बताया था कि दुनिया में सबसे अधिक जैव ईंधन पर निर्भर आबादी विकासशील एशिया में है। अकेले भारत में 70 करोड़ लोग परंपरागत ईंधन (लकड़ी, गोबर आदि) से खाना बनाते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में ऐसे प्रदूषण से हर साल 20 लाख लोगों की अकाल मौत होती है जिसमें करीब 44 फीसद बच्चे हैं। वहीं बड़े लोगों में 60 फीसद महिलाएं इस तरह के प्रदूषण के कारण मौत के मुंह में चली जाती हैं। यह संख्या हर साल मलेरिया से होने वाली कुल मौतों से ज्यादा है, लेकिन विडंबना यह है कि जहां मलेरिया की रोकथाम के लिए बचाव से लेकर इलाज तक हर स्तर पर कोशिशें जारी हैं वहीं रसोईघर के खतरे को काबू करने के लिए बहुत कम प्रयास हुए।

आंकड़े इसकी पुष्टि करते हैं। देश में एलपीजी वितरण की शुरुआत 1955 में हुई थी और 2014 तक अर्थात साठ वर्षों के दौरान सिर्फ 13 करोड़ लोगों को एलपीजी कनेक्शन मुहैया कराया जा सका। वहीं एलपीजी का दायरा शहरी एवं कस्बाई इलाकों तथा गांवों के समृद्ध वर्ग तक सिमटा रहा। स्पष्ट है सरकारी उदासीनता के चलते चूल्हे के धुएं से हर साल लाखों लोग बीमार पड़कर गरीब बनते रहे। गरीबों को चूल्हे के धुएं और बीमारियों से मुक्ति दिलाने की पहली ठोस पहल मई 2016 में 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' के तहत हुई। इसके तहत गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले पांच करोड़ परिवारों को मार्च 2019 तक एलपीजी कनेक्शन मुहैया कराने का लक्ष्य रखा गया। बाद में लक्ष्य को बड़ा करते हुए मार्च 2020 तक आठ करोड़ एलपीजी कनेक्शन कर दिया गया। शुरू में इस योजना का लाभ उन्हीं परिवारों को मिल रहा था जो 2011 की गणना के अनुसार गरीबी की रेखा के नीचे थे। आगे चलकर इस योजना का दायरा बढ़ाते हुए इसमें सभी अनुसूचित जाति-जनजाति परिवार, वनवासी, अत्यंत पिछड़ा वर्ग, द्वीपों, चाय बागानों में रहने वालों तथा प्रधानमंत्री आवास योजना एवं अंत्योदय योजना के लाभार्थियों को भी शामिल कर लिया गया।

राजनीतिक इच्छाशक्ति और हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करने के कारण उज्ज्वला योजना में लक्ष्य की तुलना में अधिक कनेक्शन बांटे गए। इसका नतीजा यह रहा कि आठ करोड़ कनेक्शन का लक्ष्य वक्त से पहले हासिल हो गया। यदि कुल गैस कनेक्शनों को देखें तो यह आंकड़ा 10 करोड़ की संख्या को पार कर जाएगा। अब तक देश की 95 प्रतिशत आबादी तक रसोई गैस पहुंच चुकी है और हर रोज 69000 नए कनेक्शन दिए जा रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि अधिकतर नए गैस कनेक्शन पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा और पूर्वोत्तर जैसे पिछड़े राज्यों में जारी हुए जहां स्वच्छ ईंधन की पहुंच बहुत कम रही। उज्ज्वला योजना के कुल लाभार्थियों में 48 प्रतिशत अनुसूचित जाति-जनजाति से संबंध रखते हैं। स्पष्ट है कि उज्ज्वला योजना करोड़ों गरीबों के सशक्तीकरण का कारगर हथियार साबित हुई है।

रसोई गैस की देशव्यापी पहुंच के बाद एक बड़ी चुनौती यह आ रही है कि जहां सामान्य उपभोक्ता प्रति वर्ष औसतन सात सिलेंडर गैस भरवाते हैं वहीं उज्ज्वला योजना के लाभार्थी औसतन तीन सिलेंडर ही भरवाते हैं। बड़े सिलेंडर की कीमत अधिक होने के कारण बीपीएल परिवारों द्वारा कम संख्या में सिलेंडरों का उपयोग किया जा रहा है। इसे देखते हुए मोदी सरकार पांच किलो के छोटे सिलेंडर आवंटित कर रही है। यह जरूरी है कि सरकार यह सुनिश्चित करे कि इन छोटे सिलेंडरों का उपयोग बढ़े, क्योंकि ऐसा करके ही कुपोषण की समस्या का सामना किया जा सकता है। चूंकि अब सब्सिडी और गैर सब्सिडी वाले सिलेंडर के दाम में अधिक अंतर नहीं रह गया है इसलिए इस पर विचार किया जाना चाहिए कि क्या रसोई गैस सब्सिडी खत्म करने का समय आ गया है?

(लेखक केंद्रीय सचिवालय सेवा में अधिकारी हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

आंतरिक प्रकाश

विश्व के हर धर्म ने किसी न किसी रूप में मन की अवस्था की बात की है। बाह्य परिस्थितियां उसकी सोच और व्यवहार को संचालित करती रहती हैं। किसी दूसरे देश में भूकंप आता है तो वह करुणा से भर उठता है। किसी अपरिचित की उपलब्धि पर वह हर्ष से भर जाता है। उसे अहसास भी नहीं होता कि उसके मन के अंदर भी निरंतर कुछ न कुछ घटित हो रहा है। उसके पास दृष्टि ही नहीं है अपने मन में देखने की। उसकी आयु निरंतर व्यतीत होती जा रही है। उसके दुर्लभ मानव जीवन का अवसर निरंतर संकुचित होता जा रहा है। उसका मन दुख से भरा हुआ है, क्योंकि वह अपने जीवन के लक्ष्य से दूर होता जा रहा है। उसे मन का यह दुख दिखाई नहीं दे रहा, क्योंकि अंदर तो माया, मोह और विकारों का अंधकार व्याप्त है। माया और विकार उसे लूट रहे हैं, किंतु वह अनभिज्ञ है। यह परमात्मा के विश्वास को तोड़ना और जीवन हार जाने जैसा है।

अंधेरा कभी भी स्वागतयोग्य नहीं है। बाहर तो उजाले के लिए बड़े-बड़े बिजली घर बना लिए गए, नित नई परियोजनाएं लाई जा रही हैं, किंतु मन में वैसा ही अंधेरा है। मन में जब तक परमात्मा के प्रति अटूट आस्था और श्रेष्ठ जीवन गुणों के बिजली घर नहीं लगाए जाते तब तक जीवन उद्देश्य नहीं देखने को मिलेगा। यह पता तो चले कि कहां और कैसे जाना है। जीवन उपभोग के लिए नहीं उपयोग के लिए मिला है। मोह, माया और विकारों के अंधेरे में तो मनुष्य ने न जाने कितनी सदियां गुजार दी हैं और अभी भी आवागमन के चक्र में फंसा हुआ है। मनुष्य का जन्म ऐसा अवसर है उस अंधेरे से आजाद होने का, अपने जन्मों-जन्मों के पाप धोकर पुण्य कमाने और परमात्मा की कृपा पाने का, ताकि मुक्ति प्राप्त हो सके। यह आस्था और गुणों के प्रकाश के बिना संभव नहीं है। मन के अंदर के जीवन लक्ष्य के बीज को आस्था की हवा, गुणों का पानी और संकल्प का प्रकाश दें और उसे अंकुरित, पल्लवित होने दें। इस बार उजाले का पर्व, मन को प्रकाशित करने के लिए मनाएं। आंतरिक प्रकाश के बिना बाहरी प्रकाश व्यर्थ है।

डॉ. सत्येंद्र पाल सिंह

जागरूकता की अदद जरूरत

मिताली जैन

अधिकांश माता-पिता में जागरूकता की कमी के कारण उनके बच्चों को गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है

हाल ही में कानपुर आइआइटी विशेषज्ञों और मनोवैज्ञानिकों द्वारा किए गए अध्ययन में शहर के तीन स्कूलों में 61 बच्चे डिस्लेक्सिया से ग्रस्त मिले। यहां सबसे चैंकाने वाली बात यह थी कि इन बच्चों के माता-पिता, डॉक्टर, इंजीनियर, प्रशासनिक अफसर और व्यवसायी हैं, लेकिन किसी भी अभिभावक ने बच्चों को न्यूरोलॉजिस्ट या मनोरोग विशेषज्ञ को नहीं दिखाया। यह अध्ययन जाहिर करता है कि आज के समय में अभिभावकों में जागरूकता का कितना अभाव है। इसकी कमी के कारण उनके बच्चों को कई बार गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

बच्चे शारीरिक ही नहीं, बल्कि कई तरह की मानसिक समस्याओं से भी जूझ रहे हैं। जब भी बच्चों में मानसिक समस्या की बात होती है तो सिर्फ तनाव, अवसाद या ऑटिज्म का ही नाम लिया जाता है, पर इसके अलावा भी एंग्जाइटी डिसऑर्डर, एडीएचडी, ओपोजिशनल डेफिएंट डिसऑर्डर, कंडक्ट डिसऑर्डर, मूड डिसऑर्डर, परवेसिव डेवलपमेंट डिसऑर्डर, सिजोफ्रेनिया जैसी कई मानसिक समस्याएं होती हैं जो बच्चों में देखी जाती हैं, लेकिन माता-पिता को इनके बारे में अधिक जानकारी नहीं होती। इसलिए वे बच्चों के गलत व्यवहार करने पर गुस्सा करते हैं या कई बार हाथ भी उठा देते हैं। मानसिक समस्या होने पर जहां बच्चों को सही इलाज की जरूरत होती है, वहां पर उन्हें अपने माता-पिता की नाराजगी झेलनी पड़ती है, जिससे उनकी समस्या और अधिक बढ़ जाती है। जब तक अभिभावक को बच्चे की स्थिति के बारे में पता चलता है, तब तक स्थिति उनके नियंत्रण से बाहर हो चुकी होती है।

अगर बच्चों में बढ़ती मानसिक समस्याओं के कारणों की बात करें तो इसके लिए कई वजहें जिम्मेदार है। इनमें सबसे पहली वजह है खानपान। हाल ही में हुए एक शोध के अनुसार भारत में पिछले दो दशकों में सामाजिक और आर्थिक स्थितियों में बदलाव के बावजूद पोषण की स्थिति में सुधार देखने को नहीं मिल रहा है। शहरी जीवन में बच्चे अधिकतर जंक फूड या बाहर का भोजन करना ज्यादा पसंद करते हैं और इस तरह का आहार उनके मानसिक स्वास्थ्य पर व्यापक प्रभाव डालता है। वहीं जलवायु परिवर्तन भी बच्चों को मानसिक बीमारियों का शिकार बना रहा है।

अगर देश को बेहतर बनाना है तो देश के भविष्य को सहेजना होगा। इसके लिए सबसे पहले तो सरकारी नीतियां कुछ इस प्रकार बनाई जाएं, जिसके चलते अभिभावक बच्चों में विभिन्न तरह की मानसिक बीमारियों की पहचान आसानी से कर पाएं और उन्हें समय रहते विशेषज्ञ से मिलवाएं। साथ ही माता-पिता को बच्चों में पोषण एवं आहार संबंधी जानकारी भी प्रदान की जाए। अधिकतर अभिभावकों को यह पता ही नहीं होता कि बच्चों के समग्र विकास के लिए उनकी आहार योजना क्या होनी चाहिए। वहीं अपने पर्यावरण के प्रति भी जागरूक होना जरूरी है। बेहतर पर्यावरण बच्चों को एक स्वस्थ जलवायु प्रदान कर सकता है।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

सही दिशा में भारत की कूटनीति

भारत के खिलाफ उभरता नया गठजोड़ शीर्षक से लिखे लेख में ब्रिगेडियर आरपी सिंह ने संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर मसले पर पाकिस्तान को तुर्की, मलेशिया और चीन से मिले समर्थन और उससे जुड़े विविध पहलुओं का सांगोपांग वर्णन किया है। जहां तक मलेशिया की बात है, उसे सबक सिखाने के लिए भारत ने उससे होने वाले आयातों में कमी लाने के संकेत दिए हैं। निशाना सही जगह पर लगता हुआ दिख भी रहा है। मलेशिया ने भारत से आयात बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है। तुर्की की बात करें तो उसके साइप्रस और ग्रीस के साथ ऐतिहासिक रूप से बेहद खराब रिश्ते हैं, खासकर जुलाई 1974 में उसके द्वारा बलपूर्वक साइप्रस के उत्तरी क्षेत्र को हड़प लेने के पश्चात। आर्मेनिया के साथ भी उसका कोई औपचारिक संबंध नहीं है, विशेषकर मार्च 2018 में दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने वाले प्रोटोकॉल (2008) को आर्मेनिया द्वारा निरस्त कर देने के बाद। संयुक्त राष्ट्र में तुर्की द्वारा कश्मीर का राग अलापने के बाद मोदी ने ग्रीस, साइप्रस और आर्मेनिया के राष्ट्र प्रमुखों के साथ बैठक कर उन्हें एक सख्त कूटनीतिक संकेत दे दिया है। इधर चीन को साधने के लिए भी यह आवश्यक है कि भारत उस पर युक्तिसंगत आर्थिक-राजनीतिक दबाव लगातार बनाए रखे। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के हालिया भारत दौरे में उनके द्वारा कश्मीर के मुद्दे को उठाने से परहेज को भारत की कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जा सकता है। मोदी सरकार ने अपने काल में अंतरराष्ट्रीय संबंधों के मामलों में भारत की परंपरागत सुरक्षात्मक नीति में यथोचित संशोधन कर उसे भारत के हित में अधिक प्रासंगिक बनाया है, इसमें कोई संदेह नहीं।

चंदन कुमार, देवघर

मेलबाक्स

भारत में कुपोषण

दुनिया में सबसे ज्यादा कुपोषित बच्चों में भारत का नाम आता है। भारत के अंदर इस अवस्था के लिए सिर्फ हम प्रशासन को ही जिम्मेवार नहीं ठहरा सकते हैं, बल्कि कहीं ना कहीं इसके लिए हम भी जिम्मेवार हैं। ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, कनाडा के बाद सबसे ज्यादा खाना भारत में बर्बाद होता है, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि वह एक विकसित देश हैं और हम एक विकाससील राष्ट्र। अपने देश में उत्पादन होने वाला 40 प्रतिशत भोजन बर्बाद हो जाता है। यह कुव्यवस्था का परिचायक है। हम अगर चांद पर जाने की कोशिश कर रहे हैं तो हर व्यक्ति को पौष्टिक आहार मिले, यह भी सुनिश्चित करना होगा।

विजय किशोर तिवारी, शिक्षक, नई दिल्ली

धैर्य की आवश्यकता

दैनिक जागरण के 17 अक्टूबर के अंक में संपादकीय, फैसले की प्रतीक्षा, पढ़ा। अयोध्या प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट का जो भी फैसला आए सभी को उसका सम्मान करने के लिए तैयार रहना चाहिए। उचित होगा कि दोनों पक्ष इसके लिए माहौल बनाएं कि जो भी फैसला आए उसे सभी स्वीकार करें। भले ही दुनिया की नजर में यह एक जमीनी टुकड़े की लड़ाई हो, लेकिन ये भी सचाई है कि यह मामला आस्था से भी जुड़ा है। साक्ष्य जिसके पक्ष में होंगे फैसला उसी के पक्ष में जाएगा। इसमें दोनों पक्षों को अत्यंत धैर्य रखने की आवश्यकता है।

चंद्र प्रकाश शर्मा, दिल्ली

प्रदूषण की रोकथाम

देश में बढ़ता प्रदूषण भयंकर रूप धारण करता जा रहा है। पूरे देश में जलवायु जहरीली होने लगी है। जिस तरह कानून-व्यवस्था के लिए जिम्मेदार एजेंसियां अपराधों की रोकथाम के लिए काम करती हैं उसी तरह सभी राज्यों को भी जिम्मेदारी लेकर बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए कानून को सख्ती से लागू करना चाहिए।

आचार्य राम कुमार बघेल, प्रभारी पर्यावरण सचेतक, पलवल

बदलते वक्त को समझें

कभी भारतीय राजनीति की धुरी रही कांग्रेस आज जिस हाल में है उसकी शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। एक प्रभावी विपक्ष की भूमिका निभाने का काम कांग्रेस अपनी कमजोरियों की वजह से नहीं कर पा रही है। पार्टी छोड़ने वाली की तादात रोज बढ़ती जा रही है। कांग्रेस को खुद कांग्रेसी ही पुनर्जीवित कर सकते हैं। पार्टी में ऊपर से लेकर नीचे तक हर एक को बदलते वक्त को समझना होगा।

बृजेश माथुर, गाजियाबाद

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल : mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. संपादकीय निदेशक-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त।

40 प्रतिशत वर्तमान समय में कार्यरत कार्यबल को आगामी पांच वर्षों में फिर से कौशल की जरूरत होगी, नैसकॉम के एक अनुमान के अनुसार। इसके लिए प्रशिक्षित प्रशिक्षकों और तकनीक के इस्तेमाल पर जोर देना होगा।

आजकल

श्रम बल की कुशलता बढ़ाएगा आइआइएस

युवाओं को कौशल आधारित पाठ्यक्रमों के जरिये नई जरूरतों के अनुकूल कुशल बनाते हुए आइआइटी और आइआइएम की तरह के विशिष्ट संस्थानों की स्थापना का निर्णय लिया गया था। केंद्र सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री महेंद्र नाथ पांडे ने हाल ही में इस संस्थान की आधारशिला रखी है। उम्मीद की जा रही है कि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स नामक इस कौशल विकास संस्थान से युवाओं को प्रासंगिक व्यावसायिक पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण मुहैया कराया जा सकता है

प्रतीकात्मक

अभिषेक
अध्येता, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

वर्ष 2014 में केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनने के बाद से जिन मुद्दों पर प्रधानमंत्री ने व्यक्तिगत रूचि लेकर उसे आगे बढ़ाया उनमें कौशल विकास महत्वपूर्ण रहा है। प्रधानमंत्री की सोच थी, और जैसा कि उनके कई भाषणों व नीतियों से स्पष्ट होता रहा कि भारत अपने 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' के तहत दुनिया भर का कौशल केंद्र बने जिससे न सिर्फ दुनिया भर की कंपनियां भारत में निवेश को लेकर उत्साहित हों, बल्कि भारतीय युवा विदेशों में उपलब्ध मौकों का फायदा उठा सकें। इसके पीछे तथ्य यह था कि जहां दुनिया के कई देश युवाओं की कमी से जूझ रहे होंगे, वहीं भारत युवाओं का देश होगा और अगर उनको सही कौशल प्रदान किया जाए तो भारत दुनिया भर की इस कमी को पूरा कर सकता है। लेकिन हाल ही में जारी किए गए 'वर्ल्ड कंपीटीटिवनेस इंडेक्स' को देखें तो भारत में श्रम कुशल युवाओं की कमी है। कौशल के मानक पर भी हमारा प्रदर्शन हमारे साथ के देशों के मुकाबले कोई बहुत अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में कौशल विकास के लिए किए गए प्रयासों पर एक बार फिर से विचार मंथन जरूरी है।

वैसे तो कौशल विकास के संबंध में पूर्व में योजना आयोग ने ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना में पूरा एक अध्याय शामिल किया था और इस दिशा में कई कदम भी उठाए थे, मगर इस दिशा में जो गति वर्तमान मोदी सरकार में दिखी वो अभूतपूर्व है। युवाओं को कुशल बनाकर उनको न सिर्फ नौकरी, बल्कि स्व-रोजगार एवं रोजगार उत्पन्न करने वाला उद्यमी बनाने की दिशा में बढ़ते हुए एक के बाद एक कई कदम उठाए गए। वर्ष 2009 में लाई गई राष्ट्रीय कौशल विकास नीति को नई परिस्थितियों और नए लक्ष्यों के अनुसार संशोधित किया गया। इसके लिए बाकायदा कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय का गठन हुआ। सरकार के एक वर्ष पूरे होने से पहले ही 20 मार्च 2015 को कैबिनेट ने 1,500 करोड़ रुपये के व्यय निश्चित करते हुए प्रधानमंत्री ने कौशल विकास योजना की स्वीकृति प्रदान की। अगले वर्ष जुलाई में एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय में 2016 से 2020 तक में 12,000 करोड़ रुपये के व्यय से एक करोड़ युवाओं को कुशल बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया।

कौशल विकास को लेकर राजनीतिक प्रतिबद्धता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 2015 में जब प्रधानमंत्री सिंगापुर गए तो वहां के इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल एजुकेशन से प्रभावित होकर ऐसे संस्थान भारत में हो, इसकी परिकल्पना के साथ वह आए। इसी कड़ी में आगे बढ़ते हुए सरकार ने आइआइटी यानी इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और आइआइएम यानी इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट की तर्ज पर छह इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स बनाने का निश्चय किया। और ऐसे तीन संस्थानों की कानपुर, मुंबई और अहमदाबाद में स्थापना की स्वीकृति भी दी गई है। पब्लिक-प्राइवेट भागीदारी के अंतर्गत बनाए जा रहे इन विशिष्ट संस्थानों की आधारशिला रखते हुए कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय ने कहा, 'सरकार को उम्मीद है कि भविष्य में ये संस्थान उच्च विशिष्ट क्षेत्रों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग आदि में कौशल प्रदान कर कुशल कार्य बल विकसित करने का करने का कार्य करेंगे जो भविष्य के भारत के लिए जरूरी है।'

मगर जो सबसे महत्वपूर्ण बात इन संस्थानों के स्थापना के पीछे है वो यह कि ये अत्याधुनिक संस्थान व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल को प्रासंगिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि भारत के युवाओं में कौशल प्रशिक्षण को लेकर रूचि ना के बराबर रही है। शिक्षा के बढ़ते स्तर के साथ-साथ बेरोजगारी के बढ़ते प्रतिशत के बावजूद जैसा कि संतोष मेहरोत्रा अपनी किताब में लिखते हैं, 'भारत में हायर सेकेंडरी में दाखिल केवल तीन प्रतिशत युवा ही व्यावसायिक शिक्षा में रूचि रखते हैं, जबकि अनिवार्य स्कूली शिक्षा पूर्ण करने के बाद डेनमार्क में 30 प्रतिशत युवा व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। अगर स्कूल एवं कार्यस्थल आधारित व्यावसायिक प्रशिक्षण को मिला कर देखा जाए तो हायर सेकेंडरी में दाखिला लेने वाले जर्मनी में 60 प्रतिशत तथा दक्षिण कोरिया में 28 प्रतिशत युवा इसमें रूचि रखते हैं। व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण में रूचि के पीछे कई सामाजिक कारण भी होते हैं और कहा जा सकता है कि सरकार के लिए इनको बदल पाना इतना आसान भी नहीं होता है। मगर जिस प्रकार से इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स की ब्रांडिंग हो रही है और सरकार ने जो रूचि दिखाई है, उससे यह स्पष्ट है कि सरकार ना सिर्फ समस्या को समझ चुकी है, बल्कि व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण के प्रति लोगों की धारणा बदलने के लिए गंभीर भी हो चुकी है। यह जरूरी भी है, क्योंकि सरकार की अन्य योजनाओं, विशेष तौर पर 'मेक इन इंडिया' के लिए कुशल श्रम शक्ति एक पूर्व शर्त है। लेकिन सिर्फ छह संस्थानों में प्रशिक्षण की गुणवत्ता और अच्छी रोजगार की उपलब्धता सुनिश्चित कर देश की विशाल श्रम शक्ति की गुणवत्ता सुधर जाएगी, ऐसा सोचना बेमानी होगा। इसके लिए सरकार को इन विशिष्ट संस्थानों की स्थापना और ब्रांडिंग के अतिरिक्त अन्य बातों पर भी ध्यान देना होगा।

युवा व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण का विकल्प चुने, इसके लिए जरूरी है कि प्रशिक्षण से मिले कौशल की मांग बाजार में बढ़ भी रही हो। युवा इन पाठ्यक्रमों का चयन तभी करेंगे जब उन्हें यह महसूस होगा कि प्रशिक्षण पूरा होने के बाद उन्हें नौकरी अवश्य मिलेगी। एक चीज जो हमें समझनी पड़ेगी कि आज अगर अधिक लोग अपेक्षाकृत सामान्य कौशल का विकल्प चुनते हैं तो ना केवल इसलिए कि उनका प्रशिक्षण सस्ता है, बल्कि इस धारणा के कारण कि उनका उपयोग विभिन्न क्षेत्रों के लिए किया जा सकता है। वह ये समझते हैं कि इन प्रशिक्षणों पर किया गया निवेश, धन और समय जोखिम भरा है। दूसरी बात सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इन प्रशिक्षित युवाओं को मिलने वाली नौकरी अप्रशिक्षित युवाओं से अच्छी हो यानी वेतन ज्यादा हो, सुविधाएं बेहतर हो।

रोजगार के चयन में सामाजिक कारणों का अपना प्रभाव होता है, पर इसमें महत्वपूर्ण कारक है आर्थिक प्रोत्साहन। अगर यह सुनिश्चित हो कि प्राप्त किए गए कौशल की मांग होगी तो सामाजिक कारणों के बावजूद, भले ही रफ्तार कम हो, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण में रूचि अपने आप बढ़ेगी।

सीखते रहने का हुनर भी सीखना होगा

डॉ. मीनल शर्मा
प्राध्यापक

हाल ही में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम ने ग्लोबल कंपीटीटिवनेस इंडेक्स 2019 जारी किया है जिसके अनुसार भारत 10 स्थान लुढ़क कर 68वें पर पहुंच चुका है। अब यह और भी महत्वपूर्ण हो गया है कि युवाओं के प्रशिक्षण का तरीका कुछ इस तरह का हो कि वे ना सिर्फ नई स्किल्स सीखें, बल्कि सीखते रहने की स्किल भी सीखें।

डेमोग्राफिक डिविडेंड यानी कामकाजी लोगों की आबादी आश्रित जनसंख्या से अधिक होने के कारण उपलब्ध तेज आर्थिक विकास का फायदा उठाया जाना आज केंद्र सरकार की प्राथमिकता है। इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जोर देकर भारत को दुनिया का 'स्किल कैपिटल' बनने की क्षमता पर भरोसा जताया था। सर्वोच्च स्तर पर गंभीरता का प्रभाव हुआ कि कई प्रयासों के कारण देश में कौशल विकास को लेकर एक अच्छा माहौल तो बना मगर अभी भी देश में उद्योग के द्वारा मांग वाले और युवाओं को प्राप्त कौशल के बीच का अंतर अभी भी है और भविष्य में ये कम होगा ऐसा कहना मुश्किल है। दरअसल नई प्रौद्योगिकियों के विकास की गति और उत्पादन प्रक्रियाओं में उनका प्रयोग अभूतपूर्व गति से हो रहा है जिस कारण भविष्य में मांग वाले कौशलों का अनुमान लगाना कठिन होता जा रहा है। आज एक 'नए युग की नौकरियों' का उदय हुआ है, जो कुछ वर्ष पहले मौजूद नहीं थी। गिग इकोनॉजी जैसे नए व्यापार मॉडल आदि के कारण नौकरी की भूमिका बदल रही है। विभिन्न अनुमान बताते हैं कि मौजूदा समय में जो कार्य मानवीय श्रम बल के आधार पर होते हैं, उनमें से अधिकांश कार्यों को भविष्य में मशीनों के जरिये निबटाया जाएगा।

उद्योग आज खुद को लाभदायक बनाए रख पाए इसके लिए नई तकनीक प्रयोग करना जरूरी है और ऐसे में आज जिस युवा के पास डिग्री है और एक विशेष प्रकार की नौकरी के लिए प्रशिक्षण है, उसे स्वयं को रोजगार में बनाए रखने के लिए ना सिर्फ पुनः प्रशिक्षण के लिए जाना होगा, बल्कि अपने करियर के दौरान बदलाव के लिए भी तैयार रहना होगा। जो लोग कार्यरत हैं उनके लिए नैसकॉम का अनुमान है कि अगले पांच वर्षों में कम से कम 40 प्रतिशत कार्यबल को फिर से कौशल की आवश्यकता होगी। ऐसे में दो बातें महत्वपूर्ण हो जाती हैं- पहला प्रशिक्षित प्रशिक्षकों की आपूर्ति और दूसरा तकनीक के उपयोग के लिए प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करने की आवश्यकता। प्रशिक्षक ऐसे होने चाहिए जो प्रशिक्षुओं में अनुभव के द्वारा सीखने का कौशल प्रदान करने में सक्षम हों। हमें अब लोगों को सीखने के लिए प्रशिक्षित करना चाहिए ना कि नौकरियों के लिए। इस प्रकार, अब व्यक्तियों और कंपनियों का नया लर्निंग सेटअप लचीला करना होगा। शिक्षण और कौशल विकास की प्रक्रिया में तकनीक का प्रयोग आज एक अनिवार्य शर्त हो गई है। आज प्रशिक्षण की प्रक्रिया में कक्षा और कार्यस्थल पर प्रशिक्षण अलग-अलग है, जबकि जरूरत मिश्रित शिक्षण का है और इसमें 'वर्चुअल रियलिटी' महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। वर्चुअल रियलिटी के माध्यम से वर्चुअल लैब बनाए जा सकते हैं और शल्य चिकित्सा, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, एयरोस्पेस इंजीनियरिंग, पैरामेडिक्स, फार्मासिस्ट, लॉजिस्टिक्स प्रबंधन और ऐसे ही कई कौशल के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किए जा सकते है। यह एक भविष्य का प्रशिक्षण माध्यम है जो लागत और समय की बचत करते हुए एक सुरक्षित वातावरण में सीखने में मदद करता है। वीआर प्रशिक्षण परिदृश्य स्कूलों में शिक्षा सहित किसी भी स्तर पर सीखने में प्रभावी है। स्कूली बच्चों को वीआर सक्षम सीखने के माहौल से काफी फायदा हो सकता है, क्योंकि यह सीखने को मजेदार बना देगा व परिणामो में सुधार होगा।

जहां तक लागत की बात है तो इसके लाभ निश्चित तौर पर लागत से ज्यादा हैं। और ऐसे समय में जब सरकार भविष्य के कौशल विकास को लेकर गंभीरतापूर्वक लगी हुई है तो आवश्यक है कि इस प्रकार के प्रशिक्षण तंत्र सभी स्तरों पर बनाए जाएं जो कौशल अंतर को पाटने में मदद कर सकते हैं।

खरी-खरी

काकाजी निपट गए यार...

मनोज लिमये

सुबह-सुबह जब मैं गहरी नींद में सो रहा था, तभी अचानक मोबाइल पर 'तुम तो ठहरे परदेसी... साथ क्या निभाओगे' वाली मेरी रिंगटोन बजी। फोन उठाया तो उधर से सुनाई दिया, 'भिया, बबलू बोल रिया हूं। अपने उज्जैन वाले काकाजी निपट गए यार! जिस-जिसको बता सको, बता देना। 11 बजे मसान ले जाएंगे।'

मैं उज्जैन वाले दिवंगत काकाजी तथा अपने संबंधों के फ्लैशबैक में चला गया। मस्तिष्क में भोत देर तक चले विचार-मंथन के पश्चात निष्कर्ष उभरा कि काकाजी भोत सामाजिक प्राणी थे और मेरे दादाजी के गुजरने पर भरी बरसात में उनको अंतिम विदा देने आए थे। सो, आज अपने को भी जाना तो पड़ेगा ही।

मन में उज्जैन आने-जाने का बजट बनाने के बाद यह तथ्य उभरकर आया कि अकेले जाना है तो बस से जाना ही श्रेष्ठ विकल्प है। किंतु यदि एकाध किसी ऐसे परिचित को भी टांग लो, जिसे रामघाट देखने की तमन्ना हो और पेट्रोल डलवाते समय पर्स में हाथ डालने में उन्हें हिचकिचाहट न हो, तो कार से भी जाया जा सकता है। मैंने परिचितों को सूचना देने का अर्थपूर्ण काज आरंभ कर दिया।

बाटू भिया को फोन लगाया तो वे बोले- क्या यार, ऐसा कौन निपट गया, जो इत्ती सुबे-सुबे घंटी कर रहे हो? मैंने कहा- हां, निपट ही गए हैं। अपने उज्जैन वाले काकाजी। चलोगे वहां?

क्या बात कर रहे हो? अपने काकाजी? चिढ़ के मारे पहले तो मैं कुछ नहीं बोला। किंतु पेट्रोल ध्यान आते ही बोलना पड़ा- तो कार से चलें या बस से?

वे चुप थे। शायद आने-जाने का हिसाब लगा रहे थे। कुछ समय बाद बोले- यार, मालवी जी से भी पूछ लेते। यदि वे तैयार हों तो दो से भले तीन!

मैं उनके प्रस्ताव के पीछे के अर्थतंत्र को समझ गया। मैंने कहा, उनको तो चलना ही पड़ेगा, क्योंकि पिछली बार जब काका को अस्पताल में भर्ती किया था, तभी उन्होंने कहा था कि कोई ऊंच-नीच हो जाए, तो मेरे को साथ ले चलना।

हम उज्जैन पहुंचे। पूजा-पाठ में हो रही देरी के कारण वे लोग अफसोस मना रहे थे, जो घर से नाश्ता करके नहीं आए थे। और 'अनुभवी' लोग जो पोहे-जलेबी फंसाते हुए आए थे, अपने इस अनुभव पर मंत्रमुग्ध थे। अंततः खूब फोन लगाने पर नगर निगम का शव वाहन प्रकट हुआ। थोड़ी देर में श्मशान पहुंच गए। एक बतौलेबाज महोदय ने झट से शोकसभा के संचालन का अवसर हड़प लिया।

ट्वीट-ट्वीट

फजलुर्रहमान इमरान सरकार के खिलाफ इस्लामाबाद में विरोध-प्रदर्शन करेंगे। इमरान खान घबराए हुए हैं। यही काम उन्होंने नवाज शरीफ के साथ किया था। किसी भी शख्स के कर्म सामने आते ही हैं। देखते हैं कि इस खेल में क्या होता है। आखिर अंपायर तो सेना मुख्यालय में बैठे हैं।

मेजर गौरव आर्या@majorgauravarya

कितने शर्म की बात है! वर्ल्ड हंगर इंडेक्स में क्या भारत को पाकिस्तान और बांग्लादेश से भी निचले पायदान पर होना चाहिए। बड़ी केंद्रीय योजना के बजाय बेहतर होगा कि बच्चों के पोषण के लिए स्थानीय स्तर पर समाधान तलाशे जाएं।

तवलीन सिंह@tavleen_singh

क्या प्रधानमंत्री नोबेल विजेता अभिजीत बनर्जी की बातें सुन रहे हैं। उनका कहना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की जमीन खिसक रही है। सांख्यिकीय आंकड़ों में सरकारी दखल बढ़ा है। उन्नीस सौ सत्तर के दशक के बाद पहली बार ग्रामीण एवं शहरी उपभोग में गिरावट का रुख है। जबकि हमारे कर्ताधर्ता काम पर ध्यान देने के बजाय फोटो खिंचाने में मसरूफ हैं।

कपिल सिब्बल@KapilSibal

प्रदीप शुक्ला
स्थानीय संपादक, झारखंड

झारखंड डायरी

संकट पैदा कर सकती है पानी की कमी

भक्तों ने मां दुर्गा को अगले बरस फिर आने का वादा लेकर विदा कर दिया है। हर बरस की तरह इस बार भी दशानन को जला दिया गया है। राज्य भर में इस उत्सवी माहौल को भुनाने में भला राजनीतिक दल कहां पीछे रहने वाले थे। पूजा पंडालों से लेकर रामलीला मैदानों तक कार्यकर्ताओं की धमा-चौकड़ी बाखूबी दिखी। आसन्न चुनाव में टिकट के दावेदार भी पंडाल दर पंडाल घूमकर शीश नवा रहे थे। आशीष मांग रहे थे, मां का भी और भक्तों का भी, लेकिन उनका ध्यान शायद इस ओर नहीं गया होगा, मां क्या चाह रही हैं? आखिर हर जगह मुंह बाए खड़े दशाननों का अंत कब होगा?

पूजा खत्म हो गई है। राजनीतिक दल अब पंडालों से निकलकर फिर गली-चौराहों से लेकर गांव की पगडंडियों को नापेंगे। एक-दूसरे पर कीचड़ उछालेंगे, लेकिन पंडालों से निकले संदेशों पर चर्चा तो दूर चूं भी नहीं करेंगे, क्योंकि ऐसा करने से कहीं न कहीं उंगली उन्हीं पर उठेगी। हर कोई गाल बजाएगा, दुहाई देगा, वही राज्य और प्रजा के हितैषी हैं, लेकिन असल मुद्दों को छुएंगे तक नहीं। पूजा पंडालों में छिपे संदेशों पर बहस का उनमें साहस नहीं है, क्योंकि भ्रूण हत्या से लेकर प्रदूषण तक, नदियों की पीड़ा से लेकर महिला सुरक्षा तक... कहीं न कहीं वह जिम्मेदार जो हैं। देश में औसत से ज्यादा बारिश हुई है, लेकिन झारखंड के तमाम जिलों में इस बार सामान्य से कम बारिश हुई है।

यहां के बांधों में पानी का उतना संचयन नहीं हुआ है जितना होना चाहिए था। इसके परिणाम अगले वर्ष गरमी में भयावह जलसंकट के रूप में दिखेगा। जनता नेताओं के घर दौड़ रही होगी, और नेताजी कह रहे होंगे, सड़क से लेकर विधानसभा तक मामला उठाऊंगा, लेकिन पानी आएगा कहां से? यह न वह तब बता पाएंगे और न ही अभी उन्हें इसकी चिंता है। यह तब है जब संकट पेयजल से आगे जा चुका है। औद्योगिक कारखानों के सामने भी पानी का संकट खड़ा होने लगा है। उत्पादन प्रभावित होने लगा है। राज्य के कई हिस्सों में पानी के संकट के चलते लोगों को पलायन तक करना पड़ रहा है। बीती गरमी में जमशेदपुर के आदित्यपुर और रांची के ही टैगोर हिल इलाके में लोगों को अपने मकान बंद कर दूसरी जगह किराए पर रहने पर मजबूर होना पड़ा था। कृषि का हाल किसी से छुपा नहीं है। रबी सीजन में राज्य में लाखों हेक्टेयर भूमि पर पानी के अभाव में फसल बोई ही नहीं जाती है। इसी तरह प्रदूषण भी चुनावी मुद्दा नहीं है। लोग मर रहे हैं तो मरें, लेकिन अधिकांश राजनीतिक दलों को इसमें कोई रुचि नहीं होती है। जल-जंगल-जमीन की बात खूब होगी, लेकिन हकीकत में अधिकांश दलों को इसकी चिंता नहीं है, क्योंकि यह मतदाताओं को लुभाता नहीं है।

गठबंधन पर फंसता पेच : उत्सवी माहौल के बीच सियासी गठबंधनों की खिचड़ी भी पकती रही। सभी ज्यादा से ज्यादा पाने की चाहत एक-दूसरे पर दबाव बना रहे हैं। राज्य में सत्तासीन भाजपानीत गठबंधन का सहयोगी दल आजसू लगभग डेढ़ दर्जन से

ज्यादा विधानसभा सीटों पर दावेदारी कर रहा है। इसमें कुछ सीटों पर भाजपा के विधायक काबिज हैं। उधर, एनडीए का घटक दल लोजपा भी अपने लिए सीटों की मांग कर रहा है। पिछले विधानसभा चुनाव में लोजपा को गठबंधन के तहत एक सीट मिली थी। फिलहाल भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने गठबंधन के तहत मांगी जा रही सीटों पर चुप्पी साध रखी है। भाजपा के रुख को देखते हुए जदयू पहले ही किनारा कर चुका है। बिहार में भाजपा के साथ सरकार चला रही जदयू के नेताओं ने अधिकाधिक सीटों पर उम्मीदवार उतारने का एलान कर दिया। कयास लगाया जा रहा है कि चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद भाजपा मित्र दलों के साथ सीट शेयरिंग पर रवैया स्पष्ट करेगी। हालांकि जदयू के साथ समझौते की गुंजाइश झारखंड में नहीं के बराबर है।

उधर, इससे बुरी स्थिति विपक्षी दलों की है। लोकसभा चुनाव में तालमेल में सफलता के बाद इसकी कम संभावना है कि हूबहू समझौता विधानसभा चुनाव में हो पाएगा। इसकी सबसे बड़ी वजह क्षेत्रीय दलों की महत्वाकांक्षा है। मुख्य विपक्षी दल झारखंड मुक्ति मोर्चा के अगुआ हेमंत सोरेन खुद को मुख्यमंत्री के चेहरे के तौर पर प्रोजेक्ट करना चाहते हैं। पहले कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने मौके की नजाकत को भांपते हुए उनकी शर्त को स्वीकार कर लिया था। इसके एवज में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने कांग्रेस को एक राज्यसभा सीट पर जीत हासिल करने में मदद की और लोकसभा चुनाव में ज्यादा सीटों पर लड़ने का मौका दिया। अब कांग्रेस के नेता पूर्व में किए गए अपने वादे से मुकरते नजर आ रहे हैं। विपक्षी गठबंधन के एक अहम दल झारखंड विकास मोर्चा की चाल अलग है। मोर्चा के प्रमुख बाबूलाल मरांडी हेमंत सोरेन की अगुवाई स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। हालांकि मरांडी राजनीतिक मोर्चे पर फिलहाल हाशिये पर दिख रहे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में आठ विधायक उनके दल के टिकट पर जीतकर आए थे, जिसमें से सात भाजपा में शामिल हो चुके हैं। खुद बाबूलाल मरांडी भी लोकसभा का चुनाव हार चुके हैं। वे किसी ठौर की तलाश में हैं और ज्यादा संभावना है कि वे अकेले विधानसभा चुनाव का सामना करें।

वामदलों समेत अन्य छोटे दलों का साथ उन्हें मिल सकता है। जदयू ने भी उनकी ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। भाजपा प्रचार अभियान के मोर्चे पर विपक्षी दलों से काफी आगे हैं। खुद मुख्यमंत्री रघुवर दास जन आशीर्वाद यात्रा के माध्यम से पूरे प्रदेश में संपर्क अभियान चला रहे हैं।

जागरण जनमत कल का परिणाम

क्या राहुल गांधी द्वारा राफेल मुद्दा उठाने से विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को फायदा होगा?

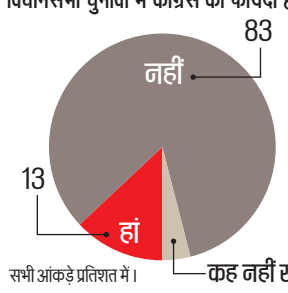

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

वित्त मंत्री का कहना सही है कि बैंकों की खस्ताहालत के लिए पूर्व की मनमोहन सरकार जिम्मेदार है?

अपनी राय और अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अपने मोबाइल के मैसेज बॉक्स में जाकर **POLL** लिखें, स्पेस देकर **Y, N** या **C** लिखकर 57272 पर भेजें
Y -हां, **N**-नहीं, **C**-कह नहीं सकते

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

अपनी-अपनी कह चुके अब बैठो चुपचाप,
बड़े फैसले का करो इंतजार अब आप।
इंतजार अब आप कहें जो जज वह मानो,
कहूं जोड़कर हाथ रार बिल्कुल मत ठानो।
है अब तो इक माह धैर्य की माला जपनी,
कहिएगा फिर बात महोदय अपनी-अपनी।

- ओमप्रकाश तिवारी

मुद्दा

जल संरक्षण की राह में चुनौतियां

कौशल किशोर
सामाजिक कार्यकर्ता

नई सभ्यता की यही पहचान है कि यह संस्कृतियों पर आश्रित परजीवी है। जलशक्ति व जनशक्ति की रिश्तेदारी में व्यस्त लोग यदि इसे नजरअंदाज करते हैं तो जल संकट और गहरा होगा

केंद्र की सत्ता में दोबारा आने के बाद नरेंद्र मोदी सरकार ने जल संसाधन और गंगा संरक्षण मंत्रालय को जल शक्ति मंत्रालय में बदल कर एक नया संकेत दिया। जिस देश में गंगा, यमुना, नर्मदा जैसी तमाम नदियों को देवियों और जल को वरुण देव की तरह मानने की परंपरा हो, वहां इसे संसाधन समझने की औपनिवेशिक मानसिकता को खारिज करने की अपनी ही अहमियत है। हमें यह समझना होगा कि जलशक्ति को लोकहित में प्रयोग करने के लिए इसे संसाधन के तौर पर देखने के बदले पारंपरिक दृष्टिकोण ही बेहतर है। एक दशक पहले बिहार में आई बाढ़ पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अनुपम मिश्र ने उस समय लिखा था, 'तैरने वाला समाज डूब रहा है।'

इसमें उन्होंने कठौती में गंगा समेटने की गांवों की उसी संस्कृति का जिक्र किया, जिसमें जलस्रोतों को सहेजने का साल भर चलने वाले कार्यक्रम ही परंपराएं कहलाती हैं। बारिश की रजत बूंदों का स्वागत करने वाले मगध के निवासियों की तैयारियां आहर-पईन जैसी ठेठ देशी व्यवस्था में दिखती है। जल शक्ति के आह्वान के साथ ही गंगा सफाई और जल संरक्षण के क्षेत्र में सेवा करने वाले लोगों को प्रोत्साहित करने का काम दिखने लगा है। लोग व सरकार के बीच का सामंजस्य गंगा की निर्मलता व भूजल स्तर को उन्नत करने में मददगार हो सकता है। आगरा के दयालबाग में इंजीनियरिंग के विद्यार्थी रहे शिव रत्न अग्रवाल ने मल-जल साफ करने का छोटा और विकेंद्रीत सिस्टम विकसित किया। उनके संस्थान ने देश के अलग-अलग हिस्सों में सरकारी व गैर-सरकारी क्षेत्र में सफलता हासिल की और अपने प्लांट्स का रखरखाव आज भी कर रहे हैं। इस तकनीक को बढ़ावा देने से मातृभूमि को प्रदूषण की जटिल समस्या से थोड़ी राहत मिलती है। साथ ही ऐसा करने से सीवर लाइन और ट्रीटमेंट प्लांट के राजनीतिक अर्थशास्त्र पर कुठाराघात होता है। वह संघ परिवार और उमा भारती व नितिन गडकरी से करीबी रखने के बावजूद कोई उपलब्धि नहीं हासिल करते हैं। सरकार व इंजीनियरिंग संस्थान इस वैज्ञानिक के साथ समय रहते समन्वय कायम कर यदि प्रभावी काम करे तो संबंधित समस्या से निपटने में मदद मिलेगी।

गोपी दत्त आकाश पुष्पांजलि कलश को मूर्त रूप देते हैं। उन्होंने निर्माल्य को अपसाइकल किया। कर्मकांड से सृजित अपशिष्ट से धूप, इत्र, अगरबत्ती जैसी डेढ़ दर्जन काम की चीजें बना कर दुनिया भर से प्रशंसा हासिल की है, परंतु जलस्रोतों को मूर्ति और निर्माल्य के विसर्जन से मुक्ति नहीं मिली। आज 'प्रयास' और 'यूथ फ्रेटरनिटी फाउंडेशन' जैसी गैर-सरकारी संस्थाएं एक तकनीक से उत्पन्न समस्या को दूसरी तकनीक से दूर करने का मार्ग पेश करती हैं।

इनकी सफलता भारत में मेक्सिको के विशेषज्ञ गुस्ताव स्टीवा के अभिनव प्रयोगों की तरह कारगर होगा, ऐसा कहना संभव भी नहीं है। भले ही 'स्वच्छ गंगा' और 'नमामि देवि नर्मदे' जैसे नारों को बुलंद करने में इनके कार्यों से बल ही मिले। दरअसल प्रदूषण निवारण के विशाल व्यापार में लगी पूंजी व रूढ़ियों में जकड़े कई पंथों के रूठने का भय हावी है। इस बार मानसून के आगमन के समय हमने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के जलस्रोतों का अध्ययन आंरभ किया। दिल्ली एनसीआर के गाजियाबाद के करीब 111 आधे-अधूरे खुदे तालाबों से लेकर फरीदाबाद की बड़खल झील तक का यह अध्ययन अब पूरा हो गया है। कमोबेश इन जलाशयों की दशा दिल्ली के दिल में धड़कती ठीक उसी झील की तरह है, जो दो दशक पहले तक रोशनारा बाग की शान मानी जाती थी। उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने एक अर्से बाद इसके पेट में उगे जंगलों को साफ करने का काम किया। ऐसा लगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जल शक्ति का आह्वान करने का असर पड़ा है। लेकिन वास्तविकता यह है कि बरसात बीतने पर इसके पेट में एक बूंद भी पानी नहीं है। फिर से आदमकद झाड़ उग आए हैं। यह हरियाली साफ कहती है कि सभी सपने आसानी से साकार नहीं होते। फरीद की नगरी के सूरज कुंड को सदियों से सहेजने वाली परंपराओं के मतलब भी यहां मौजूद लोग अब भूल गए हैं। यमुना में आई बाढ़ के पानी से बड़खल समेत इन तमाम खलों को जल प्लावित किया जा सकता था। अपने देश में नदी के जल से सरोवर भरने की समृद्धि पूर्वजों की विरासत है। हालात नई सभ्यता और पुरानी संस्कृति के द्वंद्व को बखूबी स्पष्ट करते हैं। जलशक्ति और जनशक्ति के बीच का ये समन्वय क्या इसके सही समीकरण की पोल खोल सकता है? बाबुओं व नेताओं को इस पर आपस में चर्चा करनी चाहिए।

सुदूर गांवों में बिजली पहुंचाने वाली मोदी सरकार ने पेयजल की आपूर्ति करने की नई शक्ति का आह्वान किया है। गांवों में पीने का पानी पहुंचाने की यह करीब साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये की परियोजना है। इस मामले में प्रशासन ठीक उसी दक्षता से लगा हुआ है, जैसाकि 1949 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति ने विकास के सपनों को पंख लगाते हुए किया था। यह विकास पहुंचने से पहले ही देश और गांव को अविकसित करार देता है और पहुंचने के बाद खोखला करके दम लेता है। इस पीने के पानी की कहानी ही देख लीजिए। अब तक जिन स्थानों पर भी यह पानी पहुंचाने की व्यवस्था पहुंची है, वहां के प्रायः सभी जलस्रोत नष्ट हो गए। आज यह दावा तो किया जा सकता है कि ऐसा इन गांवों में नहीं होगा, पर होगा वही जो होता रहा है। मानसून की आर्द्रता ग्रीष्म और शरद ऋतुओं के बीच सेतु का काम करती है। मौसम की भारतीय उपमहाद्वीप में मौजूद विविधता रूस, अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के नसीब में भी नहीं है। विविधताओं से परिपूर्ण देशी संस्कृतियों में पहली समानता जलस्रोतों को जीवनस्रोतों की तरह सहेजने की है।

प्राचीन नगरों और सेल्फी युग से पहले के गांवों की बसावट में दो साम्यताएं थीं। गांवों-मोहल्लों के लोगों में आपसी जान-पहचान थी। सभी को जल संरक्षण का अर्थशास्त्र पता था। लोग आपस में इस बारे में चर्चा करते थे। अब ये दोनों ही बातें लगभग खत्म हो चुकी हैं और इनका असर भी जल संरक्षण पर पड़ रहा है।

40 फीसद ई-मेल खोलते भी नहीं हैं कर्मचारी, जबकि एक दिन में आए कुल ई-मेल में 16 फीसद का ही जवाब देते हैं। विभिन्न कंपनियों के कर्मचारियों पर किए एक सर्वे में यह बात सामने आई है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शुक्रवार 18 अक्टूबर 2019

महिलाओं को स्वरोजगार, देश के स्वावलंबन का आधार

झारखंड स्थित सिमडेगा में छोटानागपुर कल्याण निकेतन संस्था से सिलाई का प्रशिक्षण लेने के बाद प्रमाणपत्र के साथ महिलाएं। जागरण

वाचस्पति मिश्र, सिमडेगा

- झारखंड के सिमडेगा की प्रियंका की संस्था स्वरोजगार के लिए देती है प्रशिक्षण
- 4000 उठा चुकी हैं लाभ, 500 से अधिक स्वरोजगार अपनाकर जी रहीं समृद्ध जीवन

झारखंड के सिमडेगा में समाज सेविका प्रियंका कुमारी सिन्हा निर्धन व घरेलू महिलाओं को स्वरोजगार का समुचित प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वावलंबन की राह दिखा रही हैं। 'छोटानागपुर कल्याण निकेतन' नाम की संस्था तले प्रियंका महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए 2008 से ही प्रयासरत हैं। वह इस संस्था की सचिव भी हैं। उनका कहना है कि महिलाओं को स्वरोजगार अपनाना, आर्थिक रूप से मजबूत होना, देश के स्वावलंबन का आधार है।

नारी सशक्तीकरण

यह देश की आर्थिक उन्नति और विकास के लिए आवश्यक है। आज प्रियंका के प्रयासों का ही परिणाम है कि प्रशिक्षण प्राप्त कर बड़ी संख्या में महिलाएं अलग-अलग क्षेत्रों में स्वरोजगार अपनाकर आर्थिक समृद्धि के पथ पर अग्रसर हैं। प्रियंका की संस्था से जुड़कर करीब 4000 महिलाएं लाभ उठा चुकी हैं। 500 से अधिक महिलाएं तो अपना रोजगार भी स्थापित कर चुकी हैं। संस्था में इस समय करीब 300 स्वयंसेवक किसी न किसी रूप में सहयोग कर रहे हैं।

इस तरह की शुरुआत : प्रियंका बताती हैं कि छोटी-छोटी चीजों के लिए वह जब महिलाओं को दूसरों पर निर्भर देखती थीं तो उन्हें काफी दुख होता था। बाद में उन्होंने महिलाओं के लिए कुछ करने के मिशन के साथ छोटानागपुर कल्याण निकेतन नाम की संस्था बनाई। इसमें महिलाओं को सिलाई, बुनाई, कढ़ाई, पेंटिंग, जरी, कृत्रिम फूल निर्माण, ब्यूटीशियन का प्रशिक्षण देना शुरू किया गया। साथ ही, ग्रामीण क्षेत्र में महिला स्वयं सहायता समूह, किसान क्लब का गठन कर उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया। प्रियंका को इस काम में उनके पति मनोज सिन्हा का भी काफी सहयोग मिला।

> सीखने की क्षमता सभी लोगों में होती है, लेकिन साधन नहीं मिलने के कारण वे आगे नहीं बढ़ पाते। उचित प्रशिक्षण देकर बड़ी संख्या में लोगों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया जा सकता है।
> – प्रियंका सिन्हा, छोटानागपुर कल्याण निकेतन, सिमडेगा

संस्था ने कई को दी पहचान : सिमडेगा की कलावती देवी ने छोटानागपुर कल्याण निकेतन से जूट की वस्तुओं के निर्माण व ब्यूटीशियन का प्रशिक्षण लिया और अपने स्वरोजगार की राह प्रशस्त की। कलावती कहती हैं, 'मैं प्रियंका दीदी के सहयोग से ही खुद की पहचान बना पाई हूं।' मंजू कुमारी ने भी इसी संस्था से प्रशिक्षण लिया है। वह सिलाई का सेंटर संचालित कर रही हैं और प्रशिक्षण भी दे रही हैं। रश्मि ने मशरूम की खेती कर आर्थिक समृद्धि हासिल की हैं। वह इसके लिए छोटानागपुर कल्याण निकेतन और प्रियंका को धन्यवाद देती हैं। सिमडेगा के उज्ज्वल किसान क्लब ने प्रियंका की संस्था के सहयोग से नीबू की खेती शुरू की। इससे क्लब को अच्छी आमदनी होती है।

सरोकार की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/positive-news

सैन फ्रांसिस्को ने सहेज रखी हैं 'गदर' की निशानियां

जागरण विशेष ▶ 106 साल पहले यहीं हुई थी गदर पार्टी की स्थापना, स्मारक सुना रहा है बलिदान की दास्तां

अमेरिका में भारतीयों ने भरी थी आजादी की हुंकार

विजय गुप्ता, सैन फ्रांसिस्को से लौटकर

जिन गदरी बाबों की हुंकार से अंग्रेजों के पसीने छूट गए थे, उनकी निशानियों को सैन फ्रांसिस्को ने सहेज कर रखा है। अमेरिका में रहने वाले भारतीयों ने देश की आजादी के लिए जिस गदर पार्टी की स्थापना की थी, उसका मुख्यालय रही यहां की इमारत उनके बलिदान की दास्तां 106 साल बाद भी सुना रही है।

अमेरिका में कामगारों के रूप में आए भारतीयों को देश की आजादी की खातिर आवाज उठाने के लिए प्रेरित करने का बीड़ा अमृतसर के भाकना गांव के बाबा सोहन सिंह व अन्य ने उठाया। उन्होंने 21 अप्रैल, 1913 को कैलिफोर्निया में रह रहे पंजाबियों के साथ मिलकर गदर पार्टी की स्थापना की थी। लाला हरदयाल इसके सचिव थे। लुधियाना के सराभा गांव से इंजीनियरिंग करने आए करतार सिंह सराभा भी पढ़ाई छोड़कर गदरी बन गए और एक नवंबर, 1913 से शुरू किए गए हिंदुस्तान गदर अखबार को प्रकाशित करने में मदद करने लगे। आज भी सैन फ्रांसिस्को में गदरी बाबों की तस्वीरों के साथ-साथ गदर अखबार के कई अंक सहेज कर रखे गए हैं।

सैन फ्रांसिस्को के स्मारक में लगी तस्वीरें व दस्तावेज। जागरण

बाबा हरनाम सिंह टुंडी लाट की कृत्रिम बांह।

हिंदुस्तान गदर अखबार की प्रति। जागरण

सैन फ्रांसिस्को में गदर स्मारक। जागरण

पहले 436 हिल स्ट्रीट में था कार्यालय : 1913 में जब हिंदुस्तान गदर पार्टी की स्थापना हुई थी, उस समय उसका कार्यालय 436 हिल स्ट्रीट में होता था, जिसे युगांतर आश्रम नाम दिया गया था। उसके बाद गदर पार्टी का मुख्यालय यहां 5 वुड स्ट्रीट में आया और इसे गदर आश्रम का नाम दिया गया। भारत की आजादी के बाद इस आश्रम और उससे जुड़ी वस्तुओं को 1949 में भारतीय दूतावास को दे दिया गया। 1975 में यहां गदर मेमोरियल का उद्घाटन किया गया।

ये हैं निशानियां : आज यहां कई ऐसी निशानियां हैं, जो हर किसी को झकझोरती हैं। जैसे कि शीशे के एक बॉक्स में रखी देशभक्त बाबा हरनाम सिंह की कृत्रिम बांह उनके हौसले व जज्बे को दर्शा रही है। हरनाम सिंह की एक बांह बम बनाते समय विस्फोट से उड़ गई थी। बाबा सोहन सिंह, करतार सिंह सराभा, लाला हरदयाल के अलावा लाला लाजपत राय, गुरदित सिंह, कांशी राम, अमीर चंद, रहमत अली शाह, जगत सिंह सुरसिंह, केहर सिंह, वीजी पिंगले, जीवन सिंह के अलावा शहीद भगत सिंह, ऊधम सिंह समेत करीब बीस देशभक्तों की तस्वीरें यहां उनके संक्षिप्त जीवन परिचय के साथ अदब से संजो कर रखी गई हैं।

कम लोगों को है जानकारी : बेशक यहां भारतीय दूतावास द्वारा राष्ट्रीय पर्वों पर समारोह का आयोजन किया जाता है, लेकिन विडंबना यह है कि यह मेमोरियल गुमनामी की सी स्थिति में है। यहां बहुत कम भारतीय इसके बारे में जानते हैं। मेमोरियल की विजिटर बुक जो 1981 में शुरू की गई थी, अभी तक चल रही है। कुछ देश प्रेमी इस शहर में हैं, जो हर साल शहीदों की स्मृति में आयोजन करते हैं। नमन करते हैं गदरी बाबों को, जिन्होंने अमेरिका की धरती पर भारत की आजादी की कुछ ऐसी ललकार दी थी, जो यहां संजोई गई इन पंक्तियों से समझी जा सकती है-

कोई नामो निशां पूछे तो गदरी उससे कह देना,
वतन हिंदोस्तां अपना है, हम हिंदोस्तानी हैं।

जागरण विशेष की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/jagran-special

फिर बनेगा रिकॉर्ड, अयोध्या में जगमगाएंगे पांच लाख दीये

जागरण संवाददाता, अयोध्या

- एक ही फर्म करेगी दीये, बाती सहित अन्य सामग्री की आपूर्ति

दीपोत्सव में इस बार सामग्री के लिए आयोजकों को इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। मुख्य आयोजन स्थल सरयू तट पर स्थित राम की पैड़ी पर तकरीबन पांच लाख दीये प्रज्ज्वलित किए जाने हैं। इसमें प्रयुक्त होने वाली सामग्री की आपूर्ति एक ही फर्म करेगी, जिसमें दीया, बाती, सरसों का तेल, मोमबत्ती, माचिस सहित अन्य चीजों की आपूर्ति शामिल है।

गत 14 अक्टूबर को इस सामग्री के लिए टेंडर खुला। आपूर्ति का जिम्मा लखनऊ की एक फर्म को मिला। आपूर्तिकर्ता फर्म को दीया, बाती प्रज्ज्वलित करने के अलावा छह हजार स्वयंसेवकों की खातिरदारी का जिम्मा भी सौंपा गया है। स्वयंसेवकों को भोजन-नाश्ता व गंतव्य तक लाना एवं वापस भेजना शामिल है। दीपोत्सव में 1700 टिन सरसों का तेल प्रयुक्त होगा। गत वर्षों की तरह इस बार भी रामकी पैड़ी पर दीयों को जलाने का जिम्मा अवध विश्वविद्यालय को दिया गया है। इस बार न सिर्फ घाटों की तादाद बढ़ी है, बल्कि दीयों की संख्या भी बढ़ गई है। रामनगरी दीपोत्सव का नया रिकॉर्ड बनाने को तैयार है। इसके लिए कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित ने टीम के साथ घाटों की मार्किंग भी प्रारंभ कर दी है। दीये प्रज्ज्वलित करने के लिए लेआउट भी बनाया जा चुका है।

दीपोत्सव के तीसरे संस्करण की ड्रोन कैमरे से खींची जाएंगी तस्वीरें

दीपोत्सव का तीसरा संस्करण नया विश्व रिकॉर्ड बनाने को तैयार है। इसके लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की टीम के एक सदस्य ने राम की पैड़ी का अवलोकन भी कर लिया है। नए लुक वाली पैड़ी पर खास तरह से दीये जलाए जाएंगे, जिससे ड्रोन कैमरे में यह कैप्चर हो सकेंगे। विवि के जनसंपर्क अधिकारी आशीष मिश्र ने बताया कि संबंधित अधिकारी स्थल का जायजा ले चुके हैं।

अंतरिक्ष के गहरे रहस्यों से पर्दा हटाने में मदद करेगी 30 मीटर व्यास की दूरबीन

जागरण संवाददाता, नैनीताल

- अमेरिका के हवाई द्वीप में की जानी है स्थापित
- पांच देशों की संयुक्त परियोजना में भारत भी है शामिल

अमेरिका के हवाई द्वीप में स्थापित की जाने वाली 30 मीटर व्यास की दूरबीन (थर्टी मीटर टेलिस्कोप) के निर्माण पर नैनीताल में वैज्ञानिकों ने मंथन शुरू कर दिया है। पांच देशों की इस संयुक्त परियोजना में भारत भी शामिल है। वैज्ञानिकों ने कहा कि यह दूरबीन अंतरिक्ष के गहरे रहस्यों पर से पर्दा हटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

गुरुवार को डॉ. आरएस टोलिया उत्तराखंड प्रशासन अकादमी (एटीआइ) के ऑडिटोरियम में आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला के पहले दिन आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के पूर्व निदेशक प्रो. रामसागर ने कहा कि विज्ञान व तकनीक की दिशा में देश प्रगति की ओर निरंतर अग्रसर है, जिसके चलते 30 मीटर व्यास की दूरबीन में भारत की भागीदारी संभव हो सकी है। परियोजना से जुड़े इसरो के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. पी श्रीकुमार ने कहा कि वृहद व्यास की दूरबीन के बिना अंतरिक्ष के गूढ़ रहस्यों को नहीं समझा जा सकता। यह परियोजना अंतरिक्ष के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगी। भारतीय तारा भौतिकी संस्थान बेंगलुरु की निदेशक प्रो. अन्नपूर्णी सुब्रमण्यम ने कहा कि वर्तमान में भारत दुनिया के विभिन्न परियोजनाओं में भागीदारी कर रहा है। अब थर्टी मीटर में शामिल होने से वैज्ञानिकों का मनोबल बढ़ा है। उन्होंने कहा कि तकनीकी स्तर पर हम विकसित देशों की तुलना में अभी शुरुआती चरण में हैं, लेकिन इसमें दोराय नहीं कि अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में देश का भविष्य उज्ज्वल है।

कनाडा, जापान, अमेरिका व चीन भी शामिल हैं परियोजना में। प्रतीकात्मक

एरीज के कार्यवाहक निदेशक डॉ. वहाबउद्दीन ने जानकारी दी कि 13 हजार करोड़ की लागत से बनाई जा रही दूरबीन में भारत की हिस्सेदारी 10 फीसद की है। इसमें देश के वैज्ञानिकों को 20 प्रतिशत शोध करने का अवसर मिलेगा। परियोजना में भारत समेत कनाडा, जापान, अमेरिका व चीन शामिल हैं। परियोजना में रिसर्च व डेवलपमेंट का अधिकांश कार्य पूरा हो चुका है।

परियोजना की साझेदारी में भारत के कई महत्वपूर्ण कार्य हैं। इसमें मिरर बनाना सबसे अहम है। शुरुआती चरण में दस मिरर बनाने का कार्य निजी कंपनी एल एंड टी को सौंपा गया है। जांच के बाद ही मिरर बनाने की आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। परियोजना को 2030 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

वायु प्रदूषण से निपटने को बनाया खास यंत्र, नाम रखा 'पीएम 2.5'

जागरण संवाददाता, कोलकाता

- आइआइटी खड़गपुर के छात्र ने बनाया वायु प्रदूषण नियंत्रण यंत्र
- एक वाहन में लगाकर 10 वाहनों के प्रदूषण को कर सकता है दूर

आइआइटी खड़गपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक देवायन शाह्रा ने ऐसा यंत्र विकसित किया है जो वाहनों से होने वाले वायु प्रदूषण को नियंत्रित करता है। देवायन ने यंत्र को 'पीएम 2.5' नाम दिया है। उनका दावा है कि इसे वाहन के साइलेंसर पाइप के पास लगाने से वाहन से निकलने वाले प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सकता है।

आइआइटी खड़गपुर से मैकेनिकल इंजीनिरिंग में स्नातक देवायन के अनुसार, एक गाड़ी में यह यंत्र लगाने से 10 वाहनों से निकलने वाले प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सकता है। देवायन ने बताया कि उनका यंत्र इलेक्ट्रिक एनर्जी व वेब एनर्जी के संयोग पर आधारित है। उन्होंने बताया कि दोनों ऊर्जा संयुक्त रूप से जब क्रियान्वित होती है तो यह पीएम 2.5 जैसे प्रदूषण के कारकों में चुंबकीय शक्ति का प्रवाह करते हैं। इसकी वजह से प्रदूषण के अन्य कारक कण इनसे चिपकने लगते हैं। चिपकते-चिपकते यह एक भारी गोले में परिवर्तित हो जाते हैं और मिट्टी की तरह जमीन पर गिर जाते हैं।

एम्स के लिए वायु प्रदूषण पर शोध करने वाली टीम के सदस्य रहे देवायन ने बताया कि

सर्दी के साथ ही बढ़ने लगा है प्रदूषण। फाइल

शोध के दौरान पता चला कि आमतौर पर निरीह पीएम 2.5 जैसे कण अपने सूक्ष्म आकार के कारण घातक बन जाते हैं क्योंकि श्वसन के दौरान यह सीधे हमारे धमनियों व फेफड़ों से होते हुए हमारी रक्तकणिकाओं के साथ मिल जाते हैं। देवायन ने बताया कि 'पीएम 2.5' यंत्र के वाणिज्यिक उत्पादन के लिए कई कंपनियों से बातचीत चल रही है।

मप्र में मिला विलुप्तप्राय पेंगोलिन

नईदुनिया, नीमच

- वन विभाग की टीम ने गांधी सागर वन्य क्षेत्र में छोड़ा

मध्य प्रदेश में नीमच जिले के ग्राम बामनबर्डी में विलुप्तप्राय पेंगोलिन मिला है। वन विभाग की टीम ने उसको गांधी सागर वन्य क्षेत्र में सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया है। पेंगोलिन को पूरी तरह स्वस्थ बताया गया है। पेंगोलिन को बुधवार देर रात एक से डेढ़ बजे के बीच देखा गया। वन विभाग के एसडीओ बीपी शर्मा ने बताया कि पेंगोलिन विलुप्तप्राय वन्य जीव है। इसे सलगर के नाम से भी जाना जाता है। संभवतः पठारी क्षेत्र से निकलकर यह जीव रिहायशी क्षेत्र में आ गया। शर्मीले स्वभाव का यह जीव किसी को हानि नहीं पहुंचाता है। यह रिहायशी क्षेत्रों से दूर मैदानी और पठारी क्षेत्रों में रहता है। इसका सबसे प्रिय भोजन चींटियों को माना जाता है।

तस्करी भी बढ़ी : जानकारी के अनुसार, बालाघाट स्थित लांजी के जंगलों में महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ के शिकारी पेंगोलिन की तस्करी करते हैं। शिकार व तस्करी के मामले में अब तक 164 लोग गिरफ्तार हो चुके हैं। इसमें दो विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। मध्य प्रदेश में 10 सालों में इसकी तस्करी बढ़ी है।

चीन तक भेजा जाता है : पेंगोलिन शल्क मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा व आंध्र प्रदेश से खरीदे जाते हैं। इन्हें मिजोरम, असम व मेघालय में व्यापारियों को बेचा जाता है। यहां से म्यांमार से होते हुए इन्हें चीन भेजा जाता है। इसकी म्यांमार, हांगकांग, चीन, मलेशिया, थाइलैंड, वियतनाम आदि देशों में काफी मांग है।

नीमच में पिंजरे में कैद पेंगोलिन। नईदुनिया

इंदौर से आज विदा होंगे बब्बर शेर सावन व गगन

नईदुनिया, इंदौर: मध्य प्रदेश के इंदौर स्थित कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय (चिड़ियाघर) से शुक्रवार सुबह साढ़े चार साल के बब्बर शेर भाई सावन और गगन की विदाई हो जाएगी। इनके साथ ही 11 महीने का बाघ सिद्धार्थ भी विदा हो जाएगा। इनके साथ चिंकारा, भेड़िया और लोमड़ी को भी चंडीगढ़ भेजा जा रहा है। सभी वन्य प्राणियों को दो वाहनों से भेजा जाएगा। इनके साथ डॉक्टरों की टीम भी रहेगी। चंडीगढ़ भेजने के लिए शेर और बाघ को अलग-अलग करने का असर भी गुरुवार को चिड़ियाघर में नजर आ रहा था। पिंजरों से दहाड़ने की तेज आवाजें रह-रहकर गूंज रही थीं। एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत भेजे जा रहे वन्य प्राणियों की विदाई पर मुहर तो जुलाई में ही लग गई थी, बस बारिश बंद होने का इंतजार था। मौसम साफ होते ही वन्य प्राणियों को भेजने की तारीख तय कर दी गई थी। भेजे जा रहे दोनों बब्बर शेर इंदौर चिड़ियाघर में ही मेघा और आकाश के जोड़े से, जबकि बाघ सिद्धार्थ, जमना और बी-वन के जोड़े से जन्मे हैं। दोनों बब्बर शेर चिड़ियाघर में आने वाले दर्शकों को अपनी दहाड़ से रोमांचित करते रहे हैं।

इंदौर में गोबर और गोमूत्र से युवा बना रहे दीये और मूर्तियां

इंदौर में इकोफ्रेंडली दिवाली के लिए गोबर से बनी चीजों को दिखातीं श्वेता पालीवाल। नईदुनिया

अनिल त्रिवेदी, इंदौर

पांच दिनी दीपोत्सव के दौरान अक्सर ध्यान नहीं जाता कि त्योहार पर इस्तेमाल होने वाली चीजों को रखने के लिए बड़ी मात्रा में प्लास्टिक का इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा प्लास्टर ऑफ पेरिस से बने लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां और तरह-तरह की सामग्री भी पर्यावरण को प्रदूषित करने की वजह बनती है। इसके विकल्प के तौर पर मध्य प्रदेश के इंदौर में कुछ युवा गाय के गोबर और गोमूत्र से दीये, गणेश-लक्ष्मी, ग्वालन से लेकर ओम, श्री, स्वास्तिक, शुभ-लाभ, दीया होल्डर, अगरबत्ती स्टैंड, फोटोफ्रेम, मालाएं आदि सामग्री बना रहे हैं। इस दीपोत्सव 'नो प्लास्टिक, नो प्लास्टर ऑफ पेरिस' थीम पर शुरू की गई इस पहल में इन उत्पादों की पैकिंग भी कागज और कपड़े से की जा रही है।

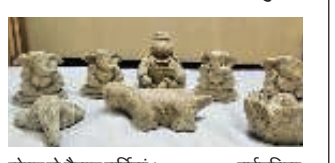

गोबर से तैयार मूर्तियां। नईदुनिया

यूट्यूब पर सीखी विधि : इस तरह के उत्पाद बना रहीं श्वेता पालीवाल ने बताया कि हमारी टीम ने यूट्यूब पर यह विधि सीखी। कई लोगों ने नागपुर के जितेंद्र भकने की मदद भी ली है। मैंने यूट्यूब पर इस विधि को सीखने के बाद अहमदाबाद में भकने की कार्यशाला में हिस्सा लिया था। श्वेता ने बताया कि इन उत्पादों को बनाने से पहले गोबर को मशीन के जरिये सुखाकर पावडर बना लेते हैं और उसके रेशे और फाइबर अलग कर देते हैं। इसके बाद इस पावउर में तय मात्रा में बाइंडर एजेंट प्रीमिक्स मिलाया जाता है। अच्छी तरह मिश्रण कर इसे अलग-अलग आकारों में ढालकर सुखा लिया जाता है। घिसाई के जरिये इनकी फिनिशिंग कर कलर किया जाता है। प्रीमिक्स मिलाने से ये गोबर न तो जलता है और न ही आसानी से टूटता है। गोबर में गोमूत्र भी मिलाया जाता है।

संस्कृति से बढ़ेगा जुड़ाव : कलांजलि आर्ट एंड म्यूजिक एकेडमी की संयोजक कमलेश कुमार कहती हैं कि गोबर की चीजें बनाकर त्योहार को बेहतर स्वरूप देने से युवाओं का अपनी संस्कृति और सभ्यता से जुड़ाव बढ़ेगा। अब तो कई वैज्ञानिक भी मानते हैं कि गोबर हमारे परिवेश के लिए अच्छा है। पहले लोग कच्चे मकानों को इसी से लीपते (जमीन पर गोबर की लेयर) थे और कई तरह की बीमारियों से बचे रहकर लंबा स्वस्थ जीवन जीते थे। श्री अहिल्यामाता गोशाला के प्रबंधक डॉ. जीडी अग्रवाल के मुताबिक, फिलहाल उनके यहां सबसे ज्यादा जोर गोबर के गमले बनाने पर दिया जा रहा है। गोमाता हमेशा से हमारी अर्थव्यवस्था की धुरी रही है। इसीलिए हम इसकी पूजा भी करते हैं। बीच में हम अपनी जड़ों से दूर हो गए थे, लेकिन समयचक्र बदला है। एक बार फिर राष्ट्र को स्वावलंबी बनाने और गायों का जीवन बचाने के लिए इस रोजगार पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इसके जरिये हम पर्यावरण सुरक्षा में भी अहम योगदान दे सकते हैं।

कुदरत के रंग

इससे पहले वर्ष 2007 में खिला था जंगलों में यह फूल, पहाड़ों पर इसे माना जाता है शुभ, जिस वर्ष यह फूल खिलता है उसको नीलकुरिंजी वर्ष भी कहते हैं

12 साल बाद पहाड़ में नीलकुरिंजी ने बिखेरी रंगत

शैलेंद्र गोदियाल, उत्तरकाशी

सीमांत उत्तरकाशी और टिहरी जिले के जंगल इन दिनों नीलकुरिंजी के फूलों से गुलजार हैं। 12 साल बाद गढ़वाल क्षेत्र के जंगलों में नीलकुरिंजी के फूलों ने अपनी रंगत बिखेरी है। कुछ कमी है तो कुदरत के इस खूबसूरत नजारे का दीदार करने वालों की। सरकारी तंत्र की उपेक्षा के कारण नीलकुरिंजी केरल की तरह उत्तराखंड में प्रसिद्धि नहीं पा सका है, जबकि पहाड़ में इस फूल को बेहद शुभ माना जाता है। जिस वर्ष यह फूल खिलता है उस वर्ष को नीलकुरिंजी वर्ष भी कहते हैं। औषधीय गुणों से भरपूर नीलकुरिंजी को उत्तरकाशी में अडगल कहा जाता है।

नीलकुरिंजी के नीले-बैंगनी रंग के फूलों ने इन दिनों धरती का शृंगार किया हुआ है। उत्तरकाशी वन प्रभाग, अपर यमुना वन प्रभाग व टौंस वन प्रभाग के अलावा टिहरी वन प्रभाग के जंगलों में सड़कों के किनारे से लेकर दूर जंगलों तक नीलकुरिंजी अपनी आभा बिखेर रहा है। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय उत्तरकाशी के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर महेंद्र पाल परमार बताते हैं कि नीलकुरिंजी स्ट्रॉबिलेंथस की एक किस्म है। भारत में इसकी काफी प्रजातियां मौजूद हैं। यह फूल बारह साल के अंतराल में खिलता है, इसलिए इसे दुर्लभ फूलों में शुमार किया गया है। प्रो. परमार के अनुसार, उत्तराखंड के पहाड़ों में समुद्रतल से 1100 से 1500 मीटर तक की ऊंचाई पर पाए जाने वाले नीलकुरिंजी के खिलने का समय अगस्त से नवंबर की बीच है। इसके फूल से लेकर पत्तों तक में कई औषधीय गुण हैं। मई-जून में जब जंगलों चारा-पत्ती खत्म हो जाती है, तब यह पशुओं के लिए चारे का काम भी करता है।

उत्तरकाशी वन प्रभाग के डुंडा रेंज के सिंगोठ के जंगलों में खिले नीलकुरिंजी के फूल। जागरण

गंगा विचार मंच के प्रदेश संयोजक लोकेंद्र सिंह बिष्ट बताते हैं कि वह अपने जीवन में तीन बार नीलकुरिंजी खिलने के गवाह बने हैं। पहली बार तब, जब पिता ने वर्ष 1995 में उन्हें इस फूल के बारे में जानकारी दी थी कि यह 12 सालों में एक बार खिलता है। फिर यह फूल वर्ष 2007 में खिला और अब इस साल खिला है। वह कहते हैं कि इस फूल के खिलने का सरकार ने न तो कोई प्रचार-प्रसार किया और न सरकार के पास इसके संरक्षण की ही कोई योजना है। लोकेंद्र बताते हैं कि केरल में यह फूल वर्ष 2018 में खिला था। तब वहां की सरकार ने इसका खूब प्रचार-प्रसार किया। नतीजा यह रहा था कि करीब आठ लाख पर्यटक इसके दीदार को केरल पहुंचे थे।

पीएम ने भी किया था इसका जिक्र : वर्ष 2018 में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी नीलकुरिंजी के फूल का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि महाकुंभ मेला 12 साल में लगने की बात तो हम सब जानते हैं, लेकिन यह नहीं जानते कि नीलकुरिंजी का फूल भी 12 साल में एक बार ही खिलता है। वर्ष 2018 में केरल की पहाड़ियों पर नीलकुरिंजी के फूल खिले थे। केरल में जिन पहाड़ियों पर नीलकुरिंजी के फूल खिलते हैं, उन्हें नीलगिरी की पहाड़ियों के नाम से जाना जाता है। इन फूलों का संरक्षण वर्ष 2006 में बनाई गई कुरिंजिमाला फ्लावर सेंक्चुरी के तहत होता है।

दैनिक जागरण

सबरंग

प्लान वीकेंड के

नई दिल्ली, शुक्रवार, 18 अक्टूबर, 2019

सुझाव व प्रतिक्रिया के लिए लिखें :sabrang@nda.jagran.com

https://www.facebook.com/jagransabrang/

महोत्सव तो कथाओं का था...बड़े-बड़े कलाकार यादों की पोटली बटोर कर लाए थे। मंच पर आसीन थे...दर्शक की वाहवाही लूट रहे थे। इन कथाओं में इतिहास था, कला...संस्कृति..रीति...परंपरा...और शहर सब था। कोई बंदिश नहीं थी। चूंकि कलाकार देश ही नहीं, विदेश से भी यहां पहुंचे थे...। दिल्ली के लिए कुछ और भी था जो खास था और वह था मनोज वाजपेयी और इम्तियाज अली जैसे सिने कलाकारों से एक अनोखी दिलकश दिल्ली की कथा को सुनना। उनके दिल की परतों में सिमटे इस शहर को उन्हीं की बोली किस्से कहानियों में सुनना...सबरंग के इस अंक में इन्हीं दोनों कलाकारों की दिल्ली से रूबरू करा रहे हैं **संजीव कुमार मिश्र** :

निजामुद्दीन स्थित सुंदर नर्सरी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कथा महोत्सव में रोचक किस्से सुन आनंदित होते दर्शक जागरण

पत्थरों की खामोशी को पत्थर ही सुनता है

रूबरू

दिल्ली रिश्ते बुनती है। जितनी पुरानी सी इसकी इमारत दिखे वही यादों की नींव पर खड़ी दिखती है। आपको सिर्फ उसकी परतों को छूकर उसमें बसी यादों को सुनने की जरूरत है। सीमेंट के पिलर पर खड़ी धड़कनें बहुत से नगमे सुना जाएंगी। यादों की पेशगी कर जाएंगी। मंच से जब अभिनेता मनोज बाजपेयी और फिल्म निर्देशक इम्तियाज अली एक के बाद एक ऐसे ही किस्सों से दिल्ली की रगों में प्रवेश कर उसके करीब पहुंच रहे थे...दर्शकों के भाव...यह अभिव्यक्त करने के लिए काफी थे कि सचमुच दोनों कलाकार उन्हीं के बीच थे। उन्हीं जैसों के बीच से थे।

वैसे भी यह आयोजन जिस मंच पर हो रहा था वह भी बेहद खास था..चूंकि दिल्ली की जिन गलियों पर जौक का दिल आया, उसी दिल्ली की एक गली से होकर सुंदर नर्सरी पहुंचे थे। यहीं 12वें अंतरराष्ट्रीय कथाकार महोत्सव का आयोजन हो रहा था। ।

...एक झूठ ले आया दिल्ली : सपनों की कोई उम्र नहीं होती न तो देखने की और न ही पूरा करने की। इनके पांव भी नहीं दिखते लेकिन अपनी ही धुन में चलकर पता नहीं कहां-कहां पहुंच जाते हैं। मनोज बाजपेयी के साथ भी यही हुआ। वे रह भले बिहार के चंपारण में थे, लेकिन वहीं बैठे 13 साल की उम्र में ही दिल्ली आने की प्लानिंग तक बना बैठे थे। लेकिन इसे अपने सीने में दबाकर रखा था।

कहते हैं कि अगर मैं सच बोलकर दिल्ली आता तो घर के सभी सदस्यों का दिल टूट जाता। मैं बड़ा बेटा था। मेरी कोशिश थी कि किसी तरह बस घर से निकल लूं। क्योंकि बताने की हिम्मत नहीं थी, सामाजिक, आर्थिक दबाव थे। पिता चाहते थे कि मैं डॉक्टर बनूं। उस दौर में बड़ा बेटा वही करता था जो पिता चाहते थे। यदि करियर में कुछ नहीं करना था तो घर की जमीन संभालो। ताकि बाकि भाइयों एवं बहनों का करियर उज्ज्वल हो सके। बड़े बेटे की जिम्मेदारी होती थी कि वो बाप का रोल निभाए। मैं यह रोल निभाने को तैयार नहीं था। अब परिवार वालों को कौन समझाता कि मुझे तो फिल्मी रोल निभाने थे। लिहाजा, मैंने पिता से बोला कि डॉक्टर नहीं बन पाउंगा लेकिन कलक्टर बन जाउंगा। सो, यूपीएससी की तैयारी के बहाने दिल्ली आ गया।

जब एनएसडी में तीन बार रिजेक्ट हुआ : अब दिल्ली तो आ गया। यूपीएससी तो बहाना था एनएसडी ही तो आना था। अब राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में दाखिला भी इतना आसान काम नहीं था। मैं एक-दो बार नहीं तीन बार रिजेक्ट हुआ लेकिन अपनी जिद और सपने के आगे क्या करता। जैसे-जैसे रिजेक्शन बढ़ा वैसे-वैसे मेरी मेहनत बढ़ी। वर्कशाप में हिस्सा लेता। नाटक करता। दाखिले के चक्कर में तीन साल तक बाहर ही ट्रेनिंग हो गई। जब चौथे साल एनएसडी में दाखिले के लिए पहुंचा तो कहा गया कि आप दाखिला क्यों ले रहे हैं आप तो पढ़ाने आइए। पैनल में जो लोग थे वे सभी नाटक आदि में साथ ही काम करते थे। संघर्ष के दिनों में दिल्ली की गलियां खूब भाईं। दरअसल इन गलियों में मैं खुद की तलाश करता था। दिल्ली को जानने समझने का मेरे लिए यह स्वर्णिम दौर रहा था। इस संघर्ष और हार के बीच सबसे कुछ खास था तो ये दो पंक्तियां भी थीं ...याचना नहीं अब रण होगा, संग्राम बड़ा भीषण होगा...ये मुझे कहीं झुकने नहीं देती थीं। प्रेरित करती थीं। दिल्ली आने के साथ एक बात जो मुझे समझ में आई कि सफल होने के लिए अंग्रेजी आनी जरूरी है। फिर मैंने बढ़िया से अंग्रेजी भी सीखी। लेकिन इसे सिर्फ एक स्किल के तौर पर सीखा। मुझे हिंदी से अटूट लगाव है। मैं चाहता हूं कि मेरी बेटी भी हिंदी बोले। वो अभी सिर्फ अंग्रेजी में बात करती है।

...चांदनी चौक में रिश्तों की चांदनी : अब भले पुरानी दिल्ली की चारदीवारी की ईंटे नहीं दिखतीं। इसकी वजह भी है। दरअसल, हमें इतिहास की कद्र नहीं रही। हमें पुश्तैनी मकान की कद्र भी एक खास समय तक ही रही...वो भी तभी तक जब तक हमे मेरा हिस्से...मेरी जमीन जैसे भाव का भान नहीं था। जब हुआ तो भाई-भाई और बहन-भाई के बीच ही दीवार खड़ी हो गई। चांदनी चौक की बात दूसरी है।

यहां मैंने दो तीन फिल्मों की शूटिंग की। इस दौरान किसी के घर में नाश्ता करने जाता तो किसी के यहां खाना खाने। पता चला कि एक ही घर के अंदर ही अंदर कई टुकड़े हो चुके हैं। अंदर कई परिवार एक दूसरे से जुड़े हुए रहते हैं। एक समय सबके पूर्वज एक ही थे। परिवार बढ़ता तो गया लेकिन अंदर से घर बंटता चला गया। किसी परिवार के पास वेस्टर्न टॉयलेट है किसी के पास इंडियन। किसी के पास 25 साल पुराना फ्रिज है तो किसी के पास नया वाला आ चुका है। यहां एक छत के नीचे अलग अलग संस्कृति, रीति और परंपरा है। पूरी एक सभ्यता है चांदनी चौक में। जो बढ़ते परिवार के साथ खत्म होती जा रही है। दीवारें ढह चुकी हैं, लेकिन लोग फिर भी इसे पकड़ हुए हैं। रह रहें हैं। इसे देखना अच्छा भी लगता है और दुखदायी भी।

मेरी दिल्ली का टशन कभी न होगा कम

इम्तियाज अली को यह शहर शानदार लगता है। उनके मुताबिक ट्रैफिक पहले से बेहतर हो गया है। लोग भले थोड़े रूड हुए हैं, लेकिन ऐसा होना भी चाहिए। वे कहते हैं दिल्ली का भी तो अपना टशन है। मैं दिल्ली वाला हूं। अक्सर शूटिंग के सिलसिले में जब दिल्ली आता हूं तो शूटिंग क्रू रास्ता समझाते हैं। वो कई बार कहते हैं कि हुमायूं का मकबरा, निजामुद्दीन...और ऐसे...ऐसे आना। इस पर मैं कहता हूं कि मुझे ना बताएं। मैं सभी रास्ते जानता हूं। लेकिन जैसे ही घर से बाहर निकलता हूं। चार फ्लाईओवर नए मिल जाते हैं। जिस पुरानी बिल्डिंग के दम पर मैं रास्ता पहचानता था। वो कहीं गुम हो चुकी हैं। मेरा इगो बहुत हर्ट होता है लेकिन अंत में मुझे जीपीएस चालू करना ही पड़ता है।

पुरानी और नई का मिश्रण

दिल्ली में शूटिंग करते हुए मजा आता है। अब जैसे सुंदर नर्सरी का ही ले लीजिए। यहां एक ही फ्रेम में निजामुद्दीन, ओबराय होटल, फ्लाईओवर से लेकर हुमायूं का मकबरा तक आ जाते हैं। यही तो इसकी खासियत है। यहां पूरा भारत दिखता व बसता है। इस शहर को तस्वीरों में...प्रस्तुत किया जा सकता है जिन्हें फिर कुछ बोलने कहने की जरूरत नहीं होती उन्हें देख लेने भर से सब जीवंत हो जाता है। ऐसी खासियत बहुत कम शहरों की होती है।

ऑटो से सफर पसंद

दिल्ली में ऑटो से सफर करना पसंद है। ऑटो वाले बहुत दमदार कहानियां सुनाते हैं। मैं उन्हें अपनी फिल्मों की कहानी बताकर या फिर किसी दोस्त की कहानी बताकर सुनाता हूं। मसलन मैंने रॉकस्टार की कहानी सुनाई...कहा एक लड़का है जिसे लगता है कि जब तक दिल ना टूटे सफल नहीं हो सकता। ऑटो वाला बोला बड़ा बेवकूफ था लड़का। लोगों का रिएक्शन समझ हम अपनी कहानी को और धार दे सकते हैं।

लाल किले से बात करते होंगे दरवाजे

मनोज बाजपेयी कहते हैं कि दिल्ली तो मेरा घर है। यहां चीजें बहुत आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं। ये कमाल का शहर है। हर इलाका अपने आप में छोटा सा गांव है। सिर्फ दिल्ली-दिल्ली की बात करें। दरियागंज की तरफ जाएं तो दरवाजा मिलता है। दिल्ली गेट। इस गेट से होकर लोग गुजरते हैं। लेकिन कोई पूछता नहीं कि आखिर यह गेट क्यों है। क्या है? दरवाजे ठीक अपनी जगह पर सदियों से खड़े हैं। इन्होंने पूरी सभ्यता को बदलते देखा है। दरवाजों को किसी ने तोड़ा नहीं, शायद यह सोचकर कि पुरानी यादों को बचा लिया जाए। इतिहास बचा रहे। उन दरवाजों के आसपास सलाखें लगा दी गईं। लेकिन बाहर चीजें बदलती चली गईं। अब तो आलम यह है कि दरवाजा बच जाए, यही बहुत बड़ी बात है। क्योंकि ट्रैफिक के लिए ये व्यवधान बन रहे हैं। मुझे डर है कि कहीं इन्हें तोड़ ना दिया जाए। कभी कभी सोचता हूं कि इन्हें लेकर जो डर मुझे सता रहा है वह उन्हें भी तो सताता होगा। डरे सहमे दरवाजे एक दूसरे से बात करते होंगे। मुझे यकीन है। क्योंकि एक पत्थर का दरवाजा, दूसरे पत्थर के दरवाजे की खामोशी और उसकी बातचीत को सुन सकता है। वो कहता होगा :

अबे तू बचा है
मैंने तो सुना है कि तोड़ने वाले हैं।
दूसरा...अरे नहीं, मैंने तो सुना है कि दूसरी पार्टी वाले आ गए हैं।
यहीं रहेगा तू
अच्छ ऐसा है
फिर तो ठीक है
इन दोनों दरवाजों की बात लाल किले तक भी पहुंचती होगी। वो चिल्लाकर कहता होगा...
भाई चिंता ना कर
हम यहीं हैं।
हम लाल किले को हर साल खास मौकों पर सजाते हैं लेकिन दरवाजों को भूल जाते हैं।

इस बार यहां चलें

बिग-बी

नाटक दो छात्रों पर आधारित है। इसमें एक छात्र को किताबी ज्ञान ज्यादा होता है, जबकि दूसरे को दुनियादारी की समझ ज्यादा है। दोनों टूटी फूटी इंग्लिश में बात करते हैं। दोनों एक दूसरे को बड़प्पन की धौंस दिखाते हैं। नाटक में दोनों की अंग्रेजी सुन लोटपोट हो जाएंगे।

- **कहां** : सिली सोल स्टूडियो, सिविल लाइंस, नई दिल्ली।
- **कब** : 18 अक्टूबर, शाम साढ़े छह बजे।
- **प्रवेश** : ऑनलाइन बुकिंग द्वारा। 100 से 1000 रुपये तक टिकट।

मोसंबी नारंगी की वेदना

बनारस के एक गांव के दिन अचानक बहुर जाते हैं, जब एक हालीवुड डायरेक्टर अपनी पूरी टीम के साथ शूटिंग करने पहुंचते हैं। मोसंबी और नारंगी को फिल्म में अतिरिक्त कलाकार के रूप में चुना गया है। नारंगी अपनी स्क्रिप्ट को लेकर आकांक्षाएं पाले हुए है तो मोसंबी हीरोइन की सुंदरता पर मंत्रमुग्ध है।

- **कहां** : कमानी ऑडिटोरियम, मंडी हाउस, नई दिल्ली।
- **कब** : 2 एवं 3 नवंबर, शाम चार एवं सात बजे।
- **प्रवेश** : ऑनलाइन बुकिंग द्वारा।

सुर तरंग की महफिल

गायन प्रतिभा को तलाशने वाले आयोजनों में शुमार सुर तरंग की महफिल सजने वाली है। 19 अक्टूबर को सेक्टर 62 स्थित श्रीअरविंदो भवन में सुबह आठ बजे से ऑडिशन शुरू होगा। 20 अक्टूबर को नीलगिरी हिल्स पब्लिक स्कूल में शाम पांच बजे से फाइनल होगा। आप भी ऑडिशन देना चाहते हैं तो बेहतरीन मौका है।

- **कहां** : नीलगिरी हिल्स पब्लिक स्कूल, सेक्टर 50, नोएडा। • **कब** : 20 अक्टूबर, शाम पांच बजे। • **प्रवेश** : आमंत्रण द्वारा।

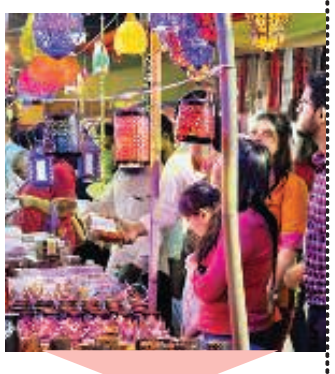

दीवाली कार्निवल

दिल्ली पर्यटन विभाग द्वारा दीवाली मेले का आयोजन किया जा रहा है, जहां दीवाली से संबंधित सभी साजो-सामान, मिट्टी व फूलों वाले सुगंधित दिये, आकर्षक मोमबत्तियां, झालर, वंदनवार आदि आकर्षक का केंद्र बने हुए हैं। मैजिक शो, सांस्कृतिक प्रदर्शनी, हस्तशिल्प व हस्तकरघा के साथ लजीज व्यंजन भी है।

- **कहां** : दिल्ली हाट-पीतमपुरा।
- **कब** : 18-20 अक्टूबर, सुबह दस से रात दस बजे तक। • **प्रवेश** : निशुल्क।

रिश्तों के तानेबाने की दास्तां

नाट्य उत्सव

एक नव विवाहित जोड़ा...एक दूसरे का ख्याल रखते हैं, अपनी तमाम जिम्मेदारियां निभाते हैं। समय गुजरता जाता है और देखते ही देखते उम्र के ढलाव पर पहुंच जाते हैं और तब पति को महसूस होता है कि उन्होंने अपनी जिंदगी से तो कभी प्यार किया ही नहीं। अब तक जो भी रिश्ता निभाया एक जिम्मेदारी समझकर निभाया। छठवें भरतमुनि रंग उत्सव का रविवार से आगाज होने जा रहा है। साहित्य कला परिषद द्वारा आयोजित इन दो दिवसीय उत्सव में आठ नाटकों का मंचन होगा। रंग मंच पर इन नाटकों के जरिये रिश्तों के तानेबाने को इसी अंदाज में देख और जान पाएंगे।

कालांतर और आधुनिक महिलाओं में समानता : पहले दिन, कलाकार अपनी प्रस्तुति से दर्शकों को कुछ सामाजिक संदेश देंगे। अपर्णा कालांतर नामक अपनी प्रस्तुति के माध्यम से भारतीय समाज में महिलाओं के साथ हो रहे व्यवहार को दर्शकों के सम्मुख पेश करेंगी। वे विभिन्न महिला पात्रों को जीवंत करेंगी। आधुनिक युग की महिलाओं और महाभारत की द्रौपदी और गांधारी के बीच क्या कुछ समानताएं हैं उसे दिखाएंगी। इस प्रस्तुति के बाद सुशील शर्मा जहर नाटक प्रस्तुत करेंगे, जिसे पंकज सोनी ने लिखा है। इस नाटक की कहानी आधुनिक युग के एक पति-पत्नी और उनके रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है, जो समय के साथ विभिन्न संघर्षों का सामना करते हैं। शाम के समय चंद्रा शेखर शर्मा 'प्रेम परिंदे' नाटक प्रस्तुत करेंगे। उनके द्वारा लिखित और निर्देशित यह नाटक 21 वीं सदी के प्रेमी जोड़े की कहानी है, जो कई परिस्थितियों से गुजरते हैं। यह परिस्थितियां उन्हें प्यार के विभिन्न पहलुओं के बारे में सोचने को मजबूर करती हैं। दिन की आखरी प्रस्तुति हिम्मत सिंह नेगी द्वारा दूकनी के साथ समाप्त होगी।

रोजमर्रा की जिंदगी से नदारद प्रेम : इंसान अपनी जिंदगी में तमाम जिम्मेदारियां निभाता है। लेकिन भागदौड़ और आपाधापी के बीच प्यार जैसे शब्द उसकी जिंदगी से किस कदर गायब हो जाते हैं वशिष्ठ उपाध्याय की 'आओ तनिक प्रेम करें' को देखकर महसूस कर पाएंगे। दूसरे दिन आयोजित यह नाटक सभी के जीवन में प्यार के महत्व को दर्शाती है। नाटक एक विवाहित जोड़े के बारे में है, जो प्रत्येक कार्य को अपनी जिम्मेदारी के रूप में लेते हैं, यहां तक कि अपने रिश्ते को भी एक जिम्मेदारी मानते हैं। 60 वर्ष की आयु में पति को पता चलता है कि उसने कभी अपनी जिंदगी से प्यार नहीं किया। इसके बाद वह क्या करता है? यह नाटक देखकर जानना दिलचस्प होगा। सतप्रकाश मंच पर रामायण का मंचन करते दिखाई देंगे। वहीं प्रसून नारायण के नाटक वैष्णव की फिसलन का मंचन भी होगा।

पुनर्व्याख्या की सर्वोत्कृष्ट कला

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि नाटक पुनर्व्याख्या की सर्वोत्कृष्ट कला है और इसे पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। मुझे यह देखकर खुशी हुई कि हमारे पास कई प्रतिभाशाली कलाकार हैं, जो नाटकीय प्रस्तुतियों को बढ़ावा देने के लिए इतने बड़े मंच पर एक साथ आ रहे हैं। यह एक सांस्कृतिक कार्यक्रम है, जिसे दिल्ली के दर्शकों को आकर जरूर देखना चाहिए।

- **आयोजन** : 6वां भरत मुनि रंग उत्सव
- **कहां** : एलटीजी सभागार, कापरनिकस मार्ग, मंडी हाउस।
- **कब** : 21-22 अक्टूबर, शाम छह बजे से।
- **प्रवेश** : निशुल्क।

यह नाटक समाज में व्याप्त धार्मिक पाखंड को दिखाता है। दो दिवसीय इस उत्सव का समापन विजय सिंह के नाटक शहीदसाज के साथ होगा। यह नाटक एक व्यापारी के बारे में है जो विभाजन के बाद लाभ कमाने के लिए पाकिस्तान में बस जाता है। वहां पहुंचने पर वह दो नंबर तरीकों से खूब पैसे कमाता है, लेकिन उसे शांति नहीं मिलती है। यहां से उसकी शांति की तलाश शुरू होती है।

-संजीव कुमार मिश्र

हवा से करें बातें... जायकों का लें स्वाद

जायका

धरती से 160 फीट की ऊंचाई...खुला आसमान, संगीत की मधुर ध्वनि के बीच टेबल पर लजीज जायके। जमीन और आसमान के बीच के फर्क को देख एक पल को दिल धड़कता तो है, लेकिन रंगीन रोशनी की चमक के बीच एडवेंचर के एहसास में सारे डर एक पल में गायब हो जाते हैं। फ्लाई डाइनिंग का यह खूबसूरत एहसास नोएडा के सेक्टर-38 स्थित गार्डन गैलेरिया मॉल में ले सकते हैं। यह एनसीआर का पहला स्काई डाइनिंग रेस्त्रां है जो हाल ही में शुरू हुआ है। यहां डिनर करते समय आप नोएडा के खूबसूरत एरियल व्यू का भी दीदार कर सकेंगे। एडवेंचर पसंद करने वाले लोगों के लिए इतनी ऊंचाई पर जाकर भोजन करना किसी सपने पूरा करने जैसा है।

13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए नो एंट्री : रेस्त्रां की ऊंचाई को देखते हुए 13 साल या उसे कम उम्र के बच्चों और गर्भवतियों का जाना वर्जित है। इस फ्लाई डाइनिंग रेस्त्रां में 160 फीट ऊपर बिना किसी आधार के एक बड़े से डिनर टेबल पर 24 लोग एक साथ डिनर कर सकते हैं। यह देश का दूसरा हैंगिंग रेस्त्रां है। क्रेन से बांधकर रेस्त्रां को हवा में लटका दिया गया है।

आसमान में खाने का मजा : रेस्त्रां की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहां आप अपनी सीट पर बैठकर 360 डिग्री का नजारा आसानी से देख सकेंगे। सीट को जिस तरह चाहें घुमा सकते हैं। वह भी बिना किसी डर और पूरी सुरक्षा के साथ। इससे बड़ा एडवेंचर और क्या हो सकता है। इतना ही नहीं आपको खाने के लिए स्वयं जाने की आवश्यकता भी नहीं है। खाना परोसने के लिए वेटर के साथ शेफ खुद मौजूद रहते हैं। रेस्त्रां संचालक निखिल ने बताया कि फ्लाई डाइनिंग जर्मन मानक डीआइएन 4112 के अनुसार डिजाइन किया गया है। जर्मन इंजीनियरिंग सेफ्टी के अनुसार इंजीनियरों की टीम द्वारा सीट बेल्ट से लेकर इस्तेमाल किए गए क्रेन के प्रकार तक के बारे में छानबीन की गई है। अगर आप हेल्दी हैं तो भी चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि 150 किलो वजन वाले व्यक्ति भी इस रेस्त्रां में जा सकते हैं।

सुरक्षा के लिए क्रेन ऑपरेटर भी : रेस्त्रां में प्रवेश करने से पहले लोगों को सुरक्षा नियमों की पूरी जानकारी दी जाती है। डिनर के पहले सेफ्टी बेल्ट भी दी जाती है ताकि आप बेफिक्र होकर लजीज व्यंजनों का आनंद ले सकें। ग्राहकों की सुरक्षा के लिए क्रेन ऑपरेटर और ग्राउंड क्रू लगातार संपर्क में रहते हैं ताकि ऑपरेशन के दौरान उसके पास स्थिति की पूरी जानकारी हो। डेक के ऊपर छत भी है इसलिए बारिश के मौसम में भी बेहिचक रेस्त्रां में खाने का सुस्वाद ले सकते हैं।

साउथ एशियन खाने का आनंद : हाल ही में शुरू हुए इस रेस्त्रां ने अपनी खास डिशेज और लाजवाब सर्विस की वजह से बहुत कम समय में ही लोगों के दिलों में जगह बना ली है। इसकी लोकप्रियता ही है कि विदेशी पर्यटक भी यहां नजर आते हैं। अगर आप साउथ एशियन डिश पसंद करते हैं तो यह रेस्त्रां आपके लिए बिल्कुल उपयुक्त है। बर्ड नेस्ट इन एयर, पोपीय ऑन द स्काई, हाउस मेड बनाना बूंदा सहित कई ऐसी डिशेज हैं, जिनका आनंद आप खुले आसमान में लें सकते है। अगर पनीर के शौकीन हैं और कुछ नया सुस्वाद लेना चाहते हैं तो यहां बेक्ड रुमाली पनीर पिनव्हील का स्वाद ले सकते हैं।

सेक्टर-38 स्थित गार्डन गैलेरिया मॉल में स्काई डाइनिंग रेस्त्रां।

ऑनलाइन कर सकते हैं बुकिंग

स्काई डाइनिंग का लुत्फ उठाने के लिए सीधे मैनेजमेंट को कॉल कर या फिर ऑनलाइन बुकिंग भी कर सकते हैं।

खुलने का समय

शाम 6 बजे से लेकर रात 12 बजे तक आप यहां खाने का आनंद ले सकते हैं। वीकेंड व वीक डेज के लिए अलग-अलग शुल्क हैं। वीकेंड पर 2999 रुपये प्रति व्यक्ति और वीक डेज पर 2499 रुपये प्रति व्यक्ति है।

खूबसूरत एरियल व्यू के साथ खाने का आनंद लेते लोग। सभी फोटो : अभिनव

घर पर भी बना सकते हैं बेक्ड पनीर पिनव्हील : बेक्ड रुमाली पनीर पिनव्हील बनाने के लिए पनीर, पुदीने की चटनी, पाइन नट्स, धनिया, हरी मिर्च, दही, अंजीर, नींबू का रस, गरम मसाला और चीज की जरूरत होती है। पनीर के रोल बनाकर उन्हें बेक किया जाता है। फिर उसे लंबे पीस में काटकर इस पर मिंट की चटनी और पाइन नट्स डालें। हर पीस का रोल बनाकर अलग रख दें। इसके बाद दही, अदरक और लहसुन पेस्ट, नमक और गर्म मसाले को एक साथ मिलाएं। इस मिक्सचर को पनीर के रोल में भरकर आधे घंटे के लिए रखकर छोड़ दें। अब इसे ओवन में हल्का भूरा रंग होने तक बेक कर लें। इसके बाद पिनव्हील में लगा लें और सर्व करें।

-पारुल रांझा

प्राकृतिक कला प्रदर्शनी

सादगी और संजीदगी से भरी सुरेश डेग्लोर्कर की ये प्रदर्शनी आपके दिल में उतर जाएंगी। वाटर कलर के जरिये रोजमर्रा की जिंदगी को कैनवस पर उकेरा गया है। सभी कलाकृतियों में रंगों का अद्भुत संयोजन देख आंखों को सुकून मिलता है।

- **कहां** : ऑल इंडिया फाइन आर्ट एवं क्राफ्ट सोसायटी, नई दिल्ली।
- **कब** : 18 से 24 अक्टूबर, सुबह दस से शाम सात बजे तक।
- **प्रवेश** : निशुल्क।

मीनार की बिरयानी

जायके की विविधता के लिए जाना जाने वाला यह रेस्त्रां अपने लजीज जायकों की वजह से ग्राहकों की पसंदीदा है। यहां बटर चिकन, दाल मखनी, चिकन पकौड़ा, चिकन करी, बटर नान, बिरयानी आदि का बेमिसाल स्वाद लेने के लिए दिल्ली ही नहीं, एनसीआर से भी लोग आते हैं।

- **कहां** : एल-11, आउटर सर्किल, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली। • **कब** : दोपहर 12 .30 से रात साढ़े ग्यारह बजे तक।
- **शुल्क** : प्रति दो व्यक्ति 1500 रुपये।

ओह माइ गोपाला

पनीर टिक्का, थाली, तंदूरी, रायता, दाल मखनी, लच्छा पराठा, नान हो या फिर गोलगप्पे ओह माइ गोपाल की बात ही निराली है। ऐसा उम्दा स्वाद की एक बार चखने के बाद बार-बार आने का मन करेगा। वीकेंड में सुकून के साथ इन जायकों का सुस्वाद लेने आ सकते हैं।

- **कहां** : जी-9, कनॉट प्लेस, आउटर सर्किल, नई दिल्ली। • **कब** : दोपहर 12 से रात 11 बजे तक। • **शुल्क** : 1000 रुपये प्रति दो व्यक्ति।

चार से 10 नवंबर तक पोर्ट नहीं करा सकेंगे मोबाइल नंबर

नई दिल्ली, प्रेट्र : देश में चार से 10 नवंबर तक मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) की सुविधा का लाभ नहीं लिया जा सकेगा। 11 नवंबर से इस संबंध में नए नियम प्रभावी हो जाएंगे। टेलीकॉम नियामक ट्राई ने गुरुवार को यह जानकारी दी। अभी इस प्रक्रिया में सात दिन का समय लगता है। ट्राई ने इस व्यवस्था में बदलाव का एलान किया है। नई व्यवस्था के तहत एक ही सर्किल में एमएनपी की प्रक्रिया दो कार्यदिवस में पूरी कर दी जाएगी। वहीं, सर्किल बदलने की स्थिति में इसमें पांच दिन का समय लगेगा।

बीएसएनएल का रणनीतिक महत्व है। किसी भी आपदा की स्थिति में संचार सेवाओं के लिए यही कंपनी काम आती है। सरकार इसके मुद्दे सुलझाने पर काम कर रही है।
— रवि शंकर प्रसाद
संचार मंत्री

सेंसेक्स	निफ्टी	सोना (प्रति दस ग्राम)	चांदी (प्रति किलोग्राम)	डॉलर	क्रूड (ब्रेंट) (प्रति बैरल)
39,052.06	11,586.35	₹ 38,985	₹ 46,809	₹ 71.16	$ 58.76
▲ 453.07	▲ 122.35	▼ ₹105	▲ ₹509	▼ ₹0.27	

कोशिश ▶ अमेरिका में वित्त मंत्री ने ग्लोबल निवेशकों के सामने पेश किया सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का खाका

भारत से बेहतर निवेश बाजार नहीं : सीतारमण

कहा – लोकतंत्र से प्यार और पूंजीपतियों का सम्मान करने वाला कोई भी और बाजार उपलब्ध नहीं

वाशिंगटन, प्रेट्र : सरकार ने अमेरिका से दुनियाभर के निवेशकों को भरोसा दिलाया है कि निवेश के लिए इस वक्त भारत से बेहतर कोई बाजार नहीं है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि निवेशक भारत के अलावा ऐसा कोई बाजार नहीं खोज सकते जहां एक साथ लोकतंत्र से प्यार और पूंजीपतियों के सम्मान का वातावरण हो। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) के मुख्यालय से दुनियाभर के निवेशकों को आश्वस्त किया कि सरकार और सुधार की राह पर अग्रसर है।

सीतारमण फेडरेशन ऑफ इंडियन चेंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री तथा यूएस इंडिया स्ट्रैटजिक एंड पार्टनरशिप फोरम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने उद्योग जगत को यह संदेश देना चाहा कि नीति निर्माण के क्षेत्र में देश पूरी तरह पारदर्शी है। उनके संदेश में यह भी साफ था कि भारत अपने केंद्रीय बैंक आरबीआइ के साथ मिलकर बैंकिंग क्षेत्र में सुधार की योजनाओं पर लगातार काम कर रहा है, बाजार में पूंजी की उपलब्धता सुनिश्चित कर रहा है, निजी निवेश वापस लाने की कोशिशों में जुटा है और आर्थिक सुधारों को गहराई दे रहा है।

आइएमएफ मुख्यालय में निवेशकों से चर्चा करतीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण। प्रेट्र

सीतारमण ने कहा, 'भारत आज भी दुनिया की सबसे तेज गति से विकास करती अर्थव्यवस्था है। इसके पास प्रशिक्षित मानव संसाधन हैं और ऐसी सरकार है जो सुधारों के लिए जरूरी हरसंभव कदम उठाने में यकीन रखती है।' यह पूछे जाने पर कि निवेशकों को भारत में निवेश क्यों करना चाहिए, सीतारमण का कहना था कि कानूनी प्रक्रिया में कुछ ज्यादा वक्त लेने के बावजूद भारत पारदर्शी और खुले समाज का पक्षधर है।

कार्यक्रम के दौरान इंश्योरेंस सेक्टर के निवेशकों ने वित्त मंत्री से इस सेक्टर में निवेश की सीमा खत्म करने की मांग की। इस पर सीतारमण ने कहा कि निवेश सीमा खत्म करने के इतर भी सरकार के सामने इस सेक्टर की अपेक्षाओं को समझने की जरूरत है। वित्त मंत्री ने कहा कि निवेशक इस बारे में विस्तृत जानकारियां उनके साथ साझा कर सकते हैं। हालांकि इस बारे में उन्होंने निवेशकों को काई आश्वासन नहीं दिया, लेकिन कहा कि इस मुद्दे पर काम किया जाएगा।

भारतीय अर्थव्यवस्था में सुस्ती के बारे में वित्त मंत्री का कहना था कि सरकार संकटग्रस्त सेक्टरों की चिंता दूर करने के लिए सभी जरूरी कदम उठा रही है। उन्होंने कहा, 'इस वर्ष जुलाई में पूर्ण बजट पेश पेश हुआ। उससे पहले इसी वर्ष की शुरुआत में अंतरिम बजट भी पेश किया था। लेकिन सरकार ने सुधार संबंधी कदम उठाने के लिए अगले वर्ष फरवरी में पेश होने वाले बजट का इंतजार नहीं किया। लगभग हर 10 दिन के अंतराल में हम सुधार से संबंधित कोई न कोई घोषणा कर रहे हैं। इस तरह से हम संकटग्रस्त हर सेक्टर की एक के बाद एक सुध ले रहे हैं।'

सीतारमण के साथ इस बैठक में न्यूयॉर्क की फाइनेंशियल सर्विसेज इंडस्ट्री के दिग्गज शामिल हुए। इनमें इंश्योरेंस, कर्ज पुनर्गठन व प्राइवेट इक्विटी क्षेत्र की कंपनियों के अलावा इक्विटी निवेशक और बैंकों के प्रतिनिधि प्रमुख थे। इनके बीच वित्त मंत्री का कहना था कि खपत को बढ़ावा देने के लिए सरकार इन्फ्रास्ट्रक्चर पर बड़ा निवेश करने को तैयार है। इसके अलावा लोगों के हाथों तक खर्च करने लायक पूंजी की पहुंच के लिए सरकारी बैंकों व उनके सभी सहयोगियों से ग्रामीण क्षेत्रों में जाने और आसान कर्ज मुहैया कराने को कहा है।

जम्मू-कश्मीर में निवेश की विस्तृत जानकारी जल्द

वाशिंगटन, प्रेट्र : जम्मू-कश्मीर में निवेश आकर्षित करने की दिशा में सरकार की नई नीति की विस्तृत जानकारी जल्द ही सामने लाई जाएगी। इसमें पर्यटन, हैंडीक्राफ्ट, सिल्क और केसर व सेब के उत्पादन जैसे क्षेत्रों में निवेशकों के लिए संभावनाएं भी सामने आएंगी। जम्मू-कश्मीर में निवेश से जुड़े सवाल पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यह बात कही। वित्त मंत्री ने कहा, 'हमने इस दिशा में काम शुरू कर दिया है, जिससे विभिन्न पहलुओं से जम्मू-कश्मीर की पूरी क्षमता को हासिल किया जा सके। जल्द ही नई नीति पर विस्तृत जानकारी उपलब्ध होगी। राज्य में सभी मसलों को एक साथ रखकर यह तय करने की कोशिश है कि कैसे सर्वश्रेष्ठ योजना तैयार की जा सकती है। जल्द ही गृह मंत्रालय एवं वित्त मंत्रालय के बीच इस संबंध में खाका तैयार हो जाएगा। पिछले कुछ समय में दर्जनों कंपनियों ने कश्मीर में निवेश की इच्छा जताई है।

मौजूदा आर्थिक संकट 2008 से बड़ा : गोल्डमैन सैक्श

मुंबई, प्रेट्र : सिक्युरिटीज व इन्वेस्ट मैनेजमेंट क्षेत्र की ग्लोबल कंपनी गोल्डमैन सैक्श ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर नीचे जाने के जोखिम के साथ छह प्रतिशत कर दिया है। साथ ही कहा है कि मौजूदा आर्थिक संकट 2008 से बड़ा है। कंपनी का कहना है कि देश के समक्ष खपत में गिरावट एक बड़ी चुनौती है और इसका कारण गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के संकट को नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि आइएलएंडएफएस के भुगतान संकट से पहले ही खपत में गिरावट शुरूहो गई थी। कई लोग खपत में नरमी का कारण एनबीएफसी संकट को बता रहे हैं।

एनबीएफसी में संकट सितंबर, 2018 में शुरू हुआ। उस समय आइएलएंडएफएस में भुगतान संकट का पहला मामला सामने आया था। उसके बाद इन संस्थानों से खपत के लिए कर्ज लेनदेन का सिलसिला थम गया। ब्रोकरेज कंपनी गोल्डमैन सैक्श की वाल स्ट्रीट में मुख्य अर्थशास्त्री प्राची मिश्रा के अनुसार विश्लेषण से पता चलता है कि खपत में जनवरी, 2018 से गिरावट जारी है। यह अगस्त, आइएलएंडएफएस द्वारा कर्ज भुगतान में विफल रहने की शुरुआत से काफी पहले की बात है। उन्होंने कहा कि विकास दर में जो कमी आई है, खपत में गिरावट का उसमें सिर्फ तिहाई योगदान है। इसके साथ वैश्विक स्तर पर नरमी से वित्त पोषण में बाधा आई है।

प्रतीकात्मक

▶ **अर्थशास्त्री का दावा – आइएलएंडएफएस संकट की शुरुआत से पहले खपत में कमी आने लगी थी**

▶ **वित्त वर्ष की मौजूदा छमाही में खपत और विकास दर में बढ़ोतरी की उम्मीद जताई**

एक कार्यक्रम में मिश्रा ने कहा, 'नरमी की स्थिति है और वृद्धि के आंकड़े दो प्रतिशत नीचे आए हैं।' हालांकि, उन्होंने कहा कि दूसरी छमाही में आर्थिक वृद्धि दर बढ़ने की उम्मीद है। इसका कारण आरबीआइ की मौद्रिक नीति है। केंद्रीय बैंक ने प्रमुख नीतिगत दर में रिकॉर्ड पांच बार कटौती की है। कुल मिलाकर रेपो दर में पांच बार में 1.35 प्रतिशत की कटौती की जा चुकी है। फरवरी से हो रही इस कटौती के बाद रेपो दर 5.15 प्रतिशत पर आ गई है। इसके अलावा कंपनियों के कर में कटौती जैसे उपायों से भी धारणा मजबूत होगी और वृद्धि में तेजी आएगी।

बैंक घोटाले रोकने की जिम्मेदारी नियामक और ऑडिटर्स की : ठाकुर

प्रतीकात्मक

नई दिल्ली, प्रेट्र : वित्त राज्यमंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने गुरुवार को कहा कि पंजाब एंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव (पीएमसी) बैंक या किसी भी अन्य बैंक में घोटाले के लिए नियामक, ऑडिटर और प्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। एक कार्यक्रम में ठाकुर का कहना था कि बैंकिंग क्षेत्र के नियामक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) ने पीएमसी बैंक के मामले में खाताधारकों के लिए निकासी की सीमा 40,000 रुपये कर दी है। प्रभावित खाताधारकों का करीब 77 प्रतिशत हिस्सा इस दायरे में आ जाता है। इसके अलावा बैंक ने सभी खाताधारकों को एक लाख रुपये तक का भुगतान सुनिश्चित किया है।

ठाकुर ने कहा, 'जहां तक पीएमसी बैंक या किसी भी अन्य बैंक का सवाल है, तो यह सबसे पहले नियामक की जिम्मेदारी बनती है कि वह इन मामलों को देखे। ऐसे मामलों के लिए ऑडिटर को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। फिर, बैंकों के दैनिक गतिविधियों की जिम्मेदारी प्रबंधन की होती है। अगर कोई धोखाधड़ी में शामिल होता है, तो प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कार्रवाई करता है।' पीएमसी बैंक पर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है और संपत्तियां भी जब्त की गई हैं।

पिछली यूपीए सरकार का जिक्र करते हुए वित्त राज्यमंत्री ने कहा कि उस दौरान बैंकों ने जमकर लोन बांटे हैं। जब से भाजपा सत्ता में आई है, वह बैंकों की बैलेंस शीट दुरुस्त करने में जुटी है। ठाकुर के मुताबिक वर्ष 2009 तक बाजार में बैंकों का कुल बकाया 18 लाख करोड़ रुपये था। यह यूपीए-2 (2009-2014) की समाप्ति पर यानी 2014 में 58 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

▶ **कहा – दैनिक क्रियाकलाप प्रबंधन के हाथों में, वह भी समान रूप से जिम्मेदार**

▶ **पीएमसी बैंक मामले में गिरफ्तारियां और संपत्ति जब्ती की कार्रवाई हुई**

बैंकों की बैलेंस शीट ठीक करने का जिक्र करते हुए ठाकुर ने कहा कि दिवंगत वित्त मंत्री अरुण जेटली ने पहली बार बैंकों की संपत्ति गुणवत्ता की समीक्षा की। उसके बाद हमने बैंकों की बैलेंस शीट दुरुस्त की और उनमें ताजा पूंजी निवेश किया। बैंकों की विलय प्रक्रिया के बारे में 20 वर्ष पहले सलाह दी गई थी, जिसे वर्तमान सरकार ने मूर्त रूप दिया ताकि बड़ी क्षमता वाले बैंकों की परिकल्पना साकार हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि इन्सॉल्वेंसी एंड बैंक्रप्सी कोड (आइबीसी) के चलते बैंकों को 1.78 लाख करोड़ रुपये वापस मिल गए हैं। ठाकुर के मुताबिक सरकार अर्थव्यवस्था की बुनियाद को मजबूती देने की सभी कोशिशें कर रही है।

किसानों की पसंद बना आयशर ट्रैक्टर-मिनी हार्वेस्टर

नई दिल्ली (वि) : आयशर ट्रैक्टर-मिनी हार्वेस्टर छोटे खेतों के लिए एक बेहतर विकल्प बनकर उभरा है। यह स्थिर संचालन एवं आवश्यकतानुसार ऊंचाई से फसल की कटाई करता है और ट्रैक्टर व अन्य उपकरणों पर कोई लोड नहीं आने देता। यही वजह है कि आयशर ट्रैक्टर के साथ मिनी हार्वेस्टर किसानों की पहली पसंद बन चुका है। 5 सीरीज के आयशर 548, 551, 557 ट्रैक्टर नए जमाने की आधुनिक तकनीक से युक्त और अन्य कई नवीनतम फीचर्स से भी लैस हैं। तकनीक और विश्वास के इस रिश्ते को आगे बढ़ाते हुए आयशर ट्रैक्टर्स ने खेती किसानी की जरूरतों को ध्यान में रखकर विभिन्न प्रकार के उपकरणों के साथ बेहतरीन परफॉरमेंस का लोहा मनवाया है। इनमें से एक महत्वपूर्ण कृषि उपकरण मिनी हार्वेस्टर है जो आयशर के 5 सीरीज के ट्रैक्टर्स के साथ औरों की तुलना में ज्यादा बचत, कम रखरखाव खर्च और बेहतरीन परफॉरमेंस देता है।

बीपीसीएल के विदेशी खरीदारों पर असमंजस

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

सरकारी क्षेत्र की ऑयल मार्केटिंग कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के विनिवेश की प्रक्रिया में इसके संभावित खरीदारों को लेकर असमंजस बना हुआ है। घरेलू पेट्रोलियम कंपनी के रणनीतिक साझीदार के तौर पर जिन विदेशी कंपनियों की चर्चा चल रही है, उनके इस कंपनी में निवेश को लेकर वित्तीय एजेंसियां आश्वस्त नहीं हैं। अंतरराष्ट्रीय इन्वेस्टमेंट बैंक और वित्तीय संस्था मैक्वायरी का मानना है कि ऐसे संभावित खरीदार ताजा निवेश करने की स्थिति में नहीं हैं।

अपनी एक रिपोर्ट में मैक्वायरी ने तकरीबन सभी संभावित खरीदारों के हाल के वित्तीय फैसलों के आधार पर यह अनुमान लगाया है। पिछले सप्ताह ही अडानी गैस के साथ हाथ मिलाने वाली अमेरिकी तेल कंपनी टोटल के बारे में मैक्वायरी का मानना है कि कंपनी ने हाल ही में अफ्रीका में 9 अरब डालर का निवेश किया है। लिहाजा इस बात की संभावनाएं कम हैं कि वह फिर से बड़ा निवेश करे।

▶ **मैक्वायरी ने की संभावित खरीदारों की ताजा स्थिति की समीक्षा**

▶ **ज्यादातर विदेशी संभावित खरीदारों के पास ताजा निवेश के लिए पर्याप्त पूंजी नहीं**

सरकार ने बीपीसीएल में पूरी हिस्सेदारी के विनिवेश की तैयारी की है। प्रतीकात्मक

बीपीसीएल के सबसे बड़ी दावेदार मानी जा रही शेल ने भी शेयर बायबैक का कार्यक्रम शुरू किया हुआ है। फिलहाल कंपनी इसकी फंडिंग में लगी है। जहां तक बीपी का सवाल है, मैक्वायरी के मुताबिक वह पहले ही रिलायंस के साथ पेट्रोलियम उत्पादों के घरेलू रिटेल क्षेत्र में उतरने के लिए गठबंधन कर चुकी है। इसलिए अब बीपीसीएल में निवेश की इसकी कोई संभावना नहीं दिखती।

मैक्वायरी का मानना है कि पेट्रोलियम सेक्टर की एक अन्य बड़ी कंपनी शेवरॉन पहले भी भारत में संभावनाएं तलाश चुकी है। इस कंपनी के अब बीपीसीएल में सरकार की हिस्सेदारी खरीदने की दौड़ में शामिल होने की संभावनाएं नहीं के बराबर हैं। इसलिए इसकी तरफ से बीपीसीएल की निविदा प्रक्रिया में हिस्सा लेने की उम्मीद बेहद कम है।

दुनिया की एक और बड़ी कंपनी एक्सॉन के भी बीपीसीएल में दावेदारी की चर्चा है। लेकिन मैक्वायरी का मानना है कि ल्युब्रिकेंट के अपने मोबिल ब्रांड के साथ वह पहले से ही भारत में है। वह अभी तक भारतीय बाजार में अपनी दमदार दर्ज नहीं करा पाई है। इसलिए एक्सॉन की तरफ से भी विनिवेश प्रक्रिया में हिस्सा लेने की संभावनाएं बेहद क्षीण दिखायी देती हैं। गौरतलब है कि सरकारी कंपनियों की विनिवेश योजना के तहत सरकार ने बीपीसीएल की विनिवेश प्रक्रिया पर काम चल रहा है।

ब्रेक्जिट के संकेतों पर शेयर बाजार में रौनक

मुंबई, प्रेट्र : ब्रिटेन और यूरोपीय यूनियन में ब्रेक्जिट पर समझौता होने की खबरों और उस पर यूरोपीय बाजारों की खुशी से भारतीय शेयर बाजार भी गुरुवार को जगमग रहे। तेजी का सिलसिला लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में भी जारी रखते हुए बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स दिन के कारोबार में 453.07 अंक यानी 1.17 प्रतिशत उछलकर 39,000 के मनोवैज्ञानिक स्तर को एक बार फिर पार कर गया। कारोबार के आखिर में सेंसेक्स 39,052.06 के स्तर पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला निफ्टी भी कारोबार के आखिर तक 122.35 अंक यानी 1.07 प्रतिशत चढ़कर 11,586.35 अंक पर पहुंच चुका था।

सेंसेक्स पैक में सबसे ज्यादा 15.19 फीसद की बढ़त यस बैंक के शेयरों में देखी गई। टाटा मोटर्स, इंडसइंड बैंक, एसबीआइ, बजाज ऑटो, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक, टाटा स्टील और मारुति सुजुकी के शेयर 9.82 प्रतिशत तक उछले। दूसरी तरफ एचसीएल टेक, वेदांता, पावरग्रिड, कोटक महिंद्रा बैंक, इन्फोसिस, ओएनजीसी, टेक महिंद्रा, एलएंडटी और एचडीएफसी बैंक के शेयर 1.04 प्रतिशत तक फिसल गए।

लगातार पांचवें सत्र में शेयर बाजारों में दर्ज हुई बढ़ोतरी। प्रतीकात्मक

दिन के कारोबार के बारे में जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के रिसर्च प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि सरकार ने भविष्य में भी इकोनॉमी की जरूरतों के मुताबिक राहत पैकेज जारी रखने के संकेत दिए हैं। इन संकेतों ने निवेशकों का मूड सकारात्मक रखा। इसके अलावा ब्रेक्जिट के मामले में यूरोपीय यूनियन और ब्रिटेन के किसी समझौते पर पहुंच जाने की खबरों से यूरोपीय बाजारों में खासी तेजी दिखाई दी। इसका फायदा घरेलू बाजार को मिला। सेक्टोरल इंडेक्स के मामले में बीएसई में ऑटो, बैंकेक्स, फाइनेंस, एनर्जी, एफएमसीजी, मेटल, हेल्थकेयर और पावर में 2.93 फीसद का उछाल दर्ज किया गया। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप में 1.77 फीसद की बढ़त हुई।

इंडियाबुल्स के शेयर चमके

नई दिल्ली, प्रेट्र : रेटिंग एजेंसी क्रिसिल द्वारा रेटिंग सुधारने के बाद इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस के शेयर बीएसई पर 14 .03 प्रतिशत चढ़कर 197 .15 रुपये के भाव पर बंद हुए। एनएसई पर भी कंपनी के शेयरों का बंद भाव 14 .07 प्रतिशत उछाल के साथ 197 .40 रुपये रहा। क्रिसिल ने कहा कि इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड अगले वर्ष सितंबर तक अपनी सभी देनदारियों के भुगतान में सक्षम है।

नाल्को के शेयर तीन फीसद गिरे

नई दिल्ली, प्रेट्र : कोयले की कमी से एल्यूमिनियम उत्पादन पर असर पड़ने की खबरों के चलते गुरुवार को नाल्को के शेयर तीन प्रतिशत लुढ़क गए। बीएसई पर कंपनी के शेयर 40 .40 रुपये के स्तर पर बंद हुए। एनएसई पर भी नाल्को के शेयरों का भाव कारोबार के आखिर में 2 .88 प्रतिशत गिरावट के बाद 40 .50 रुपये पर स्थिर हुआ। इस सरकारी कंपनी ने एक बयान में कहा कि कोयले की आपूर्ति में बाधा के चलते उसके कोयला उत्पादन और बिजली लागत दोनों पर बुरा असर हुआ है।

कॉफी खपत बढ़ाने में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका : आइसीओ

बेंगलुरु, प्रेट्र : अंतरराष्ट्रीय कॉफी संगठन (आइसीओ) ने गुरुवार को कहा कि दुनियाभर में कॉफी की खपत बढ़ाने में भारत और एशिया की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। आइसीओ के कार्यकारी निदेशक, जोस डस्टर सेट्टे ने कहा कि भारत में प्रति व्यक्ति कॉफी की खपत 100 ग्राम वार्षिक है, जबकि अपने आंतरिक बाजार में निवेश करने वाले ब्राजील में प्रति व्यक्ति खपत प्रति वर्ष छह किलो है। सेट्टे ने यहां कहा, 'भारत की खपत के मुकाबले ब्राजील की खपत 60 गुनी है। इसलिए, भारत में खपत बढ़ाने के लिए बहुत संभावनाएं हैं।' उन्होंने कहा कि खपत में वृद्धि की अगुआई निजी क्षेत्र द्वारा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में कैफे कॉफी डे जैसी महत्वपूर्ण कॉफी रिटेल चेन हैं।

अगले साल सात सितंबर से यहां आयोजित होने वाले विश्व कॉफी सम्मेलन (डब्ल्यूसीसी) के पांचवें संस्करण की घोषणा करने के लिए आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि वैश्विक कॉफी उद्योग के लिए एशिया की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। हालांकि इस क्षेत्र में कई सदियों से कॉफी का उत्पादन किया जाता रहा है, लेकिन पिछले तीन दशकों में वैश्विक कॉफी उत्पादन में एशिया की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत से बढ़कर 32 प्रतिशत हो गई है।

उन्होंने कहा कि ऐसा एक प्रमुख कॉफी उत्पादक के रूप में वियतनाम के उदय के बाद हुआ है। जबकि भारत सहित अन्य देशों में उत्पादन बढ़ने की भी इसमें बड़ी भूमिका रही है। आइसीओ का संस्थापक सदस्य भारत दुनिया का सातवां सबसे बड़ा कॉफी उत्पादक देश है। यहां कॉफी की वाणिज्यिक रूप से महत्वपूर्ण किस्मों-अरेबिका और रोबस्टा दोनों का उत्पादन होता है। गौरतलब है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान कई कॉफी चेन ने भारतीय बाजार में प्रवेश किया है।

तैयारी

मप्र में एक लाख करोड़ से ज्यादा निवेश का वादा

मुख्य सचिव का दावा– मैग्निफिसेंट एमपी से पहले ही बड़ी सफलता, दो लाख से ज्यादा लोगों को मिलेगा रोजगार

नई दुनिया, इंदौर

मध्य प्रदेश सरकार की नीति और नीयत पर भरोसा जताते हुए उद्योगपतियों ने एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश का न सिर्फ वादा किया है, बल्कि इसके लिए जमीन भी चिन्हित कर ली है। सरकार के मुताबिक 31,500 सौ करोड़ रुपये का निवेश तो अगले वर्ष मार्च तक जमीन पर उतर आएगा। 223 कंपनियों के निवेश से दो लाख से ज्यादा लोगों को प्रत्यक्ष तौर पर रोजगार मिलेगा तो अप्रत्यक्ष तौर पर भी मौके पैदा होंगे।

यह दावा 'मैग्निफिसेंट मध्य प्रदेश' (इन्वेस्टर समिट) से ठीक एक दिन पहले गुरुवार को मुख्य सचिव सुधिरंजन मोहंती ने किया। मुख्य सचिव ने बताया कि मुख्यमंत्री ने इससे पहले उद्योगपतियों के साथ बैठक की और उनका पक्ष जाना। इसमें जो तथ्य उभरकर सामने आए, इसके आधार पर नीतियों में बदलाव किए गए। इसका असर यह हुआ कि इस वर्ष जनवरी से सितंबर तक 31,500 करोड़ रुपये के ऐसे प्रस्ताव मिले, जिनमें उद्योगपति सीधे काम करने के लिए तैयार थे। सरकार ने निवेश संवर्धन कैबिनेट की बैठक कर निवेश सहायता के पैकेज मंजूर किए। मार्च 2020 तक इनमें काम शुरू हो जाएगा। इससे एक लाख दो हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलेगा। वहीं, 74 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव अंतिम प्रक्रिया में है। इनमें से कई उद्योगों ने जमीन भी देख ली है। इससे एक लाख आठ हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलेगा।

इस वर्ष अब तक मिले हैं 31,500 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव। प्रतीकात्मक

संख्या बढ़ाने की होड़ नहीं : मुख्य सचिव ने कहा कि मैग्निफिसेंट एमपी में सरकार कोई एमओयू नहीं करेगी, क्योंकि सरकार संख्या बढ़ाने की होड़ में नहीं है। सरकार की मंशा स्पष्ट है कि जो निवेश के लिए ठोस बात करने के इच्छुक होंगे, सिर्फ उन्हीं से बात की जाएगी।

1.20 लाख करोड़ के प्रस्ताव ही आए : पिछले समिट में पांच लाख करोड़ रुपए के एमओयू या फिर इनके प्रस्ताव आए थे, लेकिन वास्तविक रूप से तीन साल में एक लाख 20 हजार करोड़ रुपए के निवेश के प्रस्ताव ही आए, जो लगभग 23-24 फीसद है। इनमें से भी जमीन पर क्रियान्वित होने वालों की संख्या और कम है।

559 करोड़ के प्रोजेक्ट से हटा पर्दा

कमलनाथ ने गुरुवार दोपहर 559 करोड़ रुपये के पांच प्रोजेक्ट के शिलालेख से पर्दा उठाया। इसके तहत चार प्रोजेक्ट जो पूरे हो गए, उनका लोकार्पण हुआ और एक प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी गई।

निवेश के लिए मप्र सबसे उपयुक्त राज्य

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मैग्निफिसेंट एमपी में आए उद्योगपतियों से अपील की है कि मध्य प्रदेश ऐसा राज्य है, जहां पूर्ण रूप से औद्योगिक शांति है। यहां बिजली-पानी से लेकर जमीन की उपलब्धता है। यहां श्रमिक हड़ताल या काम बंद जैसी स्थितियां बनती ही नहीं है, इसलिए निवेश के लिए मप्र को चुने। गुरुवार को चौहान ने कहा कि सरकार बदलने के कारण निवेश का माहौल नहीं बदलना चाहिए, इसलिए मैं राजनीति से ऊपर उठकर निवेशकों से अपील कर रहा हूं कि वे मप्र आएं और यहां उद्योग लगाएं।

ये दस प्रमुख होंगे निवेश

कंपनी	राशि करोड़ रुपए में
बीना रिफाइनरी	3,500
रालसन टायर	1,788
पॉवर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	858
श्रीराम पिस्टन एंड रिंग्स लिमिटेड	600
प्रॉक्टर एंड गेंबल लिमिटेड	500
सतगुर सीमेंट	405
जमुना ऑटो इंडस्ट्रीज	400
वर्धमान फैब्रिक	400
अजंता फार्मा	400
वंडर सीमेंट	400
पार फार्मा	375
एल्केम लेबोरेटरीज	350
ल्यूपिन फार्मा	300
मेपेक्स फार्मा	300
अग्रवाल एजुकेशनल ट्रस्ट	300
महिंद्रा हॉलिडे एंड रिसॉर्ट	225

जनमत
मुद्दा

क्या भारतीय बैंकिंग क्षेत्र को नए नियमों-कानूनों से फिर से पुनर्गठित किए जाने की जरूरत है?

mudda@jagran.com पर आप अपनी राय हमें भेज सकते हैं। मोबाइल से मैसेज भी कर सकते हैं। MUDDA लिखें, स्पेस देकर YES या NO लिखकर 57272 पर भेजें।

36 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है इंडोनेशिया में आतंकी हमले की आशंका के चलते। आगामी रविवार को जकार्ता में राष्ट्रपति जोको विडोडो का शपथ ग्रहण समारोह होना है। इसके चलते सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं।

ब्रिटेन में भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी की रिमांड बढ़ी

- 11 नवंबर को वीडियो लिंक के जरिये फिर से जेल में ही होगी सुनवाई
- भारत प्रत्यर्पण पर सुनवाई अगले साल 11 से 15 मई के बीच होने की पुष्टि

लंदन, प्रेट्र : भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी की जेल में 11 नवंबर तक के लिए रिमांड बढ़ा दी गई है। इसी दिन दो अरब डॉलर के पीएनबी घोटाले में आरोपित नीरव मोदी की अगली रिमांड के लिए सुनवाई भी लंदन की जेल में वीडियो लिंक के जरिये होगी।

वेस्टमिंस्टर मेजिस्ट्रेट कोर्ट की जज नीना टेम्पिया ने नीरव मोदी के भारत प्रत्यर्पण मामले की सुनवाई अगले साल 11 मई से 15 मई के बीच होने की पुष्टि की। साथ ही यह याद दिलाया कि उसे हर 28 दिन में वीडियो लिंक के जरिये सुनवाई के दौरान पेश होना होगा। यह प्रक्रिया अगले साल फरवरी तक चलेगी, जब तक कि उसकी भारत प्रत्यर्पण के लिए सुनवाई की प्रक्रिया का प्रबंधन पूरा नहीं हो जाता है।

अदालत को बताया गया था कि 48 वर्षीय नीरव मोदी ने सिर्फ अपने नाम, जन्मतिथि, धांधली और भारत में मनी लांड्रिंग के मामलों की पुष्टि के लिए ही अपनी जबान खोली थी। वह लंदन के दक्षिण-पश्चिम में स्थित वैंड्सवर्थ जेल में बंद है। यह इंग्लैंड की सबसे भीड़भाड़ वाली जेल मानी जाती है। मोदी इस जेल में इस साल मार्च में गिरफ्तारी के बाद से कैद है। उसके खिलाफ स्कॉटलैंड यार्ड पुलिस ने प्रत्यर्पण का वारंट जारी किया था। भारत सरकार के लगाए आरोपों पर ही प्रत्यर्पण के लिए ब्रिटेन की अदालत में क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस उस पर मुकदमा चला रही है।

नीरव मोदी की गिरफ्तारी के बाद से ही सॉलिसिटर आनंद दूबे और बैरिस्टर क्लेर माउंटगोमरी के नेतृत्व में उनकी लीगल टीम ने चार दफा जमानत याचिका दायर की है। लेकिन हर बार अदालत ने यह कह कर जमानत याचिका खारिज कर दी कि नीरव मोदी के फरार हो जाने का डर है।

जज नीना टेम्पिया का फैसला लंदन स्थित रॉयल कोर्ट ऑफ जस्टिस को सौंपा गया। इसके बाद जून में जज इनग्रिड सिमलर ने ठोस आधार पर पाया कि नीरव मोदी को जमानत दी गई तो वह वापस सरेंडर नहीं करेगा, बल्कि वह फरार हो सकता है।

अमेरिका के दबाव में तुर्की ने कुर्दों पर हमला रोका

अंकारा, एएफपी : अमेरिकी दबाव में तुर्की सीरियाई कुर्दों पर हमले रोकने को तैयार हो गया है। यह बात अंकारा पहुंचे अमेरिकी उप राष्ट्रपति माइक पेंस ने तुर्की के राष्ट्रपति रीसेप तैयप एर्दोगन के साथ चार घंटे चली वार्ता के बाद कही है। इससे पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर गुरुवार को तुर्की पहुंचे अमेरिकी उप राष्ट्रपति माइक पेंस और विदेश मंत्री माइक पोंपियो की हमले रोकने की सलाह को राष्ट्रपति एर्दोगन ने मानने से इन्कार कर दिया था। एर्दोगन ने ट्रंप के कड़े पत्र को भी तवज्जो नहीं दी थी जिसमें उन्हें मूर्ख न बनने के लिए चेताया गया था।

इतना ही नहीं गुरुवार को तुर्की ने सीरिया के सीमावर्ती इलाके में हमले भी जारी रखे। बौखलाए ट्रंप ने कहा है कि इतिहास उन्हें (एर्दोगन को) राक्षस के रूप में याद करेगा। पिछले हफ्ते सीरिया के सीमावर्ती इलाके से जैसे ही एक हजार अमेरिकी सैनिक हटे थे, उसके अगले ही दिन से तुर्की ने अमेरिका समर्थित कुर्द लड़ाकों पर हवाई हमले शुरू कर दिए थे। ये वही लड़ाके हैं जो अमेरिका के समर्थन से सीरिया की बशर अल असद सरकार को हटाने के लिए आठ साल से संघर्ष छेड़े हुए थे। बाद में इन्हीं लड़ाकों ने अमेरिकी सैनिकों के सहयोग से आतंकी संगठन आइएस के खिलाफ लड़ाई लड़ी और उसे सीरिया से उखाड़ फेंका, लेकिन अमेरिका के साथ छोड़ने से ये लड़ाके तुर्की की साधन संपन्न सेना के हमले झेल रहे थे। चौतरफा निंदा से दबाव में आए राष्ट्रपति ट्रंप ने तुर्की पर कुछ प्रतिबंध लगाए, लेकिन उनका एर्दोगन पर कोई असर नहीं हुआ था। आठ दिन चले तुर्की के हमलों में पांच सौ से ज्यादा लोगों के मारे जाने की खबर है जिनमें बड़ी संख्या कुर्द नागरिकों की है। तीन लाख लोगों के बेघर होने का अंदेशा है।

वैश्विक दबाव के बीच एर्दोगन ने पाकिस्तान की यात्रा टाली

इस्लामाबाद, प्रेट्र : तुर्की के राष्ट्रपति तैयप एर्दोगन ने अपनी पाकिस्तान यात्रा टाल दी है। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को इस आशय की घोषणा की। अंकारा पर सीरिया में कुर्दों की अगुआई वाले बलों के खिलाफ सीमा पार से आक्रमण रोकने के लिए भारत सहित अंतरराष्ट्रीय दबाव है। पाकिस्तानी मीडिया ने इससे पहले बताया था कि तुर्की के राष्ट्रपति 23 अक्टूबर को पाकिस्तान दौरे पर आ रहे हैं। वह द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती देंगे और अगस्त में भारत द्वारा अनुच्छेद 370 समाप्त करने पर पाकिस्तान के रुख का समर्थन करेंगे। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मुहम्मद फैसल ने एर्दोगन की यात्रा स्थगित होने की पुष्टि की। हालांकि उन्होंने इसका कारण नहीं बताया।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति माइक पेंस (बाएं) ने गुरुवार को अंकारा में तुर्की के राष्ट्रपति तैयप एर्दोगन से मुलाकात की। एपी

सीरिया को लेकर ट्रंप और पेलोसी के बीच शुरू हुई जुबानी जंग

वाशिंगटन, प्रेट्र : सीरिया से अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाए जाने के मुद्दे पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और सदन की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई है। दोनों के बीच जुबानी जंग को देखते हुए ऐसा लग रहा है कि अमेरिका की घरेलू राजनीति का स्तर गिर गया है। दोनों के बीच यह जुबानी जंग बुधवार को उस समय शुरू हुई जब व्हाइट हाउस ने डेमोक्रेट और रिपब्लिकन की शीर्ष समिति के सदस्यों और कांग्रेस सदस्यों को सीरिया पर नीति के बारे में जानकारी देने के लिए बुलाया था। इस बैठक में दोनों नेताओं ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए।

कुछ घंटों बाद ट्रंप ने डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता को ट्विटर पर बीमार व्यक्ति बताया। पेलोसी ने भी ट्रंप की सेहत के लिए प्रार्थना करने को कहा। ट्रंप ने ट्विटर पर कहा, 'नैंसी पेलोसी को तुरंत मदद की जरूरत है। या तो उनके दिमाग में गड़बड़ी है या बात सिर्फ इतनी है कि उन्हें हमारा महान देश पसंद नहीं है।' ट्रंप ने कहा, 'वह आज व्हाइट हाउस में पूरी तरह भावुक हो गईं। यह देखना बहुत दुखद था। उनके लिए प्रार्थना करें, वह बहुत बीमार हैं।' ट्रंप ने अन्य ट्वीट में कहा, 'किसी काम के नहीं डेमोक्रेटिक, पेलोसी और शूमर कैबिनेट रूम से बाहर निकल गए।' ट्रंप ने बैठक कक्ष की एक तस्वीर भी ट्वीट की जिसके साथ लिखा, 'घबराई नैंसी पागलों की तरह भावुक हुईं।' पेलोसी ने तुरंत इसको अपने ट्विटर प्रोफाइल का कवर पेज बना लिया।

जाधव मामले में कानूनी कदम उठा रहा है पाक

इस्लामाबाद, एएनआइ : पाकिस्तान ने गुरुवार को कहा कि उसने हिंदुस्तानी नागरिक कुलभूषण जाधव को राजनयिक पहुंच प्रदान की है और इस मामले में अब वह तार्किक और कानूनी कदम उठा रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मुहम्मद फैसल ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हमने कुलभूषण जाधव को राजनयिक सहयोग प्रदान किया है। अब हम इस मामले में तार्किक और कानूनी कदम उठा रहे हैं।

- विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, हमने कुलभूषण जाधव को दी है राजनयिक पहुंच

बता दें कि भारत ने पाकिस्तान के उन आरोपों से हमेशा इन्कार किया है कि जाधव भारत की ओर से जासूसी और विध्वंसक गतिविधियों में लिप्त था। भारत का आरोप है कि जाधव का ईरानी बंदरगाह चाबहार से अपहरण किया गया था जहां वह कारोबार करता था।

पाकिस्तान ने अप्रैल 2017 में कहा था कि उसकी सैन्य अदालत ने जाधव को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। जाधव की सजा के खिलाफ भारत ने इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस में अपील की थी। इंटरनेशनल कोर्ट ने पाकिस्तान से वियना सम्मेलन के समझौतों का पालन करते हुए जाधव को राजनयिक पहुंच प्रदान करने का निर्देश दिया था। पाकिस्तान ने सबसे पहले अगस्त माह में जाधव को राजनयिक पहुंच का प्रस्ताव दिया था, किंतु भारत ने कहा था यह प्रभावी और निर्बाध होनी चाहिए। दो सितंबर को पाकिस्तान में भारत के उप उच्चायुक्त गौरव अहलूवालिया ने पाकिस्तानी अधिकारियों की मौजूदगी में जाधव से मुलाकात की थी। जाधव से मुलाकात की रिकार्डिंग भी की गई थी।

ब्रिटेन और यूरोपियन यूनियन के अलगाव का मसौदा तैयार

बनी सहमति ▶ ब्रिटिश संसद और ईयू समिट में लेनी होगी स्वीकृति

समर्थन जुटाने में जॉनसन को हो सकती है मुश्किल

लंदन, प्रेट्र : ब्रिटेन और यूरोपियन यूनियन (ईयू) में अलगाव की शर्तों को लेकर सहमति बन गई है। लेकिन ब्रिटिश संसद से इसे स्वीकृति मिलना बाकी है। समझौते के मसौदे पर विचार के लिए शनिवार को ब्रिटिश संसद की बैठक बुलाई गई है। उसी दिन मतदान हो सकता है। 37 साल बाद ब्रिटिश संसद शनिवार को कार्य करेगी। ब्रिटेन ने 28 देशों के समूह से 31 अक्टूबर को अलग होने का एलान कर रखा है।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने समझौते को जहां बड़ी सफलता करार दिया है, वहीं ईयू आयोग के अध्यक्ष जीन क्लाउड जंकर ने इसे स्पष्ट और संतुलित समझौता बताया है। इसे अपनी वचनबद्धता का दस्तावेज करार दिया। जंकर ने समझौते को अपनी संस्तुति के साथ सदस्य देशों के विचार के लिए भेज दिया है। ब्रसेल्स में हो रही ईयू समिट में इस पर चर्चा होगी और अंतिम निर्णय लिया जाएगा। हां, समझौते के लिए प्रधानमंत्री जॉनसन को ब्रिटिश संसद में समर्थन जुटाना मुश्किल हो सकता है। विपक्ष और खुद की कंजरवेटिव पार्टी के कुछ सांसदों के विरोध के साथ ही उन्हें सरकार को समर्थन दे रही आयरलैंड की डेमोक्रेटिक यूनियनिस्ट पार्टी (डीयूपी) की मुखालफत भी झेलनी पड़ सकती है। पार्टी ने बयान जारी कर प्रस्तावित कर व्यवस्था पर असहमति जताई है। डीयूपी आयरलैंड के लिए ज्यादा सहूलियतों की मांग कर रही है। लेकिन जॉनसन इससे चिंतित नहीं हैं। उन्होंने ट्वीट कर कहा- पूर्व के विरोधाभासों को खत्म कर हम नए समझौते पर पहुंच गए हैं। यह सब ईयू नेताओं की समिट से ठीक पहले हुआ। इसलिए इस पर सहमति बनाना और स्वीकृति प्राप्त करना आसान होगा।

जंकर ने ईयू के काउंसिल प्रेसिडेंट डोनाल्ड टस्क को लिखे पत्र में कहा है- अलगाव की प्रक्रिया को पूरा करते हुए आगे बढ़ने का यह महत्वपूर्ण समय है। यह कार्य त्वरित गति से पूरा करने की जरूरत है। यह ईयू के ब्रिटेन के साथ भविष्य के सहयोग के लिए आवश्यक है। जंकर और जॉनसन ने अपनी-अपनी संसदों से समझौते के समर्थन का अनुरोध किया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने उम्मीद जताई है कि समझौते के मसौदे को ब्रिटिश संसद में पर्याप्त समर्थन मिलेगा। उल्लेखनीय है कि बोरिस जॉनसन की पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री टेरीजा मे ईयू के साथ समझौते के मसौदे को ब्रिटिश संसद में पारित कराने में तीन बार विफल रही थीं। इसी के बाद उन्होंने पद से इस्तीफा दिया था।

ब्रसेल्स में गुरुवार को यूरोपीय संघ मुख्यालय में संयुक्त प्रेसवार्ता के दौरान ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन (बाएं) और यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष जीन क्लाउड जंकर। एएफपी

मेक्सिको ने बोइंग विमान में बैठा 311 भारतीयों को भेजा स्वदेश

मेक्सिको सिटी, प्रेट्र : अमेरिका के दबाव में मेक्सिको ने अवैध रूप से सीमा पार करने वालों पर अंकुश लगाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। इस सिलसिले में उसने पहली बार देश के विभिन्न हिस्सों से 311 भारतीयों को पकड़कर जबरन स्वदेश भेजा है। भारत प्रत्यर्पित किए गए लोगों में एक महिला भी है।

मेक्सिको के नेशनल माइग्रेशन इंस्टीट्यूट (आइएनएम) ने बुधवार को कहा कि भारतीय नागरिक देश में नियमित रूप से ठहरने की शर्त पूरी नहीं कर रहे थे। उन्हें टोलुका शहर के इंटरनेशनल एयरपोर्ट से बोइंग 747 विमान में बैठाकर नई दिल्ली रवाना कर दिया गया। इससे पहले इन लोगों को ओक्साका, बाजा कैलिफोर्निया, वोराक्रूज, चियापास, सोनोरा, मेक्सिको सिटी, डुरांगो और तबास्को के इमिग्रेशन अधिकारियों के सामने पेश किया गया था। आइएनएम के अनुसार, 'एशियाई देश के दूतावास के साथ संवाद और समन्वय के चलते यह हो पाया। प्रवासी कानून के सख्त नियमों का पालन करते हुए इन लोगों को उनके देश वापस भेजा गया।'

ट्रंप ने दी थी चेतावनी : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गत जून में मेक्सिको को यह चेतावनी दी थी कि अगर उसने अपनी सीमा से अमेरिका में अवैध रूप से दाखिल होने वाले लोगों पर अंकुश नहीं लगाया तो उसके यहां से होने वाले सभी सामान के आयात पर सीमा शुल्क लगा दिया जाएगा। इसके बाद मेक्सिको अपनी सीमा पर सुरक्षा बढ़ाने और शरणार्थियों को वापस भेजने पर सहमत हुआ था।

लोकतंत्र समर्थकों ने हांगकांग की विधानसभा में किया हंगामा

हांगकांग की विधायी परिषद में गुरुवार को चीन की प्रतिनिधि सर्वोच्च पदाधिकारी कैरी लैम (एकदम बाएं) के संबोधन के दौरान लोकतंत्र समर्थक सदस्य गैरी फैन ने आंदोलनकारियों के समर्थन में आवाज बुलंद की। इस दौरान उन्हें चैंबर से बाहर किया गया। एपी

हांगकांग, एएफपी : हांगकांग की विधानसभा में गुरुवार को हंगामे के बीच लोकतंत्र समर्थक विधायकों को सुरक्षाकर्मियों ने बलपूर्वक बाहर कर दिया। इन विधायकों के विरोध के चलते बुधवार को चीन की प्रतिनिधि शीर्ष अधिकारी कैरी लैम अपना भाषण पूरा नहीं कर पाई थीं।

हांगकांग विधानसभा के तीन महीने बाद बुधवार से शुरू हुए सत्र में कैरी लैम को लगातार दूसरे दिन लोकतंत्र समर्थक विधायकों के विरोध का सामना करना पड़ा। गुरुवार को नीतिगत भाषण से जुड़े बिंदुओं पर लैम को विधायकों के सवालों के जवाब देने थे। वह जैसे ही सदन में आईं-लोकतंत्र समर्थक विधायकों ने नारेबाजी और हंगामा शुरू कर दिया। वे आंदोलनकारियों की सभी पांच मांगों को माने जाने की मांग करने लगे, जिनमें हांगकांग में लोकतांत्रिक व्यवस्था को लागू करना मुख्य है। इसके बाद स्पीकर के आदेश पर सुरक्षाकर्मियों ने एक-एक कर विरोधी विधायकों को घसीटकर सदन से बाहर निकालना शुरू किया। शाम को लैम फेसबुक लाइव कार्यक्रम में आईं, वहां आंदोलनकारियों की ओर से सख्त टिप्पणियों और गुस्से से भरी इमोजी के जरिये विरोध जताया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने सड़कों पर भी आकर विरोध जताया।

1997 में चीन के अधिकार में आया हांगकांग पिछले चार महीनों से सबसे बुरे राजनीतिक विरोध के दौर से गुजर रहा है। इसमें हजारों लोग घायल हुए हैं और अरबों रुपये की संपत्ति व कारोबार का नुकसान हुआ है। आए दिन दसियों हजार लोग सड़कों पर आकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी पुलिस के साथ हिंसक झड़पें भी हो रही हैं। लेकिन चीन समर्थित कैरी लैम ने झुकने से साफ इन्कार कर दिया है। उन्होंने लोकतांत्रिक व्यवस्था की ओर से एक भी कदम बढ़ने से इन्कार कर दिया है।

हाल ही में नेपाल दौरे में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने हांगकांग के आंदोलनकारियों को संकेत करते हुए अशांति और अराजकता फैलाने वालों की हड्डी-पसली तोड़ने की धमकी दी थी।

हांगकांग की जनता को नोबेल के लिए नामित करने से भड़का चीन

- नार्वे की सांसद मेलबी ने 2020 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए किया है नामित

बीजिंग, एएफपी : अगले साल के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए हांगकांग की जनता को नामित किए जाने से चीन भड़क गया है। चीन ने कहा है कि विदेशी सरकारें हमारे मामलों में दखल ना दें। नार्वे की लिबरल पार्टी की सांसद गुरी मेलबी ने साल 2020 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए हांगकांग के लोगों को नामित किया है। चीन का स्वायत्तशासी क्षेत्र हांगकांग पिछले कई महीनों से लोकतंत्र समर्थकों के विरोध प्रदर्शनों से प्रभावित है। चीन ने हांगकांग में हो रहे विरोध प्रदर्शनों और दंगों के लिए विदेशी ताकतों को जिम्मेदार ठहराया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गेंग शुआंग ने गुरुवार को यहां कहा, 'हांगकांग का मामला पूरी तरह चीन का आंतरिक मसला है। इसमें किसी विदेशी सरकार या लोगों को दखल देने का अधिकार नहीं है।' इससे पहले नार्वे की सांसद मेलबी ने अपनी ट्विटर पोस्ट में कहा था, 'मैंने हांगकांग की जनता को 2020 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया है क्योंकि वे अभिव्यक्ति की आजादी और बुनियादी लोकतंत्र के लिए रोजाना अपनी जिंदगी और सुरक्षा को खतरे में डाल रहे हैं।'

चार माह से अशांत है हांगकांग: हांगकांग में पिछले चार माह से अशांति का दौर चल रहा है। लोकतंत्र के समर्थन में हुए विरोध प्रदर्शनों में अब तक लाखों लोग हिस्सा ले चुके हैं। साल 1997 में ब्रिटेन से चीन के नियंत्रण में आने के बाद से हांगकांग में यह सबसे बड़ा विरोध बताया जा रहा है।

मदीना के पास बस हादसे में 35 विदेशी यात्रियों की मौत

- विदेशी तीर्थयात्रियों को मक्का ले जाते वक्त ट्रक से टकराई बस

रियाद, एएफपी : सऊदी अरब में एक बस और ट्रक के बीच टक्कर में 35 विदेशियों की मौत हो गई। चार यात्री घायल हैं। यह हादसा बुधवार शाम मुस्लिमों के पवित्र शहर मदीना के पास हुआ। बस विदेशी तीर्थयात्रियों को मदीना से लेकर मक्का जा रही थी। बस में एशियाई और अरब देशों के नागरिक थे।

मदीना के पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 39 लोगों को लेकर जा रही प्राइवेट चार्टर्ड बस एक भारी वाहन से टकरा गई थी। इससे बस में आग लग गई। स्थानीय मीडिया में बस से आग की लपटें उठने की तस्वीरें आई हैं। घायलों को अल-हमना अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना की जांच की जा रही है। हादसे में मरने वालों की अभी पहचान नहीं हो पाई है। सऊदी प्रेस एजेंसी के अनुसार, मदीना के गवर्नर प्रिंस फैजल बिन सलमान ने दुख व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। घायलों का बेहतर इलाज कराया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने जताया दुख : सऊदी अरब में हुए सड़क हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख व्यक्त किया है। उन्होंने ट्वीट में लिखा, 'सऊदी अरब में मदीना के पास बस हादसे की खबर से बेहद दुखी हूं। उन परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं, जिन्होंने हादसे में अपने लोगों को गंवा दिया। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।'

मदीना के पास हुए सड़क हादसे में जलती हुई बस को बुझाते दमकल कर्मी। फाइल

पाकिस्तान के गुरुद्वारा पंजा साहिब में लगी आग

पाक के हसन अब्दल शहर में स्थित गुरुद्वारा पंजा साहिब के लंगर हॉल में आग लग गई। एएनआइ

हसन अब्दल, एएनआइ : पाकिस्तान में पंजाब प्रांत के हसन अब्दल में स्थित गुरुद्वारा पंजा साहिब में आग लगने की खबर है।

हसन अब्दल के सहायक आयुक्त अदनान अंजुम राजा ने बताया कि यह घटना बुधवार शाम उस वक्त हुई जब गुरुद्वारे में चल रहे वेल्डिंग के काम के दौरान निकली चिंगारी से पास में रखे कंबलों में आग लग गई। आग पर थोड़ी ही देर में काबू पा लिया गया, लेकिन इससे गुरुद्वारे को मामूली नुकसान हुआ है। दरअसल, गुरुद्वारा पंजा साहिब में करतारपुर कॉरिडोर खोले जाने के मद्देनजर निर्माण कार्य चल रहा है।

बता दें कि इस स्थान पर सिखों के प्रथम गुरु श्री गुरुनानक देव जी के हाथ के पंजों की छाप के शिलाखंड मौजूद हैं, इसीलिए इस स्थान को पंजा साहिब कहते हैं।

वैश्विक नेताओं के अकाउंट भी नियमों से ऊपर नहीं : ट्विटर

- अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के अकाउंट को हटाने की मांग के बीच ट्विटर ने अपनी नीतियों को स्पष्ट किया

सैन फ्रांसिस्को, एपी : सोशल मीडिया साइट ट्विटर ने गुरुवार को साफ किया कि वेबसाइट पर हिंसा की धमकी या आतंकवाद को बढ़ावा देने जैसे मामलों से वैश्विक नेताओं को भी छूट नहीं है। सैन फ्रांसिस्को की कंपनी को अपने नियमों को इसलिए स्पष्ट करना पड़ा, क्योंकि कुछ डेमोक्रेट सांसदों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ट्विटर से हटाने की इच्छा जाहिर की है। ट्रंप ट्विटर का इस्तेमाल अनवरत संवाद के लिए करते हैं।

ट्विटर का कहना है कि वह बाल यौन उत्पीड़न, किसी व्यक्ति को हिंसा की सीधी धमकी देने या किसी की निजी सूचना को पोस्ट करने जैसे मामलों में किसी भी यूजर के खिलाफ अपनी नीतियों का अनुपालन करेगा। साफ है कि ट्रंप के अकाउंट को फिलहाल कोई खतरा नहीं है। इस हफ्ते एक ब्लॉग पोस्ट के माध्यम से ट्विटर ने ट्वीट को लेकर अपनी नीतियों के विस्तार की घोषणा की है। ट्विटर ने जून में कहा था कि उसके नियमों का उल्लंघन करने वाले वैश्विक नेताओं के ट्वीट अगर जनहित मूल्य रखते हैं, तो उन्हें चेतावनी के स्तर पर रखा जाएगा। माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ने मंगलवार को कहा कि वह किसी भी अकाउंट के खिलाफ कार्रवाई करेगा, चाहे वह विश्व के किसी भी नेता या व्यक्ति से संबंधित हो। बशर्ते वह किसी व्यक्ति के खिलाफ स्पष्ट और सीधी धमकी देता हो। हालांकि, यह संदर्भ पर भी निर्भर करेगा।

ट्विटर ने कहा, 'संदर्भ क्या है? दुनिया का कोई नेता अगर सीधे किसी हस्ती से संवाद करता है या राजनीतिक एवं विदेश नीति के मुद्दों पर टिप्पणी करता है तो उस पर कार्रवाई की संभावना नहीं है।' ब्लॉग पोस्ट के अनुसार, 'आर्थिक या सैन्य मुद्दों से जुड़ी विदेश नीति सामान्य तौर पर ट्विटर नियमों का उल्लंघन नहीं है।' उदाहरण के लिए, ट्रंप ने ट्विटर पर ईरान को धमकी दी। इसके बाद आलोचकों ने ट्रंप का अकाउंट हटाने की अपील की, लेकिन ट्विटर के अनुसार यह उसकी नीतियों का उल्लंघन नहीं है। हालांकि, आतंकवाद को बढ़ावा देने, किसी की व्यक्तिगत सूचना, खुदकशी की सूचना, बाल यौन उत्पीड़न आदि से संबंधित पोस्ट करने वाले किसी वैश्विक नेता को भी ट्विटर से बाहर कर दिया जाएगा।

उठाया कदम

पाकिस्तानी दुष्प्रचार से निपटने के लिए भारत ने कश्मीर की ताजा स्थितियों से कराया अवगत, बंदिशें हटाने की भी दी जानकारी

भारत ने अमेरिकी सांसदों को कश्मीर के ताजा हालात बताए

- भारत के राजदूत हर्षवर्धन श्रृंगला ने शांति कायम करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की भी जानकारी
- अमेरिकी सांसदों में ज्यादातर विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद थे

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिका में भारत के राजदूत हर्षवर्धन श्रृंगला ने बुधवार को अमेरिकी सांसदों से मुलाकात कर उन्हें जम्मू-कश्मीर की ताजा स्थिति से अवगत कराया। भारतीय राजदूत ने केंद्रशासित प्रदेश में शांति कायम करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की भी जानकारी अमेरिकी सांसदों को दी। पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने और उसे केंद्रशासित प्रदेश बनाने से वहां के हालात में सुधार आया है। शांति स्थापित करने की कोशिश के तहत प्रदेश में कुछ बंदिशें लगाई गई थीं जिनमें ज्यादातर को अब हटाया जा चुका है।

अमेरिकी संसद की उच्च अधिकार प्राप्त विदेशी मामलों की समिति के सदस्यों से मिलकर भारतीय राजनयिकों ने जम्मू-कश्मीर के बारे में जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तानी दुष्प्रचार से प्रभावित होकर कुछ अमेरिकी सांसदों ने पूर्व में जम्मू-कश्मीर में लागू बंदिशों पर सवाल उठाए थे। इसी के चलते भारत की ओर से बंदिशें लगाने के उद्देश्य और उन्हें हटाने के बारे में अमेरिकी सांसदों को जानकारी दी गई है। भारतीय राजनयिकों ने बताया कि 16 अगस्त से जम्मू-कश्मीर के हालात की समीक्षा कर बंदिशों को हटाया जाना शुरू हो गया था और सितंबर के प्रथम सप्ताह तक ज्यादातर बंदिशें हटाई जा चुकी हैं। 14 अक्टूबर को केंद्रशासित प्रदेश से पोस्ट पेड मोबाइल सेवा पर लगी रोक भी हटाई जा चुकी है। इस सेवा के कश्मीर में 40 लाख उपभोक्ता हैं।

विदेश मामलों की समिति के इतर भी कई सांसद जम्मू-कश्मीर पर भारतीय राजदूत के वक्तव्य को सुनने के लिए मौजूद थे। इन सांसदों में ज्यादातर विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद थे। इनमें भारतीय मूल के सांसद अमी बेरा भी शामिल थे।

उल्लेखनीय है कि राजदूत श्रृंगला और न्यूयॉर्क, शिकागो, अटलांटा, ह्यूस्टन व सैन फ्रांसिस्को स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावासों के अधिकारियों ने हाल के दिनों में सैकड़ों सांसदों व प्रमुख लोगों से मिलकर उन्हें जम्मू-कश्मीर की स्थिति से अवगत कराया है।

नदियों का बहाव रोकने का भारतीय प्रयास आक्रामक माना जाएगा : पाक

- प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणी पर भड़का इस्लामाबाद

इस्लामाबाद, प्रेट्र : पाकिस्तान ने कहा है कि उसका तीन पश्चिमी नदियों पर 'विशेषाधिकार' है। पाकिस्तान ने चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि भारत ने इन नदियों के बहाव में बदलाव करने की कोशिश की तो इसे 'उकसावे की कार्रवाई' माना जाएगा।

पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मुहम्मद फैसल ने गुरुवार को साप्ताहिक न्यूज ब्रीफिंग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल ही में की गई टिप्पणी पर पूछे गए सवाल के जवाब में यह कहा। प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान का पानी रोकने की बात कही थी। प्रधानमंत्री मोदी ने इसी हफ्ते हरियाणा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था कि उनकी सरकार पाकिस्तान को मिलने वाला पानी रोकेगी। फैसल ने कहा कि सिंधु जल समझौते के तहत पाकिस्तान के पास तीन पश्चिमी नदियों पर 'विशेषाधिकार' है। नदियों का नाम लिए बगैर उन्होंने कहा, 'यदि भारत ने इन नदियों के बहाव को बदलने की कोशिश की तो इसे उकसावे की कार्रवाई माना जाएगा और पाकिस्तान इसका जवाब देगा।'

बता दें कि भारत द्वारा अनुच्छेद 370 समाप्त करने के बाद से पाकिस्तान भड़का हुआ है और दोनों देशों के बीच तनाव है। पाकिस्तान कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह मुद्दा उठा चुका है। लेकिन भारत ने जोर देकर कहा है कि अनुच्छेद 370 हटाना उसका आंतरिक मामला है। भारत ने पाकिस्तान से भारत विरोधी रवैया त्यागने और वास्तविकता स्वीकार करने को कहा है। भारत ने कहा है कि आतंकवाद के रहते बातचीत नहीं हो सकती है।

चीन में हिरासत में लिया गया अमेरिकी जोड़ा

बीजिंग, एएफपी : चीन और अमेरिका में कारोबारी तनाव के बीच चीन में अंग्रेजी पढ़ाने के कारोबार से जुड़े एक अमेरिकी जोड़े को हिरासत में लिया गया है। पूर्वी चीन के जियांग्सु प्रांत में चाइना होराइजंस नामक कंपनी चलाने वाले जैकब हार्लन और एलिसा पीटरसन को पिछले माह हिरासत में लिया गया था। उनकी कंपनी चीन के स्कूलों में अंग्रेजी पढ़ाने के लिए अमेरिकी शिक्षकों की व्यवस्था करती है। चाइना होराइजंस के फेसबुक पेज पर कहा गया है कि दोनों को झूठे आरोपों में पकड़ा गया है।

एलिसा पर आरोप लगाया गया है कि वह लोगों के साथ गैरकानूनी तरीके से सीमा पार जा रही थीं। जैकब को प्रांत के झेनजियांग शहर के एक होटल में पुलिस की निगरानी में रखा गया है। पुलिस ने गत 28 सितंबर को जैकब को जब हिरासत में लिया आठ साल की उनकी बेटी भी उनके साथ थी। उनका मोबाइल फोन और कंप्यूटर ले लिया गया। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, 'दो अमेरिकी नागरिकों को हिरासत में लिए जाने की खबर से वाकिफ हैं। हम अमेरिकी नागरिकों की मदद करने की जिम्मेदारी गंभीरता से निभा रहे हैं।'

कतर ने न्यूनतम मजदूरी कानून को मंजूरी दी

बेरुत, रायटर : कतर की सरकार ने गुरुवार को कहा कि नए न्यूनतम मजदूरी कानून को लागू कर दिया गया है। जल्द की उस श्रम प्रणाली को भी खत्म कर दिया जाएगा, जिसके तहत कामगारों को देश छोड़ने के लिए अपने नियोक्ताओं की स्वीकृति लेनी पड़ती है। इस खाड़ी देश ने श्रम सुधारों के तहत नए न्यूनतम मजदूरी कानून को मंजूरी दी है। इस देश में करीब 20 लाख विदेशी काम करते हैं, जिनमें बड़ी संख्या भारतीयों की है। कतर साल 2022 में फीफा वर्ल्ड कप की भी मेजबानी करने वाला है। कतर के प्रशासनिक विकास, श्रम और सामाजिक मामलों के मंत्रालय ने कहा कि कैबिनेट ने न्यूनतम मजदूरी से जुड़े नए कानून को मंजूरी दी है। हालांकि यह नहीं बताया गया कि न्यूनतम मजदूरी क्या होगी? मंत्रालय ने यह भी बताया कि कैबिनेट ने एक अन्य मसौदा कानून पर मुहर लगाई है। इसके लागू होने से सभी कामगारों के लिए देश छोड़ने का परमिट लेने की जरूरत खत्म हो जाएगी। इसके अलावा कामगारों के लिए ऐसे मसले पर भी काम किया जा रहा है, जिससे वे ज्यादा आसानी से अपनी नौकरी बदल सकेंगे।

ये भी जानिए

यह पहला मौका है जब रांची के जेएससीए स्टेडियम में कोई टेस्ट मैच खेला जा रहा है। यहां भारत ने अब तक पांच वनडे मैच खेले हैं, जिसमें दो में जीत और दो में हार मिली है। एक मैच बेनतीजा रहा है।

तीसरे टेस्ट मैच में कुलदीप को मिल सकता है मौका

रांची में अभ्यास सत्र में कुलदीप ने एक घंटे तक किया अभ्यास | शुरुआती दोनों टेस्ट मैचों में इस चाइनामैन गेंदबाज को नहीं मिला था मौका

संजीव रंजन ● रांची

तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के शुरुआती दोनों मैचों से नजरअंदाज किए गए चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव को शनिवार से यहां शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट के लिए अंतिम एकादश में मौका दिया जा सकता है। क्रिकेट के हर प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद भी कुलदीप को अंतिम-एकादश में मौका नहीं मिल पा रहा है और कप्तान विराट कोहली ने उनके बारे में कहा था कि वह जानते हैं कि उन्हें अंतिम एकादश में मौका क्यों नहीं दिया जा रहा है।

एक घंटे तक किया अभ्यास : जेएससीए स्टेडियम में भारतीय टीम के अभ्यास सत्र के दौरान कुलदीप ने लगभग एक घंटे तक अभ्यास किया। टीम के मुख्य कोच रवि शास्त्री खुद भी इस चाइनामैन गेंदबाज के साथ मौजूद रहे। पिच और अभ्यास को देखते हुए संकेत मिल रहे हैं कि टीम प्रबंधन मेहमानों को फिर से स्पिन तिकड़ी में फंसाकर क्लीन स्वीप करना चाहता है। शुरुआती दोनों टेस्ट मैचों में अफ्रीकी टीम के बल्लेबाज रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा को खेलने में असहाय थे। दक्षिण अफ्रीकी कप्तान फाफ डुप्लेसिस ने भी कहा है कि उनके बल्लेबाज दोनों स्पिनरों को नहीं खेल पाए हैं और ऐसे में कुलदीप भी अंतिम एकादश में आ जाते हैं तो मेहमानों की राह तीसरे टेस्ट में आसान नहीं होगी। पिच की स्थिति देखते हुए भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली दो तेज व तीन स्पिन गेंदबाजों के साथ मैच में उतर सकते हैं।

टॉस फिर बनेगा बॉस: तीसरे टेस्ट मैच में टॉस की भूमिका सबसे अहम होगी। पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को इसका लाभ मिलेगा। स्कोर बोर्ड पर बड़ा स्कोर टंगने के बाद चौथी पारी में इस पिच पर बल्लेबाजी करना कठिन होगा। टॉस की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण होगी यह डुप्लेसिस भी समझते हैं तभी उन्होंने गुरुवार को कहा कि शनिवार को होने वाले टेस्ट मैच के लिए किस्मत उनका साथ दें क्योंकि अब तक हुए दोनों टेस्ट मैचों में वह टॉस हार चुके हैं। इस पिच पर वह पहले बल्लेबाजी करना चाहेंगे। इससे पहले इस स्टेडियम में हुए एकमात्र टेस्ट मैच में भी टॉस की भूमिका अहम रही थी। भारत- ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए मैच में जहां ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 451 रन बनाए थे और भारत ने पहली पारी में नौ विकेट पर 603 रनों का स्कोर खड़ा किया था लेकिन दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलियाई टीम की पारी लड़खड़ा गई थी और छह विकेट पर 204 रन ही बना पाई थी।

तीसरे दिन से गेंद करेगी टर्न: जेएससीए में तीसरे दिन से गेंद टर्न लेना शुरू कर देगी और इससे स्पिनरों को मदद मिलना शुरू हो जाएगी। पिच क्यूरेटर की मानें तो चौथी पारी में बल्लेबाजी करना आसान नहीं होगा। पिच से स्पिन गेंदबाजों को मदद मिलनी शुरू हो जाएगी। शास्त्री ने पिच को देख मयंक अग्रवाल की पीठ थपथपाई। पहले दो टेस्ट मैचों में शतक जड़ने वाले कर्नाटक के युवा बल्लेबाज के पास लगातार तीसरा शतक जड़ने का मौका होगा। इसके बाद शास्त्री ने नेट्स पर मंयक को काफी देर तक बल्लेबाजी कराई और कुछ टिप्स भी दिए।

कोहली-रोहित ने बनाई दूरी: टेस्ट सीरीज में शानदार फॉर्म में चल रहे कप्तान विराट कोहली और सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा वैकल्पिक अभ्यास सत्र से दूर रहे।

चोट के कारण मार्करैम स्वदेश लौटे: दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करैम भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में टीम का हिस्सा नहीं होंगे। चोटिल होने के कारण वह वापस लौट गए हैं। अभ्यास मैच में शानदार शतक जड़ भारतीय दौरे की शुरुआत करने वाले मेहमान टीम के बल्लेबाज मार्करैम दोनों टेस्ट में कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाए। इससे वह काफी निराश थे। पुणे टेस्ट में असफल होने के बाद मार्करैम काफी दुखी हो गए और 'निराशा' में किसी ठोस चीज पर मुक्का मार दिया जिससे उनके कलाई में चोट आ गई। इस चोट के कारण उन्हें तीसरे टेस्ट से बाहर होना पड़ा। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) के अनुसार, 'यह चोट (दूसरे टेस्ट मैच की) दूसरी पारी में इस सलामी बल्लेबाज के आउट होने के बाद लगी। अपने प्रदर्शन से निराश मार्करैम ने किसी ठोस चीज पर मुक्का मार दिया था जिसके कारण वह चोटिल हो गए।' मार्करैम के लिए भारत का दौरा मिश्रित सफलता वाला रहा है। वह सीरीज के पहले टेस्ट में पांच और 39 रन बनाने के बाद दूसरे टेस्ट की दोनों पारियों में खाता भी नहीं खोल पाए थे। दक्षिण अफ्रीकी टीम के चिकित्सक हशेंद्र रामजी ने कहा, 'मार्करैम की कलाई के सीटी स्कैन से पता चलता है कि उनकी कलाई की हड्डियों में फ्रैक्चर है। चिकित्सा टीम ने इसलिए उन्हें भारत के खिलाफ अगले टेस्ट मैच के लिए अनफिट करार दिया।' मार्करैम गुरुवार की सुबह दक्षिण अफ्रीका रवाना हो गए। टीम प्रबंधन ने उनकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी को नहीं बुलाया है। इस तरह से स्वदेश लौटने से मार्करैम भी निराश हैं। उन्होंने कहा, 'इस तरह स्वदेश लौटना दुखद है और मैं अच्छी तरह से समझता हूं कि मैंने क्या गलत किया और मैं इसकी पूरी जवाबदेही लेता हूं।'

रांची के जेएससीए स्टेडियम में अभ्यास के लिए जाते भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिनर कुलदीप यादव ● जागरण

जीतने के लिए सर्वश्रेष्ठ करना होगा : डुप्लेसिस

रांची : दक्षिण अफ्रीकी टीम के कप्तान फाफ डुप्लेसिस तीसरे टेस्ट मैच में सभी खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन चाहते हैं क्योंकि उनका मानना है कि भारत जैसी मजबूत टीम को हराने के लिए सर्वश्रेष्ठ करने की जरूरत है। कप्तान ने कहा, 'भारत को हराना है तो हमें एक टीम के रूप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। टुकड़ों में प्रदर्शन मायने नहीं रखता। रांची में हम टॉस जीतना चाहते हैं ताकि पहले बल्लेबाजी कर सकें। पिछले दो मैचों में किस्मत हमारे साथ नहीं थी, लेकिन मैं चाहूंगा कि रांची में किस्मत मेरे साथ रहे। अंतिम पारी यहां खेलना काफी मुश्किल हो सकता है। हमें बड़े स्कोर बनाने होंगे। हमारे बल्लेबाज शुरू तो सही कर लेते हैं लेकिन बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर पा रहे हैं। मैं भी दो बार पचास से ज्यादा रन बनाने में तो सफल रहा, लेकिन उसे शतक में नहीं बदल सका। हमारे बल्लेबाज इस सीरीज में अब तक कमाल नहीं कर सके हैं। एक कप्तान के रूप में यह दौरा मेरे लिए एक चुनौती है, मुझे अपने प्रदर्शन के साथ- साथ युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन को ऊपर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।'

हमजा को मिलेगा मौका : डुप्लेसिस ने कहा, 'तीसरे टेस्ट में मार्करैम के नहीं रहने के कारण जुबैर हमजा को टीम में शामिल किया गया है। उन्हें हम नंबर तीन पर उतार सकते हैं। इसके अलावा भी बल्लेबाजी क्रम में फेरबदल किया जा सकता है। हमारे बल्लेबाजी कोच अमोल मजूमदार ने टीम के युवा बल्लेबाजों को स्पिन के खिलाफ खेलने के कई टिप्स दिए। उनके साथ रहकर हमारे युवा खिलाड़ियों ने काफी कुछ सीखा है।'

जेएससीए स्टेडियम में होने वाले तीसरे टेस्ट मैच को लेकर गुरुवार को पिच का निरीक्षण करते भारतीय क्रिकेट टीम के कोच रवि शास्त्री ● जागरण

भारत में आप खुद को अच्छी तरह से समझ जाते हो : एल्गर

रांची : दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज डीन एल्गर ने कहा कि भारत दौरे पर उन्हें एक क्रिकेटर और व्यक्ति के तौर पर खुद को अच्छी तरह से समझने का मौका मिला। यह चुनौतीपूर्ण दौरा है। एक व्यक्ति, एक क्रिकेटर के तौर पर आप बहुत कुछ सीखते हो। आप एक व्यक्ति के रूप में तब खुद के बारे में काफी जानते हैं जब आप छोटी जगहों पर जाते हैं जहां होटल संभवत: अच्छे नहीं होते और फिर आपको मैदानी चुनौती का सामना करना होता है। भारत आने पर हमेशा आपको काफी अच्छी सीख मिलती है। एल्गर ने कहा कि पहले यह एक औपचारिक मैच होता लेकिन अब विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के कारण हम इससे अंक हासिल कर सकते हैं। हम अंतिम टेस्ट मैच में जीत दर्ज करके अब भी 40 अंक हासिल कर सकते हैं। इसमें अब भी काफी कुछ दांव पर लगा है। हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेल पाए और अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रख पाए, लेकिन हम सकारात्मक बने रहने की कोशिश कर रहे हैं।

करवा चौथ मना कर रांची पहुंचेंगे विराट कोहली

संजीव रंजन, रांची : भारत-दक्षिण अफ्रीका के बीच वर्तमान सीरीज का तीसरा व अंतिम टेस्ट मैच 19 अक्टूबर से रांची के जेएससीए स्टेडियम में खेला जाना है। टीम के सभी सदस्य यहां पहुंच गए हैं लेकिन कप्तान विराट कोहली देर रात तक रांची नहीं पहुंचे थे। कप्तान के नहीं आने के कारण यह प्रश्न सभी के दिमाग में कौंधा आखिर वह अभी तक रांची क्यों नहीं आए?

झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के सचिव संजय सहाय के अनुसार उन्हें गुरुवार रात तक आ जाना था लेकिन रात में रोहित शर्मा व रिषभ पंत पहुंचे। सूत्रों की मानें तो भारतीय कप्तान कोहली पत्नी अनुष्का संग करवा चौथ मना कर शुक्रवार की सुबह रांची पहुंचेंगे। हालांकि यह बीसीसीआइ के नियमों का उल्लंघन भी है। बीसीसीआइ के नियमों के मुताबिक जब देश में टेस्ट सीरीज चल रही हो तो भारतीय खिलाड़ी दूसरे और तीसरे टेस्ट के बाद दो दिन का आराम कर सकते हैं। जब सौरव गांगुली कप्तान थे तब यह नियम बनाया गया था। वर्तमान सीरीज का दूसरा टेस्ट सोमवार को खत्म होना था। हालांकि भारतीय टीम ने रविवार को ही यह मैच जीत लिया था। इस हिसाब से सभी भारतीय क्रिकेटरों को गुरुवार तक हर हाल में रिपोर्टिंग करनी थी।

पुणे टेस्ट चार दिनों में समाप्त होने के बाद कोहली वहां से मुंबई चले गए थे। विराट व अनुष्का की शादी 11 दिसंबर 2017 में हुई थी। दोनों ने अपनी शादी के लिए इटली को चुना था जहां बेहद करीबी लोगों की मौजूदगी में दोनों विवाह बंधन में बंधे थे। दोनों का पहला करवा चौथ पिछले साल था। उस समय भी भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज खेल रही थी। कोहली ने इसके बाद अपनी व अनुष्का की तस्वीर सोशल मीडिया पर ही शेयर की थी।

बांग्लादेश की टी-20 टीम हुई घोषित

ढाका, प्रेट्र : भारत के खिलाफ अगले महीने से खेली जाने वाली टी-20 सीरीज के लिए बांग्लादेश की टीम का एलान हो गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की और टीम की कमान अनुभवी ऑलराउंडर शरकिब अल हसन के हाथों में सौंपी है। भारत और बांग्लादेश के बीच नवंबर-दिसंबर के बीच तीन टी-20 और दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जानी है।

> अगले महीने भारत में तीन टी-20 और तीन टेस्ट खेलेगी बांग्ला टीम

भारत बांग्लादेश के साथ खेली जाने वाली टी-20 सीरीज का पहला मैच तीन नवंबर को दिल्ली के अरुण जेटली मैदान में खेला जाएगा। दूसरा मुकाबला सात नवंबर को राजकोट में होगा, जबकि तीसरा टी-20 मैच 10 नवंबर को नागपुर में खेला जाना है। टीम इंडिया फिलहाल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपनी जमीन पर टेस्ट सीरीज खेल रही है। भारत-बांग्लादेश की भिड़ंत आखिरी बार टी-20 में निदाहास ट्रॉफी में हुई थी। इस रोमांचक मुकाबले में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को अंतिम गेंद पर हराया था। शाकिब अल हसन (कप्तान), तमीम इकबाल, लिटोन दास, सौम्य सरकार, नईम शेख, मुश्फिकुर रहीम, महमुदुल्लाह, अफीफ हुसैन, मुसद्दक हुसैन, अमीनुल इस्लाम, अराफात सनी, मुहम्मद सैफुद्दीन, अल अमीन हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, सफीउल इस्लाम।

ऑस्ट्रेलियाई सीरीज के लिए श्रीलंका टीम में लौटे अनुभवी खिलाड़ी

कोलंबो : श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए गुरुवार को अपनी 16 सदस्यीय टीम का एलान कर दिया, जिसमें कई अनुभवी खिलाड़ियों की वापसी हुई है। पाकिस्तान में हाल ही में हुई टी-20 सीरीज में श्रीलंका ने अपनी युवा टीम भेजी थी, जहां उसे जीत मिली थी। इस सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को हालांकि टीम में बनाए रखा गया है। भानुका राजपक्षे और ओशाडा फर्नांडो ने अपनी-अपनी जगहें सुरक्षित रखी हैं। राजपक्षे ने 48 गेंदों पर 77 रन बनाकर सुर्खियां बटोरी थीं। फर्नांडो ने सीरीज के अंतिम मैच में पदार्पण किया था और 48 गेंदों पर नाबाद 78 रन बनाए थे। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने साथ ही लसित मलिंगा को टीम की कप्तानी वापस सौंपी है। टीम : लसित मलिंगा (कप्तान), कुशल परेरा, कुशल मेंडिस, दनुष्का गुणथिलका, अविष्का फर्नांडो, निरोशन डिकवेला, दासुन शनाका, शेहान जयासूर्या, भानुका राजपक्षे, ओशाडा फर्नांडो, वानिंदु हसारंगा, लक्षण संदाकन, नुवान प्रदीप, लाहिरू कुमारा, इसुरु उदाना, कासुन राजिता।

फेडरर अगले साल फ्रेंच ओपन में खेलेंगे

पेरिस, एएफपी : स्विट्जरलैंड के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर ने अगले साल होने वाले ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट फ्रेंच ओपन में हिस्सा लेने की पुष्टि कर दी। 20 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता फेडरर ने इस साल फ्रेंच ओपन में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। अंतिम-चार के मुकाबले में उन्हें चिर-प्रतिद्वंद्वी स्पेन के राफेल नडाल के खिलाफ हार झेलनी पड़ी थी।

उन्होंने दो साल बाद इस टूर्नामेंट में वापसी की थी। फेडरर ने कहा कि वह अगले साल फ्रेंच ओपन में जरूर खेलेंगे, लेकिन उसके अलावा ज्यादा टेनिस टूर्नामेंट नहीं खेलेंगे। मुझे टेनिस के अलावा भी कुछ समय चाहिए। मैं अपने परिवार के साथ समय बिताऊंगा क्योंकि हमें ब्रेक चाहिए। खासकर अगर मैं ओलंपिक में भाग ले रहा हूं तो मैं फ्रेंच ओपन और विंबलडन में भी हिस्सा लूंगा।

भारत और पाक द्विपक्षीय क्रिकेट संबंधों की बहाली मोदी-इमरान से जुड़ा विषय : सौरव

खेल संवाददाता, कोलकाता: बीसीसीआइ के भावी अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा कि पाक के साथ क्रिकेट संबंध बहाल करना भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उनके पाकिस्तानी समकक्ष इमरान खान की मंजूरी से जुड़ा विषय है।

गांगुली से यहां जब भारत-पाकिस्तान द्विपक्षीय सीरीज बहाल करने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि आपको यह सवाल मोदी जी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री से पूछना चाहिए। पूर्व कप्तान ने कहा कि निश्चित तौर पर हमें अनुमति लेनी होगी, क्योंकि सभी अंतरराष्ट्रीय दौरे सरकार के जरिये होते हैं इसलिए हमारे पास इस सवाल का जवाब नहीं है। भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी द्विपक्षीय सीरीज 2012 में खेली गई थी, जब भारत ने तीन टी-20 और तीन वनडे मैचों के लिए पाकिस्तान की मेजबानी की थी। गांगुली की अगुआई में भारत ने 2004 में पाकिस्तान का ऐतिहासिक दौरा किया था। यह 1999 में कारगिल युद्ध के बाद दोनों देशों के बीच पहली द्विपक्षीय सीरीज थी और भारतीय टीम 1989 के बाद पहली बार पाकिस्तान दौरे पर गई थी। जम्मू कश्मीर के पुलवामा में 14 फरवरी को आतंकी हमले पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बीसीसीआइ ने पाकिस्तान के संदर्भ में आइसीसी से आतंकवाद को श्रेय देने वालों देशों से संबंध तोड़ने की अपील की थी। यह पत्र तीन सदस्यीय प्रशासकों की समिति (सीओए) की तरफ से भेजा गया था जो बीसीसीआइ चुनाव होने तक बोर्ड के कामकाज को संभाल रही है।

फुटबॉल लीग के छठे सत्र के उद्घाटन समारोह में रहेंगे मौजूद: सौरव गांगुली रांची में 19 अक्टूबर से भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में जाना चाहते थे लेकिन इंडियन सुपर लीग (आइएसएल) के छठे सत्र की शुरुआत के कारण वह टेस्ट मैच में शिरकत नहीं कर पाएंगे।

मोदी-हसीना को निमंत्रण

कोलकाता: भारत-बांग्लादेश के बीच ईडन गार्डेंस स्टेडियम में 22 से 26 नवंबर तक होने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को आमंत्रित किया गया है। बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) की ओर से इस बाबत निमंत्रण भेजा जा चुका है। हालांकि प्रधानमंत्री कार्यालय और बांग्लादेश सरकार की ओर से अब तक पुष्टि नहीं की गई है।

सौरव गांगुली ● फाइल फोटो, प्रेट्र

फिर भारत के लिए ओपनिंग करेंगे सचिन-सहवाग

जागरण न्यूज नेटवर्क, मुंबई: दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर एक बार फिर भारत के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के संग ओपनिंग करते नजर आएंगे। चार से 16 फरवरी तक मुंबई में होने वाली सड़क सुरक्षा विश्व सीरीज में यह दोनों दिग्गज बल्लेबाज भारतीय फ्रेंचाइजी के लिए एक बार फिर खेलते नजर आएंगे। उनके अलावा सीरीज में वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व खिलाड़ी जोंटी रोड्स भी खेलेंगे।

मुंबई में गुरुवार को हुए लांच कार्यक्रम में इसकी घोषणा की गई। इस दौरान तेंदुलकर ने कहा कि सौरव गांगुली बीसीसीआइ अध्यक्ष के रूप में अपनी भूमिका उसी जुनून के साथ निभाएंगे जैसे अपने बेहद सफल करियर के दौरान वह खेला करते थे। तेंदुलकर ने कहा कि उन्होंने जिस तरह से अपनी क्रिकेट खेली, उन्होंने जिस तरह से देश की सेवा की, मुझे इसमें कोई संदेह नहीं कि वह (बीसीसीआइ अध्यक्ष के तौर पर) उसी तरह की क्षमता, लगन और फोकस के साथ अपनी भूमिका निभाएंगे। तेंदुलकर लीग में भारतीय टीम की अगुआई करेंगे। इसमें सहवाग, जहीर खान, आरपी सिंह और अजित अगरकर भी शामिल हैं। लीग के ब्रांड एंबेसडर तेंदुलकर ने कहा कि मैं अभ्यास करूंगा और ये सभी क्रिकेटर तैयार हैं। सभी खिलाड़ी तैयार हैं और लंबे समय बाद मैदान पर लौटना सुखद अहसास है लेकिन जैसे मैंने पहले कहा था कि जब भी आप मैदान पर उतरते हो तो उसका अहसास भिन्न होता है। सहवाग भी फिर से तेंदुलकर के साथ पारी का आगाज करने और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेट ली जैसे गेंदबाजों का सामना करने को लेकर उत्साहित है। लीग में पांच देशों के 75 दिग्गज खिलाड़ी एक बार फिर मैदान पर अपना जलवा दिखाएंगे।

लारा बोले, विंडीज के पुराने दिनों की याद दिलाती है भारतीय तेज गेंदबाजी: वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा ने भारतीय तेज गेंदबाजों की तारीफ की और कहा कि यह वेस्टइंडीज के पुराने दिनों की याद दिलाता है। भारतीय तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, इशांत शर्मा और मुहम्मद शमी 2018 से टेस्ट मैचों में 142 विकेट ले चुके हैं। लारा ने कहा कि यह भारतीय गेंदबाज अद्भुत हैं। मैंने इन सभी को वेस्टइंडीज में देखा था। जब आप क्वालिटी देखते हो तो बुमराह, शमी और उमेश यादव याद आते हैं और भुवनेश्वर कुमार जैसा गेंदबाज टीम में जगह नहीं बना पाता है। यह मुझे वेस्टइंडीज गेंदबाजों की याद दिलाता है। आपके पास बेंच स्ट्रेंथ होना जरूरी होता है। अगर ऐसा है तो यह दिखाता है कि आपके पास अच्छे गेंदबाज हैं।

मुंबई में लीग के लांच कार्यक्रम के दौरान जोंटी रोड्स, वीरेंद्र सहवाग, तिलकरत्ने दिलशान, सचिन तेंदुलकर, ब्रायन लारा और ब्रेट ली ● प्रेट्र

ट्रॉफी जीतने को लगा देंगे पूरा दम : मनिंदर

विशाल श्रेष्ठ, कोलकाता : नया कोच, नया कप्तान, नई टीम। आखिरकार छह सत्र बाद बंगाल वारियर्स को सफलता मिली और उसने प्लेऑफ से आगे बढ़ते हुए फाइनल में कदम रख दिया है। मंजिल अब बस एक कदम दूर है लेकिन आसान नहीं। सामने दबंग दिल्ली जैसी बेहद मजबूत टीम है। वो भी पहली बार खिताब जीतने को कोई कसर नहीं छोड़ेगी। शनिवार को अहमदाबाद के एका एरिना स्टेडियम में होने वाली इस खिताबी जंग से पहले बंगाल टीम के कप्तान मनिंदर सिंह व कोच बीसी रमेश से खास बातचीत।

साक्षात्कार

आपकी टीम छह सत्र के बाद आखिरकार फाइनल में पहुंच गई। इस पर आपकी प्रतिक्रिया?

मनिंदर : प्रो-कबड्डी की ट्राफी जीतना हरेक खिलाड़ी का सपना होता है। हम फाइनल खेलने को लेकर बेहद खुश और उत्साहित हैं और ट्राफी जीतने की पूरी कोशिश करेंगे।

रमेश : मैंने जब बतौर कोच शुरुआत की तो मेरा पहला लक्ष्य एक संतुलित टीम तैयार करना था और अब आखिरी लक्ष्य ट्रॉफी जीतना है। हम खिताब से सिर्फ एक कदम दूर हैं।

नया कप्तान, नया कोच, नई टीम, भिन्न टीम संयोजन या कोई खास रणनीति, इस बार बंगाल वारियर्स के लिए क्या कारगर साबित हुआ?

मनिंदर : इस बार कई चीजें हमारे पक्ष में रहीं। हमने एक नई टीम के रूप में शुरुआत की। नए कोच बीसी रमेश ने हमें नए सांचे में ढाला। उन्होंने हरेक खिलाड़ी पर बहुत काम किया, जिससे हमारा कौशल निखरा। हमने अपने कमजोर पहलुओं को दूर किया। हरेक मैच के लिए नए टीम संयोजन को अपनाया और अलग से रणनीति बनाई। कुल मिलाकर कहें तो हमने सही तरीके से खेला, जिससे हमें फाइनल में पहुंच पाए।

रमेश : किसी भी खेल में सही संतुलन की जरुरत होती है, यही हमारे काम आया। हमने आक्रमण व रक्षण का सही संतुलन बनाया। अपनी खामियों को दूर किया(

दिल्ली के खिलाफ खिताबी मुकाबला कितना आसान या कितना मुश्किल?

मनिंदर : यह सत्र बेहद कठिन रहा है। हरेक टीम जीत के लिए अंतिम मिनट तक लड़ी हैं। दबंग दिल्ली के लिए यह सत्र अभूतपूर्व रहा है। उसका टीम संयोजन और रणनीति अच्छी रही हैं। मैं यही कहना चाहूंगा कि खिताबी मुकाबला काफी रोमांचक होगा और दोनों टीमें अपना 100 फीसद देंगी।

वीएफआइ के रवैये के कारण लीग के दूसरे सत्र की नहीं मिल पा रही तारीखें, बेसलाइन वेंचर्स और फ्रेंचाइजियों ने वीएफआइ के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की भी धमकी दी

प्रो वॉलीबॉल लीग पर खुद ही अड़ंगा लगा रहा वीएफआइ

अभिषेक त्रिपाठी ● नई दिल्ली

क्रिकेट के शौकीन देश भारत में बैडमिंटन, कुश्ती और वॉलीबॉल लीग आने से उन खेलों के खिलाड़ियों का भला हुआ है लेकिन अभी भी कुछ खेल संघ ऐसे हैं जो अपने ही खिलाड़ियों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं और उनमें से एक है भारतीय वॉलीबॉल संघ (वीएफआइ)।

वॉलीबॉल के खिलाड़ी भी चाहते हैं कि इनको भी टीवी पर लोग देखें और उन्हें भी अच्छी रकम मिले। इस साल फरवरी में प्रो वॉलीबॉल लीग (पीवीएल) का पहला सत्र होने से ऐसा हुआ भी लेकिन अब वीएफआइ के गैर जिम्मेदाराना रवैये के कारण इस लीग के साथ ही खिलाड़ियों का भी भविष्य अंधकार में पड़ गया है। सूत्रों का कहना है कि वीएफआइ के सचिव रामअवतार जाखड़ निजी फायदे के लिए इस लीग की राह रोक रहे हैं। इस मसले पर जाखड़ से बातचीत की कोशिश की गई लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया।

शुरू नहीं हो पा रहा दूसरा सत्र: इस लीग को कराने की जिम्मेदारी बेसलाइन वेंचर्स और वीएफआइ की थी और इसके लिए दोनों के बीच 10 साल का करार भी हुआ था लेकिन वीएफआइ के महासचिव रामवतार सिंह जाखड़ लीग के दूसरे सत्र को शुरू करने के लिए सहमति नहीं दे रहे हैं। दैनिक जागरण के पास लीग आयोजित करने वाली कंपनी बेसलाइन वेंचर्स और वीएफआइ के बीच आदान-प्रदान किए गए ईमेल हैं। इसमें बेसलाइन की तरफ से वीएफआइ के कार्यकारी सदस्यों को लिखा गया है कि इस लीग का पहला सत्र सफलतापूर्वक रहा था। दूसरे सत्र के लिए प्रायोजक, टीम के मालिक, खिलाड़ी, प्रसारणकर्ता, अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल संघ (एफआइवीबी) सभी तैयार हैं। जिस तरह के हालत बने हुए हैं उससे दूसरे सत्र का आयोजित होना मुश्किल स्थिति में हैं। मालूम हो कि बेसलाइन और वीएफआइ के बीच 10 साल का करार हुआ था। इसके पहले सत्र का प्रसारण सोनी नेटवर्क ने किया था।

तारीख पर तारीख: बेसलाइन वेंचर्स इस साल मार्च से वीएफआइ से दूसरे सत्र को शुरू कराने के लिए तारीखें मांग रहा है। सोनी चाहता है कि पीवीएल नवंबर में हो लेकिन वीएफआइ ने तारीखें नहीं दी। सोनी ने सात फरवरी 2020 की अंतिम तारीख दी थी अगर हम इस तारीख से 90 या 100 दिन पहले उसे पुष्टि नहीं करते हैं तो इस लीग का प्रसारण नहीं होगा। पहले सत्र के सभी पैसे वीएफआइ और खिलाड़ियों को दे दिए गए हैं। करार के अनुसार, यदि लीग फायदे में भी नहीं रहती तब भी वीएफआइ को एक अनुमानित रकम मिलनी थी। वीएफआइ को एक साल में 3.5 करोड़ रुपये प्राप्त हुए और यदि लीग घाटे में भी रहती तब भी उन्हें यह रकम हर साल मिलनी थी।

> हमने सब कुछ अच्छा किया है। अच्छे प्रायोजक लेकर आए थे और अभी भी प्रायोजक इंतजार कर रहे हैं। अचानक से वीएफआइ की तरफ से बातचीत बंद हो गई। पता नहीं वे क्या चाहते हैं। हम जब अच्छा काम कर रहे हैं तो आप लोग हमें तारीखें क्यों नहीं दे रहे। वॉलीबॉल के खिलाड़ियों को पहली बार इतना पैसा समय पर मिला है। जब सब कुछ अच्छा चल रहा है तो वे इसे जारी क्यों नहीं रखना चाह रहे। अगर वे यह लीग नहीं कराते तो फ्रेंचाइजी इन्हें छोड़ेंगी नहीं। वॉलीबॉल खिलाड़ियों का भविष्य वीएफआइ का सिर्फ एक आदमी खराब कर रहा है और इस बारे में सभी सदस्यों को पता चलना चाहिए। **जॉय भट्टाचार्य**, सीईओ, पीवीएल

वीएफआइ ने अचानक बातचीत की बंद: इस साल जून में वीएफआइ की तरफ से एक पत्र मिला था जो पहले सत्र के सफल होने को लेकर था। इसके बाद बेसलाइन ने जुलाई में वीएफआइ को ऑडिटेड रिटर्न जमा किया। फिर पता नहीं वीएफआइ के व्यवहार में क्या बदलाव आया कि उन्होंने जून और जुलाई में अचानक से बातचीत करना बंद कर दिया।

एक्सक्लूसिव

PRO VOLLEYBALL

एफआइवीबी ने भी लिखा पत्र: अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल संघ ने भी वीएफआइ को एक पत्र लिखा और कहा कि जब तक आप बेसलाइन वेंचर्स के साथ अपने मुद्दों को हल नहीं कर लेते तब तक वह आपसे कोई बातचीत नहीं करेगा। यह पत्र अगस्त के अंतिम सप्ताह में भेज गया था। इसके बाद वीएफआइ ने कोई जवाब नहीं दिया। फिर एफआइवीबी ने 15 अक्टूबर को पत्र लिखा और जिसमें कहा गया था कि वीएफआइ दूसरे सत्र के लिए प्रतिबद्ध तारीखें उपलब्ध कराए, लेकिन अभी तक वीएफआइ ने कोई जवाब नहीं दिया। यदि लीग आयोजित नहीं की जाती है तो छह फ्रेंचाइजी और बेसलाइन अपने नुकसान की वसूली के लिए वीएफआइ के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे। अदालती मामलों के बाद, यह लीग खत्म हो जाएगी। कोई भी कंपनी या चैनल लीग को संभालने या बचाने में सक्षम नहीं होगा।

सीईओ ने की कोशिश: पीवीएल के सीईओ जॉय भट्टाचार्य ने लीग के दूसरे सत्र की तारीखों के लिए वीएफआइ के सचिव को इस साल मार्च में ई-मेल लिखकर तारीखें देने का आग्रह किया। इसमें भट्टाचार्य ने लिखा था कि पहला सत्र काफी सफतलतापर्वूक रहा था और इसके लिए आपको बधाई। सोनी ने हमें जानकारी दी थी कि वह इस साल के अंत में दूसरे सत्र का आयोजन चाहता है। उन्होंने 15 अक्टूबर से 15 दिसंबर की तारीखें भी हमें बताई हैं। हम आपको भी ये तारीखों अवगत करा रहे हैं ताकि हम अपनी योजनाओं पर काम कर सके। हम एक या दो फ्रेचाइजियों को और बढ़ाना चाहते हैं। दो फ्रेंचाइजी पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बंगाल और छत्तीसगढ़ से हो सकती हैं। फिर इसके बाद भट्टाचार्य ने टीम के मालिकों के साथ बैठक करके खिलाड़ियों को रिटेन करने को लेकर ई-मेल किया। खिलाड़ियों की नीलामी की तारीखों की भी जानकारी दी गई। यह लीग इस साल दो फरवरी से 22 फरवरी के बीच हुई थी इसमें छह टीमों ने शिरकत की थी। इस लीग के मैच छह शहरों में खेले गए थे।

चैंपियंस लीग में जगह बनाने से मिलेगी प्रेरणा : हाबास

कोलकाता : इंडियन सुपर लीग (आइएसएल) का खिताब दो बार अपने नाम करने वाले क्लब एटीके के मुख्य कोच एंटोनियो लोपेज हाबास ने गुरुवार को कहा कि लीग में शीर्ष पर रहने वाली टीम का एएफसी चैंपियंस लीग प्लेऑफ में खेलना लीग के खिलाड़ियों के लिए बड़ी प्रेरणा का काम करेगा। आइएसएल का छठा सत्र 20 अक्टूबर से शुरू हो रहा है और यह लीग अब आइ–लीग को हटाकर देश में फुटबॉल की शीर्ष लीग बन गई है।

> मेरा अगला लक्ष्य ओलंपिक क्वालीफायर की बाधा पार करना है। मुझे उम्मीद है कि मैं ऐसा करने में कामयाब रहूंगी।
> – लवलीना बोरगोहेन, भारतीय मुक्केबाज

न्यूज गैलरी

सिंधू, प्रणीत, समीर बाहर

ओडेंसे : भारत की स्टार महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू गुरुवार को डेनमार्क ओपन के महिला सिंगल्स के दूसरे दौर में 17 साल की दक्षिण कोरिया की एन से यंग से हार कर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। वहीं विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता बी साई प्रणीत और समीर वर्मा भी प्री–क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में हार कर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली सिंधू को यंग ने सीधे गेमों में 21–14, 21–17 से पराजित किया। प्रणीत भी अपनी सफलता को कायम रखने में विफल रहे। जापान के कंटो मोमोटा के सामने वह कमजोर ही नजर आए। मोमोटा ने भारतीय खिलाड़ी को 21–6, 21–14 से हराया। समीर का सामना भी चीन के दिग्गज चेन लोंग से था जिन्होंने भारतीय खिलाड़ी को 38 मिनट में 21–12, 21–10 से मात दी। पुरुष डबल्स में सात्विक साइराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी को चीन के चेंग हान चेंग केई और झाओ हाओ डोंग की जोड़ी ने 21–16, 21–15 से हराया। भारतीय खिलाड़ियों का कुल मिलाकर डेनमार्क ओपन में प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। (प्रेट्र)

आनंद ने प्रेरक किताब लिखी

नई दिल्ली : महान शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद ने एक प्रेरक किताब लिखी है जिसमें जीवन के अपने अनुभवों को उन्होंने साझा किया है। 'माइंड मास्टर : विनिंग लेसंस फ्रॉम ए चैंपियंस लाइफ' में आनंद ने अपने बेहतरीन मुकाबलों और बद्तर पराजयों को याद किया है। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने के अपने अनुभव, जीत की रणनीतियों और निराशाओं से उबरने के अनुभव भी उन्होंने साझा किए हैं। हैचे इंडिया द्वारा प्रकाशित किताब का विमोचन 11 दिसंबर को होगा। पांच बार के विश्व चैंपियन ने कहा कि मेरे करियर और जीवन की कई अनूठी यादें हैं लेकिन उन्हें कागजों पर उकेरने के लिए यादों के गलियारे से गुजरना था। मैंने इस सफर में कई रोचक कहानियां और घटनायें फिर से याद कर ली। आनंद ने करियर के सभी पहलुओं के बारे में जानकारी दी है। (प्रेट्र)

मुक्केबाज पैट्रिक डे का निधन

शिकागो : मुक्केबाज पैट्रिक डे का बुधवार को निधन हो गया। चार दिन पहले चार्ल्स कॉनवैल के खिलाफ मुकाबले में उन्हें सिर में गंभीर चोट लगी थीं। प्रमोटर लोऊ डिबेला ने बताया कि उनका नॉर्थवेस्टर्न मेमोरियल हॉस्पिटल में निधन हो गया। वह 27 वर्ष के थे। शनिवार को कॉनवैल से मुकाबले के दौरान वह 10वें दौर में नॉकआउट होकर बाहर हो गए थे। इस मुकाबले में उनके सिर में गंभीर चोट आई थीं, जिसके बाद उन्हें स्ट्रेचर पर बाहर ले जाया गया था। (एपी)

निखत ने रिजिजू को लिखा पत्र, मिला बिंद्रा का समर्थन

नजरिया ▸ ओलंपिक से पहले मेरी कॉम संग ट्रायल चाहती हैं जरीन

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआइ) के अध्यक्ष अजय सिंह द्वारा ओलंपिक क्वालीफायर के लिए ट्रायल आयोजित न करने और 51 किलोग्राम भारवर्ग में एमसी मेरी कॉम को सीधे प्रवेश देने के बयान के बाद महिला मुक्केबाज निखत जरीन ने देश के खेल मंत्री किरण रिजिजू को पत्र लिखा है। निखत ने अपने पत्र में खेल मंत्री से पारदर्शिता बरतने की गुहार लगाई है।

निखत ने बुधवार को ही बता दिया था कि वह ट्रायल्स न होने की खबर सुनकर निराश हैं और इसलिए खेल मंत्री को पत्र लिखेंगी। उन्होंने गुरुवार को रिजिजू को पत्र लिखा जिसे उन्होंने ट्विटर पर भी साझा किया। निखत ने लिखा कि मैं सिर्फ एक सही मौका चाहती हूं। मैं जिस चीज के लिए अभ्यास कर रही हूं उसके लिए मुझे मौका नहीं मिला तो क्या मतलब। खेल का मतलब सभी के साथ ईमानदारी से पेश आना है।

मैं अपने देश पर भरोसा नहीं खोना चाहती, जय हिंद। निखत ने अपने पत्र में अमेरिका के दिग्गज तैराक माइकल फेल्प्स का जिक्र किया है जिन्हें ओलंपिक खेलने के लिए हर बार ट्रायल्स से गुजरना पड़ता था। साथ ही निखत ने यह भी लिखा है कि मेरी कॉम उनके लिए आदर्श हैं। मैं जब छोटी थी तब मैं मेरी से प्रभावित हुई थी। इस प्रेरणा के साथ न्याय करने का एक ही तरीका था कि मैं उन जैसी मुक्केबाज बनूं। मेरी खेल में प्रतिस्पर्धा से छुपने के लिए और अपना ओलंपिक क्वालीफिकेशन बचाने के लिहाज से बहुत बड़ा नाम हैं।

भारतीय मुक्केबाज निखत जरीन। फाइल फोटो

उन्होंने लिखा कि 23 बार के स्वर्ण पदक विजेता माइकल फेल्प्स को भी ओलंपिक के लिए हर बार क्वालीफाई करना पड़ा था, हम सभी को भी यही करना चाहिए। तेलंगाना की रहने वाली इस मुक्केबाज ने लिखा कि मैं आपको एक महिला खिलाड़ी के तौर पर यह पत्र लिख रही हूं जो खेल में अपनी पहचान बनाना चाहती है और देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाना चाहती है। निखत को ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा का भी समर्थन मिला है।

उन्होंने निखत के ट्वीट को रीट्वीट किया है। बिंद्रा ने लिखा कि मैं मेरी का बहुत सम्मान करता हूं। हकीकत यह है कि एक खिलाड़ी को अपनी जिंदगी में हर दिन प्रमाण देना पड़ता है और वह प्रमाण यह होता है कि हम कल से भी अच्छे आज हैं। खेल में बीता कल गिना नहीं जाता।

आरसीबी की टीम को मिली महिला मसाज थेरेपिस्ट

बेंगलुरु, एएनआइ : इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) की फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर (आरसीबी) इस लीग की पहली ऐसी टीम बन गई है, जिसने आगामी 13वें सत्र में अपने सहायक स्टाफ में एक महिला को जगह देगी। टीम ने नवनीता गौतम के साथ मसाज थेरेपिस्ट के तौर पर करार किया है। नवनीता मुख्य फिजियोथेरेपिस्ट ईवान स्पीची और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच शंकर बासु के साथ मिलकर काम करेंगी।

उनकी नियुक्ति पर फ्रेंचाइजी के चेयरमैन संजीव चूड़ीवाला ने कहा कि मैं इतिहास में इस पल का हिस्सा बनकर खुश हूं। यह हमारे द्वारा सही दिशा में लिया गया कदम है। यह खेल कई मायनों में काफी दूर तक फैला रहा है। उन्होंने कहा कि खेल लोगों को सक्षम बनाने का बेहतरी माध्यम है, लेकिन यह भी जरूरी है कि इसमें बराबरी की भावना को बढ़ाया जाए। सभी खेलों में महिलाओं की हिस्सेदारी और सफलता से यह मुमकिन हो सका है। बेंगलुरु में हम नवनीता जैसी प्रतिभा को शामिल कर खुश हैं। बता दें कि आइपीएल फ्रेंचाइजी आरसीबी के कप्तान विराट कोहली हैं। यह टीम आज तक आइपीएल का एक भी खिताब नहीं जीत पाई है। पिछले संस्करण में तो इस टीम का प्रदर्शन बेहद ही खराब रहा था, जहां टीम को एक-एक मैच जीतने के लिए बेहद जूझना पड़ा था और अब टीम एक नई शुरुआत करने के लिए तैयार है।

नॉकआउट चरण में पहुंचने से चूकी उत्तर प्रदेश की टीम

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

अपने आखिरी लीग मुकाबले में हरियाणा से मिली 20 रनों से हार के बाद उत्तर प्रदेश की टीम का विजय हजारे ट्रॉफी के क्वार्टरफाइनल में पहुंचने का सपना टूट गया। वड़ोदरा में खेले गए मुकाबले में हरियाणा की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.1 ओवर में 208 रनों पर पवेलियन लौट गई। उनके लिए नितिन सैनी ने सबसे ज्यादा 65 रन बनाए। उत्तर प्रदेश की ओर से सौरभ कुमार ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। जवाब में उत्तर प्रदेश की टीम 44.1 ओवर में 188 रनों पर ऑलआउट हो गई। उत्तर प्रदेश की ओर से रिंकू सिंह ने सबसे ज्यादा 68 रन बनाए।

मुश्किल से जीती दिल्ली

वड़ोदरा : दिल्ली ने यहां मोती बाग स्टेडियम में खेले गए कम स्कोर वाले विजय हजारे ट्रॉफी मैच में हिमाचल प्रदेश को तीन विकेट से हरा दिया। दिल्ली के लिए यह जीत आसान नहीं रही। हिमाचल प्रदेश द्वारा रखे गए 177 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली ने अपने सात विकेट खो दिए और किसी तरह 42.5 ओवरों में जीत हासिल की। शिखर धवन (31) ने कुंवर बिधूड़ी (11) के साथ मिलकर टीम को सधी हुई शुरुआत देने की कोशिश की लेकिन कंवर 35 के कुल स्कोर पर आउट हो गए। यहां से लगातार विकेट गिरते चले गए। इससे पहले पवन नेगी ने चार विकेट लेकर हिमाचल प्रदेश को बड़ा स्कोर नहीं करने दिया। हिमाचल प्रदेश के लिए ऋषि धवन ने 41, अमित कुमार ने 39, सुमीत वर्मा ने 25 रनों का योगदान दिया।

विजय हजारे ट्रॉफी

क्वार्टर फाइनल मुकाबले

- **20 अक्टूबर** : कर्नाटक बनाम पुडुचेरी
- **20 अक्टूबर** : दिल्ली बनाम गुजरात
- **21 अक्टूबर** : पंजाब बनाम तमिलनाडु
- **21 अक्टूबर** : छत्तीसगढ़ बनाम मुंबई

पुडुचेरी ने बनाई क्वार्टरफाइनल में जगह

देहरादून : प्लेट ग्रुप से पुडुचेरी ने अंक तालिका में प्रथम स्थान हासिल करते हुए नॉकआउट के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अपने अंतिम मुकाबले में पुडुचेरी ने असम को पांच विकेट से हराकर अंक तालिका में 34 अंक प्राप्त किए। पुडुचेरी ने नौ मैचों में से सात में जीत दर्ज की, जबकि अन्य दो बारिश के चलते रद हुए। असम ने पहले खेलते हुए कमजोर शुरुआत के चलते 36.1 ओवर में सभी विकेट खोकर 115 रन बनाए। टीम के लिए पीपी दास ने सर्वाधिक 27 रन बनाए। पुडुचेरी के लिए अशिथ सांगनाकाल ने चार विकेट लिए। 116 रनों के आसान विजय लक्ष्य का पीछा करने उतरी पुडुचेरी ने 22 ओवर में ही 116 रन बनाकर मुकाबले को पांच विकेट से जीत लिया।

जापान में शनिवार से चरम पर होगा मोटो ग्रांप्रि का रोमांच

उमेश राजपूत, टोक्यो

▸ **इस रेस को देखकर कुछ सीखना चाहते हैं भारतीय ड्राइवर**

जापान के मोटेगी में मोटो ग्रांप्रि के 16वें चरण की क्वालीफाइंग रेस शनिवार से शुरू होगी। हालांकि, इस रेस में कोई भी भारतीय भाग नहीं ले रहा है, लेकिन शीर्ष भारतीय बाइक रेसर राजीव सेतु समेत कुल चार भारतीय रेसरों का मानना है कि यह रेस उनके भविष्य के लिए काफी अहम है। मोटो ग्रांप्रि बाइक रेसिंग की सर्वश्रेष्ठ प्रतियोगिताओं में से एक है। राजीव के अलावा चार अन्य भारतीय सेंथिल कुमार, कृतिक हबीब और मुहम्मद मिकेल इस चैंपियनशिप के लिए भारत से यहां आए हुए हैं।

होंडा रेसिंग इंडिया से जुड़े 21 साल के राजीव का मानना है कि विश्व चैंपियन बनना किसी भी बाइक रेसर का सपना होता है और इस चैंपियनशिप के जरिये उन्हें ट्रैक पर और ट्रैक के बाहर काफी कुछ सीखने को मिलेगा, जो उन्हें विश्व चैंपियनशिप के लिए मानसिक रूप से काफी फायदा पहुंचाएगा। उन्होंने कहा कि इस रेस के जरिए हम विश्व के सर्वश्रेष्ठ रेसरों को करीब से देख सकेंगे। हमें पता चलेगा कि वे लोग किस तरह से तैयारियां करते हैं। 2014 में अंतरराष्ट्रीय सर्किट में कदम रखने वाले राजीव इस साल ऑस्ट्रेलिया और चीन में शीर्ष 10 में शामिल रहे थे जो कि उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उनका मानना है कि होंडा देश में उभरते हुए बाइक रेसरों को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने के मौके दे रही है। राजीव की तरह ही सेंथिल, कृतिक और मिकेल भी होंडा कि खोज हैं। होंडा ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए हर तरह से मदद की। उन्हें आर्थिक मदद देने के अलावा उच्च स्तर की बाइक और कोचिंग दी। अब होंडा उन्हें अनुभव का लाभ उठाने के लिए जापान लाया है।

महिला क्रिकेटर प्रिया पूनिया ने किया करार

बेंगलुरु, आइएएनएस : भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज प्रिया पूनिया ने भारत के शीर्ष खेल और न्यूट्रिसियन ब्रांड फास्ट एंड अप के साथ करार किया है। प्रिया ने इसी महीने की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला वनडे मैच खेला था। उन्होंने पहले वनडे मैच में नाबाद 75 रनों की दमदार पारी खेलकर टीम की जीत में अहम भूमिका भी निभाई थी।

प्रिया ने कहा कि वह मेरा पहला वनडे मैच था इसलिए मैं थोड़ी घबराई हुई थी। मेरे साथी के आउट होने के बाद मुझे रन रेट को बनाए रखना था और तब तक मैं अपने शॉट्स खेलने के लिए तैयार थी। मुझे खुशी है कि मैंने अपने डेब्यू पर अच्छा प्रदर्शन किया, मैं आखिरी तक टिकी रही और टीम को जीत दिलाकर लौटी। यह अनुभव और भी बेहतर रहा क्योंकि मेरे पिता वहाँ थे और यह एक शानदार अनुभव था। फास्ट एंड अप के साथ साझेदारी पर प्रिया ने कहा कि ब्रांड द्वारा प्रदान किए जाने वाले उत्पादों की विविधता विभिन्न एथलीटों के लिए उपयोगी है।

हॉकी विश्व कप मेजबानी के लिए भारत की बोली

लुसाने, (स्विट्जरलैंड), प्रेट्र : भारत सहित तीन देशों ने 2023 विश्व कप की मेजबानी के लिए बोली लगाई लगाई है। अंतरराष्ट्रीय हॉकी फेडरेशन (एफआइएच) ने गुरुवार को यह जानकारी दी। भारत अब तक तीन विश्व कप की मेजबानी की है।

2023 में होने वाला विश्व कप 13 से 29 जनवरी तक होगा। बेल्जियम और मलेशिया, भारत के अलावा दो देश हैं जिन्होंने मेजबानी के लिए बोली लगाई है, लेकिन यह दोनों ही देश एक जुलाई से 17 जुलाई 2022 को टूर्नामेंट आयोजित कराना चाहते हैं। वहीं महिला विश्व कप के लिए पांच देशों ने बोली लगाई है। इसमें जर्मनी, स्पेन, नीदरलैंड्स, मलेशिया और न्यूजीलैंड शामिल हैं।

ओलंपिक क्वालीफायर से पहले टीम के अच्छे प्रदर्शन से खुश : कोच रीड

भुवनेश्वर : मुख्य कोच ग्राहम रीड भारतीय हॉकी टीम की तरक्की से खुश हैं और उनकी इच्छा है कि रूस के खिलाफ आगामी ओलंपिक क्वालीफायर में उनके खिलाड़ी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। भारतीय टीम ने जून में भुवनेश्वर में एफआइएच पुरुष हॉकी सीरीज फाइनल जीता था। इसके बाद अगस्त में टोक्यो में ओलंपिक टेस्ट टूर्नामेंट जीता। बेल्जियम दौरे पर भी टीम अपराजेय रही जिसमें उसने मेजबान और स्पेन के खिलाफ सारे मैच जीते। रीड ने कहा कि दौड़ने, प्रयासों, रफ्तार और ऊर्जा में कोई कमी नहीं थी। पिछले विश्व कप की तुलना में यह बेहतर प्रदर्शन था। इस स्तर पर खेलने के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन जरूरी है। उन्होंने कहा कि बेल्जियम और स्पेन के खिलाफ हम लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में कामयाब रहे। यह अच्छी बात है कि हम लय बरकरार रखने में कामयाब रहे। रीड ने कहा कि गेंद पर नियंत्रण और संयोजन अच्छा था। अब उसी दिशा में प्रदर्शन बरकरार रखना है। अप्रैल 2019 में मुख्य कोच बने रीड ने कहा कि फीफा क्वालीफायर में उनकी टीम का फोकस बेसिक्स सही रखने पर होगा। उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि अपना प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रखें और आत्ममुग्धता से बचें। हम किससे खेल रहे हैं, यह मायने नहीं रखता। हमारे तेवर आक्रामक ही होंगे लेकिन हम विरोधी का सम्मान करके खेलेंगे। हमें पूरी उम्मीद है कि हमारी टीम अगले वर्ष टोक्या में होने वाले ओलंपिक गेम्स के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहेगी।

विविध

नोएडा में बनेगा उत्तर प्रदेश का अत्याधुनिक साइबर सेंटर

रजनी कांत मिश्र, नोएडा

▸ **सेक्टर–94 स्थित प्राधिकरण के कमांड कंट्रोल रूम में बन रहा दफ्तर**

▸ **साइबर सेंटर करेगा डीजीपी यूपी को रिपोर्ट, पुलिस के हर विंग की करेगा मदद**

पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर नोएडा में उत्तर प्रदेश का सबसे अत्याधुनिक साइबर सेंटर स्थापित होगा। सेक्टर-94 स्थित प्राधिकरण के कमांड कंट्रोल बिल्डिंग में इसका दफ्तर तैयार किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश पुलिस के हर विंग को साइबर अपराध के जटिल मामलों की जांच में मदद के अलावा प्रदेश में साइबर अपराध को रोकने के लिए यहां बैठे विशेषज्ञ काम करेंगे। यहां के साइबर विशेषज्ञ सीधे प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को रिपोर्ट करेंगे। पीपीपी मॉडल पर बनने वाले इस साइबर सेंटर को स्थापित करने के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में डीजीपी ओपी सिंह ने उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया है। इस सेंटर की स्थापना में सैमसंग, पेटीएम जैसी कई मल्टीनेशनल कंपनियां भी मदद कर रही हैं।

इसी साल शुरू हो सकता है साइबर सेंटर : करोड़ों रुपये की लागत से बनने वाले इस अत्याधुनिक साइबर सेंटर को इसी साल शुरू करने की योजना है। सेंटर के पास साइबर अपराध पर नकेल कसने के लिए हर प्रकार के अत्याधुनिक उपकरण मौजूद होंगे। सेंटर साइबर अपराध पर लगाम लगाने के लिए पुलिस, एसटीएफ, एटीएस, साइबर थाने को तकनीकी रूप से मदद करेगा और जटिल मामलों की जांच भी करेगा।

2016 में बना था सीसीसीआइ : वर्ष 2016 में नोएडा में सबसे अत्याधुनिक साइबर अपराध अन्वेषण केंद्र (सीसीसीआइ) बना था। तत्कालीन डीजीपी जावीद अहमद ने मई 2016 में सेक्टर-छह में बने केंद्र का उद्घाटन किया था, हालांकि नोएडा पुलिस के अंडर संचालित होने वाले इस केंद्र को पिछले दिनों सूरजपुर स्थित पुलिस कार्यालय में शिफ्ट किया जा चुका है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में इस प्रकार के साइबर फ्रॉड

- फर्जी कॉल सेंटर के जरिये नौकरी, इंश्योरेंस सहित अन्य नाम पर ठगी
- बैंककर्मी बन लोगों से फोन पर जानकारी लेकर खाते से रकम ट्रांसफर कर ठगी
- एटीएम, डेबिट कार्ड क्लोन कर ठगी
- सोशल मीडिया से जुड़े फ्रॉड
- ई–मेल, वेबसाइट हैकिंग, ई–मेल स्पूफिंग कर ठगी

> पीपीपी मॉडल पर नोएडा में अत्याधुनिक साइबर सेंटर बनाने की तैयारी है। यहां से साइबर अपराध पर नियंत्रण के अलावा साइबर क्राइम के मामलों में जांच में मदद मिलेगी। उम्मीद है कि इस वर्ष के अंत तक इसकी शुरुआत हो सकती है।
> – वैभव कृष्ण, एसएसपी

नोएडा के सेक्टर–94 स्थित प्राधिकरण के कमांड कंट्रोल रूम में एक फ्लोर पर बनेगा साइबर सेंटर का कार्यालय। इसी वर्ष के अंत तक इसके शुरू होने की उम्मीद है। जागरण

फ्लोटिंग लाइट एंड साउंड शो से गुरु नानक देव जी के दर्शन

श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य में पंजाब के रूपनगर की सतलुज दरिया के किनारे फ्लोटिंग लाइट एंड साउंड शो हुआ। इस दौरान गुरु जी के पूरे जीवन को डिजिटल तरीके से दिखाया गया। अजय अग्निहोत्री

थरूर ने की सुनंदा के ट्वीट पेश करने की मांग

जासं, नई दिल्ली : सुनंदा पुष्कर आत्महत्या मामले में शशि थरूर की ओर से पुष्कर की मौत से कुछ समय पहले ट्विटर पर लिखे संदेशों को पेश करने की मांग की गई। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश अजय कुमार कुहार ने दिल्ली पुलिस से इस अर्जी पर जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 15 नवंबर को होगी।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर की ओर से वकील विकास पाहवा ने आरोपों पर जिरह करते हुए दलील दी कि दिल्ली पुलिस सुनंदा पुष्कर मौत मामले में मनोवैज्ञानिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट की बात पर भरोसा कर रही है, लेकिन जो उन्होंने खुद ट्विटर व बीबीएम पर लिखा उस पर भरोसा नहीं कर रही हैं। मौत से कुछ समय पहले के उनके इन संदेशों में काफी सकारात्मक बाते हैं। पाहवा ने कहा कि यह रिपोर्ट डॉक्टरों ने सुनंदा के परिवार, उनके दोस्तों, जानकारों व घरेलू सहायकों से बातचीत के आधार पर तैयार की थी, लेकिन पुलिस ने उनके संदेशों को कोर्ट में पेश नहीं किया।

दिल्ली में 25 किलो हेरोइन के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

असम से कार के जरिये दिल्ली में हेरोइन की तस्करी करने वाले तीन तस्करों को स्पेशल सेल ने 25 किलो हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपित इस वर्ष अब तक असम से मणिपुर बॉर्डर होते हुए दिल्ली में 200 किलो हेरोइन तस्करी कर ला चुके हैं। आरोपितों में उत्तर प्रदेश के बाराबंकी के मुहम्मद हासिम, मुहम्मद साबिर और नरेश कुमार शामिल हैं। तीनों को दिल्ली में लाजपत नगर के पास बारापूला फ्लाईओवर से पकड़ा गया है। डीसीपी पीएस कुशवाहा ने बताया कि राजधानी में तस्करी करके हेरोइन लाने वालों की धरपकड़ के लिए लंबे समय से कार्य किया जा रहा है। एक गिरोह के बारे में सूचना मिलने के बाद गिरोह के सदस्यों और तस्करी के बारे में जानकारी जुटाई जा रही थी।

एसीपी अतर सिंह के नेतृत्व में इंस्पेक्टर शिव कुमार, एसआइ पवन कुमार, एएसआइ नरेश सिरोही और हैड कांस्टेबल उपेंद्र की टीम को सूचना मिली कि तीन तस्कर जो लंबे समय से दिल्ली में हेरोइन की तस्करी कर रहे हैं, 13 अक्टूबर को भारी मात्रा में हेरोइन लेकर दिल्ली आने वाले हैं। सूचना देने वाले ने बताया कि तीनों तस्कर यूपी नंबर की कार से बारापूला के पास लाजपत नगर में हेरोइन की खेप सौंपेंगे। सूचना के आधार पर टीम बारापूला के पास तैनात की गई।

रात करीब 12 बजे फुट ओवर ब्रिज के पास संदिग्ध कार रुकी। कार में दो लोग सवार थे। कुछ देर में वहां तीसरा तस्कर आया और उसने दोनों को एक-एक बैग दिया। इसके बाद तीनों कार में सवार हो गए। उसी समय स्पेशल सेल की टीम ने कार को घेरकर तीनों को पकड़ लिया।

परिवार ने रोका था न जाओ कश्मीर, वहां माहौल ठीक नहीं

प्रवीण कथूरिया, अबोहर

▸ **शोपियां में पंजाब के अबोहर के व्यापारी की आतंकियों ने ली जान**

▸ **चरणजीत के परिवार को जम्मू–कश्मीर व पंजाब सरकार देगी सहायता**

जम्मू-कश्मीर के शोपियां क्षेत्र में पंजाब के अबोहर के व्यापारी चरणजीत उर्फ चन्नी पोपली की आतंकियों द्वारा हत्या करने और दूसरे व्यापारी संजीव उर्फ संजू को गंभीर घायल करने की घटना के बाद शहर के व्यापारियों में रोष व्याप्त है। गुरुवार सुबह नायब तहसीलदार ने चरणजीत के घर जाकर दुख साझा किया और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

सराभा नगर निवासी चरणजीत पोपली (40) के भाई राकेश ने बताया कि चरणजीत का आठ वर्ष का एक बेटा है। चरणजीत करीब 13 दिन पहले व्यापारी सुरेंद्र चराया के भतीजे संजीव उर्फ संजू (23) के साथ जम्मू-कश्मीर गए थे। परिवार ने उन्हें रोका भी था कि कश्मीर न जाओ, वहां माहौल ठीक नहीं है। दो दिन पूर्व फोन पर चरणजीत ने वहां माहौल सही होने की बात कही थी, लेकिन बुधवार देर शाम सूचना मिली कि जब वह सेब लोड करवा रहे थे तो वहां बैठे दो अज्ञात युवकों ने कमिशन एजेंट परवेज से मारपीट शुरू कर दी। बाद में चरणजीत व संजू को थोड़ी दूर ले गए और वहां मौजूद आतंकियों ने दोनों पर गोलियां चला दीं। चरणजीत की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि संजू गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस और लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया। संजू का ऑपरेशन हुआ है और हालत गंभीर है।

चरणजीत की मौत की सूचना मिलने पर उनकी पत्नी का रो-रो कर बुरा हाल था, क्योंकि करवाचौथ की पूर्व संध्या पर उन्हें सुहाग उजड़ने की खबर मिली। चरणजीत करीब 15 साल से व्यापार के लिए जम्मू-कश्मीर जा रहे थे। गुरुवार सुबह नायब तहसीलदार बलजिंदर सिंह दोनों परिवारों से मिले। उन्होंने चरणजीत के परिवार से दुख प्रकट किया और कहा कि दोनों परिवारों की रिपोर्ट बनाकर सरकार को भेंजेंगे ताकि अधिक से अधिक सहायता दिलवाई जा सके। चरणजीत के परिवार को जम्मू-कश्मीर और पंजाब सरकार सहायता देगी। जम्मू-कश्मीर सरकार ने चार लाख तथा पंजाब सरकार ने दो लाख रुपये सहायता राशि का एलान किया है। घायल संजीव को पंजाब सरकार एक लाख रुपये देगी।

चरणजीत की फाइल फोटो।

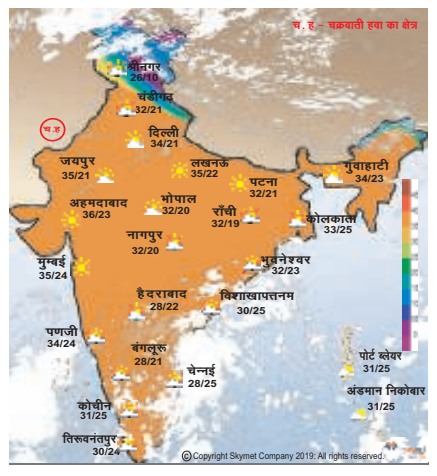

मौसम विशेष

जम्मू-कश्मीर व हिमाचल प्रदेश में सुबह ठंडी और सुहावनी रहेगी। दिन आरामदायक रहेगा। कुछ स्थानों पर गरज के साथ हल्की वर्षा होगी। पंजाब के उत्तरी भागों में आंशिक बादलों के साथ हल्की वर्षा संभव है। हरियाणा, दिल्ली व राजस्थान में आंशिक बादलों के साथ मौसम शुष्क और गर्म रहेगा।

भारत के मुख्य शहरों का तापमान:

शहर		शहर	
मुम्बई	35/24/व	अहमदाबाद	34/22/व
कोलकाता	33/24/सा	बड़ौदा	34/21/आंबा
चेन्नई	29/23/व	नागपुर	33/21/व
हैदराबाद	27/22/सा	इन्दौर	30/21/सा
बंगलूरू	28/21/सा	राँची	31/20/आंबा
त्रिवेन्द्रम	31/24/आंबा	पटना	32/21/सा
गुवाहाटी	30/22/व	जमशेदपुर	32/23/व
गंगटोक	13/02/व	पुणे	28/22/व

राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शुक्रवार 18 अक्टूबर 2019
आजकल
16
www.jagran.com

लंबी दूरी की पहली टेलीफोन लाइन आज शुरू हुई

1892 में आज ही के दिन लंबी दूरी की पहली टेलीफोन लाइन शुरू की गई। इसके लिए शिकागो और न्यूयॉर्क के बीच बिछाई गई 950 मील यानी कि 1529 किमी लंबी टेलीफोन लाइन को चुना गया। शिकागो के मेयर हेम्पस्टीड वॉशबर्न ने न्यूयॉर्क के मेयर ह्यूघ जे ग्रांट को फोन करके इसका उद्घाटन किया था।

पहली बार हुआ दूसरे ग्रह के वातावरण का अध्ययन

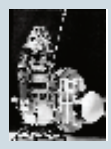

1967 में आज ही सोवियत संघ के वेनेरा-4 अंतरिक्ष शोध यान ने शुक्र ग्रह के वातावरण में प्रवेश करके उसकी रासायनिक संरचना का अध्ययन किया। इस तरह का यह पहला अध्ययन था। ये 11 फुट ऊंचा और 2 .5 वर्गमीटर चौड़ा था। इसे 12 जून को लांच किया गया था।

अभिनय की चलती-फिरती संस्था थे अभिनेता ओम पुरी

इनका जन्म 1951 में आज ही पंजाब के पटियाला में हुआ। इनका पूरा नाम ओम राजेश पुरी था। फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया से स्नातक और नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से अभिनय सीखा। 1976 में मराठी फिल्म घासीराम कोतवाल से बतौर अभिनेता शुरूआत की। जीवंत अभिनय और संजीदा फिल्मों में दर्शक और आलोचकों ने इन्हें खूब सराहा। हिंदी के अलावा अंग्रेजी और अन्य विदेशी भाषाओं में कई फिल्में की। अर्धसत्य व आरोहण के लिए नेशनल अवॉर्ड मिला। 1990 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। जनवरी 2017 में दुनिया को अलविदा कह गए।

इधर-उधर की

आज भी जिंदा है इंसानियत

लंदन, एजेंसी : अच्छे लोग और उनकी अच्छाई के बूते ही आज इंसानियत जिंदा है। यहां के टिम कैमरन ऑफिस से घर जा रहे थे। घर पहुंचकर देखा कि उनका बटुआ नहीं है तो उन्हें लगा कि कहीं गिर गया। मिलने की आस छोड़ वे अन्य कामों में व्यस्त हो गए। रोजमर्रा के कामों को निपटाने की व्यस्तता के बीच एक दिन उन्होंने देखा कि उनके बैंक खाते में कुछ रकम डाली गई है। जमा करने वाले सूत्र की ये पहचान करने में विफल रहे। फिर कुछ समय के अंतराल पर चार बार कुछ रकम जमा की गई। अब उनके चौंकने की बारी थी। जब उन्होंने कुल रकम जोड़ी तो वह खोए हुए बटुए में रखी गई रकम के बराबर निकली। इन चारों लेनदेन के साथ कुछ संदेश भी छोड़े गए थे, जिन्हें एक साथ पढ़ने पर तस्वीर सामने आई। संदेश में लिखा था कि मुझे आपका बटुआ सड़क पर गिरा मिला। कैमरन ने अपने बैंक खाते में लेनदेन का स्क्रीनशाट ट्वीट किया तो लोगों की खूब सारी सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिलीं।

शोध अनुसंधान

थोड़ी सी शराब भी सेहत पर पड़ सकती है भारी

अगर आप भी थोड़ी सी शराब को सेहत के लिए अच्छा समझते हैं, तो जरा संभल जाएं। हालिया शोध में सामने आया है कि मात्रा कितनी भी कम हो, लेकिन अक्सर शराब पीते रहना सेहत पर भारी पड़ सकता है। ऐसे लोगों में आट्रियल फिब्रिलेशन की आशंका बढ़ जाती है। धड़कन का अचानक कम या ज्यादा हो जाना, सांस उखड़ना, थकान और सीने में दर्द इसके लक्षणों में शुमार हैं। आट्रियल फिब्रिलेशन से स्ट्रोक का खतरा पांच गुना तक बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं ने कहा, 'आमतौर पर शराब के सेवन में सिर्फ मात्रा पर ही बात होती है। इस बात पर ध्यान नहीं दिया जाता कि व्यक्ति कितनी बार सेवन कर रहा है। शोध में पता चला है कि मात्रा भले ही कम हो, लेकिन नियमित अंतराल पर शराब का सेवन करते रहना सेहत पर भारी पड़ सकता है।' वैज्ञानिकों ने बताया कि हर 12 ग्राम शराब के सेवन से आठ फीसद खतरा बढ़ जाता है। - प्रेट्र

ई-सिगरेट का जरा सा सेवन भी खतरनाक

पारंपरिक सिगरेट के सुरक्षित विकल्प के दावे के साथ बाजार में आए ई-सिगरेट को लेकर नए-नए खतरे सामने आते जा रहे हैं। अमेरिका की ओहायो स्टेट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं का कहना है कि कभी धूमपान नहीं करने वाले वयस्क अगर बहुत थोड़े समय के लिए ई-सिगरेट का सेवन करें, तब भी उनकी कोशिकाओं पर बड़ा दुष्प्रभाव पड़ सकता है। शोध के दौरान 30 स्वस्थ और धूमपान नहीं करने वाले लोगों को शामिल किया गया। चार हफ्ते तक उन्हें ऐसी ई-सिगरेट का सेवन करने को कहा गया, जिसमें निकोटिन या कोई फ्लेवर नहीं था। इस दौरान एक समूह को किसी तरह की सिगरेट नहीं दी गई। बाद में फेफड़े की कोशिकाओं के अध्ययन में कुछ अंतर देखने को मिला। वैज्ञानिकों ने कहा कि इनका संबंध सीधे तौर पर किसी बीमारी से नहीं मिला, लेकिन इससे कोशिकाओं में इस तरह का बदलाव अवश्य दिखा, जो सेहत पर भारी पड़ सकता है। - आइएएनएस

भारत के बच्चों में 69 फीसद मौतों का कारण कुपोषण

- यूनिसेफ ने कहा है, पांच वर्ष से कम आयु वर्ग का हर दूसरा बच्चा है प्रभावित
- हर दूसरी भारतीय महिला में खून की कमी भी बताई गई है

42 फीसद बच्चों (छह से 23 महीने के आयु वर्ग में) को पर्याप्त अंतराल पर भोजन दिया जाता है और 21 फीसद बच्चों को पर्याप्त रूप से विविध आहार मिलते हैं।

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में 69 फीसद मौतों का कारण कुपोषण है। यूनीसेफ की गत दिवस जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। अपनी रिपोर्ट 'द स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स चिल्ड्रन 2019' में यूनिसेफ ने कहा कि इस आयु वर्ग में हर दूसरा बच्चा किसी न किसी रूप में कुपोषण से प्रभावित है। इसमें बच्चों का विकास बाधित होने के 35 फीसद मामले, दुर्बलता के 17 फीसद और वजन अधिक होने के दो फीसद मामले हैं। केवल 42 फीसद बच्चों (छह से 23 महीने के आयु वर्ग में) को पर्याप्त अंतराल पर भोजन दिया जाता है और 21 फीसद बच्चों को पर्याप्त रूप से विविध आहार मिलते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 6-8 महीने की आयु के केवल 53 फीसद शिशुओं के लिए समय पर पूरक आहार देना शुरू किया जाता है। भारतीय महिलाओं के स्वास्थ्य के बारे में इसमें कहा गया है कि हर दूसरी महिला में खून की कमी है। यह भी कहा गया है कि पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में खून की कमी सबसे अधिक व्याप्त है। किशोर लड़कियों में यह प्रवृत्ति किशोर लड़कों से दोगुनी है।

भारतीय बच्चों के बीच उच्च रक्तचाप, किडनी रोग और मधुमेह जैसे वयस्क रोगों का निदान किया जा रहा है। रिपोर्ट में दिए गए आंकड़ों में कहा गया है कि पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चे सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से प्रभावित हैं जबकि पांच वर्ष से कम आयु के हर पांचवें बच्चे में विटामिन ए की कमी है, हर तीसरे बच्चे में से एक को विटामिन बी 12 की कमी है और हर पांच में से दो बच्चे खून की कमी से ग्रस्त हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि पोषण अभियान या राष्ट्रीय पोषण मिशन पूरे भारत में पोषण सुरक्षा संकेतकों को बेहतर बनाने में एक प्रमुख भूमिका निभा रहा है। रक्तहीनता से लड़ने के लिए 'एनीमिया मुक्त भारत' कार्यक्रम को कुपोषण को दूर करने के लिए दुनिया भर की सरकारों द्वारा लागू किए गए सबसे अच्छे कार्यक्रमों में से एक माना गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर प्रसंस्कृत खाद्य बिक्री का 77 फीसद सिर्फ 100 बड़ी फर्मों द्वारा नियंत्रित किया जाता है। छह महीने और दो वर्ष आयु वर्ग के बीच तीन बच्चों में से लगभग दो बच्चों को भोजन नहीं दिया जाता। इससे बच्चों में मस्तिष्क का पूरा विकास नहीं होने का खतरा, कमजोर प्रतिरक्षण प्रणाली तथा संक्रमण में वृद्धि और कुछ मामलों में मृत्यु होने की आशंका हो जाती है। यूनीसेफ ने 20 साल पहले इस तरह की रिपोर्ट जारी की थी।

कुपोषण कम करने के प्रयासों के लिए भारत की सराहना

कुपोषण कम करने के वास्ते निरंतर जागरूकता कार्यक्रम चलाने के लिए भारत की सराहना करते हुए यूनीसेफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उन्होंने पहले कभी इस तरह के प्रयास नहीं देखे थे। यूनिसेफ इंडिया (पोषण) के प्रमुख अर्जन डी वगट ने कहा, 'मैंने विभिन्न सरकारी एजेंसियों और गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) की सेवाओं का इस्तेमाल करके विभिन्न सतत स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से भारत द्वारा कुपोषण का मुकाबला करने के लिए किए गए इस तरह प्रयासों को कभी नहीं देखा है। मैंने स्तनपान के महत्व, प्रसव पूर्व देखभाल, गुणवत्ता वाले और पर्याप्त पौष्टिक भोजन को लेकर ग्रामीण और शहरी महिलाओं के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए लोगों को जोड़ने के इस तरह के प्रयास नहीं देखे थे।'

फिल्म रिव्यू

यारम

निर्देशन : ओवैस खान
प्रमुख कलाकार : प्रतीक बब्बर, सिद्धांत कपूर, इशिता गुप्ता, अनीता राज, दलीप ताहिल
अवधि : 1 घंटे 48 मिनट

लचर कहानी में तीन तलाक का मुद्दा

कुछ फिल्मों के बनाने की मंशा अच्छी होती है, लेकिन लेखक और निर्देशक उसे पर्दे पर समुचित तरीके से उतार नहीं पाते हैं। यही समस्या '# यारम' की भी रही है। यह फिल्म तीन तलाक और हलाला जैसे संवेदनशील मुद्दे को उठाती है, लेकिन प्रभावित नहीं करती।

फिल्म की कहानी दो दोस्तों रोहित बजाज (प्रतीक बब्बर) और साहिल (सिद्धांत कपूर) की है। रोहित ऑफिस के काम से मॉरीशस जाता है। वहां साहिल से मिलने पर पता चलता है कि उसका अपनी पत्नी जोया (इशिता राज) से तलाक हो चुका है। वह रोहित से शादी करवा कर हलाला कराना चाहता है। दोस्ती की खातिर रोहित झुक जाता है। यह फिल्म ऐसे समय आई है, जब तीन तलाक को गैरकानूनी करार दिया जा चुका है। लिहाजा फिल्ममेकर्स ने कहानी का अंत भी उसी के मद्देनजर किया है। अफसोस इस बात का है कि इतने संवेदनशील मुद्दे से आप भावनात्मक तौर पर बिल्कुल भी कनेक्ट नहीं होते हैं। कहानी का अनुमान लगाना तनिक भी कठिन नहीं है। उस पर लचर स्क्रीनप्ले, सतही संवाद और कमजोर निर्देशन उसे और बोझिल बनाते हैं। फिल्म में तलाक को लेकर दिए गए तर्क भी बचकाने हैं। संवेनशील मुद्दा होने के बावजूद फिल्म कहीं भी झकझोरती नहीं है। कलाकारों के बीच केमिस्ट्री का अभाव साफ झलकता है। फिल्म के निर्देशक और सिनेमैटोग्राफर ओवैस शेख हैं। वह कलाकारों की प्रतिभा का समुचित उपयोग नहीं कर पाए हैं। प्रतीक बब्बर और सिद्धांत कपूर किरदारों में फिट नहीं बैठे हैं। इशिता राज काफी ग्लैमरस लगी हैं। अपने जमाने की दिग्गज अभिनेत्री अनीता राज और दलीप ताहिल जरूर थोड़ी बहुत कॉमेडी से राहत देते हैं। मॉरीशस में शूट किए गए कुछ सीन नयनाभिरामी हैं। बाकी फिल्म का गीत-संगीत साधारण है। अंत में शक्ति कपूर तीन तलाक संबंधी कानूनी जानकारी देते हैं। वह अनावश्यक लगता है।

स्मिता श्रीवास्तव

★★★★★ उत्कृष्ट ★★★★ बहुत अच्छी ★★★ अच्छी ★★ औसत ★ औसत से कम

लैंडर विक्रम की खोज कर रहा नासा

पता चलेगा ▶ नासा के ऑर्बिटर ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव की खींची स्पष्ट तस्वीरें

प्रोजेक्ट साइंटिस्ट ने कहा, हम पता लगाकर रहेंगे कि विक्रम के साथ क्या हुआ

न्यूयॉर्क, आइएएनएस : भारत के चंद्रयान-2 के लैंडर विक्रम की खोज अभी भी चल रही है। नासा के लूनर रिकॉनिसंस ऑर्बिटर (एलआरओ) ने चंद्रमा के उस क्षेत्र की बेहतर रोशनी में आधिक स्पष्ट फोटो खींची हैं जहां पर लैंडर विक्रम का इसरो से कनेक्शन कट गया था। एलआरओ के प्रोजेक्ट साइंटिस्ट नूह पेट्रो ने बताया कि नई तस्वीरों के माध्यम से भारतीय लैंडर विक्रम की गहन खोज शुरू की जा रही है। पेट्रो ने बताया कि बीते सोमवार को इस इलाके में प्रकाश की स्थिति बहुत अनुकूल थी। इस क्षेत्र में छाया कम थी और ऐसी स्थिति पिछले माह नहीं बन पाई थी।

पिछले महीने 17 सितंबर को नासा का लूनर रिकॉनिसंस ऑर्बिटर चांद के इसी इलाके से गुजरा था और उसने वहां तस्वीरें भी ली थीं, लेकिन उस समय ली गईं तस्वीरों में वैज्ञानिक विक्रम का पता नहीं लगा पाए थे। तब नासा ने कहा था कि जब ऑर्बिटर चांद के उस इलाके से गुजरा तो वहां शाम थी और उस इलाके में परछाई भी काफी ज्यादा थी जिस कारण विक्रम का पता नहीं लगाया जा सका। नूह ने कहा कि सोमवार को ऑर्बिटर फिर से विक्रम की लैंडिंग साइट के पास से होकर गुजरा तब ज्यादा स्पष्ट तस्वीरें खीचीं जा सकीं। उन्होंने बताया कि कैमरा टीम अभी भी तस्वीरों का मूल्यांकन कर रही है। अगले कुछ दिनों में और जानकारी मिलने वाली है। पेट्रो ने कहा, 'हम विक्रम की सावधानीपूर्वक खोज करेंगे। जितना संभव होगा उतनी कठिन खोज करेंगे और इस बात का पता लगा लेंगे कि लैंडर विक्रम के साथ क्या हुआ।'

उन्होंने कहा कि लैंडर विक्रम की खोज एक बहुत बड़े क्षेत्र में होनी है जहां पर अभी यह नहीं पता कि वास्तविकता में खोज करनी कहां है। इसलिये तस्वीरों के आकलन में समय लगेगा। पेट्रो के मुताबिक ऑर्बिटर अब 10 नवंबर को दोबारा से इसी क्षेत्र के ऊपर से गुजरेगा। अनुकूल प्रकाश की स्थिति में फिर से अच्छी तस्वीरें लेने का मौका मिलेगा। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो के चंद्रयान-2 मिशन के दौरान 6-7 सितंबर की रात को लैंडर विक्रम ने चंद्रमा की परिक्रमा से प्रक्षेपण के बाद चांद पर लैंड होने के कुछ समय पहले संपर्क खो दिया था। आशा जताई जा रही है कि विक्रम संभवतः चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के आसपास के क्षेत्र में उतरा होगा।

इसरो ने जारी की चांद की तस्वीर

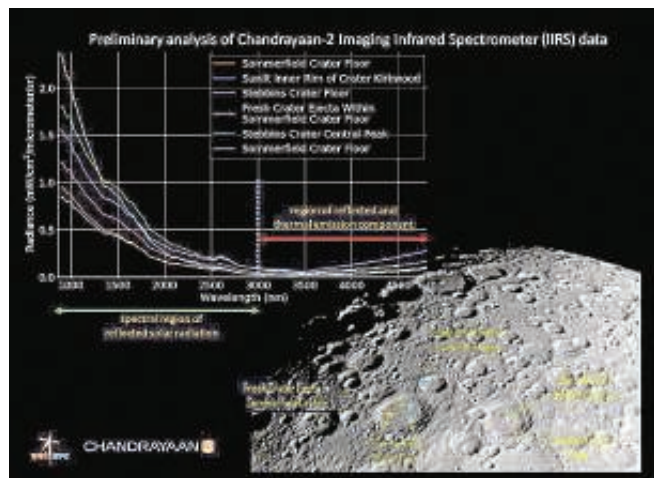

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गुरुवार को चांद की सतह की पहली चमकीली (एलुमिनेटेड) तस्वीर जारी की है। चंद्रयान-2 के आइआइआरएस (इमेजिंग इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोमीटर) ने यह तस्वीर ली है। आइआइआरएस को चंद्रमा की सतह से परावर्तित होने वाले सूर्य के प्रकाश को मापने के लिए डिजाइन किया गया है। इसरो के मुताबिक आइआइआरएस को चांद की सतह पर मौजूद खनिजों का पता लगाने के लिए भी डिजाइन किया गया है। इस तस्वीर के सामने आने के बाद से चांद से जुड़ी हुई कई अहम जानकारियां सामने आ सकती हैं। इससे पहले चार अक्टूबर को इसरो ने चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर हाई रिजोल्यूशन कैमरे से ली गई तस्वीर जारी की थी। एएनआइ

दुनिया में सबसे तेज चलती है यह चींटी

सहारा की 'सिल्वर एंट'। फाइल

पेरिस, एएफपी : सहारा की 'सिल्वर एंट' दुनिया की ज्ञात 12000 चींटी की प्रजातियों में सबसे तेज है। इस चींटी की रफ्तार एक मीटर प्रति सेकंड नापी गई है। दूसरे शब्दों में बताएं तो यह छह पैरों वाली यह चींटी प्रति सेकेंड अपनी लंबाई का 108 गुना हिस्सा कवर करती है।

गति के मामले में इस चींटी से दो ही जीव आगे हैं, जिनमें से एक ऑस्ट्रेलिया के बीटल प्रजाति का टाइगर बीटल और कैलिफोर्निया का कोस्टल माइट (घुन) है। आकार और वजन के हिसाब से देखें तो इन कीटों के समकक्ष आने के लिए दुनिया के सबसे तेज धावक उसैन बोल्ट को 200 मीटर प्रति सेकंड की गति से दौड़ना होगा। 'एक्सपेरिमेंटल बॉयोलॉजी' नामक जर्नल में शोधकर्ताओं ने बताया कि सहारा की यह चींटी उस रेत में चलती है जहां दिन के समय तापमान 60 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। जर्मनी की यूनिवर्सिटी ऑफ उल्म और फ्रीबर्ग के शोधकर्ताओं की टीम ने ट्यूनिशिया के रेगिस्तान में इस चींटी पर अध्ययन किया। शोधकर्ता यह जानना चाहते थे कि चींटी की गति का तापमान से कहीं संबंध तो नहीं है। इस दौरान शोधकर्ता चींटी को लैब में ले आए। लैब में 10 डिग्री सेल्सियस तक कम तापमान में चींटी को छोड़ा गया तो उसकी गति एक तिहाई से ज्यादा घट गई।

जब विलियम और केट ने बल्लेबाजी में आजमाया हाथ...

पाकिस्तान के लाहौर में गुरुवार को ब्रिटेन के प्रिंस विलियम और उनकी पत्नी केट मिडलटन ने राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी का दौरा किया। इस दौरान अभ्यास कर रहे खिलाड़ियों को देख विलियम और केट भी बल्लेबाजी के लिए मचल उठे और इस हुनर में खूब हाथ आजमाया। विलियम और केट के इस अंदाज से खिलाड़ी बेहद उल्लासित नजर आए। इसके बाद शाही दंपती ने खिलाड़ियों से मिलकर उनका उत्साह बढ़ाया और साथ में तस्वीरें भी खिंचवाई। विलियम और केट पांच दिवसीय दौरे पर सोमवार को पाकिस्तान पहुंचे हैं। एपी

सौर ऊर्जा संचालित कारों की रेस

ऑस्ट्रेलिया में हुई सौर ऊर्जा संचालित कारों की रेस में बेल्जियम की एगोरिया टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया है। 13 अक्टूबर को शुरू हुई यह रेस डार्विन से एडिलेड शहर तक 3000 किलोमीटर की थी। गुरुवार को रेस संपन्न हो गई। इस रेस का मकसद नवीकरणीय ऊर्जा के स्रोतों के इस्तेमाल और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। यह रेस पूरी तरह से आत्मनिर्भर होती है। एएफपी

स्क्रीन शॉट

आजकल लोग बहुत जल्दी में हैं : अनुभव सिन्हा

सात सवाल

'मुल्क' और 'आर्टिकल 15' जैसी फिल्में बनाने वाले निर्देशक अनुभव सिन्हा की अगली फिल्म 'थप्पड़' होगी। फिल्म में तापसी पन्नू हैं। उनकी फिल्म 'आर्टिकल 15' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर ऐंड पिक्चर्स पर होने वाला है।

'थप्पड़' फिल्म क्या कहना चाहती है?

- यही कि बात करो। लोग बात ही नहीं करते हैं। उन्होंने दायरा बना लिया है कि क्या सामान्य है, क्या नहीं। उसमें एक वर्ग ऐसा होता है, जो समझौता करता है, एक वर्ग उस समझौते का लाभार्थी होता है। जेंडर समीकरणों, जेंडर पॉलिटिक्स, जेंडर क्वालिटी जैसी बहुत-सी चीजों पर बात करती है।

फिल्में रिलीज होने के बाद इतनी जल्दी टीवी पर आ जाती हैं...

- लोग आजकल बहुत जल्दी में हैं। जल्द से जल्द थियेटर, डिजिटल और उसके बाद टीवी पर फिल्में देख लेते हैं। मुझे ऐसा लग रहा है कि मेरी यह फिल्म तीसरी बार रिलीज हो रही है।

आप लगातार रियलिस्टिक विषयों पर फिल्में बना रहे हैं। इस तरह की फिल्में कितनी जरूरी हैं?

- मैं इस बात में यकीन नहीं करता हूं कि फिल्मों से समाज बदलेगा। किसी सोच और फॉर्मूले के साथ फिल्में नहीं बना रहा हूं। कई सारी चीजों को लेकर मेरे अंदर जो गुस्सा भरा है, 'मुल्क', 'आर्टिकल 15' के बाद 'थप्पड़' में भी मेरा वह नजर आएगा।

'आर्टिकल 15' को लेकर सोशल मीडिया पर काफी बहस छिड़ी थी...?

- फिल्म बनाई ही इसलिए थी कि उस पर चर्चा हो। मैं यह नहीं कहता हूं कि मेरी बात सही है, लेकिन इस विषय पर बातचीत की आवश्यकता है। अगर सोशल मीडिया पर फिल्म के कंटेंट को लेकर बातचीत हो रही है, तो यह फिल्म की सफलता है।

आपका जुड़ाव टीवी से कितना है?

- टीवी से ही बतौर निर्देशक शुरुआत हुई है। बहुत सशक्त माध्यम है, जो सीधे लोगों के घरों में जाता है। जो थियेटर नहीं जाते, वे घर बैठकर फिल्में देख पाते हैं। टीवी के भी समर्पित दर्शक हैं।

अब ओटीटी के लिए फिल्में बनाई जाने लगी हैं। यह कंटेंट काफी अलग है। क्या चीजें कमर्शियल होंगी, तभी दर्शक उसकी ओर आकर्षित होंगे?

- अब बहुत-सी फिल्में हैं, जिसको डिजिटल प्लेटफॉर्म सीधे फंड कर रहे हैं और वे चाहते हैं कि वह फिल्म थियेटर में नहीं, बल्कि उनके प्लेटफॉर्म पर देखी जाए। यह दो प्लेटफॉर्म की प्रतिस्पर्धा है।

-स्मिता श्रीवास्तव

करण जौहर ने शेयर किया 'ड्राइव' का नया पोस्टर

सुशांत सिंह राजपूत और जैक्लिन फर्नांडिस की फिल्म 'ड्राइव' नेटफिलिक्स पर 1 नवंबर को रिलीज होगी। तरण मनसुखानी की यह फिल्म पिछले दो सालों से चर्चा में है। पहले फिल्म को 2 मार्च 2018 को रिलीज होना था, लकिन फिर इसे उसी साल सितंबर के लिए टाल दिया गया। उसके बाद यह खबर आई कि इसे 28 जून 2019 को रिलीज किया जाएगा, लेकिन इस बार भी इस फिल्म की किस्मत ने इसका साथ नहीं दिया और यह रिलीज नहीं हो पाई थी। अब इसे 1 नवंबर को रिलीज होने की घोषणा की गई है। यह फिल्म हॉलीवुड की इसी नाम की फिल्म का रीमेक है। फिल्म के प्रोड्यूसर करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का एक नया पोस्टर शेयर किया है। यह भी बताया है कि फिल्म का ट्रेलर 18 अक्टूबर को आएगा। 2008 में आई 'दोस्ताना' के बाद मनसुखानी की यह दूसरी फिल्म है। 'छिछोरे' की सफलता के बाद सुशांत भी काफी खुश हैं।

अर्धांगिनी...

करवा चौथ के पर्व पर बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया पर जया बच्चन की एक तस्वीर साझा की। इस ब्लैक ऐंड व्हाइट तस्वीर में जया बच्चन नजर आ रही हैं। तस्वीर आधी होने के कारण इसमें दूसरे व्यक्ति का चेहरा नहीं दिख रहा है। इसे साझा करते हुए अमिताभ बच्चन ने लिखा, 'अर्धांगिनी...यह स्वाभाविक है कि तस्वीर का दूसरा हिस्सा असंगत है। इसलिए

नहीं दिख रहा है।' इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस तस्वीर के आधे हिस्से में अमिताभ बच्चन ही हैं। अपनी फोटो को उन्होंने कट करके यह तस्वीर साझा की है। यह तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी पसंद की जा रही है।

रखें ध्यान

चीन के शोधकर्ताओं ने अमेरिकी वयस्कों पर किए अध्ययन के आधार पर लगाया पता, वृद्धावस्था में वजन का कम होना भी है खतरे का संकेत

कम उम्र में वजन बढ़ने से जल्द मृत्यु का खतरा

वाशिंगटन, प्रेट्र : स्वस्थ रहने के लिए वजन को नियंत्रित रखना बेहद जरूरी है। इसके बढ़ने से शरीर कई बीमारियों से घिर जाता है। अब इस संबंध में किए गए एक नवीन अध्ययन में एक और चिंताजनक बात सामने आई है। अमेरिका में वयस्कों पर किए गए इस अध्ययन में बताया गया है कि अगर 25 वर्ष की उम्र के आसपास वजन बढ़ता है तो इससे जल्द मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं ने इस आयु में वजन को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है।

बीएमजे नामक जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में यह भी बताया गया है कि अधेड़ उम्र से बुढ़ापे की अवस्था के दौरान वजन कम होने से भी मृत्यु का जोखिम अधिक रहता है। चीन की हाउझोंग यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन में वयस्कों के जीवन में संतुलित वजन के महत्व को बताया गया है। शोधकर्ताओं का कहना है कि वयस्कों में मोटापा समय पूर्व मृत्यु के उच्च जोखिम से संबंधित है। यदि आप अपने वजन को नियंत्रित करने में सफल हो जाते हैं तो जल्द मृत्यु का जोखिम खुद ब खुद कम हो जाता है। हालांकि, वयस्क उम्र के दौरान खासकर युवावस्था से अधेड़ उम्र के पहले की अवस्था के दौरान वजन में बदलाव के लंबे समय तक असर के बारे में बहुत कम जानकारी है।

प्रतीकात्मक

इन आंकड़ों को किया गया शामिल : चीन की यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने यह अध्ययन अमेरिकी वयस्कों के स्वास्थ्य संबंधी आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर किया है। 1988-94 और 1999-2014 के दौरान के यूएस नेशनल हेल्थ एंड न्यूट्रिशन एक्जामिनेशन सर्वे (एनएचएएनईएस) के आंकड़ों को इस अध्ययन में शामिल किया गया है। एनएचएएनईएस राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधि वार्षिक सर्वेक्षण है, जिसमें अमेरिकी नागरिकों के स्वास्थ्य का अनुमान लगाने के लिए उनके साक्षात्कार, शारीरिक परीक्षण एवं खून के नमूने शामिल होते हैं।

इस तरह किया अध्ययन : शोधकर्ताओं द्वारा एकत्र आंकड़ों में 36,051 लोगों की स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां एकत्र थीं। इनमें 40 वर्ष की आयु में उनका वजन और ऊंचाई शामिल थी, वहीं 25 वर्ष के करीब उनकी इन्हीं जानकारियों से तुलना की गई। किसी भी कारण से और विशेष रूप से दिल की बीमारियों से होने वाली मौतें औसतन 12 साल तक दर्ज की गईं। उस दौरान 10,500 मौतें हुई थीं। जब शोधकर्ताओं ने इन मृत्यु के कारणों की जांच की तो पता चला कि 25 साल की उम्र के करीब इन लोगों के वजन में वृद्धि हुई थी, जिसके चलते वे जल्द मृत्यु के खतरे के दायरे में आ गए थे।

शोधकर्ताओं का कहना है कि हमारा अध्ययन यह स्पष्ट करता है कि वयस्कों के जीवन में वजन का बहुत महत्व है। यदि 25 साल की उम्र के करीब उनका वजन बढ़ता है तो इसका संबंध जल्द मृत्यु से होता है। इसकी वजह उनमें कई तरह की खासकर हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ता है। वहीं, दूसरी तरफ उम्र बढ़ने पर यानी वृद्धावस्था में यदि वजन कम होता है तो यह कमजोरी का संकेत है और इसका भी संबंध मृत्यु से है। शोधकर्ताओं ने बताया कि अध्ययन के आधार पर यह स्पष्ट है कि जो लोग ताउम्र अपने वजन को नियंत्रित करने में सफल हो जाते हैं वे लंबा जीवन जीते हैं।

वर्कआउट के बिना सारा को लगता है अधूरापन

सैफ अली खान की बेटी बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान ने अपनी फिटनेस और खूबसूरती का कारण अपने डेली वर्कआउट को बताया है। सारा कहती हैं, 'मैं काम में चाहे जितनी व्यस्त रहूं, लेकिन रोजाना 30 मिनट एक्सरसाइज जरूर करती हूं। उसके बिना मुझे अधूरा-सा लगता है। एक्सरसाइज सिर्फ साइज कम करने के लिए ही नहीं है, बल्कि इसके दूसरे फायदे भी हैं।' सारा का कहना है कि लोग बिजी शेड्यूल और भागदौड़ भरी जिंदगी में मूलभूत बातों को छोड़ते जा रहे हैं, लेकिन अच्छी जिंदगी के लिए इन पर वापस लौटना होगा। सारा ने अपने फैंस को ब्यूटी और स्किन केयर की टिप्स भी दी हैं। उनका कहना है कि अपनी स्किन को डिटॉक्स करने का सबसे अच्छा तरीका है पसीना बहाना। साथ ही उन्होंने खान-पान पर कहा, 'मैं मानती हूं कि लड्डू, छोले भटूरे और कुल्फी खाने से आत्मा तृप्त हो जाती है, लेकिन यह भी जरूरी है कि आप इन्हें कितनी मात्रा में ले रहे हैं। चमकदार त्वचा के लिए हेल्दी चीजें खाने की कोशिश करें।' सारा ने पानी ज्यादा पीने और कम से कम छह घंटे जरूर सोने पर भी जोर दिया।